

# गिरिका मुमार माशुर के काल्य की बनावट और बुनावट

# गिरिजा कुमार माथुर के काव्य की बनावट और बुनावट

कॉ० (जु०) मधु माहेदवरी ६% र॰, इर॰ विव+, सै-एव॰ व नवसा : दियो विवास

लोकभारती प्रकाशन

११-ए, बहाला कंत्री कर्न, इलाहाबाद-

207 / 50.00

## USBAFT

'अकुत पुराव 'विशेषा हुवार साहुत के काम की समावा और दुवारत साहात दिखारिकारण के किने जिला का केंग्र सीम-जरूब हूं और पर वर कुते का देखाई के त्रीक्टक की को अगार्ति किनों थे। अपनी होकारी सीमान जातीका हुवाई पूर्वत प्रतिकार के सामान की की-

formed in the grown we wish makes when it was of ever of sections. The ever one bearing the first of an information of the recombination of the color and information of the ever of first of the ever of the ever

किया हमा हो में सक्ते पत्र को सार्थित क्यांची । अपराप्तेत सात पत्रीत को सीवायुक्त जिसका एवं महत्य हमा के हित्र सक्त को विकार कुटेना विदेशित में कुछ को अन्य किसने का कुटवार किया। उत्तरुप्त स्त्रु करों को पुत्राकेशनों का दुस्तर है कि सित्तों विकार को सात प्राचीयक करोबा। उत्तर पत्र अपनी हैं अपनो कीमाती का सार्थ है।

न्यू ज्यून वा दूसराव्याचा वा दूसर है का सामा स्थाप का मात्र आपाध्यक करोबा। मात्र वा आहर्त में सम्बंध पोर्टाली वा मार्थी है। अप्रेर को निवासीनामा मिश्र (शिक्त, नंत मूंत है) हो। तथा ध्यार्थात्यान विवारित अस्पर्ध विवासीनामा क्रमण्डे ने वा स्थाननामा की सम्बंध प्रस्तु में देशे स्कृतिक क्ष्मानों तथा संकारों के को स्थापना किने तथा होग्यों पुलिश्च नामोत्या है।

राने कहें को भी तेरण प्रदान की, अने वह विद्वारण कीई, क्यारणकार एवं अवस्थ पर्देश्य में प्रति में क्यार प्रतिक सम्बद्ध करत करती हैं। क्यां स्विवार को माहर से मो आधारतार करने का सुक्कार कुते प्राप्त हुन। है : बारबार हुने पर भी अपने लेकिन व्यवहार से क्यूने दिल स्वाप्त मेरी अपेक संस्कृत का विकास किया, अपने लिये हैं जानी हुवस से बसुतहेत हैं ।

क्षांच्यां या क्षेत्रपार किया, क्षांचे किये प्रधानी हुए के कहाड़ीय है। — कुत किया की तरिका प्राप्त मानिकार के प्रणान निर्माण कार प्रो-क्षेत्रपार के दिला में प्राप्त प्राप्तकारों निर्माण के प्रधान ने भी ने अपना प्रधान के कार की है। का क्षांच्या किया का प्राप्तकारों ने किया के प्रधान के प्रधान के मानिकार प्रधान अनुकारी (अर्थिक प्रशान क्षिणे, साराध्य क्षिणे, साराध्य क्षांच्या का अर्थेक क्षांच्या का मानिकार कार्य की स्थापन कार्य कार्य कार्य कार्य क्षांच्या की प्रधान की साराध्य कार्य कर्यों के प्रशान क्षांच्या कार्य कर्य कर्य कर्या की प्रधान क्षांच्या क्षांच्या कर्या कर्य कर्य के प्रधान क्षांच्या क्षांच्या कर्या क्षांच्या क्षांच्या कर्या क्षांच्या क्या क्षांच्या क्षांच्य

के प्रित् प्रतिक सम्बार्ग देती हैं। अपने पुत्र मेक्कानकों को उत्तरे अगर प्रकार में ही कि पूर्व पर दिशा, इसके विश्व कहरण दिवस्थियानक से केपील पुत्रकारत जाता कर मूंच हिम्सी पूर्व सामा-स्थित त्रिह्मानेक के सामान्यकारमात्र को स्थानकार केटी हैं।

न्याका संबंधात्र के पुरस्ता करनात्र कर हु । संश्च के पुत्रम कंकन को भी भी होता हुआर सभी (दुरेश मोनीयान साहित्स, स्वाप्त क्षात्रम, स्वाप्त) को है, सिससे सिसे में क्षानी आपनी हूँ । हैं कर क्षमी स्वाप्ती को सेवारी के पति भी अन्यान क्षान स्वाप्त में हैं किससी

में पान प्राप्ती महाप्रमा एन तकनों ने तोते भी आपनार जाता नातही हूँ हिन्दार प्रमुखी का राज्येन की अपने दन शोक्तरों ने विशे अत्या-भागवत दिशी भी का है हिन्दा है। अपने दुन ग्रीक-तात्रक के सूच्य प्रस्ताहर के हिन्दा सुप्त प्रोप्त गाउन अगावार

हारा को तुझे २,०००)- (शेन हवार शके) की ब्रह्मपत पूर्वक विकास सहावता उदार की वहीं कहते कियू की में अरवार व्याप्त करती हूं : अरुवार कियों काहिया को विकास अरवार नोटक 'सोकबारतो, प्रशासनार

शक्ता देवने सहित को विकास प्रश्नाव नोत्वा 'श्रीवनाती, प्रस्तुमार' को मैं हुवर के पहले हैं, विन्होंने मेरे इस प्रश्नात को प्रश्नावकों स्थीतार कर दने यह कृपर, श्रावदा सकत विना है तथा अनवा स्कृत्य योजना प्रश्नात विना है।

(व) काम की पुरुष्ति	
esente.	
िरिजा सुनार माधुर—व्यक्तिरव- युगीन-वंदमें (स) निरिजा हुमार महुर—वं (स) तुरिरक—वान्य वंदी का व (१) बानवार विविधार	का एक बीद व्यक्तिय
REPORT	
serve of source of a source of	bedree difeet

(क) बाल को संदर्भ : स्वस्त-विकास (t) sam til angar alt gener : færbæn (क) लोक-प्राचन- कार्यालक नेकल

# (a) this time : facilities no

flower solene

Defer some

#### day were

(9) was spire from

(sc) ware-flower

120-121

(4) ser-feare

246-222 113-119

## form.color

#### (at) these all accessors one areas

की विदेशा कुमार पातुर से काम की नवीलता से क्षेत्रमें में उनसे राजान रहता. विकास का अवस्थर वहीं उनहर निवा गता है। साहित्यक कुमार्थक में यह सभी सक

सन्दुर तो बर विक्र मार्गिक्त निरुपर विकासीय एवं वर्गकर है। हियों ने स्वर तहनुष्टित करियों की पूर्वक में बूके निर्मात कुतार राष्ट्र में कामने कर्मने महिल अपनेक किया ने कर्मने देवी में मार्गकर विक्र में आई कि स्वर हिला एक उपनर की मूर्ति, व स्वरमें ही परिपारी में संकर्ष पह तमें। यहिलाएंस है कि में मार्ग कर एकार परिपारी कर्मानों होता, पुलारों और परिपार में मार्गिक्त अपनारों में वर्गकर करते ने में स्वर हमार्ग स्वरूपत कर ने में में हमा कामन सी सीमी हमार्ग मार्ग में मार्गी में मार्गिक स्वर मार्ग में में सी में के मार्ग

1. 270 b stoller fielt ele-sige, 210 chiz, gloss-ager erge,

to the State of th

क ता र मा पहुल पहुल के सामन पहिला है जून वुन उनता हुए करता रिका कुम करता की दार्थित की स्थान क्योंकियों वा स्थान पहिलाओं के एक्टरे का क्या प्रचान क्यों जून रही किया करा। व्यक्ति मुनाकन र होने के पुत्र प्रधान प्रदान की है— (1) बार कर कोडी का प्रधानन न तीन और क्यानों का कोडा के अपना-

(1) क्या पर शामी का अकावन न होना और सामार्थ का पुरावन से का म होता।

(१) माहिता के सुवसंबद में सिविद बहुता का सहसा । मेरे कियार के आयोगता की समझाताओं अहीरी पर ही पासर की के sees

पर विकार के कारण कर कारणावार कारण रहें । जाए, पा क जान कारण का विकारण है होने । विकार है हो। कारी है के वह दे हैं के हाई हो हो हुएने का नहीं हो करना, विकार कार्यकारों और को विकार में कहन पूर्णिया रही है। कारणा प्रदूष्टीय तेने विकार में कार्यकारों और को विकार में कारण होंगा है। कारणा प्रदूष्टीय तेने विकार में कार्यकार होंगा की कारणा है।

#### (क) अक्षापति वधनका सामग्री का विशेषन सम्बद्ध हो पर संदेश में दिल्लाविका समग्री स्थानक होता है :—

(1) सात के सोकारित द्विकों करिल-विशिक्ष कुमार पासूर-मार-वरेण एवं केंग्रस मार्कारी-पासूर सुमार में दिशिका कुमार साहर को समाराजिक सात्र की पुरार में समारा के हुएका सोकारित करि कर में क्यार पासूर का की पीनारी महीर में राष्ट्र में मित्रीकर किसा है। भारती साराज्य और सिकार के उंपर में हुए महीर के स्वार किस्स के एका की पास्त का साहर की साहर सिकार के प्रतान में

में अव्यक्तिक प्रभाव को स्थाद करने वह अपने में शिवाई देता है। '
(१) सभी महिला-सार मानिक मुखार-नेवाम ने आमें गयी प्रमेशन कर कर, प्रीहरू, प्रीहरू मानिकार मानिकारी को मीत प्रीहरा के बंदने में मानिकार के अपने मानिकार करण, प्रीहरू, प्रीहरू मानिकार मानिकार के मीत प्रीहरा के बंदने में मानिकार की मीतिकार के मानिकार मानिकार

स्टान्स रिप्तेक्स के संदर्भ ने हिल्कार नाम सिन्ते हैं । इस्में विशिव्य नामों को दूरमहुद्दि को दरण करते हुद महुद्ध को को मान्या को महुद्ध निका स्था है ।" (1) नामी सिन्दान्त नाम रिप्तानस्य 'सामान्य' नामान्य ने मानुद्ध की वो सर्विद्य के स्थान कार्त्र को जावादित निका है। इस्मी मानेकार्य मानुनि, सामान्यकी

र्वश्री कर करात, विकास को अनुसूति तरक सहराई, तेन की अधिकार्यका, मीत उसके प्रवृति-विकास सार्थि के तेन्त्रों में विकास प्रवृति किया साथ है। है (१) करों अधिकार में विकास और विकास साथ संकास परेतिक-नेपार में

1. one is obefore first alle-more, so- ober, or items would

Unb-g- 10-70 1--21 : 2. ed eller, an edle gent, g- 10-22 !

1, 100 allegy, femore or one, 1+ 111-114

i- 1

का पुरस्क में बाहुए को भी अधिकारों में अधिकारमध्य तहर पर कारण विचार, करन और बन्दारियों होंगा को नहीं अधिकारीका दिवा है, नहीं पर किश्म में अध्यक्ति करा-कर बनावर दिवा प्रकेश और देशकीय प्रकारीकार का आहि से तीरों में विचार

हिंगा है।" (1) लाते करियान जामार्थ स्वकुतारे सम्बन्धेती—साम्यर्थ सामर्थेती ने पासूत जो भी इस रिकार को ओडिट में स्वाधित अपने हुए काई राजसाज में स्वीध्य वर्षीत इस्टार्थ के लिए क्यां दिने हैं जीत असकी जातेग्योगांत्रा को स्वस्थ जिसा है। उपने डाए

क्षुत्यों के तिए तक देते हैं जीत अपनी व्यक्तियोगना को तथा दिन्हा है। देवने द्वारा भागते देतारी में बार्ग देवी कि किया के पहुत भी के पाने को दो तथा तथा तथा है। दे (1) वर्षिया के और व्यक्तिया—का। नामकर निक्—सन् नामकर दिन्हा के कार्या दुवका में प्रापुत की को पारणा। बीट बाह्यीकाल के दीनों में नाम करने का कारण तथा के तथा की पता की पता की पता कारण तथा की कारणीं तथा से कीर्य पता की

करण जाता है, जार तहा इचका साथ-नावा वा कार्याना ता क्यारा ता कर कर है। इसे दिख्या है कर वहाँ के थी काइन की के दिख्य है कर कर किया है। (4) दिख्यों के बाहुबिक प्रतिकृति करिल-ना॰ उस्ता प्रवक्त भी राजसिकोर कियु-नावृत्ते काइन की बी कार्याना मुझा-नावाता, वित्यु-नावाता और साथ-विक केटल की दीज़, पारिक्त कार्याना मीर अपूर्तिक विकास के प्रवेश में विकास विकास है। इसे दुखा में कार्याना कार्याना प्राप्ता भीर अपूर्तिक विकास असी कर विकास है।

इसी हार्डि में पहुंद भी भी करेनाव्यों कहीं, नामां स्थान, श्रेनेवास्त्राव्या, विच्य में क्षेत्र हिमान, कर्मणांत्रियां, जायार मेंशान में एक प्रतिकाद पर भी भी पहार्टी है सही हिमा कर है। आपने एकी कांपास्त्रा में दूरीई वा रंग, पर, रोजार प्रवा कर तक कांपार्थ मा भी कर्मकारी नामां प्रकार कर आहत विचाहें है। कांगी रोजें-कित सहित्य में प्रवासीत किता, है जा सही की लिया सामां में मी दूर्वीयां (4) मेरी करिता का नामां विकास - मोर नामांग्रेस्ट

्राप्त के निर्माण के स्वाप्त के

- २. रभी वरिका, भाषार्थ संबद्धकारे साम्प्रेसी, पुन २८ एवं १२ ।
- के. चरित्रा में तमें प्रतिकार—सन् गाम्बर विद्यु, पूर्ण एक ।
- Spill & englise stillfelle ofer, and server, all tradition ling, go valletiti.

<sup>1.</sup> ed afor i sites alt fave, an oper pilips, po ay a

#### sifes flow 5 of

कृति में एका प्रतिका में किया को प्रतिकार करोड़ को क्षतिहा के तथा करना को अधिwas and it four at nice it many bloom amount it only it after a about all note such as vote: face & ; wer in face: if six face; such ex affect ell eltere el figirfier ent el puer aut entren è fest est à :

(1+) सक्त दिन्दी काल-सार विवयस्त दिन ने पासूर हो को करिए हैं anarchite come at marrier form 2 ; such and mercur also written in the we also at allow of one face it and anit our wantered from all potentie unife an secure als four it : force) after it unit univertiment भीर प्रतिक को क्या कर से शिद के क्या पाल की सावनों को राज्य कि । वही that is refusible to one of it at arresport to the first arresponding

(11) अपूर्विक कविता की अवृतिकों एवं कर्पन क्षेत्रस—काः वेच प्रकास thre- and more at at in its, or, there freezer, analog, and, and flow from a classication and should walle wife it assurement order in our

(52) tailment some over melter mit atlant ................... syrater front A street all all relate counts all large make make one oil street experience. प्रस्ति हो, और तरावकत में करते परिवर्ग को एक्ट किया है ; करते कृत है

Advances is as at the one for he' Separate our count operall its assumptioners are flow about it for all and a

and take , supposed assessor, if and an aspeal it of safety and बीर राजार हमा करि तक्ट तका, यह का-विरिक्त कुमार पावा । पावा की बी efter of address every is look or found it with not feed for National and subsection if sol 2 a section property sales areal after errerum und it mie und filpreu en eften ber 2 : alle it mierbe untet

#### 1. को क्षित पर स्थल विकास हो। अरुकार वीप, १० १७-५६ ।

t. oil since two afest, see showing word, defer-prope, 4-20°0 34 324-25 (

2. see first upon any finesary first to \$56.1 c. makes when all pulped or ode after, are he more than

x. ex um, 4- mi'u, 9- 12 1

and many all and referent to the distance with all all all and former. gray of an error red out that is need affect at odin if four his at oute है। कर और किए से और अपने अंग्रीश श्रीण भी जीवते में कर बोनों ने औ

क्रम्प प्रमुख पुरावों के सरितिक यह परिवासों में वो करते संबंधित सामग्रे some that it. frest you freeleding it :-

(4) even, and year, and non-(n) sob after (ste-6)

(1) majour (sim-to to)

(a) aufren murb-rere ch

सारात्र कर के किये शादिक्त कीर का एक हो एक त्रवृत की होता, वरित ur nir 2 ster on \$50 E. fant who covered medicine and E : xelvand safe after small princial is sufficiency surface streets in suit shall reflect कर विशिध्य संदर्भक की विशिध्यक्ष के उत्तर वर्ष और सांख में Selan को के के किये wife on fellest that it we it affects wort it I by splatfor aft it was so get at aries sid at most await it to store store or often th \$ not us about at mount or maken fefere elever & on it guilles glow & . on sighteen is only all awarer alty arrang our and mention shirt & ert afe à spiner à me un si un deuen à safer sit à : que pe क्षेत्रेश्वादिक क्याने होता है, साम्तरिक स्वत्य को क्यानिक होती है, तथा कर पर-स्टीय का काहरतम राजिक कारणा हुई। के सेती रेजानिक सम्मान के रिकीय कोरा

ar and it also facult it refers it strengers no all one with it Bob seek red as privated from \$ 1 and old copy) is now and privately

(1) decrease del flore (R) difr fease

(1) shift flower all suchary - are used some and

(६) बार्विश को बंदक्त —स॰ वरेत क्यार

दर स्थान पुरुषों ने विद्वारों ने प्रकृत के संस्था करानों की संबंधितका पर

<sup>1.</sup> Progress it was seef talk man all most didden refressol all mile di

संरक्ष्य काली पर, करियात, अभीवत, स्थाप के दुशाया पत्त, कालकामा और स्थित, उद्योग भी पुरिचन और साम्य के तर्रावों की समय क्षित्र हैं।

### when at reference it and you we are more after it, and could

होत्तवा का को अली कम पहाल नहीं होता। एका को प्रक्रिया में नहीं के ' नहात' और बर्डावान करान की हरिए का हुई का वे निकल होता है। हुआे किया है "काव का जिला" पहालाई कावा पताल है।

करनी के का हुने का जा राज में ने नीता है। हैं हम हैं, रहीनि को ता के महें -क्ष्म रार्थितियों में के बात कर है, पाता हमांद्रीय के सामें में कुम्माक्त कर की में कात्रक कर पार भी कर देवा है, वह कात्रक कर है। का कार्यक कर के मार्थित में कात्रक कर कर कार्यक कर है। कात्रक कर कार्यक कर के कार्यक कर के मार्थित में कार्यक कर कार्यक कर के मार्थित में कार्यक कर कार्यक कर के मार्थित में कार्यक कर कार्यक कार्यक के मार्थित कर कार्यक कार्यक कार्यक के मार्थित के कार्यक के मार्थित कर कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक के मार्थित के मार्थित के मार्थित कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक के मार्थित कार्यक कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक के मार्थित कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक के मार्थित कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक कार्यक के मार्थित कार्यक के मार्थक के मार्थित कार्यक के मार्थक के मार्यक के मार्थक के मार्यक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्यक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्यक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्यक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्यक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्थक के मार्यक के मार्यक के मार्यक के मार्थक के मार्यक के मार्यक के मार्थक के मार्यक के मार्यक के मार्यक के

opped the new age carried forces letted up at 2—cell country of source after one can be according to the country of the source after one can be according to the country of the source of the country of the country of the country of the great of their leading of the country is that will be a country of the country of the

अवव अन्य व्योगियांका स्थानों से वीत का ही विश्वक स्थान है ।

## (थ) काम्य की गुम्ठभूमि

वाहित एरं तथाव वा वांतरान्य वान्या है । वांत तथान या हो एवं व्यक्ति भंद है । यह नवने काम की राज़ीन, अव्यक्तिय, सावित, वारावित वस राहितक Sees alre-

# (1) amelijas monis

as may not be really counted a record gas readward at figure and the relievable with which are relievable and an all of the counted at figure and the relievable and the size of the relievable and the size of the relievable and the real size of the relievable and the relievable and the real size of the relievable and the region of the relievable and the real size of the relievable and the region of the relievable and the relievabl

"काची किया यह परिशेष हरियाने भी यह परि भीवर्ड किया करिय हरिया के साम मीर कोची के में महर्च पहरू कर-मार के मीर्च-मीर्च में किमो मीर्चनी में परणा समाप्त । X X X पर परिवर्ड यह कि चाल सहार मार्च के साम प्राचीन करिया मार्चन मार्चे के साम प्राचीन करिया मार्चन मार्चे

का राजिनों होगा विचान— मानव का कारत पर ट्राड, वेट्ट, कारवार हार्गाल कि कारत वहीं क्यों गाँउ का पहिला महितार परेशा विचार का कर मह प्रात निर्म कारत है गुरून कारत राज मह पुत्र की कार कर व्यक्ति की कार्म कर्म हो ।

्या प्रश्न है कि नांत कहुत से नारण में जात गरवाची सामाजिक होंग्र और चीर-गरित का त्या म सक्त्रोत हमात में जहुत को प्रतिबंध बरते से ब्याइ को रहति वही कर्माजिक स्वार्थ है ।

#### (२) राष्ट्रीत कुळकृतिः

विशेष पुत्र में ही निर्देश किया प्राचीत है। यहाँ भी में महस्त्री किया प्रति । यहाँ भी में महस्त्री किया है। यहाँ महस्त्री किया है। यहा है

हाँ। मिले में रापा का स्वास्त्रक व्याप्त कुछ है कहा। प्रशासन पात्रीक विकास के सिंग सिंग कर किया है जा है में ऐसे प्रशासन पात्रीक के पूर्व में देवा हुए वा दिख्यों आपन बाहि क्या किया के पात्रीक में देवा है जो किया है जा किया किया का महत्त्व की किया का महत्त्व की किया का महत्त्व की किया का महत्त्व की किया के प्रशासन की किया का महत्त्व की किया के प्रशासन की किया का महत्त्व की किया की किया का महत्त्व की किया की किया का महत्त्व की किया की की किया की किया

क्षात्रकांत्रीय काल में पार्ट्टींग कात्रकार कर्मन क्षीन विशित्रकांत्री में सारण कर्म के प्रतिकृति कात्रकार कर्म के किए में इस में के में कृत में के भी क्षात्र में के भी क्षात्र में के अपने क्षात्र कर क्षीत्र कर के आवश्येष्ठ कर क्षीत्र में आवश्येष्ठ कर के अपने क्षात्र कर का की किए कर का की किए कर किए कर के अपने क्षात्र कर क्षात्र कर क्षात्र कर के किए का किए का किए कर कर किए कर कर किए कर किए

sensite it me ob me il and made aver :

हर प्रभावित पुरस्कृति को पुत्र शिक्षावर्ष करि के बार्गन में विश्वावर है। वर्ष भी इति किसी क्षूत्र किसूत्रों एक ही नहीं होती है, भीगू वह दूध-स्थात क्या प्रतिक भी करना को अपनी प्रमुख वहाँ आह की पहुंची है करिया का प्रतास करता है। महिन्दार हो अपनी आह किस्सार है। उसके स्थापन की कार्यन की स्थापन की स्थापन की feet-ab

संस्ता है। कहींने राज्येत केवार की यह संबंधी पारी वाक्या की आवश्ने का प्रवान विका है। सर्वित्य पतिला की आवश्रिकत करते के लिए करून विध्या, अहर उत्तर-विकास, भी पत्रकंप करण, करवार के पत्रक वार्यक्र है। अपना कोट विकास के कुछ सबसी "आवश्री कर्या" करिया को कुछ मीजारी वहीं करता है।

सामा प्रश्ना की पहुं है बढ़ पुल पुरश्ना पूरी पहुं पर सारे के अबर कि बढ़ सार की पीती क्रिया बढ़ती पूरी बसती पूरी सामीय स्थाप के स्था

बहु आने से की कहा होती पहें किर से तथा पूरण कारों के किए ते कर से तथा पूरण कारों के किए ते कर बाविया से कारत है कि पैक्टिक निरास, अंदर, असराय साहि के कारोस

है सीच 'बल एको' 'क्का बुरार निकारी' आदि वो चर्चा एका नवा चुकाई वही ।

# (t) meries groups

प्रधान का स्वाप्त के स्वाप्त के किया है है। व्यक्तित क्या क्रिकेट हुए से दूर-पैतिक मित्रकाण के प्रधान में प्रिकेट मित्रका करें के स्वाप्त कर पर है। व्यक्तित का स्वाप्त के प्रधान कर प्र

व्यवस्था तहा हो जारे के सार देत के प्रदूब को का प्रदार साहत में वेतिहर को को और कहा और कमें पैतिका जातें से सरीन केसरा करका हुई 1 हुए को प्रति

<sup>9.</sup> ge 8 mer, mge, p. 211

मञ्जूषिक दिल्यों करिका में पेर और बीचर्च, या॰ प्रदेशकर क्यान क्रम्मेशकाम, प्रदेश में , पू॰ देशक !

of warrant or of fit softs throughout the set, such yours is fire अब्दे क्यों करते के जिस सरका सीवन सर्वोध कर है। यह करते भी नेश्व जिसा तथा to four the effect of the even have the effect it over it from ever \$ crefer of fear-ofe more soon \$ came once tolar as \$ for an g | (2002 of the case one copy of the graph of | freely of the fi for all we consent you as a stage to real earth of a released it referred it present on the ed - men at ment make the of out it fined it was affect at the shir ners a following after such course or finderer, one mark it will use office explain soon बारे तथे । बढ़ी जो जायान, जाविक वरिवार वीर विकास के स्थान at all a the second or reference of the reference of our contracts of her were it at most air from pulse up th he a it merent i at-THE I ARRIVE THE REAL PROPERTY AND A PROPERTY OF THE REAL PROPERTY AND A PROPERTY AND A PARTY AND A PA after order) is foreful at four we will at aftern all or souriest were all and \$ : mallered unusur aller balt (better) on affecte fire and \$: ung eint it ereifem-nierfen, eber 7 auf frant ut effe au menerken क्यान ने अपने कार में निया है ।

क्षेत्रमान वित्त में दिवा को कात ने पंत्र को एक के प्राप्त करण के प्रेस क्षेत्रमान की पूर्व का का कारणीय समान के मात्र के साथ कर 1 कर 10 का के मात्री को कारणीय किया है, मात्र के पार कर 1 का प्राप्त कर 1 कर 1 का प्राप्त के प्राप्त कर 10 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त कर 1 कर 1 का प्राप्त के प्राप्त कर 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त कर 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त के 1 का प्राप्त कर 1 का कर 1 का प्राप्त कर 1 का कर 1 का प्राप्त कर 1

> बुद्धा पर बार का का का भीत हम ने की बात की हैं, डिहुएर के पूर्ण को घरनी नामें हुएँ है, बारा नगर निहालों में निहुत्त बोरा है, मेर बहु कब्बुनी के लेखा को नाम है, मेरी बहु कब्बुनी के लेखा को नाम है, क्या का का का मार्ग को के लेखा

rud wit of ween \$ 17

× × vg for cost to etc: the effect for gent (\*)

स्त्रीय हो द्वार द्वाराशिक-विकास विकासी दुन्हों ऐसाई दक्की अर्थिता के विकास के "अर्थित" कार के हो थी, जाने "शिक्ष कोट निर्देश" अर्थी मान्यों में काँक और दुक्ता, स्थास और कारणा में कार पुस्तित होती हैं।" यह हरिंद में प्रतिद्वार मेंस्वार्ट है—दिवारों, प्रविचारा, त्यार काल मान्ति ।

#### (४) व्यक्तिय पृथ्यपुरि

The state of the

सेनों में पायों में सा प्रेस का प्रेस का क्या किया प्राचीन सामित कर किया में में हुए मां की मार्चित कियों को पार्ची में किया का मार्ची किया में मार्ची में अस्त्र मार्ची मार्चीम स्वीति मार्ची मार्

६. शास ओर निर्वाण, बाह्यर, १० वन् ।

\_\_\_\_

कार्यक्र निर्देश या, मार्थिक निर्देश यो, सहाराह है हा हाती थीं करें थीं । साराप्त-तम योर नेत्र में मुंदी हुएता की 1 तेत्री निवक्ती का नार्थ को हान्ये भी । विदेश माद्राबुट के साराप्त माराप्ता-तम्बाद के तिल्लाह का साराप्ता है हुए था। इस्ते के में के में के साराप्ता माराप्ता है हुए था। इस्ते के में के माराप्ता माराप्ता है माराप्ता माराप्ता है माराप्ता माराप्ता माराप्ता है माराप्ता माराप्ता माराप्ता है माराप्ता माराप्ता है माराप्ता माराप्ता माराप्ता है माराप्ता माराप्ता है माराप्ता माराप्ता है मा

करें पहुंद की राज्यान है कि मान के बांधन पर अधिक प्रचान के मान हुए हैं शैक्कारण की चौडित कहातें पर है पहता है, तीना मार्चक विवाद महत्त्व मार्चक की का इस्ते के प्रचान के प्रचान के हैं है। इसानें की विधीवता ने प्रधान अपूर्ण को का मान्या होते हैं, हुआे बाँच आर्थित कहें है। ने आर्थक विकाद मार्चक मार्चक होते. काम बहुत की कित कित में तो है के मार्च है, वह मार्चक के साथ है हैं काम बहुत की कित कित में तो है के मार्चक मार्चक मार्चक है।

"के जो नहीं के निर्देश विशेषों क्षेत्रक के अन्यापन स्थाप को सिंग के अन्यापन स्थाप को सिंग कि नहीं निर्देश विशेषों की स्थाप के अन्यापन स्थाप की सिंग के प्राप्त के स्थाप के स्

ेवह नर्गात और समाय का

संस्तित को सहितां तथी हैं उद्भावन सभी हुई है देश पत को संस्ति जाते कहन के हाल है है केन दिन का फेलार ही जा दात सह हुकता अधिक सहन की चाह है साम हुकता अधिक सहन्यों के स्ता हिक्का है के जाते तथा है। 177

## (१) बाहितिक एकपूरि

वानो पाने कारावाद दुर की शाहित्यक निरामत पर विशास करना प्रतिक्त होता। यह दुन से पूर्व प्रारोज्य हरित्यक ने गिरित्यकोल कारावादा वर विरोध विशे विद्या साहित ने सामाजित जीवन से विशेष करते और कारावालों की विशिध करते

```
1. pr è set mer te 11 :
```

u Georgie

मा ज़बन किया था। एक्से बमार बहु दूरा कि वाहिएन का पार किसून होने बना। मामोन्यु के कामा में एक नहीं जाता को किसाई देती हैं, जो को अपने पुरानीत की क्षोड़िये के प्राप्त हों। किसी-पोर्ट्स कामा कामा कीकार से अस्थान का। असाने प्रकार किसी

है काम को अध्यक्तिक जरवेरिया को जार में पार्ट कुर सहित में 'जारहर, बर्गांकर और जोरा' 'पर कर दिया । इन पूर्व में डिडरम्मीन हमेररा का टीम विशेष रूप की वसारों के दिसार का सकत आदह दिखाई है। असे जोनी की डिडरम् हों।

वास्त्राप्त के आरमण है बुध हुने हो सीचन में रोगोर्डन कार्याप्ता मोर राज्य हुने थे, दिशास हुन जाब हुने के सम्मान्याप्तरी आरोक्त रह से देश मां मात्रा है, बतने मुक्ता स्व प्राप्त शीचन को आरा में दिश्य है। रोगोर्डन मात्रा सात्रा है जाने मात्रा कार्योक्त राज्याप्तर है जोते तिहोतू सा, किन्दु स्वी किसी दुन ने सूच नामते क्या प्रीवृत्रावनका ने प्रति विशेषा में। सा नरिय

"प्रधानक में प्राप्त के हैं गोरण भी द्वाराज्य और निषट सार्शनिकत्त में अहें एक परेका, एक विद्युक्त का नाम निकात है। तरीन सेवार के पहेत सर्व में रूपना सार्थी अधिकारित में निर्म नंत्रा को रहे में, पालू प्रारम्भित सीवार में प्राप्ते किये तरी अधिकारण होते था स्वासाद अपनी सुनि निषट स्थानें भी रहत में निष्ट्र

हीकर पुरूष पहान्यन और पूरा के प्रति नाइन्द्र हो गई। थे। ? प्रमु १४१० के १८११ जब वा प्रतिकालका हैग्यों प्राहित के प्रतिकास के प्राप्तापति के पाने के प्रतिकास के प्रतिकास के प्रतिकास के प्रतिकास के प्रकार पाने कार्य जान कार्यकास के जावार कार्यकार की । और है जावार को

ल विशेषकाई है— (1) वर्ष के साथ-साथ गया का विकास हमा 1

(१) त्या के तेन के नाहर वर्ष वा अवका हुआ ।
(१) त्या के तेन के नाहर वर्षन हुई । बड़ी बीची, वर्षहर क्षेत्र में बीचे-बीचे स्थानका के वर में साथ हुई ।

(१) मानस्त्राच्य सम्मा न्यांत्रसार स्टे प्रतृतिमाँ ने मान्य में अन्यान्यत्रसार का प्रचार किया । गाँवमी ने मुक्त न्यांत्रस्य जीवन की समुद्रात त्रमा सम्बन्ध करणा कर कर विश्व का।

(४) व्यक्तिकार श्रीकर करिये ने उत्पर्धकार कर निर्माण किया। प्रवासे दूरक कर पर्दे, विचान क्या फैला करिकार्डक के लिये करनाता करें। यह प्रवास को कीवार में में पेरा की वर्षिक वरिकार्यां हुई।
(४) उत्प्राण के एक को जानक कर के प्रवीस कर कर के प्रीति है। इस्त

1. effect all: freez, see ober, over desert, se 11 i

structur are evolupi gray south wit winer system it strike or fectories

"street à de site rejget un elipson est four à, me cont eftende fem 2 i it abr met muften nur ab aften men mit 2 i meh शीयरे करेर में पान नहीं करत तह सामने दिलात है. और देश उपलब्ध के इस में

## a rear sera fisher at an error ar har h .... (w) external chilerature

"seleval different son it select our second select it effect और विकास की क्यों जुस्तुमार है । इस स्वीवनों की सबिद श्वेतनकी है, सद्वावका से अहि pret si pfeiter appre uperen 2 : una si feur que abut aft be TO FORD DOES the force of words & 1 week of advention or you where the shit a cost been married of femals at boar of non grane नहीं बरद दिनो प्रतिष्ठ होती है । इस हाएए की कविताओं का दिनोक्य करें तो ब्राह्म abor for at flow the good. Goales with \$11 per prop it origin mile orbitated. FREE PROPERTY AND ARREST AND ARREST AND ARREST

#### (w) prices

इस्ट्रिक्ट स्टब्स को बंदर प्रत्य करना को दो नहीं को प्रत्यक्तर के प्रवर्तन pre il sate de la recorne la constant la constant de la constant de la constant de la constant la constant de l per i cofoshero è fazon al mono eso artis anadra mendenti religionaries, tips may often pollute other mont family and

(1) को प्रमुद्ध में सम्बद्धित क्या एक्टीकिट नेत्रमा ने प्रमुद्ध सम्बद्धा

- (1) effen efenier od enlance ar den i (1) र्वकीर्योद के प्रवेद तीय कुछ वर्ष प्रत अध्योक ।
- (a) oblics and its offs such suspendir a (a) not in all mentions obsolute

## (v) salven

statem it are all office allow over one most ready deleteral in um sigita e uselus glav "selment" es leune par, fiest selles apr-

```
1. KING B OV. THE DISTRICT, MAR GORDE, CO. 135. I
```

and stall outer solution mount of several or false or a soluwer all your School 2 ....

(n) mile second what of fitted it second secondary above in

mer after see all affectable were seen a (1) without 3 flor of an equipment on firm on one of all where hade nor sha

(1) hour at store weeks) who is use it select here. (a) four & efelter fire & do it relien at earlier, not wan

#### (a) sub witers

or was an order of and it also becomes and it was not and it : बानान वर्ष में को क्रिका क्रिका क्रीका की यह प्रकृति है. जो बर 1410 के आफ-नाव किराता सार्थ सम्बद्धान्त करिया है साराय हो थे। स्तु सर्व में गयी सरिता से से प्राप्त करिया करिया करिया है साराय हो थे। स्तु सर्व में गयी सरिता से स्रीप में स्था विशित्त करता की स्थानी करियों में ''तार्थ स्त्रीकर' सिती स्त्रातीय we are unabled finite \$ 1 and after all uses perfect female/set \$--

(1) translates west qualit ( (1) refer meetings of affects (
(1) modest refer t

(u) eine eben den :

(a) with arises who wave a

with more is not or verter secretary sources, series, series, fine on many organisal ab your sure & :

गिरिजा शुमार मासूर—व्यक्तितव-कृतितव और युगीन-संदर्भ

(क) विशिव्य कुमार मानुर—कोमन युक्त स्वीर स्वरिक्तर
 अपनिव्य क्षेत्र स्वीर स्वाप स्वाप्त स्वीतनार्थं के स्वाप्त स्वाप्त स्वीतनार्थं

हुमार समुर "तार काल" के परिश्ते में साथे आगर तियार्थ वर्शने हैं। समुद्र को स्थापनार्थ के जब प्राप्तान करियार्थ के त्या काम हालकार है, तियुक्ति कीएन में बहुत निकारण के क्षार करावर्थित करियों के सिक्त हुन कुने में तुम्हर्ग किया है है किया है किया है किया है किया

की अरोबी पहारण के लाएक नेकाल सामोजी ने कहा है, और उनके दे बारण, वर्षक के बच्चा के बाह्यतप्त को समर्थ का देने में कुछत है :— ''हर्ष चार्चक, डीमें शर्मकारें, कम मीता, दक्षमा बुकार---

सरिया और जायों कुत स क्केंग करना वा कारतरण" । इस कारतरण का प्रथम करने के बाल कर नहा । उनकी भारतरथी जो कल से बार में हो गानीर कर है जीवार हो तो । इस प्रथम ने करि के का रूप हु उनक की हा है हु को परिया कर है जीवार हो तो । इस प्रथम ने करि के का रूप हु उनक की हा दि हु को परिया का सामानक को है । की काहुर के एर में किसा वा पूर्णका सामानरका था। अपन और बेरीज है की कि साहुर की ने मैंकूम की पहले के नव में

क्षात्रारण या। नाम्य नीत संधित के तकी तेल क्षात्र की क्षेत्र के कुल संभात के । कर्ष के प्राप्त कृता । जापूरी जा १९२० में शास्त्र के असेशी में पश्च ५० किसा, शहराव्या वृत्य-प्राप्त के । सीत मित्र किससे के जापूर बाहुत के विवास । कहूना बाहुत एक विद्वार महिला हैं क्या रुपोर्थ मित्रारों साली करनीकों सी ।

निर्देश महिला है जार नहीं के निर्देश करते कि तही है। वह कहा है कुछ अपूर्व के कि तही है जार नहीं कि तही करते कि तही है कि तह क

शास के योगरित दिन्दी कॉर--वापूर,वृद्धिका--का- नेवाल वाग्योची, पु= १,८६ । विद्यास--प

पानी प्रतिनिद्य स्थान में एवं जाप वेशोश्योधानिया की साथा पर परे, विकासकीय बार के अपना किया (कारणार परेपार), प्रावृत्तामा, विगादे, पानिया में प्रत्य प्रत्य कार्य प्रावृत्ता के विश्वीय कारणी में प्रियोधी परेपाली पर पर्ता करते करते होते. प्रत्य परे बारा पाने प्रतिकार परिचले, विभाग में प्रावृत्तिक पर प्रति है। कारणार्श्ची, विभागी में साथा की प्रतिकृत पर पि है।

पुरूप किए में में मेदर तार तक पूरी पाहुर को से तीन बाद सामाजाद करने का पुरूप कर कार हुए। 1 कार है दिलावाद, वादीस्थाती का सामाजीय का महिन्य में या। श्रीमा में महादे कर को कि बाद मा अधिका मेदिया में महिन्य सामाजीय स्थार है— "महाद हुआ महावीद सेहार, स्थापसाद अर्जुनेत करने पाही अस्ताद अर्जे

को पात करने क कविता कुनो करन स्थापन न को नहीं को नाड़ी है—हैने हुए दूपनी में की को तथा हो हो, दिन समझ्य बहुने करन भागर करने बहुने हैं। नहीं जुने करने, हुए जा काम्यल कीम माने, हुए को है। नहीं जुने करने, हुए जुन स्थापन हुए की के त्रोत स्थापन एन हुए कुन्द स्थापन हो असेने एं मुख्य के तथा है स्थापन हो असेने एं मोता करना की का मोता है विकासनों का सम्मित है। विशेष स्थापन

निर्देश परिपोर्शकों पूर्व विशेष तेकार आधानी में पूर्व, प्रवाद के पार्ट के सार्विक का विशेष हुए। है। इसी में पैतिहारिक मार्च परिवीर का स्वयूप्त प्रवाद कर जुड़क्त अपना पुरिवर का प्रवाद के प्याद के प्रवाद के

हों। तरेन ने समुद्र जो के ब्लोकल के दूबरे जानू की संस्कृत विश्वतिकत

"क्रांत स्थानक को संस्थाद केतिका, समय को स्थानों ताओं ऐतिहासिक विकृतिकात, कुरोक्सात का सदस्य विशोद को, व्याधिकार के बोहत संस्था को स्थानक संदेश, क्यादाक की अधिकात कारणा, विशास को एतिकों, तालों को उत्तरी कोटना साम स्थानिका, कर साहते की बांत स्थानिकात और नैपानिका के विनिधन

केरेरण तथा वर्षारका, एक लांद को बांध शाहानकात जार स्थानकात ना स्थानका है। करि समूर के दूरन में एक जोर औड़ की उपकार है, पूर्ण और विशेष्ट की जान, एक और कार और जारीबंध स्थानकात के अर्था अर्थन करना है, स्वार्ण और

 $<sup>\</sup>label{eq:controller} t. \quad \mbox{and $k$ elleric limit wise.} \quad \mbox{wise $k$ elleric limit wise.} \quad \mbo$ 

क्षणात और रोगम में पति जाकीय तथा एवं और कांद्रश्य में प्रति बीक्स है, हुएती और महिल्य है पति मानत और विश्वास । अपना मार्गिकर हुए ऐसे विशेषी तथीं से विश्वा है, विश्वों कुनुर-तो जोस्त्रहार और स्थानी कठोरतर का और है।<sup>175</sup>

#### (क) शांतरक---भागत शंतों का काल-कारानारात परिचय

रितिका दूरार प्रमुद समाजक के एक वाका प्रकार है। आपने करते क्षेत्र करियों इस दिया क्षेत्र को बहुद किया है। आपने बहुद्धी विकार के सारकार प्रदेशकों एका भी विकार का दिया है। उस दिया के स्वा किया के प्रदेशका उसके के प्रकार को और विकार कार्यकार करता है। सामग्री एक्सरे के उस मिला करती है। स्वाहर विकार है।

निर्मित कुंगर नाहुर के कार्यों में साई एक बोर रंग, रह, रोबार, विकास्त्रा, अपनेका और प्रसाद है की इससे और जार्योंक किया और सिह्म क्रिकेट कर और सिह्म क्रिकेट के स्थान और उससे के इस के सिह्म के

कुपर कर में सामाजिक केवान को चीता, पुत्र अमोतानीकरा, वर्ष डीन्दर्ग-स्वता, स्वर्ण और ऐर का डीट मीज, और सम्बन्ध का स्वर्णक विकास है। विकास केवा भी करने काम है क्षरि-वर्ष (see पार्शकार है) जब और है।

सन तक रहा काम्य वीष्ट्र कृत क्षेत्रता तंत्र तथा विद्यूषी आठवाई ने अर्थनी सनुसार पर संपत्तित एक राष्ट्र "The salled moon" तक के तथारित हो पूर्व है। बाध्य प्रमृतियों और राष्ट्रात्मक के आधार पर पासूर की ने कृतिक की दीन

(६) विकास-सम्बद्ध पुरुष-च्या १८४६ के १८६६ तक । (६) राजनी रक्तर्रा-च्या १८६६ के १८७४ तक ।

Sti trible it with the beneficially serve

(क) मंत्रीत : १०४१ भेदित का वर्ष है—संस्तर परे गीत । विदे संस्तर के संसीत कार्यों को सी

s, are it electro field sale-more are ober to the

रे. बाब ने शोपांटर दिन्तो सकि - सन्दर, ता - स्केट ।

#### न्यून का समात है।

्या नेवाह के बीची का जाहर राग 'प्रणान' है। समुद्राः तानुतः तो ने जानां का भाग कर नहीं से जाराना होता है। यह और बीचर्च जाना दिश्य हैं। एनीट सी प्रणान किस्तों राग 'प्रणान' की से सिमाना

"तिरिया कृतार आपूर जिलाओं को दिल्यों को निवाह और केने जाते हारे हैं। सम्बन्ध के अध्यक्त के प्रथमन कहा हो जहर और एंग्रेज प्रथम दिल्यों वाराजन पर जाए है । बोर्डार आरे तर की प्राय प्रथमत एका के निवे हुए जानों हो जानार के प्रमृति करेंग्रेज कर्म कर है जिला !"

करना का राज्य जा राज्य । "मितीर" प्रध्या बंदा को स्थितियों एंक्टरार्थी का कामार कुई और स्थितन है। उनके प्रध्या का कामान्य करणायाव्य मुद्दी हैं, यह पत्री साधी जा है, यून हैं । "कार्य की बूब राष्ट्री हैं पत्री, "मित्र वर्ष क्षात्र", "देख का मोत्रात्र", "देख को मार्थित की स्थापन हैं पत्र होंगा के मार्थित हैं । जिसन में किस कार्यों एपकार्थी में रिपार्थ करणा है है किस स्वीतिक स्वार्थ । प्रधान कार्य में विकास में विकास मार्थित है कार्य

वे "धर्मर" के व्ह रचना हकता है-

परी मोबों में हुम्बी मान भारती ही हरूकों हैं पान

हा। वर्षक में बहुत है— 'क्षेत्र में बहुत ना जो पूर्व कर आंत्र पूर्व कर का स्वाहर है, मीर न निसी नहरूर कात्रकार के कुछ कारण-विद्वार है। बारे ने क्षेत्रन को स्कूर कारणा भी की हुन्हें पूर्वों में, बिन्दु पूर्व कुछाई के बहुत विशेषत कार्य का स्वाहर निश्चा है। ' स्वीहर के अधिकार की ही की विदेशना है— विद्यार क्षार कारण निश्चा है। की में निकार की बीच किसा कारणा कारणा कि किया किया कर कारणा की की ही की की किया कर कारणा की की ही

है स्थित हो पना । ऐसे असला में यह नामें बातनो निराण स्थापने पड़ा है — "से सब है से हम निम पने

> कानी पानी गुन्हों कडाओ केंद्रे में मान निवाही।"

<sup>1.</sup> erorus, glies, from 11-1-1

क. बाद के सोबीस्त दिन्दी श्रीच-नापुर, सन् गर्भव । ४. बंबीर, सबर, प्रन ६ ।

न्हों तक तबर है, किन-का बा वह उपना प्रशासकों कार का है, "कार कारण कोण है कार", "जार वहां विश्वद का नेवा", "विशा बच्च कों करे नवन है", बारि रोड़ी में काविकड़, प्रेसंत, तीर तबस बान्सालय कारा नार्ट करी नहीं विवादें हैं।

#### (a) rooms : heet

"जानका" या जायान वह पहंच में हुए। 1 अपने मार्थ में साम संवीधीय अपने स्था संवीधीय प्राप्त हैं प्रोप्तीय में प्राप्त में में मार्थ में में मार्थ में मार्थ अपने मार्य अपने मार्थ अपने मार्य अपने मार्थ

#### (1) Scene verses, year

पत गाम कर माने आहे और कही। लंबी में नोवहीला हो। कुछा था। एकता एक बड़ा कारण पा—को अवोलों के पुत्र उसकी साम्य-एकपाई विकास बार कही में पत्र कही हैं।

#### (e) बास और मिमीन : १८४६

दस केंद्र को लोग कीसहाती में बाँग ने जबने तेवाने के ताल किएते ऐसेट सभी का रिजोरिय फिल्म किया है। जोनेन के साहक यहा किन्ते मेंबंधी जबातें, सरकारी किए के रूपमुख बाई, यह सभी का कुलात के विकास किएते हैं। हैंदे राजों पर साहब की स्वाधिकार करते के सिकास केंद्र में Mark at an area and a this is all our risk But with all with with

क्षीन किया का रुपे तुम्हारे मेंहरी एरे का तरती ने after more aftery month more in read-

are ut after after free ut

an depart \$ to all plant at after all heart in flower ask \$ cross form of their plan navel is afte it after if any oil ofte all \$ ware cross as all north & ofe mote b-

"For at shing oferi is soit france & and or all also will benefit 40 mail with channel are said work and more read-

feit it dit eer er unt & सम्बद्धारी करात हाते हैं।"<sup>5</sup>

(a) us it use : sexu

"ye is me" afe all affect-are: is yest, now as the latter fire. I alle mail effense me it is met in met men I, favort inne nitere me all to on others man I or one of lover titing our force \$ | on ore 'breck' (etc) colt mes 'eard it une' antiones avon à efter

no classe it alls all the record clothed --- under record to it wile 14 कर को कविकारों । "पूर्ण के कार" का गर्नकर वर्ण को बाते होगा कारिके---"ex got को प्रण में सम्बद कर उसा है. असरवंतर के--ने एपरार्थ जो प्रीप्रामका के साम-साम और एवं पूछ हुएँ हैं। एक संदर्श में सबसे साहुए की ने किया है-

"ter it was" but fook about self all suit of versal at store \$ 1 ar will it first at not after well allowed by more reserve than

<sup>1</sup> mm aftr finales some as not a

<sup>3.</sup> HIM HIT FINES, STREET, SA VILL

want to write a fitter to be a been present as a seal many Ash 2 after proposite if not not some effect over referre all other state. ar ster ber felless ft i er ab else ell ere mit minen it erene ell erete aurert rat & r eit ofe it eren it une aper upen fem &, alle and man if no come was after my party feature \$ 1.00 task as offer e shot at wait is once easied also entitied years soft it years at all the

ge out when it amon all above out at your it ?"" इस रुक्तक को एकताओं की बीज पहल विषानों में एककर हैया जा करता \$ : DO AT WARM ELECTRONIC, got cord alle were at every, diet tree and affected one over a year of course schedule file that from the sint month

is the goal's out E ; wouth our often need it it often new or E-"ere milion sitz fifter wa form an-six quiter on said an at an one many over surface the

are with an of Salan in than soon mill, an armost are array of all पता करीं पाना : वाले कहा सकतो बीहा लोगी पति से अबि सकते को पर अववस करता है। पुजूरिकता का बांकिएक वर्गन ही यह महिल दिन है। बाबूर में ने marfern है जाने बदबर नई क्यूबता के यह वर क्याना प्रकृत है। यक यह का निकmay wit work the it floors it a group should observe at their in soft months our steam & for some steady from eftended is above over out. At, after on eft-कांचें के बाबराजिक विकास तथा है, पर ने विवादित तान एक नई संप्राप्त पति बीजने is the florester F : we show after some "led strate" it all of it air. severe at accordant it a con "set accord" in sele in society at all it-

"बोहि पहली में बड़ी होते पुल्ला की ।

sidt at I set selt open at /"

server" edges it sid arreses of dutal as price with es efe è est b-

"Of severy or tree felt-all ups to feptor t Att vates un Bur & feman-en errigh weren

full such or too are arecome so on age !""

1. rott efter street alle depared, mage, 4+ to 1 3. पूर के बाल, सामूद, पुरू एक एक ।

3. 10 8 mm. 1000 4+ 9 1

Q. \$7 5 USL Wilder, warr, 4+ to

मूर्गेल स्वामिक्त और इस प्राप्तवातकर के बीच की बहुए है पर्य पान्यों प्रोप्त करेंद्र के अपने हैं। जाएंगे नदुष्य किया है कि "यह व्यक्ति और समझ सा अवद क्याप कर है।" पाने जो कर कि मोक्ति के स्वेच के बच्च कर की हैं। की स्थान पर बुद्ध वह वर्ष को का स्वयूप पहा है—"भग के संबंधी है, आहर के संबंध मोक्ति मार्गिक हैं।

कहर ने क्रम नंकों को कोन है को क्रमों पर कड़का किया है। एक और हो वह पास कोन कर नंकी के लेकों है: 'हैं नहीं निकार का वर्ड, है तबने नहीं। हर मार बात काह है पुराना बात्रकार!' बाते वह तेकों नंकी ने पूर्वा को सा नहा ऐस्पर त्यास कीन में कोता है। यह काता है: 'बार! दिन वा मानव विशित्त हुसार सहुद का तकों नो मानव है...

"अर्थात को मुख्यों करों में त्यार के 1 कह नहीं में तीन को असवार से ?"" करोज तथा की करियत विशेषकाओं भी इंटियतन करते हुए हम यह नह करते हैं के बहुत है। को बहुतकों दिनों है, में महत्वाहर्ष हैं 1. करती पाने पर सर

करते हैं भी के बात है है कि शिरीन पुरस्त करना को है है—की जानूका, स्वयंत्र, स्वयंत्रीका, स्वयंत्र, स्वयंत

"हुए के तार" हत परिवानीयह का यह राजा हो नहीं है कि तरी बायन बाद्य का वही एक्कार काल जादरत है, जबका प्रत्या विशेष्ट महत्त्व है कि वसके सबी है नहीं बादकों—दिनियों के स्थाप तार्थी का साम्बन करने की बावन नेपा की

'east afte feefer' में को उपरिचा तपन है---

(६ किन्छो का साम्रतस्य और संस्थे

(१) ग्रंडी बीच्याँ एतिय एका नही अवस्थित बालानिकार ।

किन्द्रों के बंबर्ग के पाठों के पूजर कर 'कार का बागास्तर' भी गरिपर्ति 'पूज के सार' में हैं। प्रणीत्तर, प्रयोक्तर, तथी कविता की एप्टि के 'पूज के प्राप्त' केंद्र प्रकार है।

t. ge è une, etge, po 43

4. ge 8 mr, gleet, toge, 2+ 14

## (n) fam de weekk : 5455

उत्तर काम होत्र विचार-काम है। इसमें पारका के काम पर विजय कर प्राप्तन काम काम है। की को होत्र कुस्तर, कामे परो, बेकरो हात्री पर पर्दे हैं वह रेक्स है कि पहुंच कहीं परिवार के निया है, बड़ी कार्यक्तम है, वहीं दर्दिक्स है। वह मुक्त की दरका है, जिल्हा की। वहुक से बात्तर जोर कर को संवारका

and that the state of the second is about  $\theta_r$  (see Figure 1) and  $\theta_r$  .

्त भोर "कर्माको चोन्नी" नेवी. यह प्रशेष रचनाई है. यहाँ दूबरी मोर "दूबर देश" तैसे प्रथम नेतरे के तिको राज्यों हैरिक्सिक कॉस्टाई की र<sup>™</sup>

नीत मानन के तुन्दे गार्थनान के कांग्रामी मेहरी को सामत नार्थन, रोक्ट, बार, मामार, मार्थि के कुरिया जेव-मानों को अनुसा मान करना पाहता है। धावता विकारत है कि नामन रूपे के सामत देश वार्यिकत से सामत होता, मानारों जीत माना नार्थी के साम पर आराबीन मुंजी में सबसी आराबा स्ट्रीयों । प्राथमित वह आर्ड्डिक

स्तरन को गया तान, नकी राजन देगा पाहाता है---युट्टे व्यक्तिकतों के

legt ar various alor, not, make alles defensed ferror

Feebre selfs ee:

X X X
search quil it am glaver ek

क्षणाना कुला क दान सीन-कुर कर कोकन की फिर विराद सीत वर जाराच हो करित की सक्य हो। जारा सन्दर्भ हो है

× × × इस संकरण की गांववानों के विकार में तकां साहुए की ने इस पुरस्क की

| Fore & fore & --
"ter dense (fore on weekk) of neberg | minore may only to
# were effect in all more all forest in minor & and forest in all more all may

पर्व सामय जीवमा ने अति प्राप्ता और विकास से राजिस हैं, उनमें विद्यास भी गई, जानूमा से प्राप्ता हो। एवं परिकासकार जन्मता भी मुद्रा है, भो कदि भी जीवय हो। यह प्राप्ता से अनुस्तित का भी प्राप्ता सर्थ हैं।  $^{11}$ 

are 8 electe (pt) wis—may, best mobil, p. 72
 ferr (in mobils over no et

t. Ferr (u world, augt, yo at t. Weer, formin world, augt, yo ten

or efection it also hit allow? I sit out well critical and about it force south it a more it store it for the all you with on found Se 2 feet and most effective new part : "good at office" an advan-बार्टाक चारकोड से एक एवं वर्डियांकाता की बात, संस्कृत सकी प्रतिकार से arrow on oferen sha h. Sauth was offe halos, effer it arrow on were & also allest in most come it afte on storest agest freet & and, दिस काली है । बील को रिवार को सकानायों और प्रधानमानारों कीपानों ने विकास my policy union after only referry all referrs one automobile in such an exact and over all it have \$ . "Agrical whealt" after all whealt forms after when record it were some own real it ; which not are much tree all when with as als is true was old or amount when it is such own was almost a blanc war of our are from out out our out or at worker & fleste accor afte alt roppie announ wordt net it nebet feit tog-क्य भी विशेषक्रम के अनुकार से किन और नहीं हुई निवार्त नेती है । यह प्रवास क्य who are not it. A county arrows it "Smooth Day in over now with my own or at read it to

'डिस्स पंच पार्थाने' में उसी परीप' को रामान है। यह संदर्भ में कारिया जार निवाह है। उसी दीनों को बोच है। जिसका पहुंच कर उन्नद सी की 'बरव-कर्म में है कार निराश की 'बर्डिक-पुना' में, उसी का एक वन 'डिस्स' देख पार्थाने' करों में है कार निराश की पार्टिक-पुना' में, उसी का एक वन 'डिस्स' देख पार्थाने'

#### (क) करवा, मात्र कुला सम : ५४६५

भी रीहरी में सीहरी में सीहर को है कहा की महाहित नहीं है। उसने से मानदा के महाहित नहीं है। उसने से मानदा के महाहित महाहित कर नहीं की महाहित है। उसने की महाहित है। महाहित कर महाहित है। उसने महाहित की महाहित

होती, जरण ही कह स्थानी होता और काणी ही खुराई से बान काव की नामी में सक्ते होता !"

(४) परवर्गी प्रकार) सम्बन्ध की को करिया का सकते का विकासिता प्रकारों में परिवर्शक क्षेत्र

t-

वह बंदह में स्थीप पूर्णों की समझ है। अवको के अंत स्वार और स्थल

को पुत्र प्रतिविद्या किया पत्र। है। एको अवर्तन १८९५-६० एक को कनिवदाई है। यह होन कोडों में विक

t :- (1) singer sk cite, (1) nor cite, (1) nitrient sk no :

> "बुड, कांड, गुरान कुको को साल-बृति रेपायून एक स्थाप माल संबद्धार सामा संबद्धार

क्षेत्रत सबसे समाप स्रोत्सा हेला है ।'''

भीर पराज्य में विश्वन की विश्वन को सांत्र रे प्रतिकृत के जाति त्यान के बार्च के स्वाह किया है। प्रतिकृत के की विश्वन को प्रतिकृत के की विश्वन के प्रतिकृत के की विश्वन का उन्हें किया है। यहां कि को प्रतिकृत के की विश्वन का नहीं के प्रतिकृत के स्वाह के स्व

६. काम, यह क्या यह, पुनिवर, सन्तुर, पुन १० । ६. जो मेंद्र गड़ी सका, सन्तुर, पुन १०३

"भी मित क्या का नवाद का कार्यक ही का करा है क्या कहें वह भी मीताड़ भी हार कारा मीता है वह भग-नामम का निवन है तम मारिय भाग का"

स्वर्धित नारम को उर्जाप्य राजुर तो से साम को सहावपूर्ण विशेष्ण है। क्यूंप्रैं एक राज्यारा नामकाची पहुंचा को प्रकारी पूर्वारणार्गी, प्रकारपार्थी पहुंचा हाथ में उन्हार्ज किया है। क्यूंप्रैं कार्याच्या परिवार में है। मित्री के पहुंचा की एसी है, होर्दीं के स्वार्थीय किया और स्वर्धित निवार को सामना परिवार के एसी हो स्वर्धा के स्वर्धा किया है। स्वर्धी के से सिवार परिवार की स्वर्धा नाम की स्वर्ध नाम स्वर्ध के स्वर्ध ना स्वर्ध ने स्वर्ध ना

"वर्ग वर्षका का वार तमका विवर्धक तर, मार्थित से समस्या और तुरूत-विक स्थान को मार्थका का है। त्या है। कार्य "एक्स "क्कू-क्लॉक" का व्या स्थान मही किया, क्लॉन कार्य को अपनी का कार्य से मार्थक है। किए, गीर मार्थक और आपनीक केलांकि मार्थिकार्यका मोर्थक त्या कि कार्य मार्थ

का पता है हो है, क्यार्ट पता "फारारी का"। है "पार्च आहुनियों की अपनेशा" विकास द्वार प्राप्त के मही कर को विशेष्ठ करने का प्रस्ता दिवा है। विकास प्राप्तीयक परिषय की अधिकिया सरका प्राप्त कावत्व की मित्री देखारों की भीति हो पत्त है, बड़ी मार्कि-मार्कि के नाम कोई माराराम सम्बाद सही है। अपने मार्कि अपने का मीं में मार्क्ष है, सर्था द्वार प्राप्ती है कोंग

"Tayor a) of § and species

र्थ पुष्टा है स्थापे-सा दन्यान<sup>7,3</sup>

"तो की वहाँ तका" कालांक्य में कोर की व्यक्तिकारों महित्य करता में अबन को है। बड़ो कॉन का में कर्माद का मैं कर क्या है। "फोक्स्टर्स पर होत्रण बढ़ा" क्षतिका को अपन्त है---

"में अंधित हो गार है वस्तुर्व हर सर्वता क्षिति में

1. बो बी वहीं क्या, समूद, पुर १२ ।

ए. यही करिया डोकाई और बंधकरता, साहुद, हु० ११३ । 3. जो संब नहीं करा, साहुद, १० ३० । efor on 2.9 abr um & mit d 1117

(a) shed so some have

er. Suchs after a such Edward or some coult as flow a "For the H annual is have elicited about the other tree is small

of finiser, days our hard of viscous or subsequent it below from our \$ | gefin alt pfic & "pfefein alt ap" met corne 3 ."

offering is win still anatomic it is effected in a street over much it. est the rel next : give shy findancia four source is four some ash wit al mitte ut um eer à :

रिर्देश्य करार सम्बर के सामा नार्तिक की को को है—''बोकरे को की erer"; year narrow areast, heavy it you a rest win it faffers were perfected it means with referr it about about which only some of it is find out to adè site en sifezze mezon it is abou assurelyon autrit avenirel it refe-काम है है। इसका रोमानी नांब होने वर वो "बोहता तही वो काना" में करपारियों है सिरिय कर परिकारिक होते हैं। इसके बोक्टर के बहुए एक को प्रकृतीया करने ends about the day expend allowed at it is made more one constitution of the contract of the c perd at means and qual selected at \$1, one offered pade & order we को अपनीय कार्र वाली है। और इस मादा में की बालायों को पाकारक करिselfe all prace and seek it is not count moster to all stone when

It sells effetten and namer around 4th nove on 2t such and 2t a \$155 KING BER AU BIG Felbe abbe 2-eyes is not be abe grown की प्रतिकार करना क्या बहुति के अनोहर कर का विश्वासन करना । तर्वा प्राप्तर जी

cell when it extends is one or allows oftend by it we use क्रमांचल है कर नहीं है, जो हमारे सीवर का सबसे बता और व्यक्तिशारी दिएका है। the worse recent, night is in, its that, put altremed is int at me

<sup>1.</sup> A 10 48 191 191.

<sup>2.</sup> manufact fipth sells, are finite shall, so not i

and "dard" when who feel will  $\varphi$  , 40 fe ag on word  $\lambda$  fage  $x\sqrt{n}$  ,  $\delta$  ).

बहुत कराब है कि उनके प्रत काम-बंबद की वर्धकांस करियाई करनारेंग के के अर्थकात प्राप्ति के सामार्थिक समार्थ्य के करेन हैं। अपने नैपारिक परिच्छा नहीं है। प्राप्ति की सामार्थिक समार्थ्य के बेर में सामार्थ्य एक्ट-बॉक्स की मेरिया को करि का अस्म प्रतिकृतिक होता है।

मंद्र, प्राथमि कर विकास के प्राथमित के प्राप्त के प्रतिकारणी में जिल्हा तथा है । तीरार्थ करें त तैन-प्राप्त में अपने प्रति-क्षित्र में विकास के प्राप्त के प्रति के प्रति

स्वता को मुख्याहर", "कुन बानों को राज", "लागी चुनतु", "पांडों की हो की है", "कुरत् बहुत है" करि सरिवार्ड का डॉटर के सहस्वार्थ है। प्रतिकार मुख्या समूच के प्राप्त बिकार संस्था में प्रति के मुख्या न प्रेया कर तथा की क्षित्र का नाम के का नाम स्वार्थित की का प्रारं की दिवार है।

करता बनके बता सरण गए है कि माति बयान ने बड़ी भी सार दूसा गड़ी है, स्प्रृत्त में इस दूसरे के पूरण है। है। एन संबद्ध में स्टीर स्टर्ग भी वस स्टब्स भी अनेवारते हुए स्टूड़ा है———"'अवसंबद्ध में जोवन को सम्प्रत जानुहारियों को मैं दो स्ट्रोप रूप भीगता प्र्

हैं। एक वो मैं अपनेन नोट मांक्य के स्थान मूहिता का न से क्या रह में में उन्हार हैं। एक वो मैं अपनेन नोट मांक्य महीता तो पूरत के स्थानिक । वे बोरों उन्हार में रकाई कहा हुए। को दूरत हैं, क्षेत्र में सकता हैं कि बीवन का अपनेर मीत इन्होंकि मान भीर समझ कर को कि स्था प्रेस्त नहीं।

लाताविक केवार को जातान काने नानी विभाग में पहुंचा, पूरण, जाताज म हुन्ने हुए वर्षावाधिक जावाची का विभाग है। प्राण्डिक पोन्टीम कान्या में कावन को प्रोत्यक्तिन म सम्बंधिक पुरस्तवाधी के पूर्ण मार्ग किए है। मार्ग पार्टी और फेरी कावाज्य, पुरस्त की जाताबाद कर विभागन कार्य में हैं "हुन्ने क्रियास्त्रण, "क्रेस्ट्री मार्गाम्स्त्र", "एक्ट्राविन", "क्रम-कार्य" क्रां 'प्रोपंत्र संस्त्रीत मा नृत्यीक"

"बीक्स कामार" पर काल बंधा की बस्त प्रकार है किसे सीन ने सम्बार देवों में स्थानीकरण से दुर्वारणाची का सम्बार किए है। जो अन्वसर कीम की संस्था में का पर काल की सन्त है। जो कीमा कि प्रकार में उनेत किए.

भीवरी नदी की बाचा, धुनिका, बाहुर ।
 भीवरी नदी की बाचा, धुनिका, बाहुर ।

But at at it i feet, gree, store, gred at good, opper on most "short hand an exist order from an

wine states all affected over our in some one occurre all offer in whi The biggraphical is according to the same other security of other

#### (e) mad ob salour : non-

"their elements of artical annulus medical and all refuse Tr giret of trade observe an arrow often entires \$ 1 or adversity it not first our or wholes show it mades on our first field or note. efter \$, and it fact by it and find grall at ellegic \$. are at cell and WI SH MOTE PIET & all seems all stream some store & (\*\*)

Debar were vegy and unified often done "mater" (1441) it ही कार सहस्राची बाहबता से बिहोस बर चुंडे ने, और "लाव और रिवर्गण" (१८४६) में जब्दि सुमार के सरप्रात पर एक नुपानुका सामाजिक होता का विकास कर किया ST I STOTE AT \$ 2000 SCHOOLSHALL BOWN STATE & GAT IS AND THE DETAIL ete er eur ser igt å i prom deme til eftertel i de oct gred titlete exectly word in safe failtnes many over an effective and all effects

Il femor fem & ; qually uponts femine) or great present feet 2, fem-PRESENT AN AREA AN AREA AND AN ARRANGED AND AREA AND AREA AND AND AREA AND If wrote from at appeared it of amides a above of most abrillation per wit \$ ; men at other interest or ede paid own and it for है । सामा को नक्का, में भी उपका भी संस्थानाओं व निर्माण की सामा को बोका

fee year at you say "busin approb": "you at on east ove" बक्का दया. बढ़ी बाद लॉल का लकत तब का कार्र की लगाद करिय की स्वात है। Section as also with our all any any area and any many many it will be reserved. MUNICIPAL DE MANAGEMENT AND MOST AND DE SER MAN AND SERVICIO AND DES SERVICIO AND DE SERVICIO "Fre's ac are" steen whose it all it-

"Ste ag ant t work of modes

1 god of adea more -- more

```
्रव्यक्त से दूर गार
कुके विधे वस्ता है
नेपुना कावूतनों
यह एए पीत थी
साथे नहीं तो का यह साथ प्राथति
```

बच्छा को बाबियों कह सहते की अवह है।"

"काडी पूर्व करेराया" की वरिकासी भी यह शेरियात है कि ये माने काम की करेताड़ी कुत, पाताची स्वीवार्ध भी मा क्षेत्रियण जाती हुई परिच्या की मीर क्षार्फ्त है। """ कहा मिता कुतार महाद एक विद्याल क्यार्थ कर ने कामने क्षेत्र हैं। """ यह निर्माण कर करें माने माने कर में क्षेत्र हैं। "" "" वह जिल्हा करें के युम्मान्यक वेंबरन और काह्य ग्रेपरिकेश्य का सामी है में

क्योंक विश्वल के स्वया है कि बाहुर को को प्रयासों में निप्छा है किए। विश्वकार और स्वया का राज्या है। करेंग निष्का है किया कि पो गीवल विश्वकी मां । करेंगे पूर्व को प्रशासन पूर्वित के प्रशिक्ष पूर्व के प्रशासन पूर्व के प्रशासन प्रशासन के प्रशा

#### (४) व्यक्त

मह विकास काम है। इसके विश्वय क्यों नेवादिक वेचर्च के अवयोज की

न्हें हैं। जन्म में ब्रॉन सिवसुनार दिश्य में अनुसार प्रथम समय विभागक्षम समय नर

"की रिपम कुरार पहुर को हुए की दिवने कीता के एक गर्मा चाहिएत है। कि नारे कीवर्य करते कात्मानी है, तह को को दिवन करना हात्मा करते हैं। राष्ट्र करने कात्मा की का करें हुआर करने की सहुवारों के तुन्देर कों।, देशन कीर कात्म के मंदिरन कुछन की रिकार करते की के दिवार प्रशासन के एक में यूष्ट की स्थापन के कि पाइन की रिपम करते के रिप्म कि दिवार की है, वह है करते काम में कहत कि एक स्थापन करते हैं। कहता की उसके कि प्रशासन के स्थाप करते की है कि प्रशासन के स्थापन के स्थापन के स्थापन के स्थापन की स्था

<sup>1.</sup> वासी गर्दे सर्वशास, क्षेत्राच्य-सामुद, पूर्व १० १ १. सामी गर्दे वर्तमात संस्थाप-सम्बद्ध १० ८ १

where  $\alpha_{ij}$  is to  $\alpha_{ij}$  is the  $\alpha_{ij}$  is the first size  $\alpha_{ij}$  is the first size  $\alpha_{ij}$ . As we should will all the distributions of the  $\alpha_{ij}$  in the first  $\alpha_{ij}$  is and from  $\alpha_{ij}$  in the first  $\alpha_{ij}$  in  $\alpha_{ij}$ 

नारकार के प्रति के किया का प्रति के प्

effected and an arrest fluctuation on ware on arrest & 1"

#### (ग) कान्यरात विशिक्षकार

ियों वाहित्र वह स्वतंत्र वहंदात है। इस्ते उद्यों से परिवर्शकों के व्यवंत्र विकास तो भी जा जाएं। इस्तिन की प्रेण हैं पिता की विकास है। इस्तिन की प्रेण हैं पिता की विकास है। इस्ते वहंदा है। इस्ते अपने के पूर्व में एक प्रतास को वहंदा है। इस्ते अपने की प्रत्य में पूर्व में देह के प्रतास को वहंदा है। इस्ते अपने की प्रतास की प्रत

६. क्या हिन्दी करना, मान विवस्तावार विका, पुरु १६५।

(a) service

रूप प्रभा साहत कर केले हैं, जब अपने अधिवारित का प्रंप की रुप हो राहा है। हिन्ते आहित के विश्वसकत में अही रुपत करता में तो नेकारों की वरूत दिश दिश्यों प्रभावता, वेडिकारेकर, वर्षात्वक, अधेनवार, और नवी वर्षित अही रुपत हैं।

ध्यस्त्रकार, वीर्तेश्वर्यकार, प्रार्थात्रकार, स्थांच्यकार, वश्यो वर्षेक्षण नार्वि की जबूक वितेषण्यात्री का गर्वकः कार्विप्रेणक पुरुपत्ति के कार्यक्रित का प्रार्थ है। यह एक प्रकार कार्यों के प्रकृत विवेषण्यात्री के प्रविच्यत्र नार्विष्ठ प्रकृत क्रित्र किना त्या है कि वर्षित प्रकृत की वर्षित्रकार के प्रकृत कार्यक्रित की वर्षाच्यात्र कार्यक्रियक्त कार्य पर प्रकार में है। इस किने के अधिकार कार्य है। नारायात्रात्र ।

रेशीकर पारण कामान को एवं बच्च विकेशा गाँ है। इस्ते पूर पार है—राज्य और गर्ने। वर्ष कांद्र से कांद्र को एवं प्रमुख विकेशा नैगीतका है। इस इंडर्ज में राज्य कांग्रा कुमा ने मानो पुत्रक में विका है—

''बाहुद की के आहत बाराय जीवादर वायावारी हैं। बाराना के बान तक करके बानत के लोध लंब में सामावारी कमानिका तिस्त्री का कियों कर में निराधा विकास हो है, वाहीने करने बाता में सामावारी और जबर कारायारी आहिया सामावार किया है। सामावारी कारा कर दें। तर को कि कमा कारायारी

की सीहतात से कार करने नाम में क्योंका हुआ है। " बहुत की की मारिकोर प्रकारों कर प्रधार पूर्व और पांचल है। पाणे प्रणा या प्रशासन करने कहा है कहा की करने के हैं, वहूं है। "करने को हुन पूर्व है कार", "पूर्व का दुवला", "विश्वन भी प्रधार" मार्थ परिकार है वह प्रीय है महत्युमी है। किएन के रिण्ड कार्योर प्रकारों में विकार्त मार्थ है, विश् कर्मिकेट कर में 1 का व्यक्ति के में में ते का प्रभा प्रकार है।

> "बंग्र कावले जांचा है जार पूर्व जीवों में हुकते काव पूर्वार है कहती है कार बंधा क्या देशक बारी का क्या का देशक बारी का क्या है का कार्य है काव क्या है हैंगा कार्य है काव क्या है का कार्य है काव क्या है का कार्य है काव

६. वर्गी वर्गिता, तेरु वर्गीत कुतार, दुन एउ । इ. तंबीर प्राप्ता पर ६८ )

कर्षन के रक्ताओं में अही बोलन के प्रति तथा आतीत तथा होनेस्कल रालात ना विचय हुआ है, वहीं अध्यक्त विचय पर को प्रतिक विचय हिया नहा है। सावन को करतों के करान दिन विचन के तथा बहुत का विचये हैं। ध्यानकर

क्ट्री ब्यूटि, ब्ह्री विशवत जनता तेता बारों और कार देती है— 'ब्बार कहा विश्वूट का नेता

कोडी दीव सकते में गए से वित्रवे कर ग्रंथी बीकर में

क्ष करवाल क्षम अवस्थ क्षित्र हो होए को सोवर ने क्षम की क्षम क्षम को क्षमी

क्स नार ने नष्ट सकर ने""

काल में रिप्पास को सरिवार्तिक प्रतासना को एक उन्चुक विरोधात है। किन् इस रिप्पास का आधार विरोधिक होते था, वार्त वार्तिक तथा की प्रतासना थी। एक प्रतास की कहता कि में किस कि अपने की को को कि विरोधी है, कुस्तिक होते हैं। वोर राज्यन के आजों के तथा जाता की सीम विराध भी वस जार विराधी

'राजवद्दा हो दाना गमा पर संस्कृत में सभी समये है

पूर बड़ी के नहीं किन्दु पूर्वों की शावार किये हैं कड़ की बराला तथी किर को में कीडे तार किये हैं

क्यूटि का कामानन कर में सकते होता से विकास किया गया है । अपूर्ण से कामान के कांत्र ने कांत्र-करों विकास करते को विकेशन विकास है—

भी अभी थी कहते क्षेत्रकों देखते। भी अभी भी कहते क्षेत्रकों देखते।

क्षम् प्रश्न कोट यह स्थानके हु.. । , यात स्थान था तो की श्री कहता ह

करि में रिश्त में तेन में अनवसारी गया को उनकर में अपनी एक वितेष करूर को बच्चानों निर्मा की है, जो मेरे हो कोचन और स्वित्वकर साथों से कर्य

1. Helt, sigt, 3+ 81 1 2. Helt, was, 1+ 14-3+ 1

4. Helt, Avec, 9+ 21

है। बहुत का कार निरुप्त और पानन-विनास भी एक निरिष्ट की में है हम मार्था होता है, पर व्यवन पहुल कोई नारण है कि में क्षेत्र एक्ता कार भी है कि मार्था क्ष्मी कर भी रहा में एक रहे कि मार्थ कर नहीं में में एक्ता कार मार्थ्य क्ष्मी किए का भी र रायों कर किस्सी में के मार्थ नहीं में में पान रखा रखा मार्थ्य कर निर्देश के बेट में कुछ नहीं ही पुन्द वामानियों में हैं। "माननशै" मीरण पाना अप्यास हैं।--

"क्ष्मण्यात्री सीव कृषे सामु का कहुता कारता सीवृत्ती की क्षमी पर

epe or epite mostal,

मुख कर को देशम नहीं को समाराज्ये नहीं में दिक्ती । यह बीच प्रकार बारतों ने समूद वो को कुछ कर के महीन में उर्दाध क्या नामा है— "तमूद के युक्त प्रकार को स्वीवाद निका, तथा त्यांच बीच में द्वार स्वाप्त की की को वो को कारणा । अपनेत स्वीवाद निका, तथा तथा से प्रकार कर को प्रव

की को?" ।" यह साथ है कि लागुर की के बाजब को विकेशकाई कारावारों हैं, हेकिन सरीत

ते जननी प्रभार चुद्धि से को नवीन कर दिया और की प्र**बल्ड दिया है** ।

### (क) परित्रपरिका

पूर के ताल, समूद, पुन दह ।
 भो प्रविता एक्का प्रक्रिया, पान नीम प्रवास करान्ये, पुन दन ।

#### amounts.

"दी बाग ही तो दिन साथे और किया को केना मार्च प्राणी जाती पूर्जी नकाने केने में में बाल किया !!"

 $\times$   $\times$   $\times$   $\times$  "with" is that will write and at basic from at k

ंभी निरिक्त कुमार माहर निकाले हो दिगते भी निमाह बीच केने साथ तारे

#### (4) sefeen

"सहित्य के देख में हो तकार को एकपाई निकारी है—वर्षात्रकीय और हर्राव-वर्षी । अगरक कर में उन्हेंग्राकीयता का नर्ष है—आरे करण, नर्वान्या को और विकाद : इस्त्रीवर्धिक एकपाओं का इन्हेंग्राकीय स्थानियों होता है।"

प्रशासने अविवाह पेटवांच का प्रशासन प्रमाणका मान्या के अधिकारी के विद्यान प्रशासन के प्रशासन के अधिकारी के विद्यान प्रशासन के प्रशास

"और हता में की बाद की है, Score के राज्य को सभी सभी की है.

<sup>1.</sup> व्यक्ति ने गरे प्रतिकार, या - नामर सिंह । २. वंबीर, स्टबुर, हुंच २ ।

a diffe mer aften ferner to be t

बाबुलिक दिन्दी कविता में स्थित, राज नेताम नाम्पेकी, पुत्र ५०० ।

बारा नवर विद्वारों में विद्वार क्षेत्रा है, पर बहु मान्यूपी से संकार कर बारा है । × \*\* पड़ किया स्वकार वह लोगर क्षेत्र सर्वियों नेक पूजा है बारका जीवार साम्यूपित क्ष्मीर वन तथा बारों है किए को पितार

× × × ×

अधीवीं के का भी पूर्ण प्रकृत विकास है, को बंद , करा, करानिक रामियों , मालवा में के पहुन की एक्सा है आपने हैं प्रवासिक के प्रस्त के प्रकृत कर प्रकार में रामियों के प्रकार में किए के प्रकार है। यह रामियों में प्रिकार का गराव्य रामियों के प्रकार के प्रकार है। अपने का माने वा निवास के प्रकार कर का प्रकार कुंकि कारों के स्वास्त्र प्रकार है। अपने का माने निवास के प्रकार कर की का प्रवास के प्रकार के प्रकार का प्रकार है। उसने का प्रकार के प्रकार का प्रकार के प्रकार हुए की माने अपने मीती में की प्रकार का प्रकार का प्रकार के प्रक्ष के प्रकार के प्रक

"वे प्रतिकाल नेतृता की बोहों के उत्तरेक भग नवे भागी हानों के सर्वत्रमा किय साठे जाते हैं जो सामानिक दूरा माँ सोवन को निद्दी को खेलर हानों कर देते हैं हालों

b) \$ eef out free! & ee k\*\*

स्त्रीय ने आर्थिक काता गर्न में सिन्हें, बनाव को सुनी, राज्या में नैप्तावर्थन बनाने में लिने अर्थिय में निर्माव का पहाहर गाई सिन्छ। गाईनि निर्मान का विकास का स्वाप्त गाईनि सिन्धान का स्वाप्त निर्मान में सिन्धान में स्वाप्त में सिन्धान में सिन्धान स्वाप्त में सिन्धान स्वाप्त में सिन्धान स्वाप्त में सिन्धान सि

नम्ब और निर्माण, माहुर, पूर्व करे-बर ।
 मा के साथ प्राचन कर करे ।

```
कार पूर्व के ताले पहुंचा
प्रकार के करेगा पा
X
X
की में निज्यारी की तित्त
करवी, बारी में कहापूर्वत
कर्म में कीट करवी थी
हमारे वर्ष, गूल संबर्ध की
कार्युद्ध सर्वत पर
कर्म में में ताल में में
```

वरणेक किराम के बहु राज्य है कि की राजुर भी जारिकक एक्साओं में मूर्व वैद्याल कुम-तु का की कारतात है, यही जार्कातीन एक्साओं में कारता कर के कारता की कारता में कारता है, यही है कार्य के कार दारा कर देही के बाय का कारता की कारता में कारत है। कुम तु राजि में बोरण में कार दारा कर देही के बाय का निर्माण कारता है, जार्ज मुक-नगरावा व देशकी वा बायक्रम हो, पाराव-मार में कारता-मात्र मिलका हो।

### (a) sylvens

प्रशासको स्थिता एकानिका तथ से न तो न्यांत को पहल केते हैं और न स्थान को । इस्टें मार्टित को कामानिक परिकास में उन्हान करने का उनका निका रस्त है। इनक्ता प्रशोशकीकात को को शबुद ने नेपानिक होंचे हैं रस्त करने का प्रशास

हों। हार्गेपसार के स्थित-कालू और शार्मिकान में नवीनका नाने का उत्तव किया । कि में अनुसूत्र कार को उत्तीर अधिकारिया-व्यक्ति के सामार्ग में साविन्तात करने का उत्तव दिया ।

प्रबोधनात की हा। को उन्होंत का विकास करने में साहर की का बहुत का

<sup>1.</sup> पूर के बार, साहुर, go 114, 12o i 1. वार्थ करिया बीकार्ट और संस्थानकर्ट, साहुर i

भीक्या है। विकास से को सार्वन्यत और अपनी देखानाएँ का तमें करि की कार-देखान से अभी करी। जातुन्त के नेताहित स्वाधनार की, अमेरिक-निकास को तमें संक्ष्मणानी और एक्टी जातुन्त के सार्वाह के सार्वाह से अध्यक्त की अध्यक्त की संक्ष्मणानी और एक्टी अपनी के सार्वन के सार्वन्य के स्वीवन की अध्यक्ति की सार्वन्य के लिये कहि में "पूर्वने अपनी कि एक्टी में सार्वन्य क्रिक्ट में मार्वन्य कार्या किया है।

हों के साथ करने साराना को अंग्रह कुछ प्रतिवादी पहुत्त को है अपूर्ण करना हम भी है। इस में के इसका मेर्ड किस जूड़ा की हमा कुछ के प्रत्या हम भी है। इस में के इसका मेर्ड किस जूड़ा की बाता का का प्रत्या हम भी है। जिल्ला कुछ के स्थान के साराना हमा कुछ के स्थान के स्थान किसते हम, और भी समान के साराना के साराना के साराना हमा के स्थान करने करने का स्थान करने किस के साराना के साराना के साराना करने करने करने करने के किसते हम, और भी समान के साराना के साराना करने के स्थान कोणी के हा हम हमा कि सार हमा । स्थानात्त्र कालक के से अस्थान के सी के स्थान कोणी में हम के सिक्त हमा

चांत्रचे क्ष्मचे कि मूर्व में विश्वे को साथ बांत्रचे को जिस समाजन बोधते हैं कर ।''

#### (a) and minor

नारी करियार के कारियों के रोज में देश - नाकर हिम्म है निवाह है— "क्यों अर्थका में यो अप मी गारितार है, उसके बुनिकार कुछ कुछ रिटाम, रोज में हो जा दो थों। जा दुनिकार पर कुछ नहीं हैंट कोन पर नहीं कुछ हिले पर वह पा-पार्ट में माराबा कार्यों, मिरिया कुपर साहुत, स्वापाद मार्ट्स, होंड़ में मिन्स, पार्ट्स, पार्टी मार्टिकार कर सिंधा कार्या के स्वाप्त में अर्थ स्थित के हिल मुख्य हामावर सिंधा कुपर राष्ट्र में पार्टी मार्टिकार कार्या मार्ट्स में मार्ट्स के साहित्य हा की मार्टिकार कार्या मार्ट्स में मार्टिकार कार्या मार्टिकार में मार्टिकार मार्टिका

पूर के ताल, सामुद, पुर तत ।
 को समिता का स्थान विकास, तोन स्थापसूच्या थोल, पुर एक ।

Seen  $\frac{1}{6}$  : oft when  $\frac{1}{4}$ , which is near when  $\frac{1}{4}$  coups ((i) and no means of some such from  $\frac{1}{6}$ ). Our set settle from  $\frac{1}{6}$ .

तमें तरिवार के विशा का में आंग्रेड, पिंचा, करा, विशा स्वारं (विशेष-त्रां आंध्रेडमी हैं। अंग्रेड में अंग्रिडमां में अंग्रेड़ मार्ड । साम्याज्य की स्वीर्थ में लेन स्वेष्ट में ही साम्याज्य की स्वीर्थ में लेन स्वेष्ट में ही किए स्वारं हैं। (कहा को स्वीर्थ में अंग्रेड के अंग्रेड में अंग्रेड के में में स्वारं में अंग्रेड में में में स्वारं में ही मार्चिय स्वीर्थ में मार्चिय में मार्च मार्चिय मार्चिय

वह विविधार करा है कि उसी वाहिता किए पूराबूत विशेषणाओं सो नेकर पाते. है के इस प्रतिकार कराय में बाहुर की वी प्रश्नाओं ने किए तार्या है। उनके ही गान-कोवार हुए जो हो पाते हैं हिमों भी तो शहिता को काली लोगाएक पूर्ण होता कर इसिन में है विकासे दुनिय जान हारिया प्रतार कारोगा के दिल्लीकोंकर करना के ही काले के...

"नहीं के गो-जो कारों, गो-जो विस्तात्त्र) जारोतों ने वाहे व केतन नहीं स्रीता का अपनी मीन कारता है, अगित ने तो जारिता के कारती को पात पूर्व है है। करने पूर्व पूर्व मोता विस्तार्थित कारती कारती कारती को कर है, करने में कर बब बसता हतन कारती-तेता में जीनन है। और ताहुद हुइन कारत कार वूर्ण हुइन स्राप्त की पार्ट में तो मिला में जाइन्द की हैं हूं "" अपनी स्तियान के ताहती की हिम्म हुई हु कि सार्ट वहन सा करना और सिम्मान

क्षको परायक्षण में बच्चल विशेषकारों को लेकर पुर्वापत होता है को उन्हें नहें हिन्हें कोलों की ओड़ में पूछन एचना मधान बच्चल है 14

श्रीरमा ब्रुपार शहर, ताओका, संक-६२, कुलाई-२४, रू० ६० ।
 श्रूपो ने क्यूनिक प्रतिनिधि गरि, सा- प्रतिका अकर क्रकेश, रू० २८० ।

# finite series

# काव्य की बनावट और बुनावट : सेंग्रान्तिक पीठिका

(ar) shall feature : alterfaces one

नियों इति वर विशोधका उद्यक्ते शेरफार नहीं द्वारत है। विध्य का शब्दत है, विदे के विशिद्यन के मार्चात पुरत सामार सामा है। इस्ते होत से पुतत पारणा कर्माद बाहित्य का का बोध होता है। हार प्रविद्यान के वेशकान की नामाह है— "देशोजिक्का भी साहित्य की वासके नामाहों हो एक हरित है हो "मेंको"

के सकत पर कुत कोर प्राहितक दुरों भी पंत्रच्या और बकत पर ज़राह सामने हैं, स्था दूसरों और दुर्जिय के विशोधन करते हुए अपने क्यांनिक्त "आहितकार" का सहस्राह्म करता है।"

करें ही बरिक तेना होता । सारदान के स्थाति हुए (०-१०) में "ती" ( बीड, कान ) वाहूं में वस् प्रकार के कोत ते तैयों को विकास सामा है। पतियों के बाहू राज के हात सार्वास्त्र

की शोज पातु कर वर्ग है "एक्स्प" होता जमा "पुरार्शक्य" में बाई "मेंनेन" पातु बा वर्ग है—क्स्प्रम करना कही जमान के निर्माद नाईत मेंनेन ने करने के जाने करते हैं है तम नेक्स्प्रम किया में में मेंचा नाम में बुध में फोज मान की फिर्टर मार्ग है है 1 को "मेंनेन" कर में जम्म क्याम में मोन में बाई है जाने मार्ग में के मार्ग "मार्गिक कर्मकर्ता, के लिंग्स है जाने मेंचा में मेंने में मेंने में मेंने में मेंने में मेंने मेंने में

<sup>1.</sup> Accessed Billiage, obscure absence, yo 1+1
2. Billiager, we obscure found to 11.1

this is made of various or conservation up and  $k_1^2$ , which has been been of small is a constant to  $k_2^2$  and  $k_3^2$  degree of the first constant of the same interest in the same in the same interest in the same i

#### (a) door waser

संस्कृत में ''केशी' ना सम्बाध ''देशिक'' है। अभी सन्त कर लागेन सर्वाक्तर्थ केवाकी है किया है। स्वादी कामी नेकल को सीनात्रण पर एकड़ नहीं है। ''पार्टी' ''बेबबार'' बोर ''हुनि'' को रीति के मंत्रत्य संद्र्य त्या सन्त कर में प्राप्त हुने सामान कर है संस्कृत विशेषिकर के पी प्राप्त केवाल करें ना सार्थ है—

(1) affectivest) where doors 1

क्षिण्यंतराच्यां तंत्राव ने "तावर" का रेडिडिवान विशेष कर से स्वार-पूर्व गांग मता है। में देशी "का रकता" (कार्यक्शास, प्रतासन एक्सावें का उप-कृत पान कम क्षा मानकारण) को रोजि कही है, वो "मिरिया" हो समीद "विशेष"

द्वार करने कर सार्वास्थ्या हो तो कर बहु हैं, जो निक्षित हैं, क्रिया है कहु जा है। है क्रिया है कि हो है जो है जूर जावारों के के स्थाप तर सार्वास्थ्यों के स्थाप तर सार्वास्थ्यों के स्थाप है के स्थाप तर सार्वास्थ्यों के स्थाप है स्थाप

कर्मनार निवारण के जरियारण मानद्र ने स्वर्तिक ( गातावाय करता ) को सर्वेचार या पूर्व जार बारता, इस को कारण का प्रकृत स्वापन कारण । साहर ने कामान का सर्विकार निवार पूर्ण को मानद्र में सर्विकार को । मानद्रवारों के को बारों में के क्षामान्यार मानद्र के मानद्रा के वर्तिकार है, क्षामा स्वर्तिकार कर्मकार के

manufacer if fiche much are more execut it a support shaper and all analist is such shift it i make so market all matries it is marginer when ert n'n afebr gel mes untai it it antegen eres colet è une co Grafty & v

#### 745 military

making of an applicable is all your all faller above now you the R owner of Select absent it below arrient or from the R o grott, gelatt, mitg aufe gefetet nett ab fathe abert ab § :

grott, access, area and meters and an inner meet in father about meet the subsect face is the risk in column to the part of the advantage with

nove care unfen mable. Segare etege sheldenre it affendennt more as dear was sensed from the case afternor afterfer er ette samm at somefontife an um anner week il : etten et wen b Accorde on a) à "apper". (bihade er blive en eur b) b. e) afe

इतिका के साथ: प्रत्यक्त होते हा को कविता को साथा-बंदवना दर्ग राजिरिक street it feller and it of the P .

above in Secure in many one until or source all Staffs shought b....

- (4) sel form uses
- (3) or oals were (१) कारपार्व सकता
- (v) som man
- (v) sent age

were nout fewere sometime is sink fewere in ourse & 1 was की शहर करते को ( सर्वादी ) है, हमारे तात पत ( वृद्धि वर्वत ) प्राप्त ( वृद्ध Miles 1 0 1 took figures are all room while 0 1 married more a now 0 1 arm (eff com) find and not one of motion at the \$1 more in ware it fine fembres rathe er um fant it, unefen, diebfteger uit noerevent ferfrer al un proch ve fede à 1 mail une strong à usui à ure affeiten dener de uppal at all grabe it i un merr up feigen services & few as says & :

tibu et alfens ficcos el sinu à mous une storre à ser

बांग्रीतन बंदरका ने 537 दर वीधिया की जनका जातुन काल है। वीधिया का बांग्राद है—मानुकार । आंग्रीकृत करन का निकास के सामाद निकास की है। यहाँ बांग्राम करने देशा निकास है। की किस्त का है, में बहुत मानु को दश्ति करने हैं। उन उनके विद्याल की गीरिका। कैसेन करिकास के का निकासिक में राज्य का का आहा, अर्थावों हिंगे कराओं हुए। किस्त में

निकार के प्रशास के मान वाहिएक प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास है। "उपकारण में मानिकार पता में है कि कहीं में पार्टी के देवाराता" के बार 4 महिन्द परिकार के प्रशास के प्रशास के प्रशास कर के समझ्य की प्रशास की प्रशास के स्थाप की प्रशास की स्थाप की प्रशास की प्रशास की प्रशास की प्रशास की प्रशास की प्रशास के प्रशास की प्रशास के प्रशास की प्रशास के प्रशास के प्रशास की प्रशास के प्रशास की प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास की प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास के प्रशास की प्रशास के प्रशास की प्रशा

कोर राष्ट्रिय मुक्तारीय राजियाच्या । आता की के अपूर्व कुछे हुए भी कोई हैं प्रतिकृत परिवार सा अर्थनीयकू प्रभाव करिया है। अर्थनीयक्षण की व्यक्तिया है। भारत है अरुपय करें। के वो केसीया पाने के आहुत किया । जिस के संद्र्य प्रभावकार के पुत्रस किया है है— (क) विशेष असार के वाहितिका अनुसारी की जिल्ला करने करें करेंगण

हैं स्टेटन करवानों वर वर्षण क्या कर्वेत्रक । (व) इस परी का कारवरित क्रमण तक ताहित्र करवेका में करको निर्वात का जीकारण ।

(1) एक करिएकाम मेजना पर निर्मात किसी प्रार्थितक अनुसर्वे की प्रकृति और कार्य की निर्मालया के अनुसर्विक तेथी की करिया कर में प्रापृत्त किया का की, और कार्यकास का कार्यकर तकत के नाव-बोटक कार्यों पर निष्मार (\*

## (a) exerc déticue

र्शालक में इक नाननार कर जानना मीती तथा बावतू के होता है। यहां नेश पर भी निकार शास्त्र हुआ नद् "निर्दालका" ने बंदर्ग में, पालनका से सोर्थन के सर्वाहर हुआ आधारता के नंदर्श में नहीं।

ferzic è foi bis-bidfazor, en gire gren, p. 101 i
 ferzic è foi bis-bidfazor, en gire gren, p. 101 i

(६) पंजे के अल्बार को मामृतिक परम्परा

किसे के अध्यक्षण की तरित से प्रमुचिक वृत्त में को अमीरता नार्ड, यह दो मेंने में दिखाई पड़ी : प्रकाशिकत राज्य विद्याल किया । प्रकाशिकत के केर कर सम्बद्ध कुछ कर के पूर्विक पारप्या के वह, और व्यक्तिन नार्डण के केव कर संग्य-कार्याल केरा । पाता के स्वत्यक्षण कर्य विद्याल की विद्याल विद्याल केरा के स्वत्यक्षण करता की विद्याल करता केरा कुछ और व्यक्तिय के सम्बद्धण करता है। यह तरित केरा की विद्याल करता केरा कुछ और व्यक्तिय के सम्बद्धण करता है। यह तरित केरा केरा की विद्याल करता करता है।

पाण कैमेरिकाल, पाण विश्लेषण के उन्हों को इस्ताओं तथा सनूनों पाण-देश के तहर पर यह समस्या हो तथाना है। उन्हों पाण के पाण्योंकी, जारीभाग गाहि विक्रण है, किरवा कुल्ल पार्चानात्रण को ओर है। पाण्योंकी के अनुसार—

ती हुद कर्क मा अनुसा है, न बका मा, एक्के कारने न नोई शाविक शावरी पहला है, न साहितिक ।"" एक्के बिनानेत साहित्य नोले को ऐसीनियान का निकार वानने कोने दिवानी

हैं सार्था होती, एक जानान, शिरिनेक, कार्या कर तथा अपूर्व है। होती में स्थान करों में बेदन हो — ''क्या हो जांक करों कि कार्या होती हैं।

"हम दा साथ्य नहीं तक शहेंगे कि साहित्य देशी नेवानिय जावरण की तकहे बारन केल है, जिंव प्रतीवर कि यहाँ साथिक परन जीतक स्थितिक एवं दुविकारित है।" प

# अञ्चलक संपर्धिताल को उन्हर अवितर्ध

केरीविकान को प्राचीत राज्यक्ष को कुछत में अञ्चलिक राज्यक्ष की हरराष्ट्र विशेषणाओं को इस प्रकार विकास का कुछत है—

(1) देशों से प्रति परंपरागड़ विस्त्र निर्देशायक समित्रति से स्थान पर सर्थ-सारक परिवृत्ति का विस्तात कृता है 1 कहा: विकियों की विश्वित्तत्त्व से इस कहें है प्रति प्रताह किया की संस्तात्त्व और साम्प्रीकार का स्था

(1) केरी भी बंधानवर जब शिद्धा नग के शंस्त्रीयमुख्य और अल्पन्य नी र

पूर्वत सीव साह्या और को स्वत्य पूर्व है है । (1) जैसी को तुस्ता अपनारंत्वा का ग्रंथ-विशेष सारवा एवं ऐसे उपनीब है किसे देशकिक जीवंतर के बात जानहारिक तीवंत भी है । अ सा साहय है है तो की है साहया साहयात और तथा अपने के अप

1. Selfore, sp. etc., p. 10, 14 t

1. WHITER, \$10 HTM, \$1 10, 10 2. WHITER, \$10 HTML, \$10, 10 रोपण एक व्यक्तिक कृति है । एक्टिए पान-बंदक्त के सहस्त है स्टोर्टिक क्रिन को सकते हर प्रकार दिया काल क्रांटि ।

(s) व्यक्तिक प्रस्ताओं को एकान सामग्री माना है, और सुकट-स्तिका में मानाँच प्रमुक्त के स्वक्तिय सामग्री परण सामग्री है। अर.

प्रोप्त है। (१) मैंगे ने बायम में उन नेवानिकार के स्वामी का स्थानेत हो नगा है। परिचारों को विश्वकारीय क्याने के निये तुम्बानक विशेष और सर्विक-

(4) साहित्य को प्रतिकारण क्षाण का तथा पुरुष्टालक निर्मित मीर विकित्त की पा विक्रि का भी सहावक प्रकारणों के कर में उसीन हो ।
(4) साहित्य के प्रति बोधवारों हुन्दियोग के स्थाप पर अबंधवारों और बैठ-

करायक इतिस्थित का भागामा साथा एक महाव्यूमी जीवर्डन है । [a] श्रीवीवदान पराचरा में तथा सोसावा में तथ भी साहिता में सम्बर्ध तथ

हैं। श्रीवत है । परमु अब शहिनेतर पार्टी से गोरोपेडाहिक समस्यत पर की मान दिया नाने कहा है। '

# सापुरित्र रोगोरिसात यो विदेशार्थ

होंडों भी बता नहाँचे उपत्रण नहीं, तमार्थि भागी गहरूप के सराग होती का साम्प्रदर दुस उपतिवक्तर हात्या से पन में होने भाग है। हात शुरेसकुमार ने इस वंसेस में हो बता पर क्लिय में दिन हो है। (स) होगी हितान अस्वया पर हेंद्राविका और प्रपार्थिका इस वहर है, प्रधान

, ..., परा रकार मन्यवर का कहायात शार प्रयासका कृत शेरा है, पत्री-का तथा सन्दर्भ का वहुकार । (क) प्रतर्भ प्रवर्भ है एक यह, यहे वह साहित्यक-प्रतर्भाविक प्रवर्भ कर

(०) १००० १९१३ वृद्ध १९६५ मात्रु च्या ताव्यास्थ्य अर्थाव्यास्थ्य अर्थावस्य अर्थास्य अरथायस्य अर्थास्य अर्थास्य अरथायस्य अरथ

प्राप्ता करू नहीं है जैने कोजियों काल्यक का दूरवारण है केविसारिक विशेषण है। यह गुले राज्य निवास का बुधा है हि। इस माना की विशे का तारकार की कर करते हैं। इस जबार कैतियार को बुधा आकार्य हो हैं है—जारा वैसीवास, प्रदेश हैं। इस जबार कैतियार को बुधा आकार्य हो हैं। है—जारा वैसीवास, प्रदेश कैतियार ।

## बाइनिक रीपोरिकार को साम्रक पहुद्धिको

राजे मन्त्रांत्र पुत्रम चहांत्रुस्य इत स्थार है—

<sup>1.</sup> Searc & Sec 36.—diáleme, at- gire gent, g- 111-112 ; 1. Searc & Sec 36.—diáleme, at- gire gent, g- 111-112 ;

### (1) time rafe : winnelle rafe

ंक्षण पद्धांत में इस करने संदर्भन से केवीका उपकरणों का अधिकार उस करने निष्या अपनी से प्रार्थ सामग्र इस तकता की सहीत की गरीमा को है । वर्षाकरोंक पद्धांत में निविकारणोंक मामग्रद उपकरणों की अपूर्ण उपार की इस क्रेकेब्स क्षीत माहीत को प्रकारणों को केवीका उपकरण का पनी दिया नहा

#### (1) 1740-1440 : 15510-1440

क्षा कर का निर्माण की पहार्थि में हुए आँका ने एकिन पता है। एकिना की ग्रीट एके हैं, जब अपनुस्ता की में बेला की का इसके पता होता है। काम की-निर्माण में प्रकारण तपका करता है?, तम अपने कराई बातुस्ता आहें हुए की-स्थित में स्वारण उपन्या ग्राम कामीकी में साथ करना हो?, तम साहित्य कर जा जाने की निर्माण प्रकार कर का बाता की नो नोता है के साथ

#### (b) elevent : restorest

क्षंत्रसंद्री मानवल में रात के वरिष्टावः चुने हुए हैकीएक उपकरणों का मानवले क्षेत्र है, तथा सर्वकाणों जाववल में पत की बैतर का उठकी दशरदा में अनवल क्षेत्रर

#### (a) straigh-articles

संक्रांची हरिय में कुछ तावा हारा का भी कीरी जा बावावर कार्य है। आवार-पुरावेशन ने लिये हैं। कार्य है। कीर का सारावार ही हारा तावा होता है। महिनी हरिय में की का सारावार हावार कर में होता है। सारा में कीरी के सारावार में कुछ वालिक स्कृता के साराविक श्रीवृत्तीक शिकावर में बोरेस पूर्व सारी है।

#### (a) eferres-pressure

धर्मानारक प्रदेशि में तुन नार्याक्त सेवित के सामा या यात के क्रियेण्य वा-स्थानी वा सर्वन प्राह्मा कर में हैं, सबसी प्रत्येत क्रियेता हुएक प्रत्येत हैं हैं हैं हैं। दुरानारक प्रदेशि में हुए सामा के यो मेरी भी या यात्री भी स्वेत्तात प्रत्येत की हुएना कार्य हैं, प्रार्थित क्राने का पन में माने सरस्य हो होता है। एस जबार रोजों में कार प्राह्मात प्रोर्थ मीलान प्रार्थ है।

#### (1) appends : epoples

प्रवासीय सामान की साजकर प्रकारी में प्राचा के किसी केंद्र को पर किसी कड़ की पान की साथ से कुछ काम के जिसे विधिक्त करने प्राचन ब्रेजीटन साजकर fact men \$ 1 membre more it was at set set or blogden oft-

### (a) general ferresson

आरक्षात्रक पहाँत में इस विशेष के कारण को ओर आहे हैं, एक रितिकर इस विशेषत करायों के महत्त्वत पर कारण विद्वारत दिखाति करते हैं। विश्वरकारक बहुति में सामान में विशेष को ओर को हैं, कारण विद्वारतों को एक विशेषत हवा

निर्मिण्य प्राप्ती पर प्राप्तु करते हैं। प्राप्ति निरम्पण के यह लगा है कि नेपादियां सारा वर्गनिक्त कर में हुं स्वाहत में नारी है। यह तेम दे कि एक जान में एक पादित हुम्ब के दोनों किये पर अस्त बार का प्राप्ति नहीं हो स्वाहत, कार्यों गीन, प्राप्ता का में में कारते होंगा। प्राप्ति की निर्माणित कारने हैं हम अपने अस्ताब के स्वाहत माने में स्वाहति की निर्माणित कारने हैं हम अपने अस्ताब में संस्थ के ताम-नाम बाननी स्वाहत हम

#### (4) sense of streets : some firecon-

हकार हैं जान-साम के पराचाद की एक जीवार सामार पर श्रीवार हो जाती. है, जाकि हुए में डार्ट को मानावार डींगीड़ा रहते हैं। डार्ट एक स्वार्यकर जातु है। एक डार्ट जो पोप्पर राज्या को जो जातुकार होते हैं, कार्टी एक संबंधिक डार्टिंग स्थारत के विधित्त प्रपाचार्य के समारा पर हो विधित्त होतो है। बही स्थारत डार्टिंग कार्य की सम्म ती है।

Which may at one upones and wineverse and h and h and h are set one h at h and h and h are set of h and h and h are set of h and h and h and h are set of

बारतीय राज्या में खेली का लगन निर्माय राज्यामी के कर में निम्मा है, बार्युक्त बंदबरामार्थ विक्रीयन में करान नहीं : इस्तिने बारतीन में लेलिसार में न्तान्ता कोई त्रंपर एका वहीं जानेश कर दिया गया है। शंगका ने सीम माणद-बर्चर से एकाडलेक में और पूजा के नावीज सीमिक्स में माणद का में मिक्सी है। कार्योक में शंगका के एक्टक्ट, प्रावण, जावर्च और जावस में उनके त्यापन के स्वाप्त पर निमोक्त निवा करा है।

व्यक्तिय क्षेत्रम में तेम में माहित भी रोपमा भी बाद पूरता क्यों क्ष्मारे क्षमीयन में पारम्प हुआ, जो बाद में जान-सुन में बादिन में सम्मादिक पात भी संस्थान में उर्जनमीत हूरी। कारीओ बाद करोका में में संप्यानकार की स्था हुई है, इस्ते कार्यकर मीम स्थानित प्रिक्त आप भी देव स्वेतीहरू दर्शन करान्त्र जिलमां दियाँ में बहुत अपद हुआ जीर को क्षम भी बूद यह पूरी है, जो पीड़ केश प्रतिकेतिक स्विता का स्वार्णन क्षम

साम्बाज्यात तथा नागी पान विवाद क्षावा आहुगित पुत्र में आहा । अस्त्रीत विवाद अहित्यात्वाच में के व्यवधा समेत्री विवाद है। पानतु परिचाद पूर्व के देवपान प्रात्त पत्रिक में साम्बाद विवाद कर मार्थ किया कर है। पत्रिक में परिचाद में विवाद में प्रचल अवयोग है, जिल्हा कि पाना निकाद में है के विवाद सम्बोद अपने के क्षेत्र प्राप्ताम में जिल्हों हैं। "पात्र समाम्बाद के प्रचलन अवयानकार्त्त निकाद के प्रधानन कर है।

बस्त हुआ। श्रम्मविकात के वर्त्वशिक पात्रव-शंवतावर, धावन मंत्रि विकास, दिवस में स्वाप्त्य, वार्त्वशिक केवा (५०) की धारणा मंत्रीतिकारण, को जावारी पात्रिक विकास, पुरावताक प्रस्तावर, पुरेव का विकेशसाधिकार विचार प्रश्निक के और अनेक् प्रसार के वात्रवाकार्योग विकास के सीते में वार्त्वतीय वीरणावास का विकास हुआ

बानों के विदेशन में पंतरतात्रावा विशेषण पहेंगे जा कितार दिया। <sup>1</sup> तेना वार्ष मेरे तेमें श्लेष के विश्वत में पंतरता को पंतिकारणों महर-महर्ष है। यभी करते के पंतरतात्राविधी के व्यक्ति-निकार को कार में तकता हुए हुए का तकता है कि तेमें तकता वार्षा में मेरी के विश्वत सहस्त है, केरीका के पूर्व महत्त्र भीची के जात्रों सामाम करिया करते हैं। पंतरकारण का हुएता मुख्यत्वेत

<sup>1.</sup> anthor - 11. dente - more leg, develop-hos-than order :
2. anthor - 11. dente - more leg, develop-hos-blan order :

हिद्दाल है, 'कंक्टॉमेंक' और 'ऐड्रिड्डॉफ़' में कबार स्थापित करना । जबके कैसरी स्थापत बहु है कि ग्रीपकार्य करा के मेरे पड़ार्ड है, एक्टिंग कार्याचन में पबना का सूचा किसेटर ऐपार करिए, जार्ड किसान करिए । अपेक प्रकार से ग्रीपकारकों, स्थापतारकों के जिसकी करिए के हिस्सान करिए में

"ऐरस्पारांते जाहिएक में सारिक स्थाप पर आदिक वार में हैं। येप्रध्य-सर्विता है आप कुछ बार किया तो वा यह कि अपूर्ण में पहुंच के प्रकार के प्रकार के आदिक प्रध्य में है आप कुछ बात कर को प्रधान के प्रमुख्य के प्रदेश के स्थापन के प्रश्यक्त किया का महेना में में में मार्कित किया। काहित्यक क्षार्य के प्रधान के प्रधान के प्रथा के प्रधान के प्

-- gran

1-referen

### (१) प्राचेत

पूर्वत का तारणी संस्थान के यह पूर्व की बोद कीवा करना है, निकांत संस्था हुए को व्यवस्थार अपनी के सामान में अधिकारीय की पूर्व (अधिकारों) नारण में और अपने हैं। यह पूर्व गांधान को दूरण करने की सामान पारणावात रचना के पूर्व कोई है। अर्थ एक्स हुमेर्ड संस्थान में सामान करने की स्थाप करने कुछी मुंग्री कहा पूर्व अपने हैं।

### (9) abdess

when are all notified also girls  $\xi$ , wherein all up absorbed also all ares k to greens and depends on all  $\xi$ : element as all regions and defining an even (2k)  $\xi$ :

१. अमीवरा-२०, समायक—पाणमाँख्, संरक्षणाय-वेशक—नेरेवर परिच प

### (t) exferent

इसेक रचना के जावबर जानते रचना में अधि स्थानिक होंगे हैं। समीद उपना सामानीक कारक एक मिरिका को की मों, होता है। आहे पर जावजी का स्थानिक एक नहीं है, का बाबा कार पर में कारक नांचीक करने में नावक नांचीत ही का मिर्ट जा मोर्टिका है। कार है कि बाब में अपूर्ध प्रीपक कार नांचीज करते हैं के सार्वालक्ष्य का समस्य का कार सांच्य कोई है, कारकी समझ में जानूनन व्यापी की प्रार्ट्टिक कार्यालक्ष्य की समस्य का कार सांच्य कोई है, कारकी समझ में जानूनन व्यापी की प्रार्ट्टिक

रेश्वेरिकार संस्था ने सामुक्ती पत का सकर है । यह संस्था ने पुना और सभी को सकत है...

# (1) were (greke)

के प्रति प्रति के प्

#### (9) subse

ग्रंपकाः इंग्रदकों की अपनी जैस्त्रीत का परिचार न श्रंपर, उननी गर्नकरः (क्योजन) के प्राच्या पहुंची है। इंप्यता के संस्तर (क्यें) का स्थान एक प्रदेशकर सम्बन्ध पुन्त होता है भी उनके जन क्षेत्रकरों के प्रमाननों पर आधारित होता है।

भाग पा पाणा के क्यां में नारपा हम में नार्थ में मार्थ की उपहारण कर के हैं, जात "कर कुन की लोका और कारों है, जो एक कुन को लोका इसार्थ कुनाई के कुनाई है" हो राष्ट्र हो, अर्थित हो की हो कारों में युक्त कर अर्थित एक वह है है। पर कार पाणिए की जात में एक सिक्षी में पायक के कार्य में मार्थ कर कारों में कार्य करते के कार्य करते के कार्य करते के कार्य मार्थ करते हैं। पास्त्र के, और दूसरे में अपूर्ण हो मोर्थ मार्थ करते के कार्य करते हैं कार्य करते हैं। कार्य के स्वीताल की मार्थी।

#### (1) esperan (ethiolis)

ारकार इस अर्थ में स्थापना होतो. है कि यह तपने तता के कि स्वर का

ट्रकारेफो है। रह जरने से नाइट निक्तों कमा कहा पर नामाध्या नहीं। होती । जमा और दाहिल के नरेश में यह कहा ना जनता है कि जरूने निजी नतन का भी मा हुन उन्न शेरकर के महर जन्म निक्र मही होता, पत्तु कमा नेक्स पतनों से पता-विकास में जावार पर निक्तिंग होता है।

 $(v) \ \pi u \pi | g \sigma m v \ (\delta \sigma u \sigma \tau)$ 

भी ने पहिल्ले के पार्ट में दूसार के बाद के दिख्य के भी है कि का में दूसार के प्रति के प्रति के में कि मान के दूसार के प्रति के के प्रत

सही की सारावाच्या की जि बंदरण सहुई होने हे कारण वीदित और संस्थानकार होती है। वह सभी उन्होंने में कारणित होती है। पर दुनार का दुर देंब देंजब होने के अपन कारण होता है। संस्थाना वरद उन्होंने की अपनारण का सामाणि है, स्थानकर, स्थानकर सारी, तो मुलाबर का सारावाच्यान के का के स्थानकर सीताहर वर की एक स्थानकर कोई हारें स्थानकर के लिए कर देना है।

(e) fewer or fewer

<sup>1.</sup> through delifered, as relicing shapes, yet 43

त्रीक के परे दरस्य को सामान मानद के उत्तर प्रताते हुए कवि से मानतेत पर पर

were all stream in with other or other bire face are result \$1....

# (n) wearn part street

सकते और पर क्षम पता को उत्तावक कथा की बुधवद्वता, वर्ण कर भी me also one-from all much also from some safe stalk starter, and

#### (2) market som sirem

दलोंद्र अस्पर्यन कोर्स हम्बर एक के कांग्रस न्यांकरों का एक के अधिय अधियों के the ref-ferré spor à :

#### (1) obliv own singer

said as wearen & the rear was at wifeer is over each six afte our अर्थेक्ट कोको और प्रमुख्यान हो, दिवाने दुवाने जाने कार कहा में साने भी कारण हो । changes were it also below on its sention; abstract grown street it value See a se fella pophi reduce vaca il 1" works force it over it for all all unfelore afer me sixual ex

glives on stat & 1 stin is feature were nection by 14th Polyfox rece the average with \$ 1 to come transcent, many real art of a policities with \$ 1. an excel it fries every most more it ever until all alone on sice eur, er, faufer more à, fait straut uns met à 1 me conserve afanteur als

र्वत्यक्त के साराने कियो भी दास्त्रम सातू के (काहितिका अर्थत) के शहरूfore erest (existe che) en à cher à 1 de mon no artes le fefere maral it also जारे वाले वाले काला हादकार्त के आवाद पर कहा करतो है।" "

# (ग) राज्य की बनायट और कुनावट : विशोध्यय

Soil of the come is separate in the separate that it is not see that है सक्षेत्र का बार कार और दूधरा कार गरियाकीत एक । बारकाल को उसके कार की की रिवि को विकित्या ही रिवी के साथ के उनकी बातते हैं । इसि की व्यक्तियां में रीकी

- 1. wrote differer, or easier shell as to a
- t. Searc à Sit be-different, etc l'enform fon ce en : 1. dreams felifent, at- phase shares, p. 41.

का नहारम्भी पाना प्रातिम् भी तांका होता है, स्वीकि प्रति बंदमा में स्वका के त्राहम के काम के प्रदूष्णाल में काम व्यक्तियात कार्य सामें के बीतान के त्राहम ताम शहारी व्यवहां का भी क्षेत्र की प्रात्म हैं।

जिसमें होंने में गोरणात्मक रायात का श्रम्मार यह गाया की "बनाइट और दूराक" हमा निर्मा के मान मान का है। स्वाप्त में श्रामंत्र का तिर्माण है है। हिन्द के होता है, विस्ते निर्मा होने में तिर्माण विषय होना में मिला हुई है। हिन्दित होना करती हमा तम कहा मानियाहि के स्थित की मिला हुई है। हिन्दित का स्थान है। किने की में से राया के स्थान में "बनाइयाँ के मान में मान

त्वता है — "स्टोड्टीयम कृति वर प्रथम के साध्यम के सोधानकता में हुते समावद और

बुरान्य में सबस्यर द्वारा संस्तर किया का सकता है।"" यह तथा में राज्य है जाता है कि कियी हरित ना किया संस्थाने में सबसे सरका होटा है, यह उनमें की धोनेकार की "दुन्तरार" के उन में पूर्वरात होती है, यह संस्थानों की कारणा में तथा में स्वाम कारणा है किया है कर नोकारणा सीवासन

लका हु— "दिसी इसी के पूजा प्रथम रिम्बर कारी वाले उन्हों का जबक मामलेका

िकते हर्दि को आपनिक अनुसूक्ते को असन्तर करने में यह तस्त्रों का सहस्त्र पूर्व परात होता है, जो एक विशेषका जिल्ला करते हैं। जिल्ला स्वयमें कानी निधाननों अनुसूत्री का तब्दा को दिवाब समुद्रीय के स्थानमूत्री का प्रकार होता है। यह तस्त्री की सम्बद्धीत्व का देवी तथा होते की एक रोता तथा परार्थणकर सूत्रमा साथ्य हुन करती है, विश्वीय आपन्तर पहुं की को तथा का स्वया है। यह को की देवी सम्बद्धी

र्शन्त में बार श्रीकालन की कामता है.... 'मुलाबर ना सम्बन्ध कमा के ऐतिक तथा के पहला है। यह स्थान के भी बात है कि बाता के बाहर तिल्ला अंबार, कर, तथाँ, ग्रंड और नार की ऐतिकास के स्थान की के सम्बन्ध की तथा के प्रति हैं।

विश्वी होते की बातर जा अध्यक्त सकी क्षत्र कह तम भी स्थानहुमें हो बात है कि बातर में बदान्य को निवा प्रकार में कैमीका किया नहात है। क्या को प्रतिक कर में अपना कैमी प्रधा जब्द किया गया है, या बच्ची में बात करते हुए क्या की सिंद एका के हुआ कार्य है। इस क्या की स्थान कर करते हैं पाने और स्थानका की स्थान है। उसने की अध्याप्ता विकासिक है तक्या करता। यात

elemente del feare, ser réfrance d'ausse, pr 45.
 elemente déférant, sur réfrance channe, pr 40.

t. deceme billest, no obser sheer, j. 64 :

सीको उत्तर प्राथमिकतीक में बहुत्तक होते. है, समस्य सहय कर ने महिलाहर हुए है, यह उसी गोरफाउनक स्वीववर्तिकों कर अनुसीवनक इस महिलाहर हुए तह होता. ही पुनरिक होता है।

को हुमार हात हो। को हात कारणा को वीकारित का सामक को हुस्तार की परित्र है भारत है। 10 कुमार को मोक्काड करने में भारते वेतन्यता महत्युर्थ मुनिक का निर्देश करते है। 10 के बार में 10 के प्रीतालक की मानकार है कि —

"बुक्तवर कर विशोधन कर बात को राज्य बाता है कि स्थापन, राष, राष बाता काकि पाना के साथे-बाने पर ही बाते हैं।""

कर करार है रचना है गाता है कि साराम्य पत्ना तथा साम्यावना है अपर रिकाल है। साम्यानार से नाम्यान सामा की गीता स्वातीत्वाचीत हूं र रोहार के स्वाता अर्थिक हीते हैं। साम्यानार सामा की तथा सुबाद एवर रामा सम्यान गरी होती हैं, आंगूर साम, सामा हाते हैं। हम भी कर राहत हुई रहे गाते हैं, विश्वी सामा बार रामा हम हिल्ला कर राहत के अर्थ हैं जाता है हम रोहार सामा हम में पूर्वाचीत जातारा भी तीने से साम के मात्रों है। सिसी होती भी तीने में कीने बेटचर के सिकाल सामी हैं ने कर नामी ने सामाना सामानी हों। कि

(१) वेग्रीय वाद (२) ववद

(४) वर्षपत्र (१) विकास

(s) more

(+) fera

(e) बहाररे हमा सीमोजिली

#### (1) hade see

मन ऐसा की कह तकते हैं कि कैसीन करा ही करी वह बहाकहर्न कियु है

1. Common Galiforni, son transport abstract for the

ब्राह्म-स्थान तथा क्षत्र-प्रयोग परनपर स्थोत्त्र होता है ।

हितान संस्थानों को नोर्वाचित कार्य संस्थान करता है। यही संस्था स्टूजारी है। ऐसी राज्या की संस्थाना साहर की वी जानेक करिया महितान करती. हुई स्थानों नेती है।

#### 4.6

्यारिक भाविक प्रकारों में से कार्य एवं वाहियान कियों एक भाविक प्रार्थ को पूर देश हो भाव है। कोर्र भी से मान पूर्वतः प्रशिक्तको नहीं होते, उनको अर्थ पहार में दिल्हा होते हैं। दिल्लीक मानवाता नाने नार्वत से के कियों एक माने को करना हो बच्च नवा नार्वत है।

पुस्ता कर्ष का नेपुण, राज्य-तार्थ पर ही आहर पहार है। अन्य कानकारों की इस्तु कर्षि को हुए नहीं है कि उपकार करने के प्रधान आदि आपन करें। करने के स्वापन क्रिकार को आहर निर्माण करने के प्रधान आहे जी र अस्त

क्षा स्वाप्त के किया को पर क्षेत्र है- किंगू, स्वाप्त क्षा आहे. इसे महिरिक पात्र की किया को पर के प्रति - किंगू, स्वाप्त क्षा आहे. इसे महिरिक पात्र की सार-क्षा पर किंगू है। अप-स्वप्त क्षा कर अभैर क्षार्थ इस्ता के इसिन के में है। की राष्ट्र काने को बोद करते है, क्षार्य काम कर है इस को पात्र है।

# (1) measurements your and it finall vertice more on financial sprenation of final-logon o

"वसाराज्याता नहीं देव तरफ केंद्रबार के प्रधानन पर पुरस्तकृति को संकारण भी अक्षार कराते हैं, तो दूसरी और प्रायुक्तात की अध्यापना को । ताबहुत्यात प्रधान परक को हो तकती है किया परक भी।"

कार करता की परिशेष सोवेश नहीं है" यह स्वता से हर सार स्वीर, करिया, बाल पहलेह, काम, जाना नंद जारि पर पानी मात्री है।

बाल पहुंचा, काम, ताम का नात पर पार पारा है। कारीब सारामाध्याम वा का अप-बोबसा में लाखा: परिवर्शित होता है। प्रभारक की प्रमान कार्य सारी में प्रभारण में नातार पर क्या सारत सिवा पा सारत है। इस्त्री में प्रमान में सारत पर क्यों की अपकारत है।

क्षांतरों में क्ष्मक कांकर में को पुरस्कृति में क्षांतर पर करोग कक्षांत्रक होती है। मान कांकर में को में क्षांतरका होती है।

<sup>1.</sup> Ferry & Fey Mak-gale source :

६. वैशेरिकार, स॰ श्रीकारण विकार ।

कारास्त्रकारण में कारण पालिक स्थापनों वा निर्मेश्वे पालिक स्थापनों से पुरावर्तन होती है। क्यान्त्रपाता केवल मानि तार पर ही गाहि, को के तार पर भी होती है।

हुता है। सबूद को को करियाओं ने मानकर नो भी सम्मानकरण किसते है। इह इस्तानकरण जनव तन नर है। तनमें में कम ननम निम्म है, परनू विरोक्त एक हो मानकियांकि में परिचारक है। ऐसी सम्मानकरण "मी नाते की

क' में परिवर्शका होओं है—कीठ— ''बारों तरक चोर है बारों तरक चार पूरा है बारों तरक प्रदेश है बारों कार कुरेंगों है बीच और बार है

बीव और दूस है हर पूर्विका एक का सवस्त्री दशकों है का सम्बद्ध

भीर स्वीवत स्वीवत कर कार्ड है इस का करें

भीत भीर बरेशेस्ट के जब है की छूटें।

गई वर्गी सभी है संख्यात मेंग शब्द है

सहरो है सा परित्र है सन्दारत होटो है,

dit-is fineur: E and feel gafter E,

हर का वर्रे शरीकात और गामक

क्षेत्र वाही मोर तथा हमी गई। में रचना हार पर तथावानार है। पोड़ मोर कुत है, जावाद जीन पानत है। दर्ज पात्रका तथातावादात राज्य हा है जीन मित्र होते हैं गं हरणावादा तथा जीना मंत्रत कर जाते है। और "चेत्रे है देवातार है करी वाही कुर्वाल है, हाने जाविका महाहत में कोनारह, क्षेत्रे

```
1. 40 de off per, ergs, p- 1
```

हुते का स्कूतना क्षणाव्यापार का केन्द्र किन्दु है । दोनों ही प्रवाहराओं में इस स्था करों, ने अधिकारण और माम्युल का श्रीव्य में सम्बन्ध क्षणाव्यापार है ।

चीतु कीर संबंधिकत कर कर देते हुई अधिरमाण भीर जालसावन के तक से देखे हुई बर्ज और सरका के कर से देशे औ

ben alt men er ny hê gi".

रात्रें इच्छानक क्ष्यान्यका, लोकाल और धीड, जान्या और कारण femilies और विशेष्ण्य पुज्या और पूर्वित में की अपने हैं, जब है, जब है जा अपने यह स्थानन्यक किये भी तिकारी हैं जो के बेचे में की उन्हें हैं कर की में इस्प्रत विशेषी अपने एक्टर विशेष करने में आहीं जा बाने हैं किया है, जो भी इस्प्रतान्यका जो की जीवित है यह है हम में से पात्र में ती में दिस्ता करने हैं जान वहाँ प्रसाद नात्र में स्थानन की किया करने की स्थान में हम की स्थान है में दिस्ता की अपने की स्थान में में सार्थ मार्थ में मार्थ की स्थान में मार्थ की स्थान में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ की स्थान में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मा

et the e elei al aman a al au feter closi à las as asse à .....

> देरे के बल सम्बन्धन रहते हैं

क्षेत्र एक-इक्षरे के

क्षेत्र एक-दूबरे के

बोर शर् हैं बोशफार कर है

श्रीशकात कर है एक दूजरे को देख

बुंद्र केट केल है

देश आसा अन्य

वो दुवरा शकान में

× :

एक बहुता

f vens

nit, qu feefa

Zect edu: § "ee; de séat "assi.

"An ASIL.

"बार नागे."

५. जो संघ नहीं क्या, शहर, १० १-४

```
"की खी"
"बीव स्तो"
"बावक बरो"
"बिक्सी को जात क
"बेक्सर सोड़ दो (")
```

#### (a) mfm

सर्वाच्या एक प्रमाण प्राप्त है। श्रीवाद्या एक प्राप्त है अपूर्णिय से प्राप्त कर से प्

हराती शेखांस में देखा था। परिवास थेथा पूर्वों ने वन में नरीकार किया बताई है। तेवाओं की बेकानमा कोवा पूर्वों के पूंचन भी काठी है, और मही तेवों में हुई दुर्वों का वर्तक माना साता है। इस नररररात्वा सर्वांव्य अधिकार में अपूर भी में की अपनी वर्तवासनों में स्थान निवास है, विके-

```
ेहर कारती में देखता है
और देखता नहां बोता है
हर आवती में बाहू है
जो रिवाल के र बोता है
हर देखतावर
×
```

करता और उन्हां के सन से केने हुई !"" मामुलिक मरियों ने वर्तवारती का उपोत्त होता को अपना है जो किया है किर अबदा से परितासकीय जायता जीव जीवन से जाता हुई हुए शर्वनों ने निवार है, इस्पीर अधिवार को वर्तवारता हो है, सामार पर अध्यक्त । अस्तित से अस्तित के

श्रो संक नहीं क्या, माहुर, पु॰ ००-०१
 श्रो संब नहीं क्या, साहुर, पु॰ ४

कार भारतीय जनगांका के कांने का स्थापनिक पुत्र हो जातेन होता है। सांधीन इंटरेज में पातान को बलावा अनेक क्यों में निवादी है। उठी एक निवास परिवारण को समझ पाता के का में सांधी में को साथ किया है।

"---वीर पूर विश्वी करें करानी करत के बने बाके रह

मेरा बंदा कुल किर

Ababe das-At I.,,

न्हींबर के कि राज्यान्त अहेब्दें)कों ने वॉक्सरों का करने की कहुर सै को बरियानों ने निक्ता है। "बरियो को नाला" "का विकास बरेकों" जरिता में बुक्तित होते हैं। सहुर को के बरियानों में कार्यवा होने कमे पण्यापन कीता में को राज्यात को के "विकास कहा" करिया में कारणों करने करने वह जात करना

क और यहरावन का जो उसीन दिया है, वह मुख्या: पानतीय रणनया का बीतन है— ''जी हुए हुइटे बहुमातन

विद्य समि

वार कार्य वरि, वर्ड्ड वर्डि

भागत कुला प्रकृतना साथों करते हुएँ सहिता । 11<sup>12</sup> देशकी और भीडरा की सरिकालों में नविकालक प्रकृत हुआ है। रोकनी सन् साथों अस्तर प्रकृत कर करते करते हैं। कहीं वर स्थानन स्थान प्रदेशक है कर

a th fun f :

"रिकट सोकरो है पुत्रा का बट ओरप है

केरहुपाम अस्तार पीतर पूर पत्त है रोक्टी पात की सार्थ है

हर बार भागी जात से इट बाले है (\*\*)

भागती कराह से हट बडते हैं (a) विकास

"सामान्य पाता विकासें में मंत्री, होती है । जन्म मीर वर्ष में एक पानिक

२. जो मेंत्र वही क्या, बाह्यूर, १० वट । ३. जो मेंत्र क्यों क्या प्रकार, १० ५२ ।

१. जो क्षेत्र गहीं हका, बाहुद, हु+ रेठ ।

prove that it is affect all seen it are explosing or such it cooler write. when the part of the second of the second of the first of the second tree have reference in former moreon has referred in all that all other is seen it win whome it from more 2 of 1 was 2 from reference pales it were that it is we find it weren

from all already our six and up all ar such h... (a) when

(1) we so it were to female

"In on so much I be forces which it prieses it of own ther

E. & more: arises is an using all year out out a share; such sere if our E a major station in the after our such our it allows one set free or fram & frem ut green nies & ." some femore more unicome and in feath proofinging an all true

menus aucro à 1 feder abarrer à soit com à ferent et en perente fier it :--"and it assesses men-bears sound at affe it was were if

बारक-विकास को ओर्स को एस प्रतिना है, बोर्स्ट समय बाल पाया है को प्राथाविक He web P. wit an expense bound on factor a Chairles abstraction on Microso no mak di et 2

जरूर एक कावी क्षतिक है। विकास सर्वित्रमाद प्रश्लेख को पर काले का क्य बन्ने शांतवरण है । क्या प्रदानरों से वर क्या की और ही सारी है । reger of all effected it but all but at longer & fix and it and While is some or finalise at order a site flow out 10 main 2 and ...

"wheth she ero & ते का वर्ष

Don't it wind 80 W 10"

gelf wheth web it not it downer \$, and wheth, we not province

1. Herer en foulet, fuller gherry, c- us i

a. भी बंध वहीं तका, समूह, ५० १० १

<sup>1.</sup> Write streets del during delle are not may get to be t. Officers, are franfered five, so on t

भगकार है दिन हो क्या है। उसी प्रसार में "एक विशंतन कुम" सामन सर्वता है। "मान कंपन" का भी सामान्य वर्ष है। दिना गर्ने विश्वतार के मारण ही विश्वता है। बेटे ---

''साथ सम्बद्ध सर्वट, स्टेट स्टेड

व्यक्षी सुनी रोष्ट्ररियाँ प्राची स्थी को प्रतिको ।\*\*\*

करन ही प्रचीत होता है। "रोजनी पत्र नहीं आहे है

> हम ही करा नते हैं और बहु---हर कार

हर बार कारी जात के बद कारी दे<sup>4</sup>

### (5) sorgen feater

स्वयनकार में नात्राच विकार नार्विकास्ता की बीज के सिर्फ एक महत्यपूर्ण स्वयन है। एक माद्रा मी कार्यों जुकारों है, जबके हात्र करों जारने करों कर के मेंक रूपना महत्यन मिकन का जीता है। साहस कियान के एक स्वाह्म हो पूर्व के असाहय एक मीट की दुर्वेश है है। यह है—"एक ताब की अकटा की सम्बाहितकारों का

भारत विकास में संस्था से एक कार शिवा कर के सारण दें। तीन है। सहस्य का रागर कर में तान और प्राह्मण की दोनों नोतियों का स्वत्य कर में कर, होने बहुक-कारीन में किए अपने हैं। उत्पादक के हुए, किये अपने से दोतों मीची प्राप्त किए एस में एक देखें हैं, तीर एक्के बार कह बारण में निवधीं सकते देखा है, तीन किला पहला है—'फिट, किंदी पीती और नह है।

"स्पृष्टा कारण किवार के दारण कियों भी नाह के जादियोंन क्यार्थ का प्रतिशेष का में प्रदूष्णियान ही पूक्त नाम होता है। बारण-पोक्स का नामें बार में देखा दाता पहुंचा है कि बहु उसकी ताह पर राजर-पायद पुतार्थ के पूर्ण का प्रत्युक्तियान का देशों है. मिला दाता महिन्दा कारणे कर दा तथा करा है. और एस

वो वंद नही तका, बाहुर, पूर ६८।
 श्रोदी की कार कार पर करें।

<sup>1.</sup> Effener, ers fourfeme fent, go &t 1

त्रक्ता की मार्गित के इस्त एक सार्थालय पर में साथने साथी है. तरपीर दूरने कभी में रिवा वायू पर मार्गित दिवा भा पहा है को कर्मा कर ने नाता नार्थों निवा कर के साथ है में इसके में में में में में में में में में मार्गित में मार्गित में साथ है, में तर में मोर्गित साथ में मार्गित में मार्गित में मार्गित में मार्गित में होता है, में में मार्गित मार्गित में मार्गित स्थानित में की मार्गित होता है।

"सामा मार्गित में मार्गित में मार्गित में मार्गित में मार्गित में मार्गित मार्गित मार्गित में मार्गित में मार्गित में मार्गित में मार्गित मार्गित मार्गित में मार्गित मार्गित मार्गित में मार्गित मार्गित में मार्गित में मार्गित म

(a) used as used it deless:

(2) many are and its man also are

(१) पूर्व का पूर्व के दान प्रेमेकर (४) पूर्व का प्रश्न के तान संबोधन :

इन कारों संबोधनों का उत्तोप सामा-पातर वर्ष को से किया साझा है :"

#### (a) feet from

किया कार्यांच कार्यांच 3 किया विशेष कर है का में पूर्ण भागत कार्यांच के स्थाप के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति कार्यांच के प्रति के प्

"जिस्सा क्षुण के निर्माण की कर कर, त्यार का कर कर है। विश्वी क्ष्म त्यार करना की क्षित्र कर काल की किए के मुख्यों रह अजारित है। विश्वी क्षम त्यार करना की क्षित्र कर काल की किए कर रह कीना हो जाते, कुछ उत्तरात कीर की मान जाते की नाहार को कीर्तालक करना किए कहाता है। विश्वी का विराट-काल है में मिल्ट क्षमान देखा है। इसी के नारण नाम में रामाणा, मेंबितजा ने निरमाणका कर कालके होते हो।

#### (s) nebu ferre

समुख्य के बारे में यह यहां जाता है कि बढ़ गरीम राग्ने साथ स्वस्थाप उत्तयों है । कुता पत जा की है कि वो कुछ यो समुख रकता है वह एक प्रकार के प्रशिष्ट

- t. Michael, in- femines fen, 3+ ch ; 7. Michael Sid bil — een som ;

प्रश्ते का त्याप्तर कर तकती है। अहंक कर्याट राज्य परिचल्च और जापेश होता है, इक्टें कोई करोड़ नहीं। बांक नित्त ने तिका है—

''बर कभी कार्यों को विशेषका और स्वरंगिक प्रस्ताओं के वह में देवने की अस्तरकार होती है, वह अधिक बाद सम्बोधी होता है।'''

ज़रीन रोहारित की तुल विशेषका को नेकर पने नहीं हैं। संस्कृति के बाहर इस्तेष का नार्ट कर्ष पहें होगा। संस्कृत ज़रीक विश्वी की संस्कृति में मानव-कर के स्थान अर्थनिक कर्ष विशिष्ण अञ्चली का साहर जाता है।

उद्देश कर या मांगर का इस काम नगीनर राहु में लिये दिना साता है है भी कियो अहार, अर्थानर का स्वास्त्र दिन्द मार्गाविकार वाले काम माने सहस्त्र के स्वास्त्र करते हैं, । अर्थाना का माने सहस्त्र माने का माने सहस्त्र है। प्रतिक सामान्य कीमा के की सहस्त्र विजे को है, जाना कुछ विशेष करते की होते

### (a) बुहालरे तथा सोसोविकार्

प्रणा-तारों के स्वरूप-निर्माण में का भारत के मुहावरों और स्वासकों का दोत भी रहात है। पुरावत प्रणान का देश किसे हैं, किरी अमेरत कार्य कार की स्वीक्त प्रणानुदें के दान कार्य के जिसे अन्तवाद है। इसने कार्य की दिख्यित ने प्रणान की सामाराधील ना निर्मादेश हों। "जिंदा में एका करी सामानी में साथ से सुन कुमतें के अर्थकारिक समार

ंक्षणार का प्राप्त काम प्राप्तका म का से क्षा करने कर्ना में ने निकारिक गुण्या और व्याप्त मांक्रवीं के किसे पुतारों का स्त्राप्त किया जाता है। पुतारों के कर मैं एक मांक्रियों का तहन करने मांकर मांक्रव मांक्रव हैं ?<sup>12</sup> कार्क तक में जान स्वार्ति कारायों के विशेषण संबोधन में नारक दिता.

क्षण दान कु या पाला अन्यता व सामाय जानक म नाम्य लिए, रिपा, जान-देशान, तुर्व नियम, तोर तान लिए साने मानी तारकों का म्यान-पूर्व करन देशा है। मानस्थापित में जीन जा के नियदे में प्रकार पुरीव करने सामाय में जावेश संस्थान को लगा मानी है, यह होने के बोर्च को पंपान कुनाव में साहतु होने नात्री करने के का में प्रकार समझा इंडी में का विश्व पालाई। साहत कार्य के यह को क्षणिता के साहत्य में का माने मान्य मानस्था

होती है। केरी के अन्वर्षण पर पान्नों विश्ववर्षों की संवेशनत का नहीं सामान्य पहला है, नहीं नहीं ने अन्वरूप में नह संपक्त पान्ना सामेंक पान होते हैं। इसी के सिकार

t. at - feathers for---tildeer, 5- to 1

1, fearr à foit bil : é ar asen : 1. et- s'erre femit, sen femi :

होरा के कलकार को का जात है, जा समाज कर भी गोजा गिरियर होता है, जह जेशे स्थान के संस्क्षी को समाय को गांक करता है— "देशों का समाय किया को है । यह समाजकों में कलकार जिल्हा होते

"देशोर का ब्राह्मण बिन्दु पात है। पाठ मामा-वार्थण के प्रवासका निरात होते बाली एक बहेर प्रविद्धी का जान है। बाहिएन सेवी निराहण में "पाहित्यक पाठी के बालांग मामाबा पाठा पाठी का निर्मालन कोचा है।""

पत प्राचान में यह निर्देशन कर के नहीं या परवार है. कि निर्देश इसि पत कारणार और पुन्तार पत निर्देश में निर्देश में निर्देश कर पतारों भी पुर्देश कर के स्वीत कर बरावार और पुन्तार पत कि निर्देश में निर्देश में प्राचान में आहे जा कर का बोरीका होने लगी निर्देशन कर पत्री मां मोर्ट निर्देश में किया पहिले में निर्देश हैं। यह पोरच्या है को पत्र पहुंच का प्राचान मान्य मान्या मान्या मान्या मान्या मान्या मान्या मान्या के स्वातान प्राचान पत्र प्रोचीन में में के स्वाती को निर्देशन "प्रधानक और कुलकर" में किरवार की पुन्तार है। होता है।

## माधर औं के कास्य की बनावट का बेल्डीय भाव

प्राप्त का मुख्य कियू है—क्यों का बा कोर्स में प्राप्त का मुख्य कि कि विकास प्रोप्त का मान अपने की मित्र किया मीत्र है। यह पूर्ण करेला, मुख्य किया मान कारण केरा कियु कुत में पहा करें है। यह में में मान मात्र की का कारण किया किया का मात्र कीरत किया है। हो कि मात्र का बाव किया की कारण है। किया का मात्र की किया का मात्र कीर किया किया है। की मात्र का बाव किया की कारण है। किया का बात्र है है किया का मात्र का का है। किया का मात्र का मात्र की का का का है। का का का है की का मात्र का मात्र की का का है। का का है का का मात्र का मात्र की का मात्र की है। की का मात्र की का मात्र का मात्र की का मात्र की है। मात्र की का मात्र की का मात्र की का मात्र की मात्र की का मात्र की की मात्र की है। मात्र की का मात्र की मात्र की की मात्र की की मात्र की की मात्र की है। मात्र की की मात्र की है। मात्र की की मात्र की की मात्र की की मात्र की है।

हुटा हूं। प्रश्नेक संप्रकार कर एक ही सबस है, एक जीवाज़र को स्वर्धक्य कराज । इस्ते-विदे को जावाओं ने पारवारोंक सार्वाद्य करना करना करना हो। इसी कॉनडी के नाकार पर हो को संप्रकार पारवर शीवात होकर एक हुने बंदरबा के कर ने दान किए होंने हैं। कहा केपीय बात हो वह बहुस्तुर्थ किए हु है, को निर्माण केपदारी की

which who explor care result 1 and process agenth \$1. warred deciral facilities have copy the price of the selection of the price of the selection of the price of the selection of the selecti

- (थ) तोष राज्यव
- (4) agin-fere
  - (प) नेवारिक सम्पर्ध ।

### (६) व्यक्ति श्रयक्त

निर्देश्य कुमार प्रमुद्ध कर अप्रियोग भरिकों में के हैं, विन्तुने तिहारे एक स्थान में मानद होगर कामान्यका मुद्दी में। उपनी कामान्यका स्वाह दिवारी पुत्र पांड़ि है। कामे एको मानव मा आपना स्वर प्ता, प्रा और देखन हैं, किन्तु सामान्यक्ति मानवारायां है। एकार को पांड़िन स्थानकार सामान्यक्त तिहारे हैं। केवाल स्वाहित होने स्थान हो।

े जाहर कोर् कर अन्त, हुए समा, करते जुन्दा को तैकारण है। अपने इटिया में हुए बार ने रिपने भी चीरि क्या जीव पर इतिहाद होते हैं, विश्व बारे हुने कि पालन की प्रान्तिकता करते हुनिया का सरकार हुन करें, ने बारे जह वह हुने

स्वाचार्य व्यापनीच्या, म्यूर्वन, सम्बोबन त्या गंत्री परिश्वक-स्वाच क्या में "वर्ताव्य संक्रा" ना मार्चन हमा उस्ते मंत्रि सं मुख्यान्य अपूर्वाची से त्या मार्चनीच्या अस्ता में तर्ग '' '' ''च्या प्रस्ताव्य के त्या में प्रमुख्यान्य एक प्रस्ता वेशील पा पूर्व क्या प्रस्ताव्य संक्रीपत कर सम्बद्धान्य में के स्वाच्या के ही से तर्ग हर्षे क्या प्रस्ताव्य संक्री कर स्वाच्या प्रस्ताव्य कर स्वाच्या कर स्वीच्या स्वाच्या कर स्वीच्या स्वाच्या कर स्वीच्या स्वाच्या स्वाच स्वाच्या स्व

ता करिया है उपूर्वांत के प्रोध करण है, प्राथमिक हम साई-तिक सम्पर्ध में को कराजित निवा है। त्यावधीन दूव में व्यांत्रमार को दिन्या उद्भूष भी। धर्म, प्राथमिक हम स्वरंभ त्यावधा काहे हैं वर्तामार का दून था। साई-है कर्मी हुए, हुए, प्राप्त में सामा होने मेरे। प्रथमा स्वरंभ में सामात्रम की सीक्ष महत्व दिन हुए। प्राप्त में सामा होने मेरे।

भी है करना में अर्थान्त हूँ। विश्व कर में अर्थान्त हूँ। विश्व कर में अर्थान्त हूँ। विश्व कुछ उपन में उसने मुखी से पिद्य कार्य है, करने करते नहीं गर्थ गर्थना में है। जर्थ कान्य में जरने मुखी से पिद्य कार्य है, करने कर्ने में गर्थ गर्थना में है। जर्थ कान्य में जरना सार्थ से भीते दिल्ला, गिर्धार व व्यव्यक्ता म

वर्ष के लोकीय दिन्दी वर्षय—निर्देश्य पुन्यद प्रमुद, साथ केवल बावरेकी, दृ • x ।
 सामुनिक दिन्दी कविता की मुख्य प्रकृतिकर्त, साथ लोका, दृ • ६३ ।

और विश्वास के गाँव है। साहीरे हाता के प्लाने में जारी का को पुलारे का सबक नहीं किया। वे वर्तवान साम पर नहीं, सावत प्रतिका पर भी पूर्व साहस रखी है।

पाइट मी ने अपने (१४००० पार्टी भी महिलाईक मोही के मामान में भी है। नीतिकत्व पुरत्न अंदिक्त होता है, जातिन कोई हाइन्य पार्टी मा सहस्र प्रकार होता है। में मीतिक मंत्रीमा मी पीति निर्माण इस्तर पाइट में में मान भी अपन निर्माण है, हैंस मोटे पहुलात केंद्र, तह मोटे पोस्तर मोहिला क्रांत के मान में माने मीतिक माने हैं हैंस मोटे पहुलात के प्रतास माने आपनी अपनु माड़िन के माने मानेतिक मानेतिक मानेतिक मानेतिक मानेतिक मानेतिक मोनेतिक मानेतिक मानेतिक मानेतिक मानेतिक मानेतिक में मानेतिक मानितिक मानेतिक मा

"संग्रेट" ''जान और नैस्त्रील'' है येशी 'एकार्च प्रेश्नीट पर ग्रीट बाध्य है स्थित है। ''संग्रेट' है गोली में कहाँने स्थित हुए सी 'रीन सावस्थ्याओं से स्टर बाज निका है। ''आ गोली में काम्या से पिंडी दी है, जिल्हु एक्सी बाद-स्कु बासी गोले हैं-''''एन होती में काम्याय भी नामा भी एक गोर मंत्रि में कर मान स्थित है।''

मार्थित प्राप्ताल में कारी प्राप्ता करना केन है । जेन सार्थन-सीरण भी नैजीवन सार्थन है। उसीन सार्था के का भी किया ने किया ने पहुन्त विकास पूर्व है। मैक्टर का पूर्वा पर्वाचन हो जा है। जादरें किया है। सार्थन कर हो ने अपने सीन्त मा रहा केन्द्र किया है। सिक्षी अर्थ-जिस्त जिनाकी पास्त करना पार्टी है। केट मौकर भी रहा सार्थाल अपूर्वि है है। सार्थ मार्थन करना करने भी जी अपने सीर्थ प्राप्ता के किया निकास की सीन्त्र करना करना करने की सार्थ करना करने करना करने की

''स्ट्रोक्ट्रय पात्रवर की ही कीर्य क्या

रे दून भी हो

कि इंडिंग में हैं उनका में अंदेश व्यक्तिके विशेष उनका की अपनाम पाना के दिया है है । बोक्ट को ओवा अंदर्भ अपूर्वति की महिलाई कर के प्रमाद में अंदर्भ के अपना के अपना में अंदर्भ के अपना के अपना में अपने के उनका की अपने के उनका की अपने के उनका की अपने के उनका की अपने के अपने के उनका की अपने के अपने का अपन

<sup>ी.</sup> अञ्चलिक दिल्ली कविता की प्रमुख प्रकृतिकों, बान नवेला, पुन १९४ ।

<sup>7.</sup> प्रदेशका क्षेत्रको तथी क्षेत्र काला, स्तरपा, १० रेप ।

of 2 fact also moves well neglect 2 : millet as he was stare were ensire it are it. Days) upon the inferential of the series of the first refer errors at at all it forces four ar wom it... (1) before agginer

(a) defear averfeet

on sinks in more and is daint airy award that she'l sail as under Bealding 2 v

"com moved on year or 2. को देखा करवारी गयी मेरियात के संसर्व & Sealow our 2 : gail you at our flegfeet at me, ereite einen t. after each aristmen in wherein all parkers arisected any property of their \$ 100.00

ever all all adjustes reversi as many of ally stant \$ 1 and store का बारकार बारकारका नहीं है. का हती काली का है, हुई है : दरका साला स औ prompt) mitel at mite melder it &, alle mel mit av alle uit an er array & also a feel cover arresport to non-server fleuer & 1 mill me after पद बरेक्स, न्यूर्त-बर्गरक्का बारवता के संवर्त के सम्बन्ध प्रयोग्ध हो पत्रे हैं।

San an anners often it mat it mount an elege einer \$ : walk and हे इस और वन केन्स्त हो नाते हैं। क्रिय-निवार के पहुर बार की फीरन अस्तर्यक्त we can few "moved mad all comments" per affect & feffer & 1

```
हर अहरि का बेहत
som et som fi
करी कोलर का अपनी है।""
```

कीवर का पुजाबार केर हैं, एका जाहरूत बहुआ भी एस के अभेत बहुत

<sup>1.</sup> with reference of the streament of the transfer र, बोहरी नहीं को साथा, साथर, ४० १-६ ।

a one seem also it; along it may not part it arranged by one it. Man by street &--

They be many Ship to state on Stock some parall if

so so nere at more 30 or fear per year 2

first near or near 2 Mr obstant also

an ear an ann à t-

अधिकार है कि आपी कार्ने समीदी पर साथे पर पाती है। किन्तु प्याप साथ ab agent by a first by many array would be ab finance after by one for the property to we now arrang it also may it when be found such support on any of super

tree of effe is week token triag referrall on units were street. है। "अभी जो सुन गतुँ हैं गता", "सुनी का दुस्ता", "पेतिस्थ की सामा", "मंत्री भी कर्णा कर्ता । क्लिक के किए काली क्लावार्ज में सिक्त की सामा है जिस्स करि-

fee on \$1 on after \$1" sinks" at on year store \$--"eer wowe ofer 8 ere

any ages, at such that mark in anni il sur max max about mich yar

for us as seed or feet कारती मींद काल में प्रक

the it was not opport?

बार कारण के अव-विकारों को सर्विद, सामार की की एक्सकों में अर्थन नेकी मा ermit है 1 कर और रहा के शोधन रुपये से पूर्व परिचाल विकों को बाल में एक्टे कर ere gibg it mar b.

They server or oit will not often with any arranger it. After at flood arrange property it are proportioned to other to about all more papers all set and

<sup>1.</sup> shed oil of erg. mac. to 41 t

<sup>2, 447, 100, 2+ 54 (</sup> 

हुनों हे, लिंगू पूर्ण सहार्थी के क्षत्र, निर्माण करने ना तत्त्वन जवान लिंगा है ?"" क्षत्रि के क्षत्रेय कोशन प्रतिल्याक का जिएना लिंगा है। उनके समुद्राधि की उत्तर्भावकक्ष है। जनका क्षत्र, समुद्राधियों की सुधित नहीं, की यो है नवह नीवन के

aives ordif, les sent

वन पुरस्का, को हुए कबान में पूढ़ी का कर नहसा विकास नहीं काले मेंडी में बीडी पार्ट करत विकास तथ

mb size or most 1" 1

बस्तान कि वार्ती को देखी राज्य का क्रिक्त के पूर्व की हिलाद में हिन्द प्रेस के प्राप्त कि प्राप्त करता है, से वहीं की देखा की प्राप्त कर ती है, की ही हो की प्राप्त के देखा की उन्हें के प्राप्त की देखा के प्राप्त के कि प्राप्त के कि की बात में कि अर्थात कर में हिम्मा मुझे किया है, सूत्री है कुत्र के प्राप्त के प्राप्त के बात की को प्राप्त की ही हो हो जा भी कर ही किया किया किया है, अपने के प्राप्त के बात की की प्राप्त की का निवास के प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की की किया की क्ष्य कर की क्ष्य की की प्राप्त की की की प्राप्त की की की प्राप्त की की की प्राप्त की प्राप

पूरी राज्याते के राज परिचारण रिकार है। अपूर को यो पञ्चापित करियातों में देश या जानकंत्र स्त्रीत्व है। 'मेंसू को स्वरूप में तीय के पहिले मानवन्त्रि है। योत बादमा मानवंत्र कारणा राजें राजी बातों में गाया किया है। तेन का आगोध सबसी सर्वतात कर दियत करता है। कर स्वारूप मानवा किया है।

न ब्रह्मान प्रमुख है— "यह ऐसील बॉब में दुस्से

> वारी तील बीची काराओं में चहिने की सबन-बीच भी से बहुति देखती चहिनों बावत मीट उठाने हो में

विकार कर एक देशा विका बड़ी अर्थन की प्रहाँत कर प्रकारन है। कहाँ क्रेसेन

साम के बोबरिया दिगों प्रति, तार बकेब, पूर एक ।
 साम और जिल्ली, राष्ट्रार, पुर, ६३-६६ ।

a, was all finds, to be t

हा अरुप्त बोसन और किए दिश्य किया तथा है। प्रशास प्रतिस्त और कुम्बन हो होत्रिक सा में व्यवस्थित किया हो। प्रशास की वी मास्याओं का दिस्स इस्त कर में हुआ है। पोसारी परिश्व की अभिना करने में कबि दुर्वहा स्थान रहा

```
ेक्सी पेडियम से संबो की नह क्रमा पर,
से कड़ी जब बहु कुरवार विकास का,
कड़ी रेडियम को हरती कादा में
कुछने का बहु का हुआ हुआ अधिक सा—
कप्टों की कादी कोई में कुछने काट का
सकते के आ तह तम से किता-सीवार
```

```
जब हुद च्यूकी बाद विश्वी
कीने देव की जूबद कहिये
```

\$4 of all along along a new measure are in Select in the sign.

The color of annual and annual along a new measure are in Select in the sign.

"'''''' प्रचा में शब्बन में साराजारी जाति में बर्वियों भी संवित्त तथा नर्वन विकास मा वैबोने की का जानूबार जूरी कारण, और व जाति का सारा । विको सर्वन स्थाननार्व के बीचना कारण प्रेरणानी को खात संकार पूर्विकार, जातवें संबंधों से कार किया करते हैं, जारों कीई साराज कर रहे हों । तथे बर्वन में जाराजा सहसा जिल्लान

```
    नाम और निर्माण, म्यूप्त, पुन १६ ।
    गाम और निर्माण, म्यूप्त, पुन ६१ ।
```

. यहाँ है। उसके अधिक मानवार, , पीतान्त एवं मुख वन ने प्रमान के नारवार की माळ किया है।  $1^{\rm tot}$ 

#### (4) Season

स्वपूर्त को के सामा में बादी भीगा के पति भी का सामित दाना पीते कबता प्राप्त कर विकास कुछ है, जो पारस्पार निष्ठा का भी मार्थिक दिवार निष्ठा मार्थि है ! जीक का मुक्त कर सामित मार्थिक पारस्थी (भीपी), पता और निर्वाल, पूर्व के प्राप्त है निष्ठे कर के बंधा का सम्बाद है ! जिए की कि मिनिक महि स्वप्त है स्वप्त है स्वप्त है स्वप्त है स्वप्त कर कि मार्थिक मार्य मार्थिक मार्

कीरार्ट प्राप्तपूर्ण है। विशेष का पित्रक शाहर तो ने काम में बहुत पार्टिक हुआ है। विराज का काम बीडा मात्रिक हो कहर है, भीर अब विषय के बात हार पर कर है हैं— किन क्षांकों के अकल कीम मा. और जानम में बात हो थीं, जानी दिया के अपनी

भी शवाल हो पही है—

"विद्या समय क्यों भी नकत है सब न उपात करो पुत्र भगना स्टन्सर विद्या सब है किसना

well was one and or the or of where \$

काची केवर्त का यह प्रभावता हुए के सुद्धा और के बन को आज भी अहंक कर वहा है। कामी बीजी नाणी पूछा, योगात जीमें, गीतर नकर दान हास्त्रिया बानवा नहतुस्त्र तमें की विगादी सीमी में बात भी इसी प्रभावता है। बार्चन के रहे की पाने भी बात में बात कर बनानी की यह में

"अब पूर्ण पान्यों पर तरारा गाँउ पुरुष्टाप वरित्रण सारक में भागी तरान-को गाँचें मार्गी, मेंगी-की का विश्वकर बात कुम गांजी में की— पार-क्षरिक का असारक

<sup>1.</sup> Telon was unt, wh shall then the sweet on a ...

मिरना कुनार पापुर, नवी परिता । धीवाई और कारावां के संबीद, पापुर, १० ४१ ।

क्षेत्रे पर भी दर क्षाप

an feat feet at of it? "

elle of on one or con modern 2. In south both is spale for an प्राकृत नहीं दिशा । उस में स्थान पर को क्षेत्र विराम्य हो हात नहीं । प्रकार सन किंदु की ब्लाना में लोग द्वार पूर । खायर की करते के क्यान दिया दिवार के खार gast कहा दिखते हैं : चम्मावयन बारे सहस्ति, सही दिलाया, समया बेच बार्च ओर

ंकार कहा किन्दुर का बेटा alth die med it um b

feet er ent der k

त्त्र बरकारे गाने आकर

mer cour it was more fit."

कोंट को सबसे देखते में नहीं विकास है कि किए पर पतने अपना समूर्य अबर्वे विद्वारत कर किया, जाने जीवन की सकता सुविकों को कुछ नही समझा, उसी हराई देशों के तेन की कह निरमूर देवती नहीं बहुबार राजी। "नाम बीट निर्माण" all each after it come it and throst over to four it. and would all रिकारत को है. किस्से जेकते से बन को जाताते न जाना को प्याप्त करा है--

"बीह्र क्या संबंध प्रता का, का गई अभिना भी वन की । NY MUND IS INC THE OIL

affect an war à se st :

क्षीत करान हरे जीवन की 1"" reger at it cas as also on well asked over one "get it saw" it

रिक्टर है। बहुरे स्टि असर की सहकारण पर देवना अदि गर्दी अहसर । अपने कीवन की नक्षद सर्वादरों में नहीं ब्रोगा पहला । जेन के दाब की नह नामी प्राप्त में किसाते हुदै और ने बद संबंधी है कुछ का प्रा स्थान प्रयास प्राप्त है । सीवा में किने यह नहीं या तथा को प्रकृषे किये साराज यहा है, को बहु पूज नागा पाहता है । यहाँ तब बाठे-बाठे प्रक्रशे हुन्दि देवस कर्तवार पर व पहुंचर चुन्द्ररे परित्य की तोर को संसी

<sup>.</sup> वंशीर, सपूर, ६० ११ ।

ताम और विश्वीत, बहुद, पुरू क ।

"शे न बिया कुत दर्श बार हु अधिका शरम कारा, ना हुना बन कोका, दास शरा, ना ।""

स्ति को युक्त जान स्तित्व स्तिता है ''चीह पोत्रांत''। दिवह पहुत्त को सन्त-रेंड्री सन्द केता है, जिल्लू करना स्तित्वे पात्री है, जो वेदीन कोर तिरुप्त से प्रकार के स्तित्व के स

, the first of all energy about 6-

ओर जिल्ला का बहु का बनको बरफ का पता हुएत हुमारा × × × ×

et pe geb spe fez ê

हुत कर में बुद्धि एकबर की है कर्तकोल

है तंपनों में होर मुक्ति कुम बटकर कीवन से सुद्ध कर यो प्रतियन

कृत बटकर कावन स युद्ध कर या प्राथपन साम हमारे सम्बूच और कमस्वार्थ हैं प्राप्त कारे

बार हुतर बर ने, राहर ने, बसाब के कुल और दोसर कुलों के

क्षा कर पूर्व को निका है हों। एकतो ।'' सब दूसरों पूर्व को निका है हों। एकतो ।'' सब्द है कि नाम कि जो भी हो को देश को नहीं करतां, उने निस्तात है कि दिस है कि तो को निका को नाम करता है कि दिस है कि तो नी की ती

ति कि में निर्माण को गीवर को शाही-व्यक्ति उठके मार के तारे बोले विश्वेत गत मार्थि । वेबरियम पुरा-पुकारणा जनुसूर्वियों का कवि वे सुकबार के विश्वय विश्वा है।

निर्देश प्रशासकती थेन से स्वित के स्थित के स्थित के स्थान के स्थान करने हो सीवार के स्थित प्रशासकती थेन से स्वित के स्थान के सिर्दा को स्थान करने हो सीवार के स्थिति नदी को सामा अस्त्र संदर्भ के माने स्थान कर प्रशास करने हैं।

र्शन के तरिवा करिया है, जिसमें विशेष स्थित करिय का निर्माण किया है। वर्षीय क्षेत्र क्षेत्र है, जिसमें विशेष स्थित क्षेत्र का निर्माण किया हका है। वर्षीयकों ने नो ने ज्योग नार का निर्माण—

र. पूर्व के सार, साबूर, हुन १०२। २. वृत्र के सार, साबर, तर देश।

''वितर पुराते बही किए, किर बाजा कार जा किर किसने जरे, पहिले-बहिले के ट्रांटिकार

व्ह क्षेत्रको गी क्षेत्रहे, स्त्रीको स्थान

par ing

art fugi il us yt i

for def

g vir on fourth it are for each with itse, for ever one were /\*\*

तार, पूजा बच्चा कर, तम जनवार कर करना । इर्टियार-पूर्व-कर्माकारिय कारती हुए तेयों के स्थान कार का विकास । इर्टियार-पूर्व-कर्माय सुद्धियों का मार्गिय अपना बार पीठावी में निरुद्ध का संबंध । अपना बीर सीवारी में वेबीय बार्टार क्षेत्र को स्वृति । राज्य है कि करिर जातों विकास को हो छान्नीवित

हा। दिवानुबार दिवा में "बाहुर की वो रचनाओं में हिरावा, विचार, विचार, विचार, विचार, विचार, विचार, विचार, विचार, वो रोड़ को प्राप्त के आप में देविकार की राज्य के किए के अपने में देविकार की राज्य की प्राप्त के किए की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की किए की प्राप्त की किए की प्राप्त की किए की प्राप्त की किए की विचार की विचार की विचार की विचार की की विचार की की विचार की की विचार की विचा

ती हैए बहुं की रोगांत्री को बहुं हैं। अपने में बहुं को का बहुं का क्षात्र का कर का क्षात्र का क्षेत्र के का क्षेत्र की का क्षेत्र की के का क्षेत्र की के का क्षेत्र की के का क्षेत्र की है, किए का का है, को में अपने का का है, को में अपने का का का क्षेत्र की का का कि का क

### (t) aforfiv applied

साहर को के द्वारत में भारतीय औरत की महुध दकाई नामीद गरिवार के विकर

<sup>1.</sup> Statl and all arms, spect, 2+ 1+

t, exploration of spiral of viscolars, no in some them,

d midte b )

में न्यंतर्वी चार का, चीराता को ही ने कारा नीवर की पहुंच पूरी पार्टर है। उसके पायार है वॉर पीरार ही निवासित हो का का ना और नुष्यों के हुआ में उसकार का ना बाति है का हुआ को को की नीवरा की कारा उसका, पार्ट्स और पूर्व होनी चाहिए। हुआ की वह नुष्टुर्व की अक्या ने कहानारी हैं कराने की निवासी हैं किया है। किया के अस्ता किया पीरार्टिंग की कारा की पार्ट्स के मिलाड़ों हैं किया है। किया कारा नीवर पार्ट्स की कारा की वार्ट्स की की पार्ट्स की मान की पार्ट्स हों की कारा नीवर पार्ट्स की कारा की की पार्ट्स की हों, की हा की हा की की की की की की की की की की

"पूर्व के क्रमा" में तेन का उस्कारत प तुर्शनक कर है, जाई तेक्सी परश्रेण मही है करन करती है। जॉन का सकते करते से प्रति राज्य कर प्रकार करता होता

"श् एकाच प्रकार और क्षमी तीर्थ में स्व क्षमारें

बार अक्स रहा में यह राजार महो क्षेत्र पर पहें मुख्यी

कर्मी के विश्वेश के बाल ही बाल बच्चों का गरबारक "'हीड़ रीजांड" नातक विकार में थी विश्वेश होता है—

"कर हरकी युद्धि को रीज़ा है नहीं बताती केवल नामन वहीं काला है

साल ग सभी पर में हु पूरा करने की सूब गठाई है, जीवन, 100 पर, कारों में पर पूछ साली-साली जी है साल पड़ी सबसे मानी कर

काल वहीं बनको सन्तरी बड़ कहत वहीं बनको सन्तरी बड़ कहते हुन बहतन है

कार कहे रूपों का हुत रात वा दहां है क्या है कि पारिवारिक स्थित केरत बाहुर को नी विकासों में अपने परत का है परिवारिक रोती है।

क्य में परिवर्शका होती है। समूद भी में सारों भी सकि भा नामार माना है, यह स्वर्णकों को र नेवार देश के रहा दोगर साथ भी मंत्रियों काफों है, पर उसे कोचों के लिये टेरिट माने साथी

शहराति सारोतित वरते हैं।

पूर्व के बाल, कामूर, १० २३
 पूर्व के बाल, कामूर, १० २६

### "बॉक यो मुक्तो वर्णाणी पार है, सह सम् में में बीठ को तस्कार के"

सक्र में के काममा प्रगतिने बाद संसत क्यारा की अनेन नहीं है, क

सक्त मान चौर नंशन को को लाविका जाती है। सब्दा भी ने बरमा में पीरवार के और हुई अलगा म्यान होती है। इस दर्मिट

है 'भी देश नहीं करा' काम नंदर को 'क्याकों को बीव पर' क्षित करिया है। इस संबंध के करांक करि करते करते करते के बीट हुएँ करावा मान करता है। हामान करिया के के हिए का मैं करते हैं। जब करि क्षात्रित करता करता है। वह बड़ी की कर्मात करते हैं कि का अवस्था की है देश कर कर करते हैं।

ंतर कार पर गाने की मान-बीड़ होती है

और देवारी का एक रुपूर बक्कर पूरता है

सब राज्ये की तरम्

et dis-dis gra-el ou foire set sett f

एक रिश्तर सभी पहली है इस पुत्रे समजा है

में भी गोरिक हैं"। "पूर के बारा" अमिया बंधा की "बूद का उता" करिया की पत समिद के

क्षत्रिकारित है। यह सकिया में सांच ने नवीन क्षत्राची की सेक्सा की है। यादा में करि गारी के शीर पूर्व अलगा नवार करता है।

्रहेत देल हो दें। यो महिल होन्

मंद रह धर आ वर्ष है बाद की क्यू देखियों दर

बार की राष्ट्र शिक्तों प क्यों इन्हों नेतानी की

कार क्यार करना का व्यक्तियों की पाद बीडी अभी कारी रहत की प्रवाद

साने दुध थी सबु बारकर विश प्यार

बहु हुए तालू को बनती समान जिल्हा बोटरी पर दिवस है<sup>—5</sup>

५. जा बया तहा तथा, बाबूद, हु० ६६ । ६. इस के बाद, बाबूद, हु० १५ ।

पूर के बाल, सामृद, पूर करे ।
 भो सेंग्र नहीं करा, सामृद, पुर करे ।

"पार को दोन स्थानकर्ष" करिया में काड़ी के पाँठ दोन पन निर्म की है इस होने पत्ती के मान-स्थानकारों की तिवासी के मार्थ निर्माधक निर्माण करता है। वहां काड़ी हो सिम्बी, 2 का बूदा पूर्ण के स्थानकेंद्र करता है से स्थानी का पर मार्थिक से साराम को क्रायकृत की टूट पन सिम्बत है।

पर कार नहीं कार पुग्रामा पुग्रामा सहे बनतो हो सोचको हो नहीं

कोचलो हो नहीं कि द्वार भी सरकाता है और सर्वित्य शेव बड़ी भी नाता है

× × × × × sit out or or or or or

कि पुरा का पुरा करना एक प्रोत दिया

Best grept fieb first strys for it all are nicessor?"

बहुन वर्षि में नाम कैसी का जाने दिना है। हुएरे कुछ में जाने में माँछ की भी नामा नाम होती है। नामा विकास के नामा है, जाना नामी दाने में किसे किस भी जाने जा कानती है कि वह हुए के ना क्षेत्र में है पहां । नहीं नामा कार्य कर्मक हुं। किन् कारी की हिन्दे में नाम नामीह, नामी कार्य हुए नाम जाने करा महाते हैं। आपना है कार्य है कि असार की के सामा के कार्यक्र है नामा के अनेक्सर्य

क्यांक के स्वाद है कि सामुद की के बातन में पारितारिक केन के अर्थाक्षक के करियार्ट करी हुई है। सामान में तर्थन के प्रहारिक शिन्ह के किन तो अर्थनी पारितार में और हुद हैं, जनकी हुका व्यक्तिता के स्वादन नहीं किन्ता का कुतता।

हत जनार इस नेकड़े हैं कि पाहुर थे। को सारिवारिक उत्पर और देव जान-केरीक उत्परमूर्विक के सारामा पर महिल्का नहीं हुए है, जीन्तु अबने एन बावन-विनार भी है। परिवारिक अन्या भी विद्वित्तरी सारावेश सालगा, सामाजिक ताले के कर में अन्य होती है, तही क्रिका का एक बार पूरा है।

> (व) जीव वरातत - तावाविक नेतरा क्रमाना ने ना दियों पान्य में किर कोट कार्यांना केता वा उत्तर कर

<sup>1.</sup> भी मेर पहें सम, माहुद, हु० ६०-६८

was at your father over your at other or see his after the appfag bert fered golf bert und nich niegen it "telle" und at ab my not such it some if sunder of it is

ever sh reference à morfes school shubure and \$ 1 comfee क्षेत्रम को दीवा का उन्होंने महत्त्वम किया है, और उसे स्वक्त क्या बंधत कर में क्रमी प्रदान की है । कारकर के क्रमुक्तियों को नावार कराने के बारन ऐसी वर्वताओं में अन्यक्रीन की क्षानों कर नहीं है । जाना क्षावारों की प्रदेश्वी का नहीं करना करन form of ever, eith we owners from whord it at months aren \$ | pefored wie is no il may al al an own unife hear fe tibe suc-बीद है. क्वोंकि उनमें नकीर का क्वीर करकर वर्त-तंत्र्वं को आजार का विकेचक ere wit \$ 1 me was all access or speed all "builts as eaf"; access after

& after \$ : our effert \$ out after two-flow on favor \$. all early after more arrest and mad at formed on from 2. Secret all form are mod it finds क्या हो गई है । जीवन अनुसीन समीन का नगर है---

इंड्रच बचा बोर वाबों क

freez it men alt mil met at it uny ext Petral & feast d'es il

er og megt) it siner av mer it i

we from more an electhe offert by you b

इएका श्रीकर शतकोग गर्वात कर गर्य ।

on star expedie each at feeth no think it was it all it i

चीवारिका ने बराज बन बारा एसर विद्वारों में दिवसा हो पता है, दिसका ने बराज बार प्रदा प्रदार करन है। अर्थनों के अंग्रेस कर्ना कर्माकर , कीने कार्यों पर अर्थ को सकी पहली हुई स्थीत और संबोध से गाए हैं प्राणी है बाले बीर हुए ही और प्रपन्ने वर्तपन केंग्र को जकरर कर थे। हैं 1 एक किया तका ओटर हो यह तीन प्रतिनों नेब पूका है, al git elect it er ook family after that gift I frontig fier move more after

"ere et av" eren nion it nie marelle ere et unfer et

t. FOR MIT FORM, MIGT, 9- 61-64

```
टोकरी पर नवर समझा हुआ अस्थि विश्वविकों को एउ उत्तर प्रभारता है —
"है क्या कब हो टोकरी ऐसी
विश्ववें करे हैं पीड़पी पक्ष-पून
```

× × × × वर्ग क्यार है हैं वाची आहे. बाद दया हो इतिहार की विकार स

क्यू गुन्द का पुरा द्वारा स्वाचार का कोई काली-तो बकुतों को विकास

को विकास के एक है का दोनारों थे। में ही विकास में हैं का दोनारों थे।"

effect des feet b :

by it wouldness of months or money may bl it was b

Alena er

core on series some

विशास्त्र हुआ कर्त्वी की कीव पर बहुता है

-- मार्च कर नहीं है--× × × मार्च में स्वरूपेर क्यार के--

Finder versi—it which all different versit it final rath for it

<sup>1. 29 8 101 1027 24 24 1</sup> 

× × ebult if og if ener if seng if ker it—ber it

स्वतारम् वाच नामाताः स्वतः वीर पार्यातस्यः, गीतिस्थाः तीर वाक्षः प्रतिविद्यः तते स्वीर को वाचे सा सम्बा<sup>र</sup>े

हरायांच्या नाम करता हुए जात का हुआ! प्राप्त करिया में स्थाप नी पर प्राप्तिके के त्रावे के इस्ति है जो जाता. कर कार्यी अमेरिया प्रकार पर दी है। उनके सम्बद्ध है कि पासुर की भी स्वीतारों से सर्वित्म दिन्दि में उति पर्ता कर साम्रोज कींग्री म्योग में मानवार के मान्य हुआ है। स्मारी-नामों दीनों में निवारी को प्रमाणना करने। कार्य नामी नहीं है

"अर्थ अपूर्णियों को कार्यक्ष में कीर स्वावर्थित का कुर्मिकों पर संघर करता है को एके वो पूर्णन स्थायकों ने प्रपंत में करने कारत्मका उत्तर कार्य है। प्रित्य कीरो को प्राप्ती मोर्थ मोका को एनेसी में को जाते हैं। पूर्णन स्थायनों की पूर्ण भी की कुर्मा केर किए के किए को मोक है, हीने व स्थित की एम्बेट कर केर् की । इसकी इस प्रकृति को कीर अस्त्रे क्यांत्रिक्त प्राप्ती कर कर पर संघ्य

"पित्रकारी है बहुत ही। दुविका है बहुत कीर

रंशी राजारी जुलाती है को क्षेत्र ---वात में है

स्वय क्षणा हो है वेदियार × ×

क्राओं सर सटे सेसे

रियो करेंचे कर-कर कीया-कीया कीवल कीवर-कीवर (\*\*\*

स्पर्दाण्य पुर को व्यक्ति कम्बार ने सम्बन्धित गार्थित को अवेरणहोत्त क्या दिया है। दशका बोक्स मही को पुरुषों से वैक्स दूसा है, विश्वयें सामवर्तनों का पूर्वदा

शाकी पहे वर्तपाप, सामुत, दू- 6-10 ।
 तो विष्ट बार्से समा, सामुत, प- 1- ।

लाग है। साववादि जाँग के साववित्र, पुत्त- वीवा तम अववाद की विदेश कर्या के ताववाद की बहु तथा करता है कि किस करा साववाद के जीवाद की साववाद करते कर साववादिक देनियति द्वारा पार्ट, अबेक करती गत्त नहीं में निविद्यों की इस-नेवाद तथा अववादी के पुत्र केंद्रा व साववादी के पति कितानी की हो । विदेशक के पत्ती कर पार्ट प्रावण करता हो, हो हो की कि उनके के उनक बा मेक्ट चित्र हो के अववाद है का है। अबका सीवाद विव्यंत्र स्था दिव्यंत्र है, मेरी काम अववाद में साववादी करता विव्यंत्र स्थान

'शे पुनिश से विश्वन सूच में क्या विश्वन साम का चीवन

शारी पंतिता है जिस घर का ग्रेसरे

बीर पांचे के दुवने,

का सरीर मारचा की निकी"

"बक्र पुत्र के दिने देशका करिने के बोधा पन

× . . .

वती से विकास की विका करती, प्रतिसी, बहुद्वति कर में और प्रकृति हैं

क्षारे वर्द, कुब संपर्व की करवह काड़ी पर

मन्द्रम साथी गर नई शंदी वीहरने दोगा

महीत सात के ऐतिहारिक कुरबोध के बासार पर किसी पहें "पूर्व" सरिता सम्बेचनीय है, किसी सहारण पूर्व है प्रीवत के सहस्व मारसी का दिए सरित है । है भारत किसी साम, वह, महिला और सानित का सहस्य स्टेस हैंसी हैं—विवर्ष

<sup>1.</sup> THE ART SCAFE, MINES, 50 170 1 2. HE R STE MINE SCAFE 12 124-170 1

देश और नाम की नीवानों से नांव पर तापूर्व पारणात की एक सुराह के गावद बार से बीत है। है कीतार हुए का मात्रिक रेड़ाई की नामार्थिका है। वार्योक्त बीत में मात्रिक प्राप्त के सामार्थिक का सामार्था, हुआ में के जार रही, बीत बीत, वार्युक्ति, श्राप्त भीर प्राप्ता के मात्रिक रहा है। अपने, बारहाओं के दान को में कि तीन हात्र के जीत की मात्रिक हुए परिष्ठ हैं परे, वार्युक्त की दान को में कि तीन हात्र की तीन की तीन है। वार्युक्त की दान की

and flow out of them it on the

Beginn that  $\theta$  is  $\theta$  is the order  $\theta$  in  $\theta$  in  $\theta$  in  $\theta$  in the contract of  $\theta$  in  $\theta$  i

स्थ में के सूरज, चीत विद्यारों में पश्चिमें अ

अ १० व्यावस्था केन्द्रां ने प्रार्थन का अंत्रे ने प्रार्थन का अंत्रे ने प्रार्थन का अंत्रे ने प्रार्थन का अंत्रे आगे हैं भी कार्यानक मुख्य भी औरता भी विद्या की लेकर कार्य का रहे हैं कार्य कार्य का रहे हैं कार्य कार्य का रहे हैं कार्य का

× × पर परिवर्तन का देन पत स्थान का शरीको होना किस्त स्राप्त का सक्त पर दुःश सेहर, अन्तरसार

इमेरिए कि राज्य गरी बडी वॉर का पहिस इदिएन बक्का विकास वा तन

बह राज जिए साता है भट्टन राजान रसा का दुःस की ग्रमा तर सावेको

केर दुन्त का तुन्त नर नावक केरे कारी पूर्वों जी।"

सि ने माना नारा भी वन्तामों प्राप्त का मेरे जायाना दिवस मी परिवा मा जिस दिवस करता है। या जोगा, जिस्सी, कायहर, स्टूड्स, सिंग्स, निक्स इस मी रिक्स करता है। या जोगा, जीगानी, कायहर, में हुए में पूर्व कर करता करता करता का माने । यह की कामत कर में सार्व करी हैं हैं। यह मुंद्र क्रिक्टमा है, में मेरे हो में का मुक्त कर सार्व माने करता है। हम्यूड्स में स्थापन हमा हमा है। इस हमें मार्च क्षा करता है के यह जो मार्च, तब हीने-मूक्त में क्षाना करते, नई बास

"Met first waart it et er

श्त्रेले का सहारा है बुहल्का फोलो की सुख निकानी है बैद्धा की पाद नावत है।

× × ×

हर पर में दियों तुम-पुत पहानी मिने शास है जार पर अकरा है

बह नवी नारे हुंची नावे

सूची गार्थ क्रमी पर विरत गार्थ

कात गरी मात्रीक का पत्था करें हर पत्र में होती की हुए का सरदा करे

1. ge & urt, go 10-21 1

### स्वरूप, व्यक्ति किन्त्रते पर

महार का ओरत दिनीय देखाती है अरहा है, जिन्ने कार्य मानी दिया का उत्तर नहीं है। वर्षि दे राज्य-कार पर अववर्ष को देखेंगे, परायहर न पूटर के कर को प्रतिकासि उत्तर की है। प्राह्मीय जीवर को एवं वर्गनक करीन के का में विधित

# feer b-

रीनी जवानन न्यूडा साथ से पर्यन पर है कर दिन न सम्बद्ध है ।

X X Not it else

विन्यु सामादिकसङ्क्षेत × ×

माने के बच्चों को केवन सरकत है।" प्राचीत विकेश के स्थार के कि स्थार को की विकासकार अपनित्रीत.

बीमान कर नहीं है, कियु उन्होंने की स्थापन नैतिक अगरान पर ही उत्तर किया, कह विद्यालया के कर में नहीं !''' कामन में कहार को को महिलाओं ने कहन प्रतिकृत कारणीय स्थापन की

भारत म सद्दा पात का मातावार में दूसन परिवाह व बाराहरू कारों की वाला अधिवारी हुई है। तर्कार ने एक मेर, वावारों न हिरावरों को दुसना पर विकास किया है, वो दूसरी और जब्द को की देवारों था। लड्डाए दुसना हारा मेरे कारनों की रियाजनानी के तर्जा कुल की प्रीवार कारात पाहरू है, केना नीविक कारपूर्वात के त्या तहीं पाहरू । यहाँ भारता है कि साहुए औं के कार्य दिस सामीन कर कुलाहर का त्यार दुसने किया की पायक-वार्त के बच्चा सामत करने में साहाम किया

5. **Searin wells**, 9+ 21-24 (

भी मंत्र गड़ी बका, मालूर, हु॰ १०।

1. बार में बोनविष दिल्दी करि, मुख्या, सन समय, पुर २० ।

### (क) प्रश्नति-विकास

प्रश्नी कारण-बीर भी पहरंगी है। ताली विश्तिक करा ने रायानांत्रक कार कर कर में हा में प्रश्ना कर कर है। है कि प्रश्ना कर कि सार से कर है। के प्रश्ना कर कि प्रश्ना कर कि प्रश्ना के कि प्रश्ना कर कि सार के प्रश्ना कर कि प्रश्ना प्रिक्त कर कि प्रश्ना कर कि प्रश्ना

प्रति के प्राप्त के प्रति के प्राप्त के प्रति क प्रति के प्रति क

का किया पुरुत की करी हुई कहु पूर हुई, है किया पहा तरकी की रेख के अगर— कह कीन रक्त करना के हुएते पर हुएक विकास क्षेत्रक

सहरीत के बैच में बर्जि के रीज करि कारिएक, संदूर, तेवरे, हरेश्वर अर्थित है, किन्यु बर्जि भी पंचारतों पर कहीं भी क्यार तथान हरियानिया रही होता। उड़कि के दोनों में मानार कर कर करका

"क्रांत हमारे मार्ग जान नहीं है, सीन्तु आपनो से परिश्त का संग धन कर बारों है। जानामार, अरोगन जारि नहीं है। मार्गीम परिश्त को विशेष स्थानन है कि इस बीर अर्थात के अर्थावन निकार में हैं। अर्थात के विशाद कर प्रकार प्रदूष्ट कर है को बीरिक अर्थाति किया है."

मुद्रे अर्थात कार्यांचा रिकट हैं (\*\*) प्राप्त की के कारण में उन्होंने विशेषा कर्यों में परिवर्धका होती है। करिन के पहुंची बाद स्थापन मुख्युनि में स्थित पुस्तक कर निकार तिवार है, दिख्यी हराई

६. शास और निर्माण, सामूद, पूर १३० । १.

count outs seem relieber shirts over it was it for it found memor of one of worth federate & :

party from all risk is year all all arthroid all foundation and it

feets first at more 8 --(a) gene emperer

(क) समय संवर्ष (र) प्रकृति-प्रकार जनसङ्ग्रही

et suffe atminu (a) fight arrange a sade or year.

### (a) soon greeners

इत्यस मानतावार के सम्बन्धि प्राप्त की को इस व्यक्तिकों को एका नया है, final such it are many some an it investory any it is not it come

"Males" will all your more ware it a male mende grange on it party on fewer from man & : this work we wise it mode at fewer is been &. are or and then this short to send on whom it are it common as Form every every ofter makes and its faces it for one flow what its sound perfect के करता है। इस्ताम का अवह है, वही दिवार में लड़की कार्ड है, केवा करीन तोवा है कि इसा श्रीका दशा पति है। एक मुख्या नहें हैं। उन पर श्रीक किया पति है, ऐसा करता है कि पूर्व मोलवनों को संक्षती परवार प्रार्थ पदा रहे हैं। बारे का में वब और softe or many so out t -

'en weent free star रात ने बोली सुराये, जना ने सोला सुराया

रक्शक वं रितृत्र

and \$3 sh ofer-on

first first from

Le sit weeks for ou-wife se water men"." प्रकृति का एक रूप पूर्व किए किएने बोधन का प्रयास्त तरर बोबी अपनाई, which satisfy as \$227 mm tips. as satisfy what work over many forces. per creb, which is even seed in our others our flow are more it-

1. 1981, 1791 9- 25.1

```
Tables on waters see
```

मुखीशी जीवों को द्रीय गढ़ी अवान-साम बोसरी करियों हा समझ सार्युंग्रह-नड

का (बच्छात बाव

चीलो प्रश्ना ने व्यार हुँदें पुनवती हुई "

"सार और विश्वीयाँ भी प्रविद्ध करिया "बाम बारद को पुरन्तको" निक्रमें बारद (विद्या पत करि के कुटर विराम क्रिया है। और बामाय में पर्देश किए पहुत है, स्रोत क्रिया पत करिया के किए की प्रभावना परिवादों में अंदित हिम्सा हो ऐहं है, और हत सबसे जार पूछकों क्रिया कार्यकारण की बायक बना पड़ी हैं— "असा कार्यकों कार्यकारण की बायक बना पड़ी हैं—

lieg Zaltg ninn geg

श्रीत चीरणे कृति स्पर में सोताको तो हैनो बिक्ती है कोनो से पर प्रकारण हैं

(Sept) कहार पर करते विकेश को अधिकार्तात करने के पूर्व करके परिवेश को कार्याता के विकास करना सामर को की विशेषका है।

है। वीह्या को करते हैं। वहिंदा में नहिंदा है में दिवार है निवार है। विद्या की करते हैं। विद्या की करते हैं। विद्या की करते हैं। विद्या की करते हैं। वहिंदा है। वहिंदा है। वहिंदा की करते हैं। वहिंदा है। वहिंदा की करते हैं। वहिंदा है। वहिंदा की करते हैं। वहिंदा है। वहिंदा है।

है। समूर को ने अनुसार— "इर तात नातुने को चीटो पर एक पीत जात माता है। पॉक बाजो की चीटा पर किया माता है। पॉक बाजो की विद्याल की किया माता हुएता सामाना मीटा कर माता है, प्रीप्त किया करना की की समूच है। प्रीप्त किया करना की कीए समूच किया जा करना है. मीटा क्या करना की कीए समूच किया जा करना है.

श्रेष्ठा, होता, विरुटी और 100 वा प्रश्नावक, हुए और पूर्वी के उपकेश्य से प्रीट कर द्वारा कामा हो बात है। पारत में बात निर्देश को हुएन दिन कर मुराजुड़ी होना विकास सम्बंध नित्म हैं, और रिपाला की ताम नहीं की दिन्हों से ताम नाली परिद्या (पूर्वी) को पहलार करना भी उपोधा सामित्य के कर में दिन्हों किया तार

<sup>1.</sup> Adt. 497, 1- 11 |

<sup>2. 100</sup> allt feele, 1001, 2+ 0a 1 2. Seerin world, 1777, 2+ 1 1

है। इस विकास की सोकार से सीन कर दूरत बोधकर हुए हात है। इस बर्विता के सहसी को परिचलिक्ता तरण करें है—सोबारे, कारती, करिला, कुरूर, तुरसा, बंहबर, हिससे, केवनों करीं सामों से प्रोत की करिला करिला कर किया है।

विकास करते करते हैं और अधिक कार्यिक करा दिया। "भागे जीवन करते और

बाली विद्धी गोटते पुर कुण-दीका के काली

रातं क्षेत्रे कारणी ब्राह्मकाचे कार दिन कार

रिट्डो गाम प्रधार की जोज प्रस्के दिन को

कार पर्वाची के जार की

X X X Sec until 40 total 40, yet spec all uniform

बीज कोम में पहलेकातों, गीने एउटन कार्रिया पुरुष क्षेत्रकार साम, होंग्यों को बनके सीवार्ष

में हुए त्याह जार में गुरू, दावा बार की पुरुशे'' आप ने महिन जा रिकास करन सरका है कि दिशायों का तीर जहां नार्यका व व्यक्तिस्थात व रिवर्डण मा जातिल है, जूरी एक तावस को उपलब्ध स्वीरण-एका ते और पासुब्ध भी कर बराता है। अस्थान-कमी तीर में संस्कृत-करी सोहसे को सार्वे

> "level on fergio sh were feered in the fi

भोती बेहर हुए समे को

ेंदिर कामान की होंदे में " " "मेरे महु दूसकर दात में " किया के उसे डोजों जबा बाल ब्रांबस्त के लिए बरों बोटे में जब मार्जुर्वेद करात हुन वर्तन बहुं ने बोटे में स्वाहित हुए और उसे हैं प्रान्दर में क्षित्रियों में बस्ते को सारावादियों का विश्वोद्धा का अपन अपन क्रिक्ट

कि में कार बीच गए सारका का उपयोक्त का अकट करता. "जिल्ला के क्रिके लोगे टीकों के रिटरे देख में बावटर

पर हो एक और भी प्रसादन ।

uel mre-einer eine bre einer alle aus it

रिए छोटा बीन बता है। × × ×

विकास कालोंने, सामृत, पूर्व केला
 विकास कालोंने, सामृत, पुर्व केला

```
सही हरेड स्वीप्टर के दिन
हुए क्या बराई है
प्रकार के सीती के जा उसी
```

पूर-पूर के सांधी के नर सारी

"जारको कर जुप्यां" हर नाविका में बनि सहम पामको प्रतेशक के डीरिंग होना पार्टींड को कुत मुझ्ले को जीताबील करण जाहता है। "अपिट" के मुझ्ले में आपित को नाम बहुत सोती है, त्रिनिंग पामक बिता, में हम प्रति हो पर पास्त्र बैक्सान हो है, को होता साहित्या पहला है। तथने को नावि होरे हमार्थ को साम क्षेत्रकार करणा पाहला है। नाम को का अहति सा जीताबर साहित है हर साम क्षित्रकार करणा पाहला है। नाम को का अहति सा जीताबर साहित है हर

> इत पर भी जापनी इंक्ट्रों, वर्डू, जार्च, पूना विस्तावकी संकारीत कब जो सेमार्च सरस्ता है बारों भी दुने वा क्यांची कराता है

pe get i

ती होना र कार है।"
"क्षेत्र के कार ' कारवंद्ध के का क्षेत्र करिया है "को शास की बांव"। इस स्विता के अवर्थन कीर ' के भी बात की बांत का वर्णन संबंधका को कुछकर अनुस किया है। तान के कार्य कित राष्ट्र विकास कु परिचल करके पांचा आहे हैं। क्यादा का जाता है कि है। विदेशकारिय अञ्चालिता के पूर्व हुई है। आहेले कि

क्यांचा का नात रिक्त है। ऐतिकातीय शृजुक्तीकात वे तूर्ण कुछ है। प्रा क्रिक्त क्षेत्र करिकारों में विश्वित हो कार है। ''ये तमें काल की है बर्धा वर्ध एक मोर को की किस्त जनत के तुस को कर पुत्र है, बढ़ तमा तुल का की

हुविया चांद यथेत होतारी वा सर्वाच्या गोश को विचाद तारी का गुड़े संकारत विद्यानों से कीड़े पर बीठाड़ी विकास बड़

९. बार और निर्माण, समूर, पुन १७-७० । २. विकास कार्यों, समूर १५ १३-१६ ।

नार दिन बर का करते केही है

मार पूर्व हो पहा मेहात है। सरद कर है अहा का सकता है कि समूद भी सबसे काल-इतियों में सक् इस भोजबीयन के दियों भी उठावते जा सवात दिवा है। "हुत्य के सम्बद्धा" साम्य इतिहा में नहीं ने महाद्वारों के स्वीचक सहारामा को महत्व दिवा है। स्वाधिक परि-

केत के रिकारण के अवश्य हो कीर ने कार्र में कार्य, क्रांच पानवहर्ती, पानर के देर वर्ष पनिया और राजरों जा विश्वण विकार है— ''वेचक की राजेंग्री हुन्दी कई स्थान

"नेवस की राजीकी हुगती को समान साहों की दूप किसी कीने जाताबान ने---साही-करवारों ने को सबसे डेस्ट्रन में

क्षेत्र प्रशास कर जंगल के होगाँ पर बरेशनर सकती हानीर हेवाल की<sup>117</sup>

"पुर के दान" को "बंदरिया" बंदिया में वर्षित के सन पर प्रेक्षण में पीत पुर के देषूरि के सरिक प्रकार पंतरित्ता का है। एक्सा सरफ यह है कि प्रकार और काली बक्ती त्यार में की हो किसार्य ने पूर्ण है किन्तु प्रेक्षण से तो पुर पुर पर पूर्व कारों प्रकारी त्यार में प्रकार पह नात है। प्रकार और परिचंध का बंदि ने पार्श-कर में

क्टबरें पुरानों पांत सरकार रहे क्या है। चयामा और चीनवी का अपि में पानों-कर में इह उक्तर विकल किया है कि रिकारी का गुन्दर ओवन नेहुए भी उद्यावहील हरियान क्रिया है—

"बहु संशासक रात

पोरते प्रस्ती कि बूदें में विशे को साथ पोरते को दिन शासकर सेनते हैं कर

कीर पूरा बारू भार्त नेवर क्वों करा हो बोल

बह शही नेद्रार दुग्हारा । × × × ×

स्वीति वह सी शामी ही विश्व पहा है। यह नहीं तम कह हुआ

बच्ची दुछनी बच्च"े

भी होरी जमने साम्य में जानक मन हैं जाई है, और जाने हैंनीएर साहे रहें से में एकरड़ी जाड़ा में हैं। "प्रीकीर क्यां" जीवा में साहे में मुख्या में "सरका" मीत हाम में पुत्रक अर्ज़िट-विका हैंगा है। बहुते महिना को पंचन तेनों साही 3. मात्र और निर्माण समझ्डिट, इन १३।

2. 100 % 100 MEET, 124C, 20 X

भोड़े के का में देश का है, जो उसरें तीई पुता की है। इस तीज में संतेत का मामुर्व है। "पोटनी" हिटनों की पुलिस में अनुत है -"अपने तीने काम की है महिनों

क्षेत्र प्रश्नी क्षेत्र को है चंदले संबंध प्रश्नी क्षेत्र को है चंदले

"विश्वस्था प्रश्नीती" से "वे दुरिया" अपन सरिया में अपनेक परिक्र के विकास के सम्मान नार की नाता होन्या का निया और निया तम है। "एक के मानेक पुर करना, मिना के माने हैं। यह माने कर उन्होंने के निया के पार्ट हो दिखाने दे गाँह है। उन्होंने के एक सामान्यत्त्र को निवर्षक करने में सामान्य नाते में नार की माने के मोर्ग्य, अस्तानीक सामी को नेती तम सामान्यत्त्र कि निवर्ष होंने में माने की मानेक मिना है। यह में में मानेक में मान करना माने मिना होंने में माने की मानेक मिना है। यह में मान होंने मान करना माने में मिना

की स्थलता का सरों में स्थल की वर्ष है— "साब की दिएकी, वर्णानी

पुरिश्ते पूर

हवारत के बेहरे दर

कारें, संस्कृत, हुव सरोकार कर कार

elek, tr., feelest

सहर भी नात पुरिवारे"
"तो मेंत्र नहीं नात पुरिवारे"
"तो मेंत्र नहीं कर्या करन संदर्भ में "एक एक्सा पोर" जरिक्स में सर्थ से समये जर कमारों के पोष में से सामर में दूरों वा पोर निवा स्थाद दिख्क स्थाद है समय हुई दिख्य का रूप में सिवा गया है कि पुरा निवा मोक्से के ज़बस स्थाद हो

"sale feature", go she sould it if

विकास पहुल की तम परित स्थापन की पानी का "

"मीक्टी गरी को राजा" वर सम्बन्धित में वर्षन में प्रवृत्ति को विशेष स्थान विन्ता है। सर्वात के कुमर में ठेवर पन जर निकास को एक स्थान तरह की विशेषका है। "सर्वाचित मोहर", "क्वी स्कूमरा", "बेह्य मोताही के कीव", "पिताई में

<sup>1.</sup> gr à ter, myr, 2+ ut 1 1. ferrie mette aver 1+ voi

र. जिल्हाच क्वसार, संपूर, पुरू ५० १. जो की नहीं क्या, साहर, १४ ७८।

मार्थी, "माणा भी कर पूरा?", मार्थि परिवारों में में है मही है ना सामक स्वार है। जो मी हुन में देश में ही है ही में दिवर कर में देश में ही है ही में दिवर मार्थ है। जो मार्थ है ने मार्थ है में दिवर में है ने मार्थ है में है मार्थ है मार्थ है में है मार्थ है मार्य

"ing flegh scott was therew salt go flema's scorling &

profes --

and the major is become

हुए हुआ तिहा जाती में जबन है इस केर नाराती है—जबन है क्या के प्रशासन गर

E MA-

कर बाल है को मेरोन है, तरन है

में : शुक्रे कीद मिलानी न्वारी है

बारतान विस्ता जात है, पीडीब विरुध जात है"? "बीह्य बंटबी के बीच" इस स्वीता में कब प्रदेश की सहका,

और सरस्कृति का पूर्व क्रियन किया है। वादियों, परित्रों के लिए ताक के वे जीवा को कि दुनों को है कि अकारण के साहादार के दिन में की पूर्व ओक्सर सामा एका है, हुनों को दूरत कुछ हुआता। ऐसे विकास केता माजवार के साम्बाधित गण्य प्रदेश का विकास कर बार दीवारों से दूरत करता है—

edg

लाय हुन

सुरेट को जंबन कर के<sup>113</sup> ''सम्बोदन के करेने जानाम'' नामी को कर्तना साम-बंध्यु की मंदिर

"क्षण्टीहर के अपेने जानाज" बाजी थो गरीवान काम-शंदा थी गरिवा करिता है। इसने जा़री के पोतर भी रिगार तिया हुआ है, प्रतंत वर्षण । करि प्रतंत के मीरोवा के लाहान् ईक्सर का सामक्ष करता है, और बहु दिवार के जीत

भोटरी क्यों की साथा, साबूर, पू= १८ ।
 भोडरी क्यों की साथा, बाजूर, पू= १८ ।

सम्बोद्दा गरीने में आंतर पार्टिक होता है। बाँद को वह नहीत (हैता है कि सह मो दूस शिक्षा है, बादे बाद वस एक पहुस्ति के पीतर को नियाद सिन्छ है, बही के मार्ट है। ब्लीवार के बाद में बाद स्थापन बाहु के अधि हाइ हो बादों हो गया है। की हिएस से अबना सामान्य हो महाद है। "बादी के बाद के पार्टिक महादान होंगा

```
सहाँ है जब विशवनी इसार्ट बेरिक सकते है

× × ×

मार्ट है नोम जनता पहिल्ला नंस केने हैं,

केरे काम बढ़ों है नाते हैं।

× × × १

का नाते असात, नोहोंना, प्रणाह नाहों पर

दशक्ष के दिनारों करते
```

में बराजन के रेकी या सामारण डोरी में तिल मेंबबर पहुँचा हूं बार की, जाते भी बाद होते हैं, होंने से बार्ट को जाता है

है बहुर-बहुर जनता हूं रोक्स करे करे का अपनेत ने करता है क्यांक है (1)

-4-4

"पाने दुष्पृति में तीयन वर बात सीकडा मून्य स्वती में । यह सीकड का एकानीयन— वर्गी के कुकाल दियों सा, सम्बद्धित दोकारी करा

<sup>1</sup> and obtained and to contact

वय रिक्चन है सुच्य नहीं वर सहर रहे हैं की में नव में

हार लो है हुए बाँच थी। ""
"पश्चमारी भी जाना?" ताबक करेकर में भद्यमा जो सर्विक रोकतो और बाँच राहणों की वर्ष के के समझ होता क्षीत्र कार्मिक्ट नकी को दूरका पंजस बाँच राहणों की पार्च के के समझ होता कार्मिक्ट नकी को दूरका पंजस को दिवारी, दिवारी, मूंगार्च कार जाने में मच्या है। जावत वार्तिकवांत प्रधान की बाँचि महित पहला मा पार्च है। अदिक पत्यमा और की साम वार्च होता कार्मिक होता मो हो भी के कार्म है। हा प्राष्ट्रिक परिचेता का मिलकर मोलानी को प्रतिचार्ति

इसम कर पहा है—

च्छे शक्त × × ×

क्रिक्टी, विश्वती प्रदिश ग्रहते दोवलो, पुरो, विश् सदी पर्वत

दर थे. पैता वाशिक्य कोश ("" "केंद्र डिकामों के पुरिवा" पत करिया में करिया मा प्रेक्टेड मार्गाव्य करता कर दे ताक करता है। यह विशास, समेग वह फोर मार में कामर किया हुए स्त्रीन के दुनिय में कामर करता में बर कुछ एक दिन कामता है मार्ग है। "पोर्टा जिलाई, स्त्रीन के दरवादा पत मार्गिक्स के निकानीकर को सामार्थ के समार्थ करता मार्ग कर्म करता है। किस्स में किस्स नीत किस परिवाल में कामता को समार्थ करता है।

क्षावें कोड़ी रही है, यह हमात पूर का मर्जवात और मालकात का परित्य नहीं है— ''तर क्षाद भेर वा विच्या हुआ

क्षित्र हिटा विरायात्र, स्थल्न, न्यान यह भीत क्षेत्र कार्यकृत गरिता विरायते तथात

exam unfor

स्टीटम, जानकर नह<sup>173</sup>
"म्बर्ग से सूर्य प्रेम्पूरी" का विकास करता. हमा कवि मौजन से एकस्पेयन की कुल्बा स्वर्ग को दूरी प्रोम्पूरी में कमा है। किन उत्तर स्वर्ग से सेम्पूरी एकस 1900 जोगी है, उसी उत्तर सर्वेष सीमा एकसी और समुद्री से हमा है। को उत्तर

s. शह और विश्वीय, संस्थार, पुरू देरे ।

२. क्रियारंस कामीते, साहर, पुरु ४९ । ३. विकारंस कामीते, साहर, पुरु ४५ ।

जन को माता नहीं, विश्वीत और वैभिन्न का प्रथम बहा। त्य प्रमु है। वर्षि के कारत कुछ क्यांत को ओर सबार है। वर्षि का सकत बंदार में दूर होता ना प्रा है—किको उद्योजना निकारिकेट पेड़ियों में चौरार्य हो कारी है—

''वह क्षेत्री सी पड़ी

हुए क्षेत्रा का पहा है हुए क्शिक्त बार क्षत्रा है हुए प बारता, निरुक्ते बार कर की पहला पता है

कार के बारे बस्त है। सम्ब दिए है का भी क्षेत्र हमारे

कुकरी यह की नई पंचेत हुनियाँ हुए हैं मैं हुए होना यह पढ़ा है।''' ''काकर की नक दनका'' करिया में बनन बाब

है कि विकार समार हुए को कामार में मोतार में पूराने पीने एने एक-एक करने कुछ से सहा करते हैं, कारी कामार सकुता के मोतार में पूरा के का ने का एक बार समार विकार है, कारी के समार है, असीवार की मार्ग समार हो नारी है—

'हर-देर वीने को की बच्च

के मेर रोग विकार

entri

क्यों नहीं हुगी-मुखे देश करते। साम में एक सार 1<sup>118</sup>

"रेसनारी हो पर रही परिवर्ग सुरक्षी

1. पुर के कार, संपूर, २० ०० । १. भीवरी को के कार, सकर, ५० १३ । ्रेण के कह हुआ हो।
(काई नहीं कर हुआ ने वीका को
बहु कहा भी पीती विका मह कहा भी पीती विका मीत हुए नो क्रांतियों के देखें विकास करण आमोग को बीतपान में दिवस पहुँ पति अभिने के को मुख्या की मामाल कहा है। हुई नेकन में मीतियां नामा महाने भी

हिस्तरी है कीत को 11" । वर्षांच विशेषण के स्थल है कि पहुंद को के साथ में ह्यूबीर के आपनांचर्य वर्षांच्यूबार को में प्रतिकारी प्रशासन है हुए स्थीत अपना के ।

#### (१) अशी-भागार शामामानी

(1) महान्या प्रहार नारपार्ट्स के विशेषार्टिक में भी कहा तो अनुस्तृत्वे बच्चका किये हैं। येच पार को जाए विशेषार्ट्स के साम अहते के उपना पितार पूरे गई हैं। यादुर में के समय में उन्होंने के आहे पोतारी होते उपनाम में को उपनाम में हो। उन्होंने के वाले साम में स्वारत ने हमा के स्तार्ट्स करें। में स्वार्ट्स के होता है। याद्र हैं एवं में प्रस्तान में जाए यो में एक को ऐसी सार्टिस कार्ट्स के साम के प्रहार में में में मान प्रहार के प्रस्तान में मोहता है। कार्ट्स में में एक को ऐसी सार्टिस कार्ट्स हैं। को माने पांत मी केस नाम करने के किस्तार मान की कि

ेंच्या नारित सेह वेरित, पुर दिस्स कर कव गुर्रोदत

रत दुसीने क्या की का सुकर, क्रकार, कुकर संस्थित<sup>41</sup>

्यां क्षार साथ साथ की स्थान में साथ की साथ

<sup>1.</sup> gr 8 mr. sper, 9- ve 1

<sup>8.</sup> Habt, wege, 20 30 1

t, nel sterr, so- units unit, to two

पूर्ण है। उससे सुनो पड़ा का निकरण दिना पता है, जिससे हिमादा मोहा पाँच-कारों, भी दिन्दुर्ग कोरों के सामार के भी-पोली से पहा है। जिस्तान में एक परिचेश्व से पाँच एका पितान पा किस मोहेल करता पहाहा है। अपनाम अपना है। में किया पता है कि सिक्त भी कारोज स्थापका होती है— "पता बात मार्ग के मिलन भी कारोज स्थापका होती है—

चीर कटोरे की किनुनो कोरी है तर चीरती सैता सम्बद्ध कुरूए, विकार सिका सम्बद्ध

का निर्माण दोनानी चाली के वर्गक अनुसर है । "बाज है नेवार रंप रंगे वन

रीका साथ की पागुर की विको रोजी करते की, सेवर में बहतों ने किया तथ

संदेश की श्रीह सा

X X X X सोरे करोनों दे होने से मा सारो

रमीत मुंबर की दी सवार्थ<sup>ार</sup>

ेश्वीचरेत व्यास्य पूर्व कारणे स्विती

1. our alle feeler, mage, 3+ mil 1 m. our alle feeler water on 11+ i नेहों की चरकदार नाहियों तमे

lefers much in

4700 4951 9

At it we see county went to,

्व का बरिया में बात वा बावनीकार किया था है, को नारी के कर में विकार किया का है को नार का है। विकार किया का है को नार का को की नार है।

ेंहरी हुए की किरण-की सदा

एकार करि

हुवेशी परन

्रिक्षितीसर विद्यो समा

सीत का बातवार<sup>16</sup>
"बंदा राजार<sup>16</sup> वर्षात कर बेहत को रहे के वर्षात कर बेहत को रहे के होते हुएवा कर पुत्र है, बोर्टी पत्र पद्भू में विकार की की बोर्ड एका प्रेर प्राप्त है तो है हुते हैं, एकें पुरुष पीत्र में हैं के सहस्त और का सोक्स पुत्रकों को स्वास कर कर है। कुस किसमा सरम में प्राप्त मा मालावार कारत की प्रीप्त मान

'बर ब्ह्रज के एका दियों की

र्थर श्रीवरी एउ लिए वर्षे । श्रीत-श्रीत क्षेत्रे श्रीत के व्यार्थ क्ष

× × ×

कृती विकार्त रोकार्त रही में जूत

नंदी कुम्पर नोही की द्वारती है करें हरना भीर दुसाओं ने बीने पर दिखार मीर-एंक, नेवा पर समझ सीवन सामा<sup>118</sup>

दिया के धीर राष्ट्र को को लिंका सुरुचित है, प्रवीक्षी काणे कर स गोर्चन सं सरकारों ने सिर्ट में रूप मान पर को जाए था जा जानन कार कार है। याने का कारका है जा देशकार के सुने किसकी में पाठता कर साधीन हो रहा है, जो रूप में स्टेशन दोताड़ों जाताड़ों कार के से ने स्टेशनील होना जातिन किसका को कर्युंक स्टेन में कुछन किया हो गाहि है—

६. जो क्षेत्र नहीं सका, सामूर, पुरु १३ ।

२. जो रोड राष्ट्री करा, सामूर, पुरु करे । ३. जान और पैसर्जात समार पर १३१ ।

> केरे कभी भी सुरम् कुम्हारो कोहीं की सिवटडी गया है

४ × × × इस देरे नंदे बात के चाने बाजीयन दें बातों कोत स्थान मों दास बना नहीं ही

हुन मेरे वरीर पर काने बाद की तरह र

#### (e) sufn-shelter

त्रितिका कुमार सामृद्द कृताः सारोप सीमा में विशेष हैं। इसने साम्य सी मूम सीमार आरोप सीमार के सामीका है, स्वीति व्या तीमार भी प्राप्ती कर्ता में मूम है। आहे से के हैं, ने हुए और प्रति प्रति करिया सामार के इसने सामान सीमार निर्माण हूँ। तेतिका सामृद की ने मार्गिणीय सीमार्थ है का मार्गिण होंगे मार्गिण होंगे मार्गिण होंगे मार्गिण होंगे के सामार्थ कर्ता कर सीमार्थ के सामार्थ करिया मार्ग करिया हो। इसने मार्ग कर्ता में सामार्थ करिया हो।

पुष है।

"अक्ष्मको" करिया है प्रथम परित्येत में बहुति का न्यारण कर है जिसके हिंद्या कहा है, इसके प्रशास करिय कर में एक और में पहले-पहले, अगिरीत प्रथमित में अपने अपने अनुस्थित कर एक पर में परित्य कराई है कि होते में पहले करते ने मीती में स्थित-पार्टिक क्षेत्रम का बात की अपना की जाता है। किया की करती पर सम्बन्ध

परिचयन केली का हो स्थापन है— 'शिव देहीं की कटन में हैं को हो पर्यक्रमण

gilled, refere, with seco, ger, the, west tree, ther, we, after

<sup>1.</sup> श्रीवारी करी की सामा, पुलिबर, एक करना I

नेप, पार्थी, हम, बुधहारी का को कोने पार्थी

कृत पर गादा पतार करा, श्रीकृत और गार्थ "

स्तारीय यान स्वर्धि उन्हांने सेवर है जनता है, तिन्तु नहीं में किन्नाते नोह है। वर्षक में यह है कि वह कुछ होने मो में मोन निवार हुए हैं। में किन्सी का प्रोह केंद्र पुर किनाती में कियार पहाँ हैं। उन्हों पर पुन्तान है, तो सारा के क्यां के स्वरूप हैं। यदि प्रपत्नों में पून भा स्वरूप किन तो, तो पूनी मोलन हो गुह, पहुंच हुई स्वरूप सम्बद्ध हैं। तिन पर नहीं परिचार को पर की प्रधानकारों को होने स्वरूप प्रमान हों। तीन पर नहीं परिचार को प्राप्त की स्वरूप स्वरूप केंद्र स्वरूप केंद्र स्वरूप केंद्र स्वरूप में साम की प्राप्त हमा स्वरूप करते होंगा है।

सार्व गृही है— "वह कालंदी भरे जंदर और यह जीवन विकास करा पर का प्रकार है

भोगते हैं हुए हुएकुके?" इस महिला में सार्थ में माइनिन्देश का परिचया विश्व है। जर जो पूर्वन, ऐस रोजे, स्थारनी, युद्ध, तीन, जुले के क्यांत्र के क्यांत्र के स्थारनी, युद्ध, तीन, क्यांत्र के क्यांत्र के स्थारनी, युद्ध, तीन, जुले का, हा प्रकार की स्थारनी के स्थारनी का स्थारनी कर स्थारनी के स्थारनी स्थारनी के स्थारनी के स्थारनी के स्थारनी के स्थारनी के स्थारनी स्थारनी के स्थारनी स्थारनी

"मुस्तिकीय कार्रि को पाँची कार्य मानकार, उत्तरीका, एकड़ा ठाव कुकार का नारत है। "एकफरी" मानिकारी" मानि दुक अंकफर्ग हो देशों है, क्लिये कार्योव कार्य में एको को निवासिकी ये पहुन हा, मानिकार मानिकार की एकोच्या की सकत कियाँ की है। एकमा नारण नाह है कि कि-बीकर मानिकार मानिकार मान्य का उन्तर में र मूर्ग है। बहुएं गोरिका हो जनकी मान्य प्रतिकारी में मानिक मानिकार से उत्तर कार्य है।"

# (a) febri warren e nelle en peur

(47) सम्बार मात्रास्त्र में महाम का मात्रम मानुः की तिरोधी मात्रास्त्र के की वर्षीत कर में प्रवासिक हुए हैं। मुक्तिय अर्थित के मोत्र पुनर दिना करतेंने मात्रों मत्रिकाओं में बीने हैं। उस दरित के "मूक्ति की एक काल", "मुक्ति में नाकर", "मिल्यु उद की उठा" अर्थित एकाई स्थानपुर्व की एक काल", "मुक्ति में नाकर", "मिल्यु उद की उठा" अर्थित एकाई स्थानपुर्व

1. ge 8 me, augt, go an i

प्रतिकार, गार्प, पूर्ण कर।
 मिरिसमुकार जान्द : असे करिका के पश्चिम में, पार प्रिक्तमुकार,
 १८ १९३ ।

है । श्रिक्ती क्यान्स्त में चून्कर सब्दि सारकोपीया यह मारा है । यहां भी छेवाले बहु, कर, तुल, विकास स्वर्धि में उपना स्वरंग पोर्श्वाच्या हो नामा है—

È favireit fafauit tur

इट दिस्सा, १६, सुध, वेदि, १६ इस रोकारी वर ग्रंगरिक"

agg thesit on theires".

"नुसार के बात" वारता में बाद पार्टिय वार्टिय के में विश्व करते कही के माजवाद की कोश्य है। प्राप्तरिक वार्टिया में कार्ट्सिय के में विश्व करते कही के माजवाद की कार्टिय कार्टिया प्रसाद निया है --

। तथा है सावत्त्र का प

ग्रह कुता बोलन क्लोप्स काल का बीवन

क्ष्मणे पार स्था का सामाण<sup>1</sup>

with get or there's country and the spite is friend and the final term of the spite is for the spite is for

के शहरों में कार- वार्तिय कुबार ने जिला है... "अरोवादा के देश में निर्देश्या कुबार पास्तुर ने अकृति को एंडरबार, उनको उसको, एकानेक्षर, ऐता, उन्होंकों में देश साबि को एक नियमों मेरे सुकता जावा-मारोती ने माजबार के पाठ जिला है। जिल कारर समायानों महिलों में मुक्तियार पात्र करते निर्देश स्टेशक मेरे स्वर्तिय के अपन स्वर्ता में प्रतिकार पात्र पीते हैं.

<sup>1.</sup> Secreta wealth, ways po to

S. and me mer to be t

ate qu'el acception se une là vi, E, senne deb çà finde mesmalaye affait à fefremant mon six à 1°°

#### (tr) darries size

> 'श्वम गर्द करवाल रथ जा गर्दा है वास्त्रण वा परावर्तिन बहु कुन्द भीक्षम वर्तारण काल मा चीक्षम हिमानी राज

रुको पुर का गीलन सनुदो हुना पर वहता हुना

दुरोन सम्बन्धि का सम्बन्धन विश्वास्त करने के बात-कार जार है नहीं देखा-रिता केवल के कर करने का तकन भी हिला है, किन्तुने सम्बन्धनिक सीवन में पहुल परिवर्तन का सिता है। उनके से बेबारिक समस्यों के परिवरणकरून पहले के साहर-सीवन में और विशेषकर करने में सेकर में सम्बन्ध परिवर्तन का राज है। एक साहर्तन साहर्त कर कर हिन्द देशीय की बार्तिक समस्यों के हुने का स्वाहर्तन के

"दुर्शर कर अधुरिक केन-वोरे, सार्था-वोक्स

पराई ऐंड्स, रिज्योस इम्बोडियन को प्रतियाद रोक्सी वैद्योग-पुत्रम्

केवतर्त्त, एक्स्ट्रेक्ट सार्थ प्राप्तु के अवहोंने नाती

्यान्य, विरिध्यक्षात्, शास्त्रात् । स्थान्य, विरिध्यक्षात्, शास्त्रात्तरः । सुर्वे क्षत्र, पासूर् १० ६० । सामूर की ने "हुन्त देश" सीवेज करिया में पारांगा नार्वाण की एवं नेकर व्यक्तित की की किया की, तीम को ताद किए कहा दिवकर ने द्वित्रणा की म्यक्ति दिवा का अञ्चलित की तीम का तीम तात्र की की व्यक्ति की तीम तात्र में की "एका देश" की हैंने अधिन में उपना देशी हैं।

कर भी है को शेवा कर भी है को शेवा व हर, बावर शंवत न उताल होता है।

शेव, बोक्स, ग्रीबू, फेटियम दुरेतंत्रम, अल्लोज रक्तावर

elbe, Spor, uno, and, un

विकास के को पांचलारी भी काम-पांचली के बात में कानून करते तरि में की पांचल का मुक्तान दिला है। विकास कामांगों को भीत आहेंका मानत के की पांचल का मुक्तान दिला है। विकास कामांगों को भीत आहेंका मानत को मेंत्र में की पूर्वा में बेला हुआ है, विकास पांचलारी का पूर्वा मानत के हैं। बोलन के पूर्व कि में पूर्वा में की हुआ है, विकास को मोलन एंडिजन होता है, जो र का विकासी न प्रविध मानत को मानिकास हो मोलन एंडिजन होता है।

"rit is for-four, gre treat it

बतते हैं तार बिकें मध्यकों ने पुत्रते

रीज सीज वा बाजर करने कुलने ने " स्वट है, बिहान के की उपकारों सो बी बाबूर की है। कामा बाजरी के कर

में जबूक दिला है, सोर्थित ने मैसलिक रायका है। विश्वास को पानक की माँग एवं बाहुद का मार्थक मनते हैं। सेसारिक सार्थिकार्धी को ने जब्दि कर प्रत्ये की रावकी कर कर में तिकता में मार्थक में मार्थक में मार्थक सार्थकराय गामित प्रत्यों में मार्थिक में मार्थक में मार्थकर मार्थकर मार्थकर में मार्थकर मार्थकर मार्थकर में मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर में मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर में मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर मार्थकर में मार्थकर मार्थकर मार्थकर में मार्थकर मार्थक

क्षेत्र कर ना नामान्य तो एकार वापान्य एवं कर वा नान्य प्राप्त है करे नाी- नाष्ट्र है के किए नामान्य के कार्य कर की एकार की और एकी जाता है जाता है जीवन की कार्या के कि क्षेत्र कर के है कि चौर है "कुर्वकर्ता" के कर के कार्य कार्युक्त करता किया है। ऐकारे कारण है हि विकास के को जावारों को कार्य कार्युक्त करता है। एकार का प्राप्त है कि का जावा करता है।"

५. किल्लंब कालीने, सन्दर, पूर इ.स.

<sup>1.</sup> Detrie world, eyes, so us :

१. जन्म के मोर्बारत दिन्दी स्त्रीय-आयुद, शान प्रकेट, पूर्व १४-६९ ।

्राधीनमा—स्थित के तम में मुन्ती पर श्रीका के स्थान और उन्हरी अर्थान्तर के मुन्तिकट परिकारण का उत्तान । 'पूर्णीकरण' स्थापित गुर्वीन जानत है, ईन्हारें कृती पर पानवीत गोका के उर्ज के प्राप्ति की शिवार शिवारणीयात के अर्थ में केवरें में अर्थिक स्थिति में दि हैं।

"मूम्प्रीक्षण" नहीत शिवा मांगों से चीवा, तरीन शव्यक्रकात का पूरा कारण है। वार्षी स्थान नात भी की ती शिवा का पूरा स्थान कुछ । है। की सम की मा बूंड मार्गिकास की निवाद करने का तुम का उन्हें है का मार्गिक सबस के कार्यत मा विशेष के समझ को भी ता स्थान हिन्दा है। का मार्गिक सुत्र निवाद में हमा कि मार्गिका है। निवाद मार्गिक कुछ है। को स्थान कार्या कारण को में स्थान कि स्थान कि स्थान कारण की मार्गिक कुछ है। कारण की मार्गिक की मार्गिक की स्थानक

```
स्त्रीय देशन है
चंदर, पर, कृषा
पुर, निवस नेतार है :
× × ×
बक्दानों को में सब्दों संप्रतियों पर
चीत स्थान की
पूर्वा की स्थान
```

स्तर्भ ने लागे संशिक्त प्रकार ने लोगों ने का का नहता में प्रायक्ष में प्रकार के प्रकार का निक्र में प्रकार का निक्र मात्र ने स्त्र मात्र मात

सर्थ करि है 'कारावा' को मुक्ति में किया है— 'स्कूरिक पूर को देखिएकिंग पुरीतिकों को सांक्रिकों की साम पहल क्रिक्त करते हैं। इसको करण कोई पुण-क्रम का आवीर परित गरीन न होन्स

```
९. शास्त्रक, सं- कार्डन, पुन् १०४ ।
```

from  $\Delta$  any ori - riding and  $\phi$  in the section  $\phi$  is a set of them to one in the riding of the set of selection cannot be a fine  $\phi$  in  $\phi$ 

"क्रायान्त्र" शाम संगतिका ने दिए रहित है कि राज को जागा-साज एक पिरोक्की गृह अवस्थित कुन के काल में काला जावाद कर में राज्य होता। अधिक देखें हैं "पानिक राज्य के इस जावाद पर शोकारिका शंक्षित पूर्णिया।" विकास के किसीन अपनी को जाने जावाद के से विकास उनके हैं जाते

करना क चित्रका भी है कि नोमन भी बोगत म ऐतिन पानगर्द नवीनों मी महानें है कि विद्युप्त हो होते जा रही हैं। जीवन भी बस्तेता, जेवन स्वस्थर्द नवान होती मा उसे हैं।

"पेटर पड़ी एवंज ओवर की घरा कर पड़ी दिवस स्वतिनी कर बड़ा बाक सोवर को क्योड़ी और की

बोर्स केरी है बूरिन कर बीत बी"

तिरिक्षण और सार्वन्य न्यामा है। निवार की प्रशासि में सारंप माने भी है पूर्व वैदा है। वह निवार का पात्र हो गया है। वहां आपूर की दम बात को भारत से एक एक दार्विक्त साम्यान का निर्देश करी है, अधिक प्रकाश कर्त और हम्यू पर दिवस के लिए अध्यक्षित्र हैं, कियु काले भारतका था गया हो गोर दिवस है। "अधिकारों है का माना

#### वन करन कर को शोवन के"

के साथ कर जारे की कही होएं के बारण दिनाओं कुछ उनके तेन पहलूत के साथ कर जारे हैं कि जनवारिया में के तो के बारण दिनाओं कुछ उनके तेन पहलूत के साथ कर जारे हैं कि जनवारिया में कर से बीचे नोटे उपलोध सावस्थारण सम्बद्ध

चूबिका, कार्याणा, सामृत ।
 पूर ने साथ, कार्य, १० तथ ।

f. He g met ande do us

होतर बहुत र प्रान्तिकान की बादी जा पढ़ी है। "सीवार्त काकार" कहाँ बहित के राज्यात देशों में न्योनीकरण के दुर्शारणाओं कर माठकर किया है । नहीं विकास के क्को परब्दी है करण प्रमुख का चीवन जेंचे स्कीत के करन और clappe के कुछgre it wit it title it come man will men a come analys Son, arrange बहु का बहाबरक दिए पर दिन परहार पर देश है । प्रकृति में राज क्या वार्टिको कुमार के पारती राते की कामन में धीरे-धीरे, कामने का धी है। मानत है जनका

कुरत जन-रंग झीरकर सनुष्य प्रन्ते भी सहीती अचले में रीवे नहीं पहला साहता । पर बले वारे प्रथम पंचा

thiblers alle rieger feit be क्षेत्र विका स्थिते का क्षेत्रे etr Seur

manifest for an ever

क्रीको से सदस और श्रीकर बारकाची हैं प्रकृति है

**बरे** हाडी हुमाओं में सम्बन्ध के बादम er er nigt difer

कार की क्रीक्टोप प्रवाहत ने अवस्थ को केन्द्रस-व्हेडिय, सम्बद्धर, हीती, सार बारि बीवन को एक-शृक्तियों हो दें हैं, लेकिन इस्ते राष-ताम अपाय को पंचित

कुरुकाकोची, गर्जर, भीर, केबरे आहे पात्रको अपूर्वाची हे चीतुर्च दुविया की से है । but play at greate great a chips, suppose it shell at \$ 1 and and के दिल में भी का के दिल प्रश्नात नहीं है, कोडिंप आप-आप देवते बाप अपनी है, मां बररही है, सारत है -तां बात के बीच कई बाद तकता होते हैं। बच्चे कन्य ती हूं जाने बारनो नारनोट बारने ने सारानरम में देखते हैं । देशे राणे माने चनापर सम of the post of 2 mone of all mobiles exh 2 in

Thresh gd arek ere are mid रेक-बद्धात से भीका

पसाबीह अनुसोद की रोज में बहुराई क्यारी क्षेत्रहोत वस्त्राः''

प्रीपात कराया. प्रचार, प्रदा स्थीर 1. Visit of all year mark to \$5.1

स्थित, केलो, केलोलों, बोब्द, पर्यट के बीच पोसीया जारी से चल्यीत बुक्तुया शतकारों से करी हुई मुनिया कि पेशा है चलको हुए दाई

क्यते हो नगरे हुए पर वे मराजी राजान हमकार के 1<sup>11</sup> स्वतिका क्याता ने नगर को उपना स्वाम और विकासीत क्या दिया है कि

"देश" केही प्रीक्ष प्रमुक्ति को कांध्री तिए सीरियात का रिपर तथा है। सार्थी वर्तर स्वती कुर्वित्तु है हि कांध्र कांध्री तिले अपूर्व तिवारण है। वस्तरण में मुद्दि के सी कांध्रीय सामा को कुर्व है, यून वी प्राप्त-स्वादात साह पर सामान तथा है। वास्त्रित सामें किए तेला के कार्यक्र के तथारा सहज्य मही तथारा। देश सामाना स्वीव्यक्ति है साम के सामान सा

'भार बोरियत का पेक्स कारा वाची कामम तुम्हारी काम केत्र, दिका, परामदर, सार्थात कार्ड कामुक स्थितन सुर्वद का की शाकारम

बूर्तः तत्त्वर-म्बर्गर वर्गहरू केवत वर बावर वैकीत हो सरकार —"

क्रीता को सरावा — "" "मिंता मेंग्रीं कर सूत्र को मांग्री के अपने की जान की मीजा, मार्ची, सरावा की मों स्वार हो तो है, और पहुनी से मिंता का दे रहे है, कर बंदन अपने की मांग्री कर का दे के मार्ची के मार्ची कर की मार्ची की मीजा कर बंदन के मार्ची के मार्ची के मार्ची की मार्ची कर बंदि के मार्ची की किस मोंग्री को सम्मेत्या को स्वीपी देखी की मार्ची कर बंदी के स्वीपी की का मोंग्री को मार्ची के मार्ची की मार्ची की मार्ची की मार्ची की का मोंग्री की मार्ची की मार्ची की मार्ची की मार्ची की मार्ची की का मीजा की मोंग्री की मार्ची की मार्ची की मार्ची की मार्ची की का मीजा की मीजा मार्ची की मार्ची की मार्ची की मार्ची की मार्ची की का मीजा की मीजा मार्ची की मार्ची की

श्रीवर गरी की साथ, सब्दर, दु॰ ६३-६३ ।
 श्रीवरी गरी की साथ, साबद, ४०-६६ ।

दोव के लिए जाते. हैं, जनना पूरण गांव रह ने अविश्व नहीं है। बकुन बड़ी स्ववं सरिवारिक है।

'के रहिया को करता है सन्दर्शनी निराद का कर कीतर कर जहर

बहुत कापूर गुंबरशा आवरी हुवा बीला

स्रोड तर्द् प्रत शास्त्र का × × × × श्रह तक्द और कावका

ने क्षेत्र के प्रतिकृति के प्रति के प्रतिकृति के प्रतिकृ

क्तान-विकास की प्रोधारवाओं के तरित जावत लाता की गई है। एवं हरिय के 'पूर्ण कार' कुरोद सामित काम है।'' जहां का कर की पाली कामा की अववशित न होना कि पुण्योकता और 'कामाना' कि स्कारण के बंदर्ग में है कुछ अधीनाई है। वैसी कि साद सामेना विका

'बरायादा' में उत्तराज्य के बंधरों में कुछ आरियारों है। जैतों कि सार सामेख किया हा इसते हैं मिं 'बुस्तेलम' के बन में बढ़िये के तर है गुर्को पर बेकर के साम और इसती प्रारंजिया से बंदींडर एक परिकारका जातुर सूचे का वर्ष मो। उह एक उत्तर काम है जो उत्तर प्रारंजित होने जा रहा है। इस बीद सामित की सहस्ता पर सामों पिट वह बुस्त सरक्षा को 'कमानवर' कर नाम दिया गया थी मन उन्हांस्का हुआ है।

\_\_\_\_

दिश्चित्रकृतार मान्द नको समिता वे परिकार में, बान विश्ववकुतारी, पूर २०२।

#### चरचे अध्यक्त

# कवि माधुर के काल्य में तनाब की अवधारणा और उसका समाधान

पोसामाना (क) त्राराण कोंक्स में "त्राराण" को स्थानात को मानकर नाते हुए देर दश कियू है इस्टें इसे कात कर कोंग्स को प्रोडिक सोत को "भारती कारत" (एक्टोकर) सात्री

है, और वाँच प्राप्त अधिकार सिक्ता क्या स्तिता है आर्थावर्गिक विश्वास को कारण "साम्बर्गिक स्तार्थ" (इस्टोंक्य) । सार्वावर्थिक स्त्रुप्ती स्वार्थी और साम्बर्गिक स्त्रार्थी सा पार्व्य कीर्तिक संस्त्रा है। स्त्रार्थी है। स्वत्रार्था स्त्रुप्त स्वराध्ये में पूर्व स्त्रुप्तिक सिक्ता स्त्रीय है। स्त्रुप्ती स्त्रुप्तिक स्त्रुप्तिक सिक्ता स्त्रीय है। में स्त्रुप्त की एके कारणात कारणा सिक्ता सिक्ता सेन सिक्ता स्त्रार्थिक स्त्रुप्तिक स्त्रिक स्त्रुप्तिक स्

ही कर है है केट के जानूनार जनक कियारों और जीवना का विकार नार नहीं, हो के का को का रोहुसा कियारा है, और इसी का के का बाताओं भी होना काहित्र के के कियार के करिया से बोकात काहूना "विकारिक रूपना" से निर्मा है होती है। अर्थात कर की बाराया को मान है के की किया में होता है, हो करते का का का का मान का का की की मान है किया है किया है की किया है है

स्थाः प्रा अवस्य का अध्या पर्धा हुतः इत्तरम्य एवः यातः व प्राव्यक्ति त्राप्ता का मात्र करते प्राप्ता वर्षाया स्थूतिक स्थूते या त्राच्या है। विकार्षतः हेट से अनुसार—"करिया अधीन्यस्य सर गरियाम होती है, बहु

इत प्रक्रिया है प्रश्नुका एक ऐसी मानारिया और सामेच संस्थानना मारिय समा प्रश्नित है, जिसने स्रोचकार्य और अकार्य के लोग यहाँ आने सामी प्रधानक दिनाँत में सामारिय सम्बन्ध (कार्या) कहा उत्तर है। ""

भीवन में तराव एक ऐही कांच मुंबता है, विवादे औरना को राजियत कियती. है। जो पंची-विकृत होते हैं, अनक भीवा को नारत है। यंत्रार में उन्हों को हुए विकार है, जो पहला है। अपना भी के काम में तराव कोच नमें में मुक्तित हुआ

- - (१) नामीक और विक्र तमार (६) नमार्थ करान
- 1. velt entrer is selecter, any linder the, 3+ cm i

## (4) referre sites at more

or cities it streets my effectall at these own it als seek assessment man-from afte effecte in errors it 1 "levit all constitut our it all on all cars freet erfet, बद वर्धे नहीं क्या । भी को बीकारी से कारण वह बकते परिवर को afte on part tim, auraliten, mitter afte mitterer pe mit it deute green it all afer all polition on six are on a found to mil it. facilitate विविधानुसार की बांधने अनुसं के, जाता हाजी के त्येत्र के पूरत के । विकास प्राट्स कर है Print of \$45 with the in fe up the ways our year afters \$ 1 ates au er offere us au fa al an off come or old à audier and

र्राच्यों में बरजना है देशी या बच्छी है-''तम वेदे अधिकार हो, हो देरे बाहर

की, और सहान्य के लिये प्रशासन में 1 इस कर क्रिकेट की प्रशास पानते प्रश में दाने पार को प्रकार, को स्वाफो हों।" "With effer," was when the stall it fines it a port at it will

क्षारे के वर्ष क्षाप्त क्रिकेटन कर अबोग बनात है, को बहुत क्रार्थक है, क्या करि के expect after all selecteds in their same fear and his on over six h engiage per tier an out &. When an edge is not ober it out it no and by after me no other want to biles up the year me and to "heb deb" og est frem from, opphen er rete å, elle et en be at their exfert with this it, saltist as "itsh-boy" felows as who

हिट्टीर बंब में भी का इनाव कराने के किये कोई दिल्ली के बावा का रहा या हेर में भी बेडबर करी रहें, और कार्य कवि अवेता पह बता है भी का इस प्रकार करना wile in my or for your more on a solt way this favor it about her tak wher she ferr & dit ne tree sessor cefe & :

क्रांत क्रूंट में भी के आने के क्रूड करतें की राष्ट्रि आड़ी है। वो के विकोध का fee, que, que, kuit en doit moit à sée et compé frefe pér fefes ght & I wir et çau & fo et freur ed, goer & fo f unit er erm. beel

8 and sept after 7

इक प्रदान करना कार-कार नाता है एक प्राप्ती मेंक करी बाली ऐन होती है. बार ने र्वाच्छारे लंबरे में

शाम के लोगरिक दिन्दी करिए—सन्दर, तेशाम सामरेती, बार गरेना, पुर ५-७ र Officer .....

केले नेश्व रोजने बार्ड वै पक्कार रोज़्डा हूँ बहु हर सर वृह्व बार्डी दें × × ×

× × हरकार मेरी एक बीचार की कुछै नवेशा श्रीव कोंग्रेरे में हुब स्थाने हैं

बूट पूर्वी हुई एक नाम रिफ क्षेत्र यह नामी है एक स्थानी एक होती है

े पूजान एक्टरेश की राज" जाहुत कविद्या हो बोरों में हिन्छत है. प्रथम को है भी के ऐन में अक्टर कार्ट के बात करि में एक्टरेशूर्ण कीटन का दिन्हा दिन्दा माने है । करि को हिन्दा है के इसे नेप्यानमें ही है तो है है के ट्रेन के साने के राज्यत्व वर्षन स्वादा का नाम है । हैन भी कार्ट में इसे है करका पुत्र कीट कार्ट के तो है । कर्म कार्य स्वापनों कीटन में हैं, हमाने हमें कार्ट में इसे हैं करकार है तो है ।

क्षम बाद कुनावा गाया न है, हर्गाण का अंदर का लावात गाया र पहु है। हिन्दे को में मुन्त को पूर्वत निर्मित का निर्माण की पात्र है। वहीं भी के क्षांत्र के निर्माण की निर्माण की रिमेण्य है पर्य है। यह नार्यक पर्यक्त बाद की प्रेस्त कर पर्य की निर्माण की पहुंचाने का लाव नहीं होते, का कम्मी बाद की प्रेस्त कर पर्य की नोर जावा की निर्माण की की निर्माण की प्रदेश का बाद बाद पर्दी हो पहु है, किस्सी के बादे पर हुए सम्मी है, इस्म क्ष्यूक्रीओं है कहुन की है, हुए का है, किसी को निर्माण है पर है।

"वर्ष बोर प्रदान है, यह तम है "वर्ष बोर प्रदानों वह हो फेट बार्ज से संद बुक्त बंदेर

हैर विकास से सारो नहीं × × × क्रम-तम सकर तह

हुते हुई के से हुते कुठे की सारक-राज्य हुती की साथ केसर करनी शर्म गरी विके को सिकारोगों की साथ

<sup>1.</sup> and 42 minut, ever, 1+ 11-15

were confirm?

शंचन वे की हुए समय हो

विषयी की कुछनी रात काब होती नहीं × × ×

रियाता गहीं है पूछ कोचें नहीं और है

इस्ती रही है को इस को होत सह

कुछ कारी सरस्य है सन्द है जिसी सन्दर्भत

राई को क्योंका?"
"गा बा पीट्ट" किया हुन कर से आंत्र की विश्वासकारी उनुष्टेंग को वर्तन-गीत बार पहिला है। इस करिया है। हुम्ब कार है, अगारे की गीतर किसारी के सीनियत उनुस में बात की नहीं है, यह निर्मात को उत्पार के है, नाम-विका, गीवरार का पूर्व, भी राजा कि तर्द है, यह निर्मात को उत्पार के है, नाम-विका, गीवरार का पूर्व, भी राजा कि तर हमा की मान हमा कि हम्म होंगा है की में कर की वीवरार मान हो। की विकास इसार की साम हमा कि से हम्मी राजा के नाम की मान किया कर की नाम की नाम

हरियों क्षेत्र की ही और बात का पहा हो । ''पूर्वाहे बता पूजे हो सभी, मैं है हमा तथ के शाय

रश-पत की सूची विद्वाल के बाली है प्रीरहार हकार

नार त्रवाची क्यों और है इस बावन की रोज स्था थे क्या न क्यों जा स्त्रोंनी जिल्लाम देह की गोज़ स्था थे

रियो प्रोप्न को पुत्रको पहचर गेरी पत्रकों के पर पर मैं सवाद की पत्रत होता, अपने स्रोपन के हुए पर पर ।""

त्रियों से त्रेन न यूने पर नाई सामित रिपाद हो गाता है। तरे नाए से परिवाद है और पर यूने पर नाई सामित हिपाद हो गाता है। तरे नाए से मेरियाद है और पर प्रीप इस्ता वर्डिया हमार है जा है कि को अनामार्थ के पाई मेरियाद मात्रीत होते हैं। जाए से मेरियाद मात्री की यह पूर्ण मुझा है, तरे हैं तरे से सामार करना क्यूने वह परे सामा नहीं है। जा बीचार भी तरे से तर्वाचा होने परिवाद पर प्रमा मा, तर्कों हिस्स में मुझा नीची है। जा बीचार भी तर्वाची हैं के प्राचित होने परिवाद कर हों तर्कों है के स्वाप्ताद के सामित होंगा को तर्वाची की करा होगा है।

<sup>1.</sup> fenrie webb, mer, 1+ 15-10 i

they is the in many our right were flower somer soler day have

was and it mad up at

Set was very ser at the sec son 2 of section

feer oil shap oil sere man-संदर्श केंद्र कर वं

Mit down areas it areas on fewers the also is said to bid altered in our more?"

#### (1) medica altr filter even

them who finded all Processes's some effect it fields after the क्षातीक क्षात स्थानमं का हो है । बाह्य और मान्यतिक कुछ के सारण कर वर्त हैं while or about the first part of our at our at one at first and on at and it set it sets of an ear a set offer dury it are on one to and or all not are entered a rate or see, \$940 stoler are series

से प्राप्त राजाते हैं । धारानकार यह विश्वतासीय कर पता है—

and wifeen not it sta

forms it and servi erfen e merien bere it une mou-star it kan ou of no-कारण म पीता पूर वर्ष है। सारव को स्थान कार्यवारों, वित्र तीवर बासारों, कृषित होंगी का पूरी है। सकता नोमत अधिकारित अध्यक्त हो एक है— म् रीम, लिक्स, स्वतः म्यक

"as and as some new

1. 480, 1917, 5- 16 1

t. ferris wells, angr. p. tt 1

ga, et, souge, ver

, × × × बर एक पति है जिए मानस

As' eat some spen at., "र्जेंगोलको क्षेत्रीय" इस श्रीवता में हुन्छ, रंग्य, क्या श्रमानों के गरे हुए बीवार at which wile it come at it is one about which a count it some out किन्दरे क्रीक्रियों के लोज किन्नों हो, यहाँ कन्दरिय की सुधी जानसीत है। विवस-बाओं की बारी-बारी आज बारण-सेवल करा के बारी हो गए है. विकास विकास

Specialism (Final) II I .... 'गणांकर को स्था सुबो होती वर्गे कियारी है कार के कारो कियाँ

बच्च, शैनाचे, नरीक्षे, रचनी added it she foods book?

"from site feeden" offens stag als "aller name git allere als", anget ab ab office effect \$ 1 as refer ab stall \$ found \$ 1 year star \$ arrange नवीर बार्ग एर जाने वाले कवि को शंकित का चार्न दक्ति वाला कोई नहीं है, बिना क्ट-एक्स्ट्रेस के पार्थ-पार्श काकी सांत्र स्टेप हो गई है । काफे पार्श ओर नैपाना क्यार परिवास है। समान गीएव, वेचव तथर हो क्या है, बोले को सदर बाखावा क्षपान हो नहीं है। बारि की राष्ट्र सम्पनारों क्षपान हो को है। बांच का राष्ट्र तक तेन क्षेप्र क्षेत्र, ताम ही बीजन की जहुर जानवार्ड नेपाल में पान गरे हैं। फेतनवा positional all and \$ 1 few pages delta are seen use uses are seefer also tiger \$, upt geere eber fe feine git mit fe vonlt feren all eine de eine की है, बहु को अपने शाबिकों वांत्रों है जाती कुछ को जाते को सावप्त्रों बड़ी है। Few switt पाछाड़ में पूछा कर बावस सीन्दर्ग तथन हो। बाहत है। अही प्रकार पाछि & serve it will all most been show my shell on salt \$. 42 aller it shill movie

# सदी रका है।

and I also make it for the same on right is finite all movement at थीं, क्रमें के कुछ में क्ष्मकता भी दिन्ही, विकित नाम में वापादारों भी रामाना प्रश्लेत shift \$ 1 and old are not found for. It of seven more notices not not a हतारे तिलन करत को सदूर स्कृतिकों को सन सन्तों के समान हो प्रतीय होतो हैं।

कीर सकार होरे जीवन की । भीत तथा संशीत प्याद का,

S. Hight, worst, We said I 2. Q4 \$ 991. KINT, 5+ 42.1 का गर्दै वरिता भी तम भी । मंत्री में तम भीर भरी हैं। कर पर पीत स्त्रीक आरों हैं। पुतारों मात्री पूंच नास्त्रियां एक स्वापन कम करने के तार

बार बच्चों में देश पतु वर्षे, जीवारों पर जाता है कर की (\*)

"निर्माण का काराना" पर गरिया के गामांत आँ से बाहु का मात्र मारा मीत करी पर शोवन के मात्रावार के परवाद, अपने आप बाहुत किये हैं। पूर्व मारा होता की पर शोवन के सकता कारा चरित हो पते हैं, पारी सावरा परपांच होता हो पते हैं। "आपने अन्तर "हिए के निर्माणने हैं। वहां माहियात है, तेन स्वास्त

तिन कारा के ही गूर को है। उसने की टीकड़ा सामी की मान बक्तों है, बोक्टो-मांत में निविधाता जा जो है। 'पनवा' जान बीचन को कान्या के लिये प्रमुख है, स्थाप जीवन में बाद बोटे दिन की का है।

ापण के का मान है। इस में किए सानों की उसके कोनी को उसका बारावर हो, पूजा पर, है कबर मानों तक जात नहीं हुए हैं। उस जम नवार्ति की बीट है, हुए एक पहुंचा कियाँ पहुँचा की निज्ञ पहाड़ा है, कही जीवन की तालंग है। किया जीवन का अधिक उसका मंदीन की ना की तालाइन होंडे को से स्थापन की सानों है।

मन में नहीं बीता का जाताह, प्रधान करने को दूपका तेन हैं। "सी जा जूनिय मूरत के कार्य का वकार यह नहीं जाती कुत कर के अर्थन में हो पत्रा जाताना करन, वर्ग-बंदार को किस क्या तैन यह नहें करने है हाता हैं

मंतित नानों ने नेतन तारो तहर स्थे यह यह पातित सानों ने नामके १८४ मनाह निरा नाले स्थितने नारों हुए भारतने नाम ज्या का साम्बानी नार्वन

<sup>1.</sup> ers alt ferie, auge, go ut 1 o ficcole wealth, sver, co us 1

हिट्टेस मंत्र में विराहतात का निरम्प निया पता है, कीर एसी विराहतात के बार्य का कथ्या निराहत केशार है, जिससे निर्दाश स्थात होता है। स्वर्धन पति राष्ट्र है केशा निराहण का रहा और होते के सारण पह चुने हैं। कीर करार नहीं है, स्थानित को है, अधिकारी हों

हुमें बंद में बंदि कार्याक रूपायुक्ते पुत्र में मा बाता है, जब मोदी पहुन् ब्याँत प्राप्त होता है, वह दुनेमा को पहुण्यारी है। कार्य में मार्गालयों कर है अपे ने नहें है। बार्या कार्यालय में स्थापत हुए हैं। देश में कार्या में पहुण्य में मोदान में नहें है। बंदा बढ़ामा महाना है कि है होता परिवाहनों के हुए में रूपायुक्त महाने मान महान्यालयों मान पुर्श्वित बंदाओं हुए हो है। स्थापत में स्थापत की निवाही है कि यह निर्माण बोकार हुए, मेंगिनबीं से अधीकर वान्यों निप्यूक्ता

ेरै पूक हमा विको भी क्षेत्र-तेवा पर चैने ने पा आदेव, किन्दु दोड़ों में तेवा बाद हवा— में दूध पूर्वता के पत्र का करना विकार, सरवी महत्त्वता में पूरत, में दूध श्रह्मी का

× × × × बार ने मुक्को जिस्से पर क्षेत्र है पहिणाला, बहु विपर न मुख्य पर के कडाय, कर्मा की बार करते हैं

कुरको की हुन न होने का सरपान विका, मैं काला सामीचा प्रदेशकों के कार बढ़ित जारन हुआ बात! "अस्मार की पर स्थान" आहेता और विका अस्मा की गाँउ में कालान

सरिया है। क्येर को का क्यार अपनिक तथार भी क्यार में में पुरुपता पहार है, कर बहु का कुमूल करता है कि केवला का उतिहारकर अमेग व्यक्तिओं की स्वाप्त में किस्ता है। अर्थन करें करना, मिला कर करता, क्यारों कर की साथ पूर्वा है। वाकरों कर जनविक की कीने भी अस्ताकों पूर्व व्यक्ता कर कितार केते प्रस्ता पहार है। करते कीने साथे किस करना कितार की अंके हैं कर में अर्थन की हरण करना पहार है, मेरे एक मान्ये प्रविक्षा में नेवारों करने के स्वाप्त कर की

"कों हुने बनावा है इत्हादी हुन्य प्रिये कोने कोनों ने ब्राची से निकार कोई करे-बुध्यों कही जैवलियों नावा करत हैं।

कर नह पूरी राज बार-बार बचने हुए किराने के बारी की बार-बार बचने हुए किराने के बारी की

सारत हुत्वर वह न समय बात बात बारची उन्नी पश्चित है बारोनों से निर्मेद की बारप मारिता में

— निर्ण तीत करेशो करा हुए प्रकार को हुआ इस करी कुछकार को हैते हुए हुनेका

.

and one of the  $\hat{\sigma}$  and of the  $\hat{\sigma}$  and  $\hat{\sigma}$  of the  $\hat{\sigma}$  is the first form at each  $\hat{g}_{m}$ 

(४) व्यक्तित परिवेश

(4) जानिक परिकेश स्थाप में एवं और नेक्बर्ड काम्बर व्यक्ति थे, वो दूसरों और मृख और वेकारों के समयों हुए सबहुर : कांगी और मरीकों ने कर्न कांग्रे को प्रकार को उसन हिला।

हैं इसके हुए स्कूट : क्योंने की ना राजि ने क्यों को प्रकार को प्रकार को पान होता। "तर्मिक पर को पर थी। पित कार्यों को पर की पान कार्यों को बोधने कर पर है। इसे की नी स्वीत के प्रकार के की प्रकार के की प्रकार के की प्रकार की पीत की प्रकार के की प्रकार की पीत की प्रकार के की प्रकार की पीत की पीत

<sup>1.</sup> shri) agi sh mar awer, 10- 33-34 1

<sup>1.</sup> Seed was all septent, any most fing, go and a

तिर्देश को और भी प्रमर्शन नहां जिला था। हुए को उन्होंन् से सारण देव के सारपार्टन को है जाने पन ते जानना पर पर जिला, जोड़ करता, जातक जाई समस्यक आहांने बर समारण समझ हो नहां है जो है पर की सारपार में की दे पताब कहें। हुंको थी। "भारपार्टन, कुनेनक्कोंने, जातकार को हुए। सही—कुन्ना के बीर, चीर्के

है तार एको जानकीवान हो को कि कुछार दिखाल को होता था।" " प्रकार के वर्ष के एक एक एक हैं कि देखार समूर की होता हो को प्रकार के का कार्य दिखान प्रकों दिखानिक परिवारों के से कार्य है.

र्दाट का क्याने 140ल उनकी विश्वविद्याल की "राज्याचे पर एक बीट में आगे क्यों,

end the web exist feet the feet off-off exist.

कुदरहा का स्थरी—जिल्लु कोशी के गीने यह स्थापका जीतर जिल्ला में देखों को

देशी. ये दिर भी भीक्यां "
"एस्टिनियम्" मितन के अन्तरंत्र प्रमूच भी के वहाँ समय महत्त्र का विश्वन मिता है, बहुँ तब्बाद कर सामी भीक्षी पत्र, बार, बीठा, बेकरी कारि सी बर-हुए क्यों तरके बारी सार्थियों के कैप्यार्थ सीवन की और सी अंग्रेस किया है। बहुँ इस और बन्धन आर्थियों के कैप्यार्थ सीवन है, बहुँ हुशी और भीवन की सीव-सार्थ हैंसा सीवन सीवन के सामकार सामार्थीक सीवन के बार भी प्रमें सीवन सार्थ हैंसा सीवन सीवन के सामकार सामार्थीक सीवन के सार्थ में प्रमें की सीवन में जी मीत सीव

> हर्ष श्रीवन्त होती है। "भंद श्रीवरी यह, श्रीवरी यह हर तथ,

ेशंद्र श्रीवरी एक, श्रीकी एक दूर व दुखों को प्रकार में विश्वती । × ×

× × view, else elle, black

X X X X क्यों र जीवनी देकत सहुवी पर हो क्यारे, दूरी के इर्थन-क्यों पर,

प्रकृत व राज्य वर्ती है विकास पंचीपी की जोतिक वर्तद सम्बद्धी— ×

वर्ध क्रिक्ट बीवाई और वंशावताई, मागूर, पू॰ ६६।
 तम और विश्वेत, कावर, १० २०।

stong ago on

कीचे को दो पंडिकों में कीन का बात कवित प्रकार कर में जानने नामा है feer को ने किसे कीवर की एक-एक बीच दूसर है, प्रयूप्त है :

#### (स) सामाधिक समाप अध्यक्ष के क्षेत्रिक स. सिरावक सोनों के अति सर्वित को वर्ग सामान्त्रीत है :

क्कोण पर पता है—
"पांत हमा में प्री ताता बारे हैं,
विद्वार से पूरा भी गर्नी बारे हुई है, बारा पर निवासों में निवृत्त बोक्ट है, पर बहु पक्ट्रों में निवृत्त बोक्ट है, पर बहु पक्ट्रों में नंबता का बाबा है यह दिना प्रकार वह नोटर मीत नीटा किया मारे

× × × व्यक्त क्षेत्रम पाम्ब्रीय प्रश्लेष कर एवा । बाह्रों के दिन की निराद

me ope på b. .

"धाम की हुए" विकास में थी प्रस्तारी कर्षणारियों से अवश्वका को एक बात विकास की एक बात कि प्रदार है। प्रशास की तम हाता स्वतास्थ्र कर कर कर के में मूर्य है निया है कि हुए भी वार्ति वाहुंची भी बात तो हुए चीची प्रशास करहे थी

'दुष को की सही से क्लां

यन व पीडी, में पुर, न काम-स्वयः हो पार स्थल विकासित का तथ प्रमा सम सामा है प्रतिकार को सामा

1. one also finder army to external

1. 100 allt feele, 1007, 2+ 41-41 i 8. 101 \$ 107, 1007, 5+ 31 i रोशक पहुं की जुनाहर सीनहीं का निराण करता हुआ और सोन्दर के एक्सी-पर की गुरान गराते के गुरावात दिनों से करता है। किस अन्दर तीन्य पहुं की तीन-पूरी सामी होती है, जोई अन्दर जीवन का एक्सीका भी समझीत है। समझ सीनक महि के गुरा का परिवारण है।...

"क्यो दुष्युरों से बीवल कर करा बीवला दुष्य तरायें हैं। यह बीवल का इवालीका—

सरको ने युवकन दिनों सा, मन्द्रोत सेप्यूनी क्रम

बहुए रहें हैं चीनें बत में

कहर गई है पुत्र कोई भी"" इस्टोन्स विकास के स्थाद है कि समूद को के बाजब में संबर्ध और 'क्यार'

की निवादी स्थापित के हुए पारचुर्य कर में विश्वास है। "पार्चेक मार्चे की निवादी स्थापित है, मार्चेक का दुर्वी स्थित में बहु है कि प्राप्त कर कि निवाद है। "पार्चेक का दुर्वी स्थित में बहु है कि प्राप्त के मार्चेक का दुर्वी स्थापित में बहु है की प्राप्त के स्थापित है। को क्षा स्थापित है। वह का स्थापित के समाप्त है के स्थापित है। वह स्थापित के समाप्त है के स्थापित के स्थापित है। वह स्थापित के समाप्त है के स्थापित है को स्थापित है के स्थापित के स्थापित कर स्थाप

#### (w) never no exercise

बनातर भी दर्शन, इसंबंधी, सिन्धी, ओर उस्ताहर भारे तथा में स्थान माने की मानेवृत्ति राज्य भी को कोलावरों से बड्डी है है जह समाद करानी राज्य और पर की माना में मान में मोनी नाती जानी नाष्ट्रीत को माना मनते हैं है भी के दिखान है कि पीरण दान जुमा है। अपने पहुंच की, हा जुमा के के दूर पर जुमा है। प्रेमण के पार पहुंच है कि बहुओ का पत्र की, हा जिसके जुमा है। पत्र के बहु माँक है के बादी हुए अधिकारों के जियों हुए अपने की जुमा है। पत्र के बहु माँक है के बादी हुए अधिकारों के जियों हुए अपने की अपने अधिकार की है। अधिकार के पार्ट हम जिया है। यह अधिकार की प्रेमण के अधिकार की अधिकार में हुए में हमें हमें हमें हम के प्रित्त की प्राप्त के अधिकार की अधिकार में हुए में हमें हमें हम के पहुंच में किए में हम के प्राप्त की प्रीप्त की अधिकार स्थान पहुंच है, और प्राप्त की की अधिकारों के अधिकारों के अधिकारों के अधिकारों के अधिकारों की अधिकारों के अधिकारों

'दे को कार तो है तीय गर्ड कर बीट को की किएए क्यून के इस स्वी

का पहा है वह तथा पूर्ण का चौर पूर्वका चौर परेग हैंगों ना सर्वाच्या चौर की विकार कारी का पूर्व जीवनके वैदानों के कैंके पर प्रोटकों विकास बहु कार विकास का का करते केले ने

सह काला करिका दोन बोर्ग में में निकार है। जन्म मेर जिसी बात्य है, हिंदीन में विश्वतिन में मा जायात्वा है, होतर में तैयार्था मा राज्योकार किया राज है। बात हुंदू अंतर्थ के रिवास और अवस्तृद्ध मा मेर्चन वहीं, मांकु बच्च की परिवा कर्माणात है, जो भी एवा निविका विकार केंद्र मा करता हुआ परिवाह होता है। अबित हुते कर के प्राप्त पहुला के प्राप्त के पूर्ण करता के मार्चिक मा मान

ये पूर पर्दे हैं जोतार के प्रदेशों स्कूपन रूप में में पूरण और सिरहारों के पहिले ।

<sup>1. 91</sup> k atr. 1007, 5- 4+ 1

वहरे करते हैं वो सामानिक मुखा की श्रीकर की विज्हों की सीवार ग्रामी कर जिल्हों की सीवार

राज्ये कर पेते हैं सकते. केले हैं स्वर्ण प्रसाद विज्ञानों के जब के

अन्य द स्वयं प्रतार तिन्यात क स्वयं व × × × पर परिवर्तन का तेव स्वयं स्वयंता सार्थे

है बार संदर्श समझ्य का प्रतिकृत होता कियान

कुछ बीहर, जरासार

एनेप्रेस्ट्रे कि स्थान की क्यी पति का पहिंचा अक्टिए काला किया का का

बहु राष्ट्र किये काता है ग्लून वय बाद बाद की राष्ट्रा पर पास्त्री

रीने बाते कुनो कोण" परिचल की एक्टर परिचारण के प्रमाद करें में रिमाल की पास्त बन्द रिमार की है, तिकास के प्रमाद कर जा तीवर वहिंदिया के सुनी है इर अवेदन का की गोयर बना है को अपनी पत्रा है। किये में प्रमाद के बारातर प्रमाद की प्राय स्थित की मात्राम पर सम्माद्य की है। प्रार्थ में अपूर्विय प्रमादकारों है जा पर संस्था की उपनार्थ में प्रमादकार है। "बार माँ में "सीहत से बीर्ड हिस्सा की समझा साथा करना को प्रमाद की पुत्र इस्त्री मोल्य

का अवस्त्रम् बन्दी हुई कियारी हैती है— ''लेक्स्टी ही था गड़ी गर्मका कृत्वारी बादु है तबके लॉक्स अन्यास परण की दोन्स के का दूस-बी

दोष्य में क्या पूरा-वी विकास वसी वितर हता ने बीमा की X X X मूल पूर्वित विकाद ता विकासी

शक्य कात की रहा है वह पून मुख्यात नहीं वह रेड को के कार विकास है

म्ब् बात की पोनी किया बाको रही नकती रही

<sup>1.</sup> ge 8 me, mge, 90 105

make are on it our क प्रांत क्षेत्रों को सक्त बोक्की पते

Par it our mor unit à Selt"

प्रशास्त्रक की अनीत की पासर की की कविता में एकारता इतियोगर होती \$ 1 pour fewery it fix first all source at source sell or git. After selt med की तरह सहुरी है, और पॉलीनकीमों से प्रक्रों का सार्श्यातकक है ही हुए त्रकार से was at softleafe after shall agree prove with an and it are only it : "after

> 'और स्टॉर्स हरने प्रस्तन से भरत कई प्रकार स्थात

इ.सॉ. के कर द्वार

और बाह्य बारी के बारी क्या है।

बहिर संबर्ध में प्रतापन करने की अवदित नहीं एकता. अकार व्यवस्थान संबर्ध के काम क्वारे का और उसी रोवर्ष को विकास कर नहीं वर्तिय आपना का बाद गाएते हैं Still older more b ....

"New Sevent all forces on you list all and some it sever sted from it 1"

इस बंबर्व को जून प्रकृति के पीके बद्धार कर किए बोबर गईर, नरीव्ह अबीव्य का बहुत करता है । यह बहुत की संबदकता बाकाकारी औरतर का संदेत है, जिसे करि क्याप्रत के क्या में अधिकात करता है। माबद की की करिताओं में दिवसे दिवस कर तकर प्रमुख कर से समय है, यह

Restifeer of clinical it need at trees but it, forcest it arrest at aftern world \$ : cl'cleds it wron ever eff, afer unb see ent it for elle yet \$ : "en et evere get" niegt if nie i pet fentfort et renet it geb सरकारी को बीलंड करने का बंधना परिचल के रूप पर बन्ने होकर बिका है। are wit severe each fige wit ill with ware first if

द्ध पता मनिए हो स्था १४१ के मध्यान विशे हैं। git feer oil git,

सारे हैं जबो बोर बिक्ते की--on are abor at 2 for it with at one fig. 613

5. ge 4 me, egg, 50 kg 1

2. gr 8 me, age, go 24 ( 1. etc alle feefer umer en bu :

when other it wis force she come set it arise such stell we'r an arrange of the street many it is some security if they is not add er stage week riscount wit it, other feeligest ab eggs if with mover of ers from the

fefore ever war at allogal it us done it we see also it fo and whereit it means is feet favour affect about it succes of diff. were the fewer at own finisher also amount the four to \$1 mer of assertal it means is fee mer at state of surrection it?

# कवि माधुर के काव्य में जप्रस्तुत योजना का स्वरूप

काम रे जानपूर का प्रकार कर को बीवनन तथा निवस प्रकारकार करने के लिए होता है। कानपूर के शर्मक से मार्थकारित माहत हो नाते है क्या करों मुलिया जा नाते है। यह किस्त बिसी न निवों स्थार के प्रकार का प्रकार कारपीत पूर्वा है। नात्र भीर स्थार का होता है—पान्या (प्राप्त), होने हान

"एंडरिया करी-नावी बाजपूर शिवान के बन पर भी पराचार वारण करता है। सारपूर्त शिवान के मार्थाने जार। हमाना, बन्दा, जानेवा आदि पादान पूरण सम्बंदर को होता विकेत सानके हैं, बाद हो, ऐदे शिक्त प्रमोप को निये जा पत्ते हैं, यो एक के अबिक कर्म का बीचार करते हैं, जादा करता है, ऐसे प्रमोप में, में में मेंने सामा मा होता करता करता होते हैं, तीन कुछ से विकेत सामा पता, इस से मीन सामा मा बीचार करता करता है, हमा हमा है,

तिये जिया प्रस्त सा अपने पाता साति ("") स्त्री सिद्दान जियलका क्योतका का प्रस्तू त्यन है। नवीन अनुसूत्रियों का रूपीन पात्रवीं से अनुसूत्रिया में परणवाड़ीन कायात्री की स्त्रुप्त काल का गौर नी जो जातात्री (एकपात्री) को बोबता की। का द्वित ही जो का प्रस्तु में में प्रमुख्य जियार है। एक पात-सोकारों को मोलस्वीतक पारे हैं। विशे कहीं में में इस विकार माना की सोकात की है, जियार बलीत हम समार से जीता सीका

"ध्याल" के कार्यों दिया करा है। प्रभावता के पार्च में किए मिले हैं—"विस्त बोक्या" कह तर फरिता को सहस्त पूर्व प्राप्नित कुं स्वीति करता तथना यह भागान, विस्त केता पर प्रशासित है। "क्रिके विकार" के किसी को कोप से उत्तर प्रमाप परिची को पेत्रा पर है। का दिया के कि साद है। मुंदर करता है। हैंगा अपने में सुनित परि है। इस दिया के कि साद है। मुद्देश क्या है है। "एसा सर्वेश में सुनित परि सो प्रसिद्ध अस्तिवासों के पहरे के हो साक्षी है, किससा सर्वेश प्रमास में करता

1. wrote defines no make shell to the

#### (m) from from

"Speer is now on other about all records after femous all first and is At start wood A complete it force are and account alt one move in A. Gooks green or an arrive at ground after financial at the goale wife account. part efen treer, efriefe al sone il react mit-feel il afen ar he

New year is farless below about its comes on country it a finalper some over all half or many all few are or alfared over on our over-क्षित् को संस्था भारत का पहल पर प्राथम आ प्रत्य भारत र आगा है। साथ के संस्था भारत की साथ भारत की साथ की साथ स् कोनाम की साथ भारत की सहारकार्य प्रत्यक्रिय है, अर्थीन प्रत्यक्ष साथ अर्थावर साथ अर्थावर स्थाप Sear about my amorting it a family an immense it where around your it is

mit it more may it person allower a fewer-sense or application it is 'विका नोर्वाचे काल 'प्रदेश'' का वर्ताच है । हिस्सी कार्याच्या में कुल्य की के इस्स क्षेत्रिक प्रकृत प्रदेश हुआ और बारल में उठातिक प्रस्त में अवर्वाच कार्या विरोक्त को रहें । कियों में वर्वकाल तह एन विराण और विश्वविकार की सम्बन्धा all after an area year a marche fees in fait our outer test part from the

#### Seas, from an firture profess

street all all arloss as favor-france represents favor france is some \$, pest after at after-afte and \$, aft push com-arrend for \$ : gra'll affire arran formed an auseus form & 1 aven at it ease it form rathal featile at sub &

- (1) was green with favor Person (a) blive few
- (1) Seep age it weers or fine
- (1) बाह्य प्रचलन बारी किया किया
  - ex vide it works foreliday fine schools it...

# (a) dell som Patran----

exhaust which it have at other it in an another other fear it is स्कार को ने दंशों को न्यारत प्रदेशकीय करते क्या करा है कि. "'सहानरण-विकास के

1. Inf and which that it was no 12 9. De ebelet, strept mar, 45 323 1

हिर्मत में मेरे रंतों का बाबार विशेष कर में राग है, कियू में रेपम को बार हाने दंते भी कोड़ों में कारण में दिवार काम काम है। वार्षीय प्रचारों निकार के बारी हिर्मत में बार भी दूरी के काम पाहूं है। तेया का विशास के कि आपनेक नहीं देते हैं। इसेट काम है आपनेका (विशेष हो) ने बाहित है कि आपनेक नहीं देते हैं। होते के किसी करियारों में मेरे पहुँ रोग प्रचित्र के प्रचारिक किया है राग मेरीन होते के किसी करियारों में मेरे पहुँ रोग प्रचीवार को में हिंदी है राग है किया है।

र्रोक्ष प्राप्त को प्राप्तुत को कियो गोबो करते.-के, केवर के सरकों में दिवस तत, तरेने को पहित तर, प्रोपको प्राप्ति में

स्ट्रिके स्थान के पूरा वर रंग है। सीरे क्योगों ने होते से मा मार्टर,

परिचेत पूर्वकर की में मार्वार्थ ' पर्म की बेवर के एंक है ऐसा वह बात को संबंध दोनों कार्य सहुद्धार की है कर-पूर्वकर एवं सात्रकर की एंकेटी को तो विभिन्न किया हो है, जार ही अबर की है बाहाक वर्णोंक करने बात की पूर्वकर वह प्रात्तावकर की बीचाया की भी मंदित कर किया है। अब पंजिस के बादों कर प्रतिकृत का प्रार्थन कर प्रतिकृत कर है।

#### (a) other fee

पर विश्व में प्रमुक्तियों की जरेबा सर्वकारण को हो प्रधानका होती है सर्वकारों की सीवना के कियों को प्रमुख्य सीवक प्रधान विका है। दिवा के बन सीवरों का विश्वम और ने कारावार प्रेस के प्रभाव किया है—

ेंद्र पुश्तित कृष्ण की मेर्ट को बाद की प्रकार साथ स

éfer tese\*\*3 × ×

b. Secrite weekle, stept, 5- 52 1

<sup>1.</sup> Office year may, consec, ecs.e., yo 174 1 2. Office year may, crosses, no 176 1

"मैं केला कर केला हो गढ़ करा स्रोपका

Freet will

पुत्र-बरेश-के पात हुन्हों पर विको अर्था सम्माने कर व्यक्तिक सम्मोने

केर पूर्वाची वर्षा पूर्वाची

को दूर कवार में यूनी था बर बाता । दिश्य क्वी करने वैसी ने बीडी रखें

प्रत्यन क्या बनन क्या में नीजें रहा बात रिकारे रहा बुहुत-पर यह दुस्ता<sup>77</sup> इस सन्दर्द रेंन, रेबस्टों, दर्ग वर्गन्त में बाद्य जारोजायों करियों ने सुपर विकानिकाल क्या है। देन वृत्ते रेक्टाओं का विकास की हराया में विदेश कोजान है।

# (ग) पूर्व रह समुद्रे किन्त विकास

कुई प्राप्ती के सिन्ने अपूर्व काचान भी स्थापना गए अधीनावारी शांचती ने पूर्व के बाइमें डिट्ट अपूर्व जिल्ह है। कुईमा के स्थापन में यह बाबत के लिए पूर्वण दे स्थापना है । अपूर्व भी से बावस में ऐसे लोगों। विश्व अस्तुत निर्म पा वर्कते हैं। वाच प्राप्त में सिन्न अस्तुत निर्म था वर्कते हैं। वाच प्राप्त में सिन्न ---

"कुचने हुए को यक सा है बीव गरर थी, यजहरों का हुने से कहता तथा गाता"

पर पहर-पहन का जांक है, मेलिन बह मीन है, शंकी पौराता को करि में कुमी हुए करे कर के मिलिक स्थित है। मी-नुपोर कर की रांत्र पम जाती है, मैंके हैं, त्यार भी भी की कर करी है। ही सिम्म कुछ राख्य नहीं हो जाता, नवींने 'परा मत' हमन जामें नहीं है।

"सिन्ते पर रोप श्रेष कुट्टा निकास था, जारे क्वारों से मेंडरजी हुई स्ट्रिका" <sup>8</sup>

भाग प्रकार का नक्या है स्थिता " इत्रा इस स्था है, देशिन काम जाते राजों में बंद में सारान स्थापन कर, क्ष्मते अपूर्व का देशर जाताथ पूर्व कुंको जिल्ल का हो निर्माण नहा नाराया ।

## (3) Effen fine

राजुर भी से काम-दिवसों को हुए प्रतिकों के आसार पर श्रीब करों में विका-विकासर करते हैं । दिवस का मुक्त ताल ऐतिया स्वेचन है । प्रान्त राजविकास करों ने

1. florois stellé, styr. 2+ 8 i

3. mar arms, 4- 144 :

1. mgr, conge, 9+ 129

anar करते में बच्चा है "बर्ज विकास करो सार्वत है की पानों के अन्यवस्थित हो जिसके

(w) Suffer Som

# (e) see-fer-

ero-feel it gege teen gegt on all all modifier out with after बारक-रिक्तों की भी सुनिव मनते हैं। कामूच दिएक स्थिते अदिक कामना एवं स्टेडन uff mant eine guer er eine ift eber unte ebm !

"हरवडुकी हमा दिन प्रकर full mer ner ult

plu upod fer sk क्रीता कार्यों के हार क्षेत्र ने

winer, ber, fach aller von an aummer, ger after gadt is murber is eine बर हमर बसाय हो जार है। बारर की ताल विहों को तालर किए का मराज्यकी मीला क्रिक्स सम्बद्ध दिल्ल है । और दिसांत की साम वर्ण की क्रिक्स के तार नाजी करिया

(कृती) की प्रकृतन सन्तर की नक्षेत्र स्थानिक के कर दें विकेश निका नका है ! "excess at soft of the ex-

after mid-our part & भीत हार्र के फाले कर है

हर बाजरें के हुए बोले के तार बनो हुई बारी क्यारों ने बहुए की

की क्षेत्र को उसी बहुद बाही है estable yes atr à mi de tar à se si "

क्षीय कार्रे कुई शत्य नासका, संबंधे को गांचे, कम समय एवं पानाची वर कार्य हुई रोक्सी के बाद माने कार्यर के क्षित्र रार्थिक में प्रति के मानिक अपूर को देखी है क्रमा गर्नका किया है । जो सारे पानि का बोले को बाद कराना से, यह से कुछ-पूछ क्षात हो जाने के बारण मुंबी हो गए है, जो ऐसे काले हैं जानी प्राची नामी पार्ट पत

<sup>1.</sup> undiscu wil, erens, 5444, 2+ 3541

<sup>9.</sup> ge & me, 4745, 50 97 1 t. felien gunt ergt, menne, go the i

are made in such as such it such it such as wife is fine all this is record in branch permit per and ar anadaru all til Day 8

"ted'or so years when

इस्ते क्लेन्स्ती

and figh us five and One are from

manufacturer with the

tie fiere en and

and the property

"Then the the three disease." print are at one as fewer solt in fink offe it adapt to feed at रिकेश्या द्वारा दीतों से अवस्थाती साठी का पूर्व विश्व रिवरित किया है ।

"be fennt, une, ein-eine ft jeft, बर किर्मा काली बारों कर के पूर्वों पर and speak the week is now with

वर्गे, सबियों, पूर्वो-कुरों के प्रोत्कृतों को <sup>क</sup> कहें पर भारती काली एवं पायन करती कियाओं से की नेती के करक काले मारेत की यूर्त प्रमुत हो काती है । दशके महिरीयत स्थापन और चीर ऐन सी माहि Salve alt de Brail de mone some aur 100 ft ; most and fessile ill see entress करण राज के जातिक एवं बीर करण सक्तमा के अवीत्क होते के कारण सबके बसके का

# क्षत्र को प्रकास हो जाता है । (क) सक्त दिन्ह

प्रदेश दिश्य कर शामाण राष्ट्रिया के होता है । ऐसे बिल्मों में सुरूप स्थिती ह सहर-दश्रातों को सम्बन्धद्व विना काता है । यंत्रीत का प्राप्त होने के बारण असीतो of married of trees and it more it after once at \$1 footicies that I feer our I tubert until al start à let ein de au su afe

> \$71 \$1 \$000 \$1500 क्षीट्रों की कंक्से पर

प्रथ के शाम, निर्देशन कुमार पासूर, पु॰ प्रथे । v. feftyg wars week, greened, no had i

als to dist areas?"

"ton-on and Repli \$10 share he work for and and his is

wholes at it wife any site?

see it at six bent it it on it it beenfrand tot as it on.

war it progressed with "fe" "e" orient out "fall" over all strade erm and elen enper most feve page floor & :

#### (e) and four

and four as also real and real real rate it arrang also much swelver. Suffr also & 1 family so we made first air fathy arm at arrow fear anne. \$ 1 wast all all on aftern an warster recent \$--"हेक्स की प्राचीनी हाती की क्यान

mail all are final all the manuar it sit men, et ann it dail er

ale an used safer from all mit nes-ér\*\*

कारों को दार वर्ष बेक्स की दानों पई दोनों में दो नाई का बाना-दाना राज है। बार्स को पूर में देवल को वह में कार्न को सकरता निकास है। riseration and white code

ng troit feam four & see fed st ...

skell cash of granes."

affe it most bu-fone it mediese feel all appear all time it out à tem feur à : bur à est di aboun oi forest doi à ; so sept करि ने देखन की व्यक्तिक संपूर्णन द्वारा तकने पोतानी दिनों के तुक्त करते को क्रीवwas feet 2 :

#### (4) rang upo fene

इस एकार के विकास कार को को सर्वकारनों में बात सामा से विकास है । इस

<sup>ी.</sup> विरिक्त कुमार कानूर, प्रत के प्राप, १० वस । 2. feften gent mejt, arenne, go 154 i

E. Peller gert empt, erreine, g. 1821

v. River were speed arrests, to talk I

# क्षप्रहात स्थल है... "येथी किसी सी मातारी चीरतें"

चीरों किरते के उसेन से सार्वता के बात हो एक किरता की भी अपूर्ण एक किरते के उसेन हैं।

# (a) Beauting it source or

(a) years for

र्शन ने प्राप्तरिक दश्मों को भी किसों में कारण है। "बालन की पात" ने

क्षताबरण का विस्ता विकास सेवार स्थार स्थारतीक है --''दोड़ी विकास नेकी बाली क्षीदर की दोवार

कादुर कर दुवार ब्रीडक्स वस्त्रक सुकारन कुस नद्वरियों बार

पर-कुर्यान कुब स्थान के प्रच्यार ही सबसे मानते पत्र मुम्मूटी बार मी<sup>11</sup> इस दिवार के निर्माण में स्थार पूर्व मानि जादि को प्रोपका का नाहुई जोन है। अंत्रान तीन में दिवार की दुविंग के स्कृति नाटन कर बिन्न को समित ताल स्थार की है

क्रांक्य रहेंच में दिवा की चुंदि ने व्यक्ति पान पर क्रिक्त को अधित कार मध्य है है। पानि के मन्तिर स्वरूप में पुत्रते हुए प्रणामा का दिव्य उपराचनारी अधियों की विश्व प्रस्ता है—

"बुडी एक मा नी संबंधि सहर बड़ी करण है, हुए के देशा कोड़ी के देशों करण इनका-कमा मोट जिसकार करण होता

न्दर को गर्जी ताला हुएँ तक पहुंची है।""
"क्वार की दूरने केपहुंचे" का निरम निरम पंत्रिकों में अनुस हुआ है—
"क्वार की क्वार प्रस्ता

क्षेत्र गरीक्षेत्रे, वर्षे के स्ववर्ते में, देव दूरम विभवता, विश् दूर गावा वर्षे के स्ववाद सम्बद्ध केंग्रा

पर र मुख्यान जानव अंतर्थ हैं"" पर्य के कुम्बान जानव के लेको है, बढ़ी रही है, यूनी वारी बादि के वर्णन

• Sifes part part par air finite to all

2. Refres gent enge, ger in met, ger 1-4 1 2. Refres gent enge, ger in met, ger 1-4 1

a. Select gent angs, another, go 50x 1 y. Select gent angs, enough, go 522 1 ने विरायम्बदार प्रमुप्त ने दंशकुरी के सार्वाच्य वात को विशिष्ण विशा है, क्योंक हाई के प्रमुप्त स्कूप्त दोस्कृते में करों के सहद नहीं विश्वती । (4) ओप्टॉब्स किया

#### t) simes

सन्दर को से शिंद पूर्वानों पर की को है। यन-वन पीर्यांकर तकों को इन्होंने करते दिल्यों दान्य पान्ट किया है— "विन्य पान्न का होगी वा तुम्क इन करता पन्या में नावा""

## (n) biligation fore

defen fest is nert gi Vfaplise fest et dez et erzbu qu t : "en best fosse fore it van fest ab

क्षेत्रे पहुले क्यों प्रकारक बाले केले किर करना होते में कावश् मेलू-का प्रेडबर, क्या के बीटा के तोने हुआ की उनावेद कार्यकों लीवा करने के पहुले किरा राहू दिखी थी, क्षेत्र कर कर्यों प्रकारीय की उनावेद्यों

क्रीस नर्थ तक एथे एजस्त्रीय की तक्षीरण के व्यक्ति है। कर्मक की होता दूस समझा के पास्त्री तथ एवं परिवर्शक रोजार समान बच्चा को कोत्वार करने की स्थान कराते हैं। दिवसे प्रति के नात में प्रीवर्श में वे गौरूर बुद्ध तथ नर्थ में। यह ऐतिहासिक समझा का सहा हो पुरूप दिवस कर दहा है।

#### (w) was sever sight firm

रिश्य मोगन के न्याराधी से पहल क्षित्र को दूसरे सम्बद्ध से में किया है, की दिए मीत वित्य में अपन-मेजावर्ष को काम मात्रे हैं। अपन-मात्राधी की सार्धीय में प्रधानी मीत मात्राव्य देशों में मूर्ध का प्रधान कर मात्रिक मिलान में प्रधानी मीत मात्राव्य हैं। वित्यों को संस्था में सार्विक्त में नेती नीति का निस्स हराम

"एवं किराई की क्षेत्रा में क्षेत्र परियों की ने कहें क्षेत्र करी करकार करेगे?"

<sup>.</sup> विरित्त कुमार राष्ट्र, ताल और शिक्षेत, हु - ७४ ।

<sup>5.</sup> Rifert gert eret, conner, go 1/6-go 1 b. Rifert sent eret, conner, so 133 1

क्षेत्र में विकास के प्रथम पालिका प्रमुख के बारण सीच् 10के पूर है जेतिक

प्रतक्षे हुएक की राहित को प्रकार तेया गाँव तह रहे हैं। सरका के जाता, एवं पुरवारों हुआ के पारते पर प्रतिकों की विश्वित्त हों। तिसीत क्षेत्र आही है। प्रणान की राजों पूर्व पहुंचता पह पहुंचत तिले प्रीतका के पार की प्रवेचत

करते हैं। बाहर से वं प्राप्ती में एक देश दिन क्षेत्र — "बीम फो पुरा-हमें करते दुरा-हमें बिहुबर को राजी की उन्हों उन्हों करते

संके कोरे कुरे हुने बाली करते हैं ऐस रहे दिखने रंतीय बिनार की वर्णे कीर की वासितर में कही की विकास

की अपने के है कीके की माई''' इस क्ष्म प्रदारक विको किया को निर्देश का अंबर है—

"श्रीक्य में दिन सीती किरात है चेंद्र की शावितों कीती सकीर की

पटार की शुक्रेका गोणी की आंही में कोडों में, अर्थकों में

कृती है, हुए नहीं दूर की रेक्सी-रेक्सी कड़िं<sup>-1</sup>

प्रश्न क्षम्बन्धो संबंध संस्था न नामिक स्टूपुटियों का उपलब्धार्थ किया प्राप्त की के काम में जानामा होता है। एक सामान सुध्य पन निर्मात का विका विका

कुत्रुवाहर की करी पट्ट पर्द पाकर

नहीं रिक्सी मंत्री केंद्र से कारा को जीवते पर करा कर विचटकर पर क्या

सुरा कहें" हैं सुद्र किसी को एकता बज़ों में की कीट ने अधिका का चरित्रण दिया है। एक-

एक पंक्रि में दिव्या के प्रभोग ने पात्रकार था तथा है— 1. विदिश्य क्ष्मार मानार, सारकाल, ३० ११६ ।

s. feiter gare ange, est alle feele, qu 111 :

"श्रेष्ठ हो ज्यान करे बनती नकात।" प्रार्थे कराड़ी प्रशास का शिक्ष विकास करता है ।

क्रांत के ब्रिजनीवाल में विकास के डीओं पूर्ण पति पाति हैं।

(n) feet of server (a) minera of water

a) weeken t

t) agén 1

पूर्ण अर्थानंत्र दिन्य नियम नामा है । योग-नामित्र गरिन, यह, नवही भा वाम, प्रावको अर्थि । "मेवर्ड" मेर "मेर "मार निर्मान" हो मिल्याने हैं अर्थ प्राप्त-वाम निर्मान मार जानपूर्ण है । बाध कर में नाम नामा है जिल्हा कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप है । पहुरू में के बाध में नामें अपन्त में निर्माणियों हैं। बाहुद की भी निरम-नीमार में नामा में हैं। अर्थन का बाद मार मार्गीन की हैं।

"रिरिया दुसार के तथा संकार स्वास्थ्य के कुथ-मोला जा-यह एक्ट्रेस्ट्रिय किसी है को हुई है, जबने साम-नेवार सा गोक्स एक हैने हाझ, मान्य, हिराइन, सुक्रोंने के सान-नेवार ने तोंदू हुई और अंडीन इन्हिले से हिस्स पर हिन्दुओं से हुआ था। जाने है यह पैका-नेवारण मा पूर्व उपयोग मान्ये हुए को कार्यक स्वास्थ्यों के दिस्स हैका रहें।

#### (er) softer floore

सर्विष्यांका को वेडिकारा उस्तीय है। अनोन कम जीठ-१-६४ से विश्वत कुछ है, जिल्ला जर्म है, जर्मा जोर कुछ कुछ। "जिन्नीम करन का उस्तीर कम उपर कर उस्त करन कोचर राष्ट्र में किने किया जाता है, "में कियो शहरू, अरोपर वा सक्तुत विश्व मा जीविष्यात जरूने काम माने जायुक्त के स्टार करती है।""

"अंभी कर, पूर्ण, अंभी या विशेषाओं के शाहरू एवं अध्यक्षा के शाहर पर नीई गयू या अर्थ नियो प्रध्यक्षा साहु, परा-किस्स, विशा-कारा, रेस, व्यक्ति, नेपार्थ नार्स कर प्रवित्तिक्ष करता हुना त्रका किसा स्थान है, तर यह प्रतीत सह-

नारं निकार में सिता कर उस्तेन अस्ति है, जार नक्षेत्र जाति हों का उस्तेन तरी बरिता की मुख्य मुर्जुल हैं। त्यावालावा अदेशी को ओक-ओक्ट से ही तेवा बता है, जिल्ला मार्जियों ने को बता की आवितार्थित के वीचा मुक्तम्य की स्ति किंद्र आवेशी का कान्त्रात किंद्र है, जिल्ली कर्त की आविता में बता पहले हैं। नक्षी कींत्र आवेशी का कान्त्रात क्षित्र हैं। जिल्ली कर्त की आविता में बता करने की

माइटिक दिलो करिया को मुख्य प्रातिकों, शाक वर्षक, पुत्र १३३ ।

<sup>3.</sup> Spell erfeje eine, uveren ann erme, undt, go und 1 3. momente, ein mehre fort de nam 1

"श्रीते, मेरे मोर एक परिचित्र राजरे में पूर्वत वाते जाके करवानों के स्वास पर समु-मन्द के समझ किसकारों को उसरे (क्षो क्षीतर में) नकी उर्देशन विश्वत के दूसर रही प्रकृत किस है। उन्होंक करता की कोन पूरत प्रश्नितरों के में उसते हैं। देवेंक कोन भी की बाते बोटी कोने करवानों के स्वास्तान और कोने

के साम-विकार की बहुदिकारों किया है। "जिल्ला है। वे उन्होंन पूछा बाब को बहुंग कहार को के बाज में अपनेत्रों का विकास है। वे उन्होंन पूछा बाब को बहुंग करें में पूछा है। वाले बाजा में उन्होंने के जिल्ला अर्थन करते हैं। पूछ प्रतिक बोक्सीका होते हैं, परमायाना को है, यह बावलीका सर्वाताता, अर्थनाता करती ।

# (1) simple sele

> "निरुपे हुवी-हुवी लेखकी, बराग-पण प्रतिन्दे श्रीकार से मीच थी"" इसे प्रकार (विश्व) को करणाव्यक्ती मानवा के का से साला है। "स्विती व्यक्ते का विषय-सुन्दर मुज्यिक्ट है। परस्त जाता है सीमोने प्रीकृत्यों पर स्वेता विकास भी स्वर्णित वा था"।

# (1) Marke wire

सपुर वो को स्थिपानों में ऐतिहारिक जोगों वा जाइर गयोग इस है। बारपोद प्रीवृत्ति में परिच को अपने कमान बोद वृद्धा के किने प्रविद्ध है। को जर्म की अधिकाति के दिन्द कि में दिन्द गोंडियों में अप ऐतिहारिक करीन का अपने किन मे...

''आपण का पुत्र पहुंच बरावा करियों में बरेबी नवार के कुछ परे पेरों में'' कबि से क्षेत्रिया और स्वापनाता के सीवार्तक सरीकों से द्वारा बरा<del>व विशे</del>ष

<sup>1.</sup> gm ft ust (mirat), felfen gurt unge, go 11 1

२. बाध और निर्माण, माहुर, पुरु १९२। ३. पुरु में बार, माहुर, तुरु ४१। ४. पुरु में बार, सम्बद्ध, १० छ।

के तहां जांच्यु सर्ववर्धास्य केम में विद्या हो माने की बात कही है— "पास ब्रीहिट्र विराहे कृतिका में

# (1) declar who

चेनानिक उद्योग पोरानिक क्यांगी पर सामाणित होते हैं। इस पोरानिक मार्चिनों में सामार पर नाम के पूर्व कोम को मानिकाल करने का स्पात हिमा तथा है। विभाविताल पंजिसों में साहुत की ने साम की संकृतक शामित्रों के अपूर-संकृति का मीर प्रात्माना को लोगों में पोरानिक प्रतिकृत किया में का मानिकाल किया है।

' कर जन्म को चाहिये कुलवारियाँ हो पत्ती कर बहु को देवारियाँ

दित बच-बीटा बताई मा पूर्व

किर सबुर बस्तुति सराई का पहें?" -किया को परित्र पास्ता के बहुत करते के किये पासूर को ने "एका" के

भीवारिक स्थाप को संभावता को की है— "तिक वारा का हानों का हुम

कि करात पता न काला " किम्मिकित एवं अन्य क्षेत्रहरूत में "चंत्र व दुर्वोत्तर" को आहुएँ। अपूर्वात्री के अक्षेत्र कर्ग में और एक, कुम्म तथा शीवन आदि वो आवश्यात्राची व्यक्तियाँ

ने उठीन को में तर राम, इन्स तथा पीठन वादि को वायवतायानी व्हरितक प्रकृतियों के क्या में मात दिला राम है— "विकास के पीजा राम

"नेतिकता के शेरव पर को बंध दुर्वोक्षर

. . .

# (४) परामरामा प्रतीक

राज्याका प्रवेष वे अलेक हैं, वो बहुत सबब पहले क्यों से रबसाओं है

- 1. नार शेर स्थित, राष्ट्रा, पूर १०७ ।
- रे. कुर के बहर, सबूद, रू० वरे । है. नेम्द्र और निर्माण, समूद्र, ६० वर्ष ।
- e. 34 g and male to the 1

बात, तनार, तीन, वादि वे वा में उपक्षक है। धी प्रसार के व्यविता प्रतीक विधितायों और मंत्रियों पर तकार व्यक्ति किन्तों है। यातुर ती के बान्त में इस उनार में प्रतीक बार-तम विकार कुर हैं—

"65 nit entre mit für alt flieb ein fich fi

# (a) softens softe

(६) स्वास्त्रस्य जातन म्हित्तात उत्तेत्र में होते हैं विकास बीचा करूपा करि की तिनों अनुसूति मीट देख्या में पहुता है, और दांत्री के विकासक करने के नित्त कर विविध्य उत्तर में प्रतिकृति की करूपा कामत है। अनुसूत्रिक करियों को एक्टर में व्यक्तिक प्रतिकृति में

है। आदिका रहता है। सहुर को के बाज में देवितक बावना पूर्व कर के पुत्रशित हुई है, जा: अधिका प्रदेशों का प्रदेश होना सामानिक है—

ंधार बन विश्वर का रेग्र । बीट बीव करते में कर में

बोदि दोन सकते में कन में बिटते तबते बोसन में

पर शरकारी साथे सामाप---विका हो क्षोत्र को सोजार में

त्यर हा छात्र गर नामत ग कर की करह ज्यान ही बरसी

हमा जार के बहु बाकर में " अंतर विश्वाप की ट्रॉन्ट में तमें अरोशों का अरोश किया जा है—येर-जासा

का प्रतिक, राव--पेश को शांत का, कार--बोडकार, प्रवेशका का प्रतिक, स्वास कथा, पुत्र का, सार--पुत्र का स्वतिक, राव--पुत्र का स्वतिक से ।

"reful is shit uses it,

मोदू कारत के शतु कर पर भा भारत तुब जान करा ही बार होते कारती है एक प्राप्त

#### (t) derfen pela

विकास की उपक्रि के कारण सामान्य सामार ही नहीं करने की उपने कार्यान हुए किए न रहा । को कांग्यों में सामुद को ने कारण में मेशकित आहेगी का सहारा किया कहा है। बहुत के कारणे कीनां-दोस के विन्हु अपूर्ति नेकार्यना आहेगी का

६. इत में कार, सामृद, हुर २१ । १. क्षता मह क्षता कर, सामृद, हुर १८ ।

1. SER DE DE PO, SEET, 2+ 14 1. SEET, SEET | ৰাম্য নিয়া है। নয় বা কথুলি ইয়াৰে কলি ন মান্ত দল ন নকৰ কিয়া है— ''ভিনু নাই চিন সভা কৰি ল বাকিক মধ্যৰ বা

तर का देखा रको ताते जोति स्मृत का क्षु का तार रजतेको सम्बद्ध का "' "स्टीटे" सम्बद्ध कोला में है कियो है...

"स्टब और उत्कर कर है एक्सची पहले के कर दे कहा की की सुद्धि सार की केवल डिपॉडियर कर फेरा"

रही एरम, क्यूनर मर, मारि वैज्ञानिक क्रांकरणों जा प्रशेष की में उत्तीव कर में किया है। वैज्ञानिक प्रवृति से तिथा उत्तर काल-बेल में परिवर्तन हुआ है, यह क्यूनर विजित्य प्रयोग है।

बहु के रिपूर्ण के हरूब पर की नेपार जान तम विद्यारों में राजार जार्थक रहा है किन्दु बाहुक्ति पूर्ण विकास का हुए है हता राजपूर की में ईपरा की प्राप्त, सकार वा रिपूर्णकर के बन में अवस्थित नहीं किया है। वाचूनि समादि राजह की राज्य के कार्यक का में पाह जिया है—

वर्गीत का प्रथम कहर हुए नेग्री है किया कह का क्षेत्र को है किया कह का करण हुए का है (""

#### (a) the take a disk or work

"कृते वा दुवला" मीर "पित्रक की काल" कानि वायुर की की दुछ हैते सर्विदार है, दिल्लों कीव नामना की जीवनांत्रि के लिये प्रतिकृत प्रदेशों को मानवात का है। "मूझे का दुवला" का क्षेत्रा में करिय के किलन को काम की उन्होंने कर में नियम नहीं किया, पूछी के दुवले के जावकर के कांत्रि में नवार्य कीवन की बाता और सम्मानों के स्मूत पूर्वत का जो का नहीं नियम जीवन कर दिला है।

"पितन को साथ" करिया में संबंधिक विकल दाना अधिका-मानामा कर क्षेत्र केया है। साथों विना प्रेरिक सर्वाक्त के सर्वाक्त करियान मानामा कर

1. gr 8 ser, ergt, p. to 1

- t. ur it me, uge, go to i
- 1. 10 % mr. 1707, 2+ 44 1

"कही रेडिका के लंबी की सामार्ग के कीड़ी का बहु सुरक्ता जिल्ला का कही रेडिका की सामी काल है.

Ang on the des has done at any,

क्षेत्र में हर जह कहा तकते हैं कि वालूर को की एकताओं में समानत करी इसार के गरीनों पर प्रतीन स्थापन कर पर किया पता है। उरपीय जीत के परि होने के सरप्त देशांकित अरोकों का इसी बाहुसर है। गरी गरीकों के अर्थक में विकासित

"येर क्रिकों के तिरांता को ओर जारा जा-प्रतिकार सरियों को नेकार जावन है, इस्त्रीकों नहीं सर्वका कोओं को हरिय में बहुत पहुंच है। तेन्यू मात्रिकर सीरिकरण के सराम इस्त्रीकों के अक्सानारों है, जो पहला परिचार मा अभाव है। तिन्यू मी मार्टिक साम्बद्धिक से पूर्व को, जाने पारस्कीर में पूर्व स्वापना निकार है। तिन्यू मी मार्टिक साम्बद्धिक से पूर्व को, जाने पारस्कीर में पूर्व स्वापना निकार निकार है।

# (व) सावस्य बोजना

"कार नात में प्राप्त किया मानिकार में बोल ने मिने एवं पहार्यों कार है। एक बादू भी बाती सुमाने हैं, बाते हाए नते नारीवार्ध बहु का की कारत प्राप्त-कारत का बोल है। प्राप्त किया के एक वाही पहेंच के सामा एक और भी पहेंच है। यह है "एक बात की जारत की सामानिकार्ध का साम-सार कोई का कीरों का बेनीवार।

शहरूर देविका और सोडिंग दोनों भी एस तान तत्त्वता कारी कारा एक हाराव कर तान है। सहस्य का नवें एक तान तिकारे ना नव है। जाएक सिका के पीर्थ है उनका होटि भी करते कही हिसेक्टा कहा है कि वह नाजन नीवल को सार्ववेदर वेतर मा जब नीवल है किन नहीं विकारों ।"

प्राथम निवाद में हिन्दार पेये दूर यह सम्बाद क्यां मार्थ्य है। सहस्य के स्वीत है। है है पर की किया है जो है। है पर क्यां है जो है। उन्हें मार्थ्य है अपने हैं स्वात स्वात है। के स्वीत के सार्थ्य है जा है। है जो है। जो है। जो हमार्थ्य है जा है। है जी है। जो हमार्थ्य हमार्थ्य है। जो हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ्य हमार्थ हम

<sup>1.</sup> HER HIT FINITE, MINE, 2+ KILL

<sup>1.</sup> Spil and it street and sale, she should street, 20 all 1 a clifforn and Sanfrare for 1

क्या हो सामन में करण और क्या में देत है. एवड़ नशरह का है इन डीक्टें में स्तरीन है, तथा आप आरोपित है। बही करता दार्बंद होयो, बडी सदय । सरका Come is not all heavy property in the come in some in order an order and

process if annual figures in sources in one state Galler terr. In comp. No. after \$ 1 person or more our \$ now or move all soldly it the much \$ 1. afte grebt mer me arrange. It famely weredt bener it afte feinen waren it --

but and only after our his 'ange: expen fextre it gree foult all ang it selecter word ar effeto as il moderni di una mar deri è i menti diseri ar anti sen

If here some some it fig me spech uses or overer some ergod is seen an eventures are bit it. favor years officest police on over our it, of on many of while is gree on extens on it greit and it e''. शाहक विकास बार प्रकार के दुन्तों से संशोधित को स्कार है।

surface of house on busin (e) (v) and or od it my salms

(६) वर्ष का वर्ष के कुछ संक्षेत्रन

(v) वर्त का अवर्त के साम संशेषक ।

सारों उत्पर की प्रवाल गोवना ने प्रशासन का प्रधार है :---

# (1) soyd er oogt it eister

(ac) famely arts such at south to fine on each fed

rell mes nim nich beil is wert d 450 gfreit)-wee or great it ."

बरमी के पुस्तान विशे वा 1<sup>3</sup>

<sup>1.</sup> Off-Pears, as- President Dec 1 1. at 8 atr, 1991, 9-11

t. ess alle foule, sage, go 11 i

नार नामा का वह नमा ।' भीर का नाम के तकार जवारक वह भारत कहा ही गाविक है। इस उपनात में इकार सामा और वर्षताच्या है।

(१) अपूर्व का पूर्व के तार अंग्रेसन

(क) हरती वाची मनेको व्यो मनेको सहर माकर

हर सकी करती रह ।' अर अन्या बहर सकर

(w) वर्ष और व्यवसी बहु को सेक्सर्व की व्

Q1 detect d11"

(4) पूर्व का पूर्व के बाद अंग्रेसन (4) का विकास के बार्ट का सीव सोस्का (\*

(क) नाम विकास है वही वा चौद गीतक × × ×

(क) देव नहीं पह समी कोकोर विभाग्य हो ।"

(४) मार्थे को योगाई केला यह सामार का मीतन सामा ।\*

(4) glace wite star ((44) ex 1\* × × ×

(v) कुर्र का क्यूर्त के साथ संदोधन

(e) वहीं हरेस वसीचर दे दिन

1. special per ex. sect (

९. क्रांश स्त्र क्रूप सन्, साकुर । ९. क्रूप से शान, नातुर, नुः १५ ।

1. fenrie werft, eigt, 2+ 16 :

थ. युर हे बार, शसूर, हु- रेरे ।

६. विकार्यक कारतीये, सामृद, पुरू २०। ६. कुर के सार, सामृद, पुरू ६३।

u. श्राम वर कुल कर, वासूर, पुर वर ।

```
more of week of more det at
```

× × ×

रुपर है कि पहल की में बर्फ्यायन प्रस्कारों के एक्ट पर अधिक श्रांक के executive state one water is proposed as next floor it a ray concer share & reference of the second section of the second section of the sec के बांद के क्यों के राज्या मा राज्या की बीच की है जिस्सा पारते प्रस्तवारों का दर्जन की करू ers aren b : averes al rifer à wie à serse è ser perces sen en b orb - 3 fee

1) faster poor

(a) drofes press

(v) bisples were

(v) referefer reson (5) every dies it ofte pour I

(1) everyor següre weest क्षेत्रों और नेपी के संबंध कावार कार्य और पूजाब का प्रजीप । मंत्री में क्षित्री के तिके "क्यारार की करी" का अलेक कार्यक और अर्थक है । वसी क्यार "सेन were an interest it were defined in which are prouper all a profess after proofing

परम्बराज्य प्राणीन प्रत्यानों का वादियों ने तथा प्राप्तेत्र भी विका है । बाबर of gree sages "men man" or got users and and get ant-ning it many av बारवी के किए "बारे बारा" और "जावून के रंग" वर प्रवसन कार्यव है---

"400 even à 100 mon eure में फिटरी की रूप दी शीक्षे इसर्व

वे अलून के एंच को बीकी बराई cult as not \$ over all supplied. बालूर कारी हुए। जातीय भी तथबा तत्त्वम अस्त से देते हैं । बारार-प्रकार से वह चूह समय पता सा उन्नवेश

भी भीनो क्या है, जारों कभी क्षेत्र है, जाका साम प्राथमिक के अधिक के है... 'ते पर भी प्रमुख

1. He she finder, more to the a 5. 20 % apr. 4947, 4+ 20 1 for you feet the about."

"बारन की राज" सम्बन्ध करिया के सम्बन्ध प्रत्यान बाइतिक केंद्र के हुईज़ है। इसी प्रत्यार "कार" नामक करिया में स्थानकार और मुक्ति की क्रांस स्थान स्थान से वर्ष है—"क्या हम की क्ष्रत का सम्बन्ध है।" इसा की स्थार का उपस्तान प्रात्येत

भीर अपूर्व होते हुए भी उपनेश के बाल नहींने हैं। भेते हवा भी खुद जाताद होती है यह किसी का केवर नहीं पात्रतों, हैरे ही बात भी सामान और क्यान रहित है। बहु तहर भी उपह अभीग्द लगा भी और खाता है।

शन्त प्रदाहरण :—(१) आहु पालवा की सरकार्यका की समय गरे ।

X X :

सुरात के दुवने का जोड़ बच्चाची की

भीत पर कियों गर्रात । । भावता की कहा प्रकारका के कारण कोता परि गुर्वित्वत बहुता बता ही वर्षित कीर सामर्थित है। हुएरे प्रयासकी कित्रकार मेंद्र अपनामी की राजकर प्रवेश होने कोता मात्रि की प्रयास मुख्या के दी गई है। वह वर्ष नामन पर सामर्गित प्रवास करना है। बहुत में मार्गुत कोता के किद हुएं कारण कार हुयारे में हुई में मिन्द हुएं कारण करता है।

(a) derive seems

(क) हुटी हुई देव की हुटी-पूर्वी केंद्रे कर्तर दर्शनिक प्रकारों में बाटने हुए बकार 1<sup>5</sup>

X X X X
(a) सीने क्यो सकतोर व्यक्ति वी प्रणी विकारती पाते काती है सेव जिन्हों को पातिक से बीने

केरी है कीने की करना विश्वकता है।"

प्रतामे कर, समूद, पुर १४४।
 प्रतामे कर, सम्बद्ध।

Invirtu world, arec. 0 - 10 1
 Farris world, save. 0 - 11 1

Complex and Control of security selfs on only on much such & के क्षेत्र प्रोतीक्षीकों को जनगरमा के कारण सकी बाली ही दिवसता मा प्रक b a ware of its possess softe scender of references if one; over the E o

# (६) संगतिक प्रचल

बांत बारट ने शोधांतव प्रवेधों और पानों का प्रवेश क्षप्रमानों के कर में किया \$ : "Secreta wealth" of "any" more referrit until "any a find when checken records all some alternation of \$1,10000 is such in fact all firmye nor such shift it this suche are it effect it first it ditt all-

```
"west & sen of us by funerit ....
feel of our men arrive are it
afear sent
```

and it became the stand or erend four at my set are?

webs refere via site issue it out costs power \$ 1 and out also efrom all most it. after early after offerent after producer it sharfers all a enery it a se at my son it-"ass at any it are at feet atest sport". an "an" meer feme men it i morre) at greet it fieb "an" meere errer it aus all saw son it :

रोपांच्य प्रकारों से असेसी की रेक्षरे के जिसे मानूर की की "रूकों क्रिकen" with race & : accordi-

42 101 579-51 46 91

for 10 and we get " कटका को सहस, प्रथम का संब, रंपमी काम की पंच कदान पाट और उसकी

which should be should now ab more on such shooking majors his (v) Mapfee over बाह्य की ने दिन्हाड़िक कामानों का बात हो बार्गक अपोप किया है। के

क्कान प्रतिमें से कर में अनुस्त है, प्रवाहता अपना है-1. Sperig wealth, were, no 21-25 I

t. go b mer, wast, an new r

MERC HINT B कोशे करते हैं

(a) effectes pour

"go vier teat

ever femm offer givit चीरचे होचे न वर्षातीर for we give a sixth."

\* X X en it un it reet fir it

रिल्को प्रकार-प्रकार कार्र कियों हुई है स्वतिक से ओर ओर के<sup>-5</sup> वे देखील करना करिनमा और सनना भी भारता को क्वारों है।

(6) sterry show it sales proved

storm stars in Supremit it at safe it recent at athers at it. 44

"पानी विकास करती की जीनी जाती पर. बद्द पाता बद्द पर्योप पर. with it offell or each of shad it see sees."

इते यस वी इतियो "कार करो से पहारंग

en front som 1. 17 8 str. 495, 7+ 11 1

v. au 8 mv. regr. 90 un 1 b. ge it me, eige, ge unt ! u. mur afte fembe mmer no 40 i

#### क्षेत्र सा भूगम हो जाता क्षेत्र और में स्टेंडर (\*)

प्रार्थ्य प्रमानों ने नीतिया "तुर्वानों की बोन", "माने नोने देशा नर" "स्टेंड की नेता मोटा नोटी, "मिनी हुई माने का कुमार्थ", "मेट्रे की बार केंद्र प्रार्थ", "पानी मार के कुछ ने हुन्दे नेता जिन्हें", मानि बहुत मीर नुमार कर-सार्थ की मोना भी हैं।

पहुर को ने क्षप्रमां क्या निकेशों ने व्यक्तिक अनेकरों हात को अपने बाज नो अनंबत निवार है। जारवीकरण का एक प्रदाहत देखिए, दिवलें चौठतें को का आवश्रिक तारों ने पर में निवित्त निवा नवा है—

# "लोकोर मध्यम पूर्व

कारण शांकार का प्रयोग को कवि ने कही-कहीं किया है : वरका का एक कुथर कार्युक्त तिकर "त्रव" को जनश सकेन्द्र से दी वर्ष है—

"विशिष्ट पहु है बाज जारे को बानेन्द्र बोर शास्त्र थे इस साहि पाँ एक वीर है

ment region as an annual.... ment region as an annual..... ment region and de risk at

"soung will it for from got when or you mon"."

(specify forwards it or

प्राप्तृत विशेषक से एक्स है कि प्राप्तृत की में प्रमान स्थापक प्राप्तात प्राप्तात है। प्राप्ते प्रश्नेत से सामग्रीकिया और प्राप्तिक है। प्राप्ते प्रश्नेत से सामग्रीक सामग्रीक सामग्री का प्राप्त है।

#### (v) yaz saler finere

कारणा त्यांपरीका को समूर थे। ने बेस्तरिक इंटि ये रूपन करने का प्रथम किया। ''स्वीर कर्त सार्थ में होने को है, यह बहुतर ही महादित करों में की राजेब्द्रा किया गूर्व की जा करते। 'सार्थ क्षमा में ताब होने कुछ लेक्षा भी करते हैं कि किया करते में तो की मार्थ हैं। यह ताब करने का नहीं है। के सुक्ष में प्रथम हुए के कार्य की उसके हैं। यह कि इसके क्षमा करने का नहीं में स्वीर्थ में

विकास कारों स्वाहर, १० थ ।
 वो संब क्षा कार, सकुर, १० ११ ।

<sup>1.</sup> ge 8 mm, eigt, 9+ 29 t.

v. ge & mr, uge, ç. te :

It was make you found to

बाहरू का प्रभार है। उससे प्रधान करेंगा के स्थान निर्मेण कर नेतियान की प्रधाने वर्षी कर भी कारणकरण ने अर्थ में कर बीचा तक बचा अर्थना करा जा अंक्या है।"

क्षात्रण पीतरण, निरम्त, जार्थन, तथ्य जन्म जार्थन वार्यन सेवी में करि के को प्रयोग निरम्भे हैं । यह प्रावारणी से कहा नगर हो कार्यनी ।

क्याना निवास की होंगा है समूत की एका पहुँ हैं। सभी करिया में बीवन के मेरे सामृत्य और नो परिवासों को सुना है, हमी के काम की वर्तमांकि में कि करवारों को होता जा है। ये जायाना एका यूक्त हैं, बता कर्म के करवार की बार है। वहीं में कामानों के लिये कियों का मुक्ताकर किया है। करवे पूर्ण हो

करते है। कार ने प्रत्यानों के लिये केनों का शतुकार किया है। कारे दूजरे हा कों भी भारतका, की-बा, स्वाही-बा, मीर हुँट-बा कहाता है। कार्य करन ने किय पूर्व पत्र परे हैं, जिसमें गुरुपात के साथ संवकता थी है। ''यह कहा

Abe and

एक और वर्ष कि

रंक्ट वंध-वर

स्रोट् को ब्रीक्टा"" राज तरकार विकास को एक्टि के "पहिले" कविता अलेकस्योव है । इसके

सींते सहारा है एना दिना तार्नेना नाम संसाद में हुआ को साथा सामात हो आहे। और एक हैंसे पारे समाज की एक्टा हो मोक्टी, नहीं सीवान, सीहन, जनात होकर एक समाज पुन्दर मानदीय समाज की एक्टा का सोवी।

'बब दुन्य की शता वर जानेवी

रहिर सभी कुलें लेंग<sup>1</sup> इ.स. को इटार के जनका तीने आहे दुखों है देख पनि को अधिका का गुर्छ-भूतक है, इस इटार के जनका समाज दुर्वण है।

९. को सेंब रही करा, साभूर, दुन १०। १. वर के बार सामा, १०११।

```
Code and yet i
ब्रोह-क्योरे भी विकास कोती है.
कर चोठनो चेता सन्ता बहरा.
Bour, Secr. ex 1
```

हर-पूर के कोई करे बुक्कान पर्यो है with all array with all mall tail till.

बारे देशों का बंधल को कियर क्या का । more at 200 ii

at and stalled analysis we bless out an aid it work.

whom is soit person) !"" "bloom of more" whose or furbour met me up my about for श्रीत दिस्ती, स्त्रीय प्रथमार्थे एवं नवे फिल्ट ने एक नात्रकार और बीवनका प्रथम all b , we arrive all marks differ one power force of why is refructu

है। "बोरे ही को को की थे", जुब को अंति । सन्तरे की सकार करी के सिंहे "with an even" men it a med on flefent upp on other it a "spiner in prin-स्पर वी" सबीत अबीत है । Curry sen destr er little able the mak it we it

feat as not then it श बरावे को सम्ब Fee all sits sit abort it : कर की परंदू जरात हो परंदी,

क्या भार के बच्च सामन में । we ar it abbeit it alt abe fereit bie i

राज बोध-वा प्रका बीचा. बार्ड जोने मेहा पर है।

इसी पह के से डीवर का कामन कर का पह और। !"" selle avent finnt of give it "vart age longs, on but" often refer, man it : 'trob eith den me it', 'star fennet ber', sebn ferner b

5. est alle forbs, rape, p. 15.1 5. Stell 40 Sell 44, 4967, 50 37 1 निते किया करा है। किए एक्टर पीत मोरे-भोरे आपनी को स्त्रीत कराती है, उसे अवदर क्षेत्र के उसी क्षेत्रक में निरामा को स्वता झोरे-ओरे नितर पहें है। "क्सें बोक क्ष्म" क्ष्रीत अरोग है।

"क्यू बच्या" क्षेत्रा में संदे अने को नरम, जलंका, विदेशों को बांब, बरवेल-का मूँह, केंगुलास का युक्ता कहा है।

"What it

89 pt no no

बीर के कृति श्रीत लाह संबोधा गर्मती है।

विकोर्ट को चोक बोक्ट पूर्ट बारगीय

रिक्ती, बहुता का सम्बन्ध किया वैत्युक्तरक का पुरुष केवार नाजुर

मन दिवार विशास की ग्रीत के "हुए के आर" की "'चेंग्रीएवा" विशेश में क्रीत के पर पर किसी के वेल प्रमान के पूर्व मा अपना महिला है। मिंदू भी ग्राम अस्त्रित है। मिंदू भी मिंदू मिंदू मिंदू भी मिंदू मिंद मिंदू म

बसूत सरिता में स्टान्स्यात करवार और अप्रैस भरे कावल-स्टीमी है

हार विकार पुरा-विक्तों का विकार करते हुए आर्था होते हैं । त्राव तारीज विकार की श्रीक के "कार्यकारी शरिकों" क्रांत का बोरको विच-

स्त्र करीक इतिहार एकाओं में तरावा सहागा स्वार आही है। परिशी वहाँ वाल करती पत्र की पोक्टी नहीं है, वह बीत के पांच प्राप्त करते का सुक्षार उत्तरीय में है। बार है। 10 पत्र में तरावा के बार पहुंचा होंचा है, कि, वहें तो कर हो की पत्र किया पत्र कर की अपनेत है, जिससे कारण करियों अनुवाह आहारण एकारी एका में सर्वात किया पहुंचा की प्रतिकार में उस्तराव के तराव करें हुई जिससें जी है। एकं वर्जिय कारण है----

"बहु परता न पता करि का है, जिसको सरकता है "जिसकी दिन ने सामा पूर्व को, यह से पुद्र कहा की परवाई ते", "क्यामांक", "क्यून ने समझ क्षेत्र के सरक पार चाहे हो को जुनियों वह वहते हैं, यह वर्षन बातवारों में पोड़े पहुत होते हैं है। मेरे में को यह पूर काले जाए में मिनवा है। वानी कार्यात और चीठा के का का नदीन वाले किया, कार-बेलवाओं ने मांने बरेश में देश बीठा स्थान को वह जिल्हा है। चीठाने के कार मानिया मुद्दुरियों को की को से महिता कर कोल-का माने चीटा सहस्व करण चाहा है।"

```
"विकास सुख करता है
तुरुदे को भरीकों
है पूर का ते हैं
पर को है पर को है
पर में है कीकों
× × ×
पर में है कीकों हैं
पर में है कार्य है
कार्य हुम्यूसा है
कार्य हुम्यूसा है
कार्य हुम्यूसा है
कार्य हुम्यूसा है
भर्म भर्म भर्म केर्य
किस्ते में कर कार्य में
```

अमेरावीय कीन होने से करण कीन में आहे करने में गरीन विकास नो मंत्रीय किया है। जिया में आहें न स्तिय नो मंत्रीय कारणात् है। किया में आहें न स्तिय नहीं कारणात् है। किया में आहें न स्तिय नहीं कारणात् नार्वा किया में में स्तिय निवास ने स्तिय में में मान्या निवास ने में मान्या में मान्या है। अस्ति निवास ने मान्या मान्या ने मान्या मान्

t. Berrie weldt, gleer, rege, ge tote t t. Berrier weldt geer de reasen t

वो प्रमुख महिलाएं है। पुर प्रवर्तक में बाँव को यह बनोल की प्रश्नति विकर्त ...

ार अक्षत, सरोह अवेश हैं नीमा शिक्षर एक्टीस्ट वर

विकार पूर्व पूरा पर प्रयोगन पूर्वते, ज्ञानिकान पूर्व पर प्रवर्ती प्रपत्ति स्वास

केरे बुरावेर एक के"" बाहुए औं ने नहीन प्रयोगों की प्रश्नुति के अनुवारिका क्षेत्रकर की एक्सर्ज की

है, क्षम् विका के प्राचार पर दिन्त कारों में सीटा ना प्रथम है--

(क) महीन मानवारों के दुख विद्यूद प्रतीन इतका अवस्था "देव के साव" की जिल्ला विद्यूष्टों के केवा का अवस्थ है :-

, cd natite ca

व्यक्ति कार्या कि गुर्व में लिये की साम बोक्टी को दिन सम्बन्ध क्षेत्रके हैं कार्य

#### (w) संदर्भकर्ती pube

साबूद की ने सबसे करियाओं में को गोरानिक, प्रेरिश्मिक और मोरोनिक क्षेत्र के इस में इसके में किए तकक का बहुविक न सुन्दुन होना करान्य है। क्षेत्र के इसेक मेरे के क्षेत्र में करिया की उकारण पाठ कराना भी तकता, मीर एक्टे मेंडे किये प्राव्युति को न सामने के बारण बहु बाल-कारा को विश्ववाह क्ष्म किया है। वराहुरण के किए 'विश्ववाद प्राप्तिक' को निर्मा प्रीवास ने मुख्य विश्ववाह करा है। वराहुरण के किए 'विश्ववाद प्राप्तिक' को निर्मा प्रीवास ने मुख्य

oth freefex. It consent 2"

(त) स्वास्त्र में दने हर छोन

बहुद मी भी दश ज़बाद को एक्शानों में बुध के गाम है—'विश्वेदम'', ''feesath'', ''ogneth'' आदि :

्याने कार्या निर्माण के यह जिल्ला किया का अवदा है कि बाँव गई स्वीता भी स्वार्त हुई महीनार्थ और परिवर्णकों के ताम मारंग के नेवार पात का कुत हुता है। उसरें यह १८२० के अध्ययका अपने पालनीय में अनेक निर्माण और

६. पूर्व के प्राप्त, संस्कृत ।

1, 90 h str, 1150, 9- 4+1 1, feerin week, 1100, 1- 151 

# ---

माधुर जी के काव्य में जिल्यात भाषा-सौन्दर्य का शक्य

बाता-कोन्डर्स जाता प्रस्तीत विश्वारों और वाओं को नक बारते का सर्वाधिक बहुब, बावा एवं राज्या जात्वार होती है। यह त्वता भंगतन्तुले उन्होंन बोक्या हारा विश्वारों, प्रश्चा-देशी तथा एकाली के बनोक्य का तक तिवह प्राप्तकेत आवासका सामान होती है।

इन जार तथा में कुछा: यो प्रमुख बार्ग होते हैं... जिसारों, बासांबेंडी और प्रथमित का दोकता और जा में पहुंच, अस्तरहोत्त निकार आहे को उहांनी हात आवार प्रभाव परान, को अस्तरहोत्त नहीं होता में किया करने पहुंच कर में बादकों होते हैं. हैं अस्तरहोत दिवारों को कार्याव्य करने प्रशाब हो, आस्तर वह और वस दोते हैं की में दिवार तथा दहा करना है। की तो प्रधा ने दर्गियत अपना होता है। वस वी अस्तर दिवारा जुड़ा कुछ से कार्याव्य क्षारण अस्तर अस्तर कार्याव करना होता है।

सर्वित तार्थ की बाता पर-विक्त वार्याम्बावस्थ्य और संबद्धक होते हैं। स्थाप रे की मह, समझ होगर कर कर आती है। पारा का उसे निकात सर्वित के प्रतित है किया तार्थ है, किया चारा मौज्याति का सारानार नहीं है, जीर न है। केशा तार्थ का समझ ताबुद है। बारा हकारे प्रतिकार का निकार में हैं। बहु तब को आगर की तिम्ही जाड़ी ने प्रतिकारिक के लिये स्थापना की की स्थापनी का मान्य

पत्रय को निर्वेश्व अन्त स्थितर्थों है। काल में उपनिष्ठे पत्रया का पत्र सम्बन्ध को हरित के स्कूपनुर्व हो जातर है और निर्वेशकर अपूर्विक चेनी नैसारिक हरित है।

When the months of ferror a low grant  $\hat{\theta}$  and  $\hat{\phi}$  is the first  $\hat{\theta}$  and  $\hat{\phi}$  is the first  $\hat{\theta}$  are not  $\hat{\phi}$  is  $\hat{\theta}$  in the first  $\hat{\theta}$  are not  $\hat{\phi}$  in  $\hat{\phi}$  in the first  $\hat{\theta}$  are not  $\hat{\phi}$  in  $\hat{\phi}$  in the first  $\hat{\phi}$  are not  $\hat{\phi}$  in  $\hat{\phi}$ 

विश्वी भी हाँद पा राज्यकारण विकास काने में लिये पहार भी ग्रंपका भी स्वास्थ्य है। यह समझात के जातिया करिया में विश्व पहार 'स्वास्थ्य के किया प्राचा की ताले की मेरे तहनू करते हैं, यह नाम निवास बात है। त्रांतवाद पुरस्कत, साम-स्वास, अम्बानिक वार्टि पर वर्गन विश्वीस है विश्वी प्राच्य का स्वास्थ्य की स्वास्थ्य के जाति है कि कितास मात्रिय के निवास के प्राच्य कर

''श्राम फाता वा त्रिमोत्तम आपना। कप्पी के उत्तर अपूर्व होरे वे बारण हरामा पाता के रिमोत्तम को जीवा जीवा को तर्वात जीव कि प्राप्त विद्या ता कुछा। जाना पाता में आपनामां केवा तरह त्रामा बोटी है हुं दूरा नहीं होरा, और म प्राप्तानों को बंधी के ही मार्थीका राहुत है। त्रामा पाता वा त्रक्त हिंदित क्षात्री करामी क्षितीकों में अपूर्वित के हाम त्रामी की सामने हैं त्रामा परा

s, who is you come on too !

<sup>2.</sup> Efficience, one Recolored Serv. to see a

(प) वायक विस्ताप्त । विस्तापंत्रे से तारा-कार के विस्तापता प्रमुख्य दावन होती है। सामा करा की प्रमुख्य दातों है, जर नेहा मिल्या पात्रक तारा होता है, वह हाद सामी भी प्रमुख्य करते हैं। वह ही सा अभि प्रमुख्य में आपने के प्रमुख्य है, वह जा हम कुछ पात्रक के ही होते करती है, जो तेता कार्यों में सामा कर कार्य करती है। वह जा हम्म इस्ती है। एवं कार्यों अभावत्रक सामा के सामा के स्वास्ता है करता है, वह सा कार्य

- 4: -
  - (1) जा को रोगे जिल्ली ? (प्रस्थापन प्रत्य (1) को रोगे सिन्दि ? (स्वाप्त्रेण प्रत्य) (1) को राग करे हैं :

(१) बुक पुत्र कर व । (प्रतारण काम) के लिए माने पाद को विकास क्षेत्र हो का है कि वह अधिवास को माल करों के लिए माने पाद को विकास होते हैं। बाद अपने बात विकास में, दानों के कि तह पाद पर किएक तम किए लगा कामा है। कामें निमे साम के उसारों करतें।

का सम्बद्ध और पटने रचना को निक्तिनित करना शासनक हो गाता है। सम्बद्ध स्थान की प्रमान के और हैं...

# (1) जासाल करन

(%) सामारण मानव तिहा सामार में एक वहुंच्या और एक विकेश रहात है, जमें सम्मारण सामार में

ert g, fant qu afre alt qu felle upn b, 46--

S SK DEL ...

"dig et aft".
"book it err et".

अपन क्ष्म में रेक्ट, की अवर्थन विकासी का अर्थन करने बात्र कराना है। इसमा अपन में सेक्ट, किसा और सहस्था किया का अर्थन किया है। अंबर्ध करने में रेक्ट - कर्म - विकास का उस्तेन किया है।

प्रेर कार्य ने क्रांच ने प्रकार किया और नवर्गन क्रिया पर अवीर क्रिया है।

र, बूप के बाल, पासुर, पुरू ४४ ।

1, बाब और विश्वीत, मानुर, पुन प्रश्न । भारती केंद्र पार्टी काल सम्बद्ध रहे हैं।

<sup>1.</sup> कोलो नदी की साम, बहुद, हु+ रेप s

fan men it men er en alte men ferbe men-men om er om it afem. emphase Grand such 2 selection man mode 2 so selections at artificial 5 and me of their 2 severe series 2.... "or at one or what this part sail.ab"

कर करता है। इस को करता कर करता करता तरेहता है। और देशी अस्ते कारों केरी कर साथ वह होता कार विश्वन के कारों को साम पर उत्तरिक है ; अब series remove as and it shift all sorbs and self-frence. And make said to fight "from all man are article" and more in one the several serious if enticle may come an even follow after an event minor if your me is force.

# (1) des en

flux sport if ancover your flow exact as his case it, oh show some wall \$ 1 store men is yet area all provedience groups it palant with f. with how cut it arrive set cut to arise over it man it so were N why up feet 2 :-

"offere was fours at on or on felt upen bon set or other it one sit I alr all marr it dans you woul

EX STATE II of course year 2. Soil afe it on its it don't it while

# mirror) if we freit & ;

were it artestig ages (soil o feet) was sit very with it; soil; pure & not whiteon more man 2, supre aft assures to make in the 2 o बन्दान्य बन्दी ने वर्ष नावरण वान्य बोब ते उन्हें रहत नहीं माते का वर्ष fierd in seek mile it a stiere it your pairs as seeme aby at a few ab बाता है। जाबरूर के रिवारों से दर्द, पूज, धाबार, हैर, बहुश कार्ट प्रस्तों के क्ले क्षेत्रण हो का हो बच्चे हैं, परंच निवार के बच्च में प्रधान पर बच्ची का क्षेत्रक भीर राजना हे वर्ष बरबो दूर हो बजर है । इसीको इर शहरों का बासकर परानराon reperfers more until it among or will force or some it .

<sup>1. \$1 \$</sup> me, were 4+ 31.1 2. ge 6 ste, uge, p. 15 :

man't it arises also write it to an all consens on finds at your \* TO STORY OF TAXABLE BY MAN AND \$1. OF STORY OF STORY OF STORY patente efer è feb patent il mai è i

(a) "Shore in moral in Some mort"

(5) most if her it flore ou

(a) four our on door it won't to

(a) or her it wast to all floor on

(c) dury dem grant & four your arr

कर कारतों में बरावर वर्ण-कारत की है. और क्रांडिंग की 1 पर करी कारती Tor if fert et men retern et polite fi : på negge if nu av dan då

week it fact this is the same it is borr after our and and it we it it was we sell it see it a sense it is sense as a sell from our it and also seed west it marries were \$, said well you want or wrat \$, after shart stop it server at a (c) suspense after reverse at a (v) fallenesse after another er after early and it ; oth area of a (a) it excessed small or other early करना को सही करण विका गया है, कहीं करोड़ को करण हवा है । इन बाकों से यह man share it for man are not all man it does not floor it around on Body most & such error is at and poor side \$ ; such ware is and an expens mad all acces somet in 2, afte acces somet more all one first or first होती है, क्या को अरोका पर निर्माद करते हैं। सक्या में स्थानिक और सीरेक Stafe or Stafe store \$ 1 may 8 floor or were all patiest or Stafe water \$ | mil-mil error it from it are bit on all even all worse reserve mob की भी भा नाही है । कविया में इसका प्रतिकार करने कर की जाकर में किस करन we follow one has it force force once it would be converted when the convert the entrustration of seven blackers and describer may defect का विद्यारण (orange) है, अरबा नहीं । एक बाबे का कविता के बाक-रिप्योवण में sends of coins and surred on colo over the 2 objet which

or it call or call it, an ever world from an emptor appearing when it is area if go, ton mineral gift B, olle gos bliese i fine ment in

feer area and to exer 2 count affected some scale 2 :

<sup>1,</sup> see als feels, segs, 5- 111 Gefrer--- 5.5

अपने किया से भी साथ में किया के प्रतिक्रिय करों भी राजी का स्वस्त्र मिला है कि प्रतिक्र है। पहुर में में भी भीमार्थी में मिला में में मार्थी में कि में के प्रतिक्रम मार्थी में मिला में भीमार्थी में मिला में मार्थी में में में मार्थी में मार्थी में मार्थी में मिला मार्थी में मार्थी में मार्थी में मार्थी में मार्थी मार्थी में

(क) सम्बंधार पुरत हुन गया । (क) सम्बंधार पुरत हुन गया ।

we file

The second of t

सामा में निरादे पद्मा होने, बिक्रो बैक्सिया, से दोनों बार्ड विस्ता पर रिपरें बार्डी हैं। जिला केवल बाका में जाने पत्ने पदारों की नेवार पर निर्पर करते हैं, बांक्यू प्राची के पार्टी कार्यक्ष करते में ने निर्दार्थन करते हैं। कार्यन, वार्टी कार्ट्स, क्रांच्या कर्ति कार्ट्स के निर्दार्थ करते हैं। बांक्यू प्राची के पार्टी कार्ट्स करते करते करते के स्वता होती है। इस क्यार किरोपी कार्ट के स्वाची हैं भी अपन करता है।

"श्रीका मी स्थिति केवर क्यों की गाउँ"

(4) निवार केरी चुने पड़ि। इए बनकों ने कारफ के कारण को है भी अक्षर का तथा है। वर्किता में सक्कर की सन्दर्भ करने के जिसे कई बारमों का भी अनोच करता तथा है।

"मैंड के जीवन पता हो जोड़ मुंदरों हो पी है." । बड़ी मैंड के तरेर संग्रेश पता भी एक मिलिया पता है का प्रवास ने अस्ता को तरीर माने का प्रवास नाइए को की प्रविद्यानों में जिल्हा है, सहें माना नी सम्मतिन प्रवास का पा ची जानी मिलायों में सोबल को तरे पहा में।

५. पूर के पान, साबुर, वृत्त ४४ २. विभागंब चलकीचे, साबुर, वृत्त ४ । ३. क्रूप के पान, साबुर, वृत्त २४ ।

"Modelly all and Boson was small for?" en etc it assessed fabri at the soil time of sense who as

so favor à : sub autr---

"ex! feve-we of sere is not six it." we want it from it) our or femalescen on write or ands after finally भा प्रदोश जनमें साहि ने पहाते की बंदना को निर्मात्त करने पर प्रदान की दिना है। many is give no facer is not manual river it would all more made fine-

eers was own and upon to

Over be over some it a nor said it are finantly over more in arrange of all of mar & safet as safe , or year à finn à fenner. I agree suf er

main start of all referred it florger b : श्रीका में क्षिया एक शावारण बारणा हो नहीं होती, यह बचेट प्रपतिवासी er metere eini b : un aufkannt ? ebr-eb mefert me mere eint, en

fathers expose of feets in our can see it a gargered-"Youth at refered it may make \$779

(w) चोवरी में कर सामी है।

(w) any and the कर बाज्यों में जोना किनाओं का स्थापक है । मेरे--पंचारे का ओका परिशी er fremer, allt ere og aven i grenn og ent forert flert at å, ere mel to the registered man and the could array an acid from from the party but women & au 8 "arch b"; eret ern vient er aber, wheth er fewerer miteir & years & feed and seven fermil at the art four \$ 1 tark it ever \$ देवते हो और पोट्ये में प्रत्यक्षात्रों सेवा और अधिकाम क्यों बंबा करते का

where was not it will some it was not not such it. It me that the next took we tall by प्रार्थ के क्रिकेट के बाद प्रकट की बाता है कि करिएए में उनकेट करना और gaß nen um tiet, feiet, obere, fam feiten, alte nem feitif et nor

s. or k our grey to co-co o

1. 91 9 92. 1117, 5- 93 1

1. ferrie wee'lt, mrcc, go tit ! · won so not so some to 99 1 स्कूप्रपूर्ण पुरित्या होती है, सह समये तहनमें परकों ने समय समुख होनार समय को सर्वाप्त और के साथ प्रमुख कर परवार साथी है सामय होते हैं।

की (अन्य नाम राज्याच्या नामर्थाव्य कीमी में बार्ग हुए भाग के कर स्वाधि की। (स्वाध्य में सामान्य की सामान्य की कीमी में स्वाध्य में सामान्य की मार्थिय में सामान्य की मार्थिय के सामान्य की मार्थिय के तिया में सामान्य की मार्थिय कीमी मार्थिय का में बार्ग की मार्थिय कीमी मार्थिय का मार्थिय कीमी मार्थिय का मार्थिय कीमी मार्थिय कीमी

#### TTO-obs

साहुए औं सो परिवारणों में समयों का उपसरण करते हैं हिए और अर्थक व्यक्ति वर्णों का सकता अपना प्रकृत है, इतका सारण है कि मर्काल में विदेश उन्हों की अपना साले से किसे पान अर्थक कर्णों में उन्हों के साहण्य पहलों हुए दिवारों होते हैं, उन्होंजाहात अर्थक में माने सामयों की एक्स में मर्का अपना में माने हा उन्होंने हिन्दी पराहु हुएके उन्होंने प्रकृति का अपना नाले कुछ प्रकृत्व परिचें में है। कुछ है, सेने —

- (1) dm + mt + frm
- (1) 600 + Selbera + Sela
- (v) der + udnin : feer
- (t) do: + femileben fem
- (s) eac + revisence sur
- (a) referre felores dan filos (a) faun + dan
- (4) febrer + eter + farer
- (1+) Sections + tas + fee:

कर करना मुख्य नहीं में है स्त्रीकरण या हरीना है है हहा नहीं पहुंच हो है। में स्थानिक स्वरूपन भी मन्त्र करने, जानी महिलिय विश्वन है जो नह तहें । मुख्यक बैचे तो र रावेदों भी माँह विविद्धा दिवार पार हो जह तहा हुए नहीं के है जाती है, हैंका पर कि तसी कर में दूस बाद बोध स्वक हो महत्व हैं। मांत्र पार बादा प्राचीन है कि तम में मान्य कर की हुए करने हुई है महिल्यों में बोधों में है महिल्या करवानि है जो है । से स्थान महिल्या कर से करवी महिल्यों में नामार पर किसीएंस हिल्यों कर है ...

#### (n) stan + Sour

्रा कार्य प्रकार प्रकार का अपने संदर्भन कर पाने मुंदर्भन कर कार्य के स्थान कर किया है। हम के स्थान कर किया कर कर किया कर कार्य कर किया कर किया किया किया किया किया किया कर किया किया किया क

#### Own of the

का साम में पता नेता है, तीर हुई किया। पार्ने निवी भी जबार के जांत-रिका मोता तीर महारूप के माता माता करेगा गाँ किया तम है। "पात हुई" के स्वया रूर "पार हो गई है" तीर कम साम माता माता माता तो पता कर को मी होती। महुद पार है होने सामे विचाह के माता को मिता प्रतिकार का मीता "पात माता के मीता है। का पाता को जांती के सम्मा में माता है।

#### and on the state of the state of

वह स्तर में कोर किया और तहारण किया का अनेन किया जय है। वहां कोर ते "करकाक दिया कारा" यह अपना में "मेनारा" हिम्म का मोद्र वहांगे हैं किया कोर है हमें हैं कोर्ड को को को को कोर के कोर कर कार्ड कर किया की में पहुंच की दारावर्षिक अनुपूर्व होती है। अपर वह "आधा" के त्यान पर "माधा" किया वह मोद्री करात की 'कार्ड' किया वह मानुद्धीन न कार्यों, समिद्र कीरों हुई कार के कार्ड ।

"मिनानी है पार हुई।" वह सम्बंद संग्, सहस्य दिना, विस्तव मोग मिला है क्या है। "है" का उन्हेंग क्रिक्ट में निम्माताल कर से मार हुने वा क्रीक्सिक ओब कराने के हिन्दे अर्थक होजा है। इसेनिय, पने ने नेका बहु साँग पढ़ा कि "मिनानी मार हुई।" "का की कराने करी मारी हैं।"

s, one after feather, engry, go etc.)

६. कोबचे की की साथ, काबूर, हुन एक । ३. को बीब क्यों काम सामार, या है :- ।

भी मेंद्र नहीं तका, पायुर, पुर ६० ।
 सामो को सर्ववाद, सामर, ६० पर ।

ातृत साथ पान्यकालों संग्र, तात, तिमा और एंट्रावर किया से प्रित्यू है। इस कार से भीते "पुत्री पात्र है", तिमारी के ताथ पर "पुत्र में हैं" करना "पुत्रमें में हैं" तिमारी के निकार का प्रोत्य में सीम कारता था। किन्तु ताले ऐन् सूत्री किया, मांत्री "पुत्री पात्री है" पुत्री ने मुक्त की साथी-अपनी मान्य करीता विश्वास करों भी भी कार कही भी है, बहु करा कियाओं में हुए ये हैं पार्त्य, ताथ

"वार कृत को सहुद का सामात है". यह सामद से तीरा, सामावादकों लेता, सम्मावादकों लेता, जिस्स तीरा अक

### (2) day + ref + feet

win sage of elected it as secr. It care are more it food § :

प्रश्न वाम में सर्वेषण बंदा, को बीट दिवा पर उन्हेंन कर है। वह स्वा कर उन्हेंन पह साथ कर वा अंद कर हो, "कर कर के दिवा मार्ग किए हो के कर के उन्हें कर कर के दिवा कर किए हो कि हम के उन्हें कर के उन्हें कर कर के उन्हें कर के उन्ह

"परियों भी भागी किसती"" पुत सकत में कामकारणी क्षेत्र, किर कर्ष एका किया का उपनेत किया पत है। "परियों को सभी किसती है" का "दे परियों को भागी किसती" करना "किसती

है जीवती की करों " का तरह से भी बतना तिका तकते हैं। अन्य में "है" जिना ने 1. विकास करवीरि, संस्टू, पुरू रेक 1

<sup>2.</sup> erm alte fierbe, mage, go on i n are in real parts.

उपोग ने पटननवार का वाली है, जो कि कान पामा के किया है 1 हाकिए "सीठती की कारी विकारी" यह नामन वाली है ।

#### (b) size + fairm + from

"फीटन रावशित हैं।"
एत पासर को रचना बोता, विकास , यहातम बिता के हुई है। इस साम्य को पति सदिय है बहुता कि "जीवक है सामाहित्य" या "हो नवा है जीवन सर्वाह्य" अरखा "है बीचन अपहित्य" हो एक राजी तरी के में गीरी रावशिद्यार को बचा जी उस्त हो जा है, हो तरों जो पता कोले जीवन की एक विकास स्थानित किया कर में है.

बबु ब्यंका स हो पाती : "वाप्तरण समझ समे"

साम्बर की गोरफार में बीता, विशेषका और विकार जा जातीय जिला करता है। इस साम्बर की बीत की एक सामार साहत करता कि 'किहा आहता की 'माना 'आहे माना प्रमुप' का 'तिने आहता कहां जो कि वहां की क्षण है, माना कर बन्दावर माना की माना की 'मानामा तथा की'' से माना है और नम न तुल में भी समा

''दुविशा एक बिट वर्ड'''

Any was far, conserve follow, flat into opine flow is felice is fife it despries that deferre other, organ on specific below. False for agricult and in seven for word for ights in him sequences. It are not follows in the first index in which field follows fifth is filled for the parts in the first follows. It will fill follows fifth of filled fill follows. I make it follows from 2 to will see it fill fill follow of fifters from: "vid see for fifters" seen all well fill fill it was the will be "filled" seen and it will be fill fill it will be all the fill fill it will be all the fill fill it will be all the fill it will be

<sup>1.</sup> fenris unfib, unge, go tit i 1. fenris untib, unge, go to i

<sup>5. 2041</sup> ET STI THE MINEY, 2+ 10 I

# "Vest wa aret repost"

बहु जान में दी दाता, विशेषण, बंदर, बिन्ता और सहस्रण हिंदना तर अनेता हैका बहु है। उत्तर को दींक औं बीर की "बहुएका है जार बात करा करा "हुएए सहस्रात है कार को दींक को और की "बहुएका है जार बात करा करा है। सुरक्ष है कार करा" सा "जार करा बहुएका है कार में हु करा करा है। इससे पाता और सी में हुकेस परंतु हु एन्ट्र एक सहरकी हुए तर्गत करान सा हो हुए हिंद कहा है करान में मोनी में कार्य ने मुझ है। यह करा जार सा हो हुए

### (c) sign i select i form of a ship expected if the shiften an above and instrument

स्त्रीतार का उपनेश्व है। इस नामा में से प्रेश को हुए। है, तब मर्ग नारवर रह साला है, इसरिए प्रेशा पर को भूता करता हो नामी है।

है, इसकिए सेता पर भी पहुला करता हो जाती है। "तर्वा पर बहु और है"। यह पीटा दोस्ता में संदूर्ण करेंगा, जेता पूर्व सहस्य किया से विशेष्ट है। साम की दिन्हा है कर पर में कोड़ पर कर्मी कर्मा में मान करता है।

"अंतर्थ का है गांच वह" नहीं। सामनी का क्षेत्र की वर्षण कर करता हा, किस्तु करने दक कारतार पासर के कम है है हर मीच की तका है। दोकर के स्वर्शक्त करना पर का है के ते कि "किया" किता को को को पूर्ण कर की क्ष्ति का अब्दे कारता का गांच की शंकरिक करता के किए "कि" क्षात्र के माने की "क्ष्म" कि-क्षा पासर का में का । कर्म का हमा मिक्स को पी कि पासर कर कर की सीका चार हमा किया का का का हम की सीका की की की की की की की सीका चार हमा किया की कार्य के सामनी की की की की की की

ent of the entities of the first of the entitle of

है. बहु करि 'हो नहीं बहु पुत्रकों का पुत्रकों 'क्यार 'क्या है आई बुकते पुत्रकों पुत्रकों 'हैं काई बुकते पुत्रकों प्रत्ये कार वह'' कार्त-आर्थ क्यों में की की बन कहती थे, हिंदू वहीं 'क्या कहा है नहीं बुकते पुत्रकों 'क्यार' के क्या 'क्या 'क्यार विश्व का तर की स्थार की की की किया कर भी और को कर कर है। 'किया कर करिक का कोन का लिए किया की है।' अपने करके एक दिल्ला कोना को कीर स्थार कर कीन है का आप है।'

#### (1) de a fron-febrer a feur

पुण प्रविकारों में बंदर ने सार किया-विकेशन का उसके होता है। इस उसका के सकतों में बंदर बंदर करता हुए जिसे जाने को क्रिया-विकेशन हो बंदर की उन्ह

- रियार्थक क्लांबेर, साहर, पुरु प्रदे ।
   पुरु के साथ, साहर, पुरु प्रदे ।
- more my one me stat, ex 24 ;

स्वयद्भार करेगा । ऐने पानवी में पैताहर अधिक विकास है । और अधिनक करतों की प्रधान की गोगर होती है । व्यक्तिया में जात अधिनक पटकों को संस्था अधिक हैं। जातें अधिकर की संस्थानक और भी जातिक रहतों है । कुछ स्वाहरण प्रसाद है—

"पर में वा मराजा बहु बहु बहुए हाए हुए"। पर काम में एका प्रतिकारणों थे का किस्तरिकेश, किसा, सर्वश्य, किया, गोम और बहुएक किसा है हुई है। इह अगर की र्विक ने और "औ" किसा विभिन्न की रिपर्विच कर विशास से कार किसा नाता सबसा करना, जो नार्व नार्थ कर में निक्षेत्र पूर्विच के हिराइस के बार किसा नाता है। तीर यह पूर्ण प्राचुक्त के किसा के अगर की अस्तरा के दें का बात पर करना करना कर के राजा

# (4) mixer + star + floor

माँद महुद सो मनिकासों में बातों से स्थान कर प्रवंशन का अधेन की विकास है। इन मानती में दूस मुंबर किया के साम-तरून की ऐसाओं का अधेन भी विकास है। ऐसे मानते भी क्षेत्रक सरिकाओं में प्रकृत कर है। युक्त सम्पर्दण असूत है— — में कि तर्म कर माने में ने निकास माने के

श्रीवरी नहीं की सामा, मासुर, पूर्व घर ।
 साम और विश्रीत, मासुर, पुरु घट ।

३. स्टब्स वट झूल बर, बाहुर, इ० ११।

#### 19 House & widt years 2" 1" ar your observer release responsibilities, start first offer record

East is now it is "Committee that it was not it?", "Nelson the not it is about it." बीकों बताओं में बारता है, जाना बारता में "है" बहुत्तर हिन्द का उन्होंन स्थाना करते इस्तेल करी होता कारत वही है, उसरे शास में "में" वर्षणा का प्रशेष पाना है सीच d feet um bie biffer ab fellere auf morte "b" et me Wiet tet b. en were to self a 1761' family finite finition followers in Traffect's all other place in

# (a) when a february size a floor

articult original is mad in some or unfant art solve all factor \$ . en were in more is infance why subflood extell all place formed it a subflood बदको के बारण बारत में नैतान की पंचारण पातिक पूरी है । इस वर्षि ने सन्दthe tree referen is more all fatheres, all electric filters and energies floor art gather of france & 1 cm part is stood or mountless may from search & :-

"He was been d" policy (seel) follow, day with space flow it space were it asset

It were it even up "It haven many up", "It was haven up" unto even be selt \$ 1 lefter un civil esect if \$, egypte fatte uplt self \$, fax "bg grant' ofte "base" famili fix populs and all support soll of cost i "are poet begre 4" on user 8 "er" on 8 years well at our feet our 8 years mer house so feitre aus it exist to

"seem at every on feet par site &" " an eres of own place, response febre, they first, sign ofte

egree fluit it gil it : Not fluit pay were flogg outcome no it from our \$, After som at short mit met uner, tie eine it ne fing eber it fie effe erso it on men on unity sock at year your one also set it are no engs \$1 ere on ever a) or of of "or some \$ some to fage me-

# "की तुन्दें किस्त्री कर बोधनी में बाल है""

en erer à il mêtre, feitere, oftwerentelt day, fant alle agres

- 1. ge 8 are, mge, go to : विशासक मनविति, साहुद, पुत्र देश ।
- 1. 4000 ed al mm, mgc, co 93 1
- प. क्षेत्रचे नवे को काम, पाहर, पर १८ ।

हिला कर रायोग किया तथा है। पंडि में आराब्य में हुं "श्री तुर्धों" से इस्तेमको बर उनके क्ष्मम है, उतका एक पात्रा पार्टी पार्टी अर्थ अर्थक्त के किस्तुम कारको कर रोक्स है। अर्थ पूर्ण पर्डि "में "में का है हुए हैं उन्हेंने में किससे वार्टी" या "में राया है हुए हैं जोड़ों में विश्वों या" जैसे अर्थना को उत्तर जान करते किसो उन्हें हो बाँचे भी तक्षी आराब्य के ज्ञानक में हुए जा नहीं। अर. वृक्ष अरुप हो कीमी में मार्टि मार्टि में

# (a) from a ster

किया, सहराय किया एने बीता राज्ये प्रतीप से बहु बायत बसा है। जीह प्रव प्रशास को हुए "एएएएको हुई कियारी हैं", "पाएकाडी है कियारी " सर दें तो करें के अपना कर काता है। जानन नाम प्रशास के अपनी किया है। "एएएएकी है कियारी" इस राज्य में "हैं" के अपने के निरूपात का पास वहीं नाम होता, को कि "हुँ " के अवस्था के हीता है। " के आपना के हीता है।

If a region motion (x,y) = (x,y) = (x,y), where (x,y) = (x,y) = (x,y) is the proof of (x,y) = (x,y). The same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y). The same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y). The same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y) is the same of (x,y) = (x,y).

श्रीवारी नदी को सामा, बाहुद, पु॰ १० ।
 विकार्शक बावारिके, पास्तुद, पु॰ ६० ।

#### "आ पट है कर क्या इस का परि?"

कार की एक्ट किया, सहावत्त्र किया, स्टेम्बर, स्टिक्ट, स्टाव्यक्त्र के हुए हैं। इस गाँव में पूर्ण किया है नहीं कि उस की से प्राप्त के सुर्व किया में तो साम का है है जो इस गाँव किया के सुर्व कर सामित है है जो इस गाँव किया कि साम किया है के उसके के उसके हैं। "का पहले हैं किया का मानती मोत्र कि स्टेक्ट कर क्रिक्ट कर का उसके में के इस गाँव किया है के उसके की इस गाँव किया है के अपने की किया है के अपने की किया है की अपने कर की अपने की अपने कर की अपने का अपने की अपने कर की उसके की अपने कर की अपने का अपने की अपने कर की अपने की अपने कर की अपने की अपने कर की अपने कर की अपने की

# (a) fighter -- visc -- Steer

#### (a) researches and com-

तर्भ को बहेताओं में निर्माण के आराव्य हैंने वाले राज्य पर हैंने हुए हैं। विकार अपने की कारण में अपनोचन कही जाता, जाता भी अंदर्श की तर्थ कर की बहेता के विकार की अपने कारण की हैं। इस स्वार्ण में पाय जाता और कारण और जाता में पहुत्र किसे की है, अन सम्बार में यह नार्यों की व्यक्ति की निर्माण का नार्यों में कर मात्री हुए ही अधिकार कर-कर्म के पहुत्य की जाता की निर्माण की पहुत्य की का का करता है। अन तर्थों में निर्माण कर-कर्म के पहुत्य की जाता कर किस अपने के हैं:—

# "eई क्यां के बार्त है देवर करेग"

का नाम की एका निर्देशन, उनकावार्थ का, अन्यान्थ का, बंदा और किस में हुई | नाम का मान में "मंत्री निर्देशन को हता है में मानव तामारण कीई के बातरों में मा मानेचा । जार हुए दिख्यों — में मूर्ज में करते में की के सार्थ और जो सामा एक्टम निर्देश में सार्थम, कार्य कार्य मानेच्या का अनेक "सार्थी" के किए किसा है, में माने किए नहीं।

#### "and east faged it foom star \$112

हम जाना की प्रेपालं प्रशासना विशेषण, विद्या महिन्दार की प्राप्त के किस्तर प्राप्त में कि प्रति हैं है है जह सामाय जाना है। उसने की प्रति के प्रति

<sup>1.</sup> pr 8 mr. epr. to 21

<sup>2, 460, 40 400 44, 4042, 4+ 53 5</sup> 

३. नाद और निर्माण, साहर, ए० वरे ।

### Note with day on \$115.

ex area of tract feiture automobilities that also some four its abif & 1 "with then were on b". "we it nith that man?" solls meet an with the state of the state of our and to be all any first to father at paint of hit and affect off why show it a new nor it find "work at most b. and more it are all around all also come all could be

### (%) feathfren + sign - time

which whereit is ever the or others is all corne with all other and more form as a soft-out man his sit \$ and forminghous four after der er gift auf b. effen it av mit mer form b. en en it mer b प्रतेश संदार्थों का प्रतिन होता है । यह रायों संदार्थ कार्य, सारक की उपन सकता all the season will be on more later, reduced only blinne after addition and A self it was found it are over it, and as discussed no or part

development of the fore special filter is also in an ever men है। इस बाबर में बांद हुए "बाव" को हुता है, सर्वात "बीवल चरियों करी हुई है" el erre est ever : "ere forefeiten er sebe que art et ere aftene private process to the contract of the private process of the private and they wint up of \$ :

### "son on til secon"

Specifichers from the star is the in the state of the pick was "look" familiation all per il cons all el man sonn 2-"en vil atte warm" may it said theird more out orner, who or on it she said source माही है । मेरिका "कार दम रही करवार" बहुते में को साविकारण है, जह दूसरे man if wit : was his at my mail it "my mit it meers" blies "mys" an eath South Soller stool it floor over it, afte ob appert is noth south Failt ebet fant fo "me" fperfeben ar unbe ean ab een b :

<sup>1.</sup> MAI. 40 MAI 40, 4057, 2+ 1+ 1

<sup>2</sup> mm. 44 mm 44, 4197, 5- 33 (

v. mm, ve get we, mgt, 1+ to

किरान्तव विशेष का प्रकार में उसने पतितानों में बहुमार्थ है। किरा स्थान विशेष दिश्य की किया को पूर्व नहें में है। समूच में से मेरियारों में का पिता में दिश्या की किया को पूर्व नहें में है। समूच में से मेरियारों में का पैतिम और विशेषा निर्मात किरान को कोन नो नेकार मा में दिश्या है। वह नहीं में सूच्या की विशेष की किया की का कोन नो नेकार मा में दिश्या किया, मर्जान मेर संख्या की वाला में मानित स्थान है। समझी मीहारों में मुझा किया, मर्जान मेर संख्या की वाला में मानित स्थान में निर्मात किया में मानित स्थान मिता मानित हैं।

बारि से सामाध्य अपविश्व करती थी स्थानपरित्य होति हैं। इस उपयार से विदेश हैं कि दे पहल की प्रस्तुतर बारि के विद्यास्त्र जाति हैं हैं। असिय में दार्थी स्थानी बार का प्रस्तुतर बारि के विद्यास्त्र अपनी बार कि प्रस्तुतर के स्थानपरित्य स्थाना होते हैं। उस स्थानस्त्र के अपनी बार कि स्त्रीत हैं। उस प्रस्तुत्र के स्त्रीत हैं हैं। त्यार में कावकर के अपनी के स्थानी की प्रार्थी के स्त्रीत में स्त्रीत हैं। सामार्थक होती की प्रस्तुत्र के स्त्रीत की का होत्री का स्त्रीत करनी महिलाती में विकास है। तथा हो की कावनी की स्त्रीत विद्यास्त्र स्त्रीत हैं।

विश्वास को द्विल से कांग्राम को जायावाणी करने के हैं हो बाद है है साथों है इस के में मान किया है। इस उपराध मान स्वाहू है के के सामन सीची में मोन को दें स्वाहू किया है। इस उपराध में मान क्वाहू है को सामन सीची में मोन की दें स्वाहू किया है। इस उपराध में मान किया को प्राह्म कुछ है। होते हैं दिया करने किया को मान का देवा है। किया प्राप्त की है। करने की त्या करने किया का दूर के का कुछ साम का कहा है। किया प्राप्त की है। करने की त्या करने किया है की किया है। यह कुछ सिच्छा मान है, मानह सीच करने की त्या के में की को किया के सामन की स्वाहू की का बारान बान्त होते हैं। पानों को संस्था गार्थक वर्ध-कृत, नार्वालय प्रसार से होती A - on on our h who stay our star fallow have flow follow with anartes error à seri et son cher fest ou et ar qui et elt et et

serve and it made of the well of rand about new well & . "efectivized" triffely is an own is assure stony in such an automorphism क्षेत्र कर्ष है । क्षाप्तारों के माल दिन प्राप्ता समाह है । किसो में बाद पर व्यक्तियाँक होने to the state in community and the contract of the state of the contract of the state of the stat in also it also it : may all arms it was all along our its or all or all der it effelen fear unte it i afterfem une if menn in eine it no et einen-

401 Both there of years to follow with the com-

(a) offerfest it was it also by refere our push it . 20-other miter at Silver

(3) काराजी में अलब समाने के को यह बनते हैं, जाने सिवार पर सारों हैं । found on it or is adjacen on finding on our (or one) is it. all was \$ feel separtice many at confer over \$ .

erer II or say alt. Seek on it after on cover away short tell की के हैं, किए इस को नहीं की, स्थान कहते हैं। एक्स को संबंध के स्थानक के ment it or a gril over shell 2 -

(4) ow it after on sit ft : (1) se or feel orrectes sent or one out 2, or one of

and i (A) was it was a fideau term for

ersy It come also were it side It is talk over it were it were it.

### (1) ein oans

year It was start after size on Gouter (Geffree microscot) and as war) favour on the ser was self, and more it that worse even over 2.

<sup>&</sup>quot;was at other"

<sup>1.</sup> जीवरी वहीं को सामा समय १० ११ ।

क्यों क्षेत्र क्कारों का स्पन्त अपीन स्थित है । वैसे प्रस्ता का बंध है new, Seigner is new alt; first it new news from it : that nower query; An ever it was at all adjusted it fought 2 a (at) the other means family 2. Spring reflect state and strong other other

b . bit wite fear up I fresh & :-"the femal greet"

Carron all resemble?

(at) any on page is day yearsy of feet 2 forces after over day ther b. Afr and ad sen out or only femous is we if and h , and on the ne of februar arch 3 :

"with offer it and." का प्रकार में करे लंक है. और कारे को किए कारों का क्रीन कर है. के

ert mer and ill feiten at men unt it fict unm an R : en seen it et was no dec à favor à un è erà à : not parr à une par s' fach

> "nery shiften as how?" Cantin and and co

"much attack males" (e) हैते बंधा परवाद की पातुर की की करिताओं में दिलते हैं विकास प्रतिका

sie fennde das eine ft ; feurde tim it pt er ferride da: elt februm wark & :

"new hit and empor" on more it not facular day is on it was set it a very day it, ofe

s, feerin wells, sort, s- ix i

9. em no per, ex, max, 5 - 1 c : बोडरो क्ले की माना, पान्त, पुरु ६६ व

o Berryla world man as no a s. को का नहीं करा, कारत, 1+ 15 t

६. मोहरी नरी को बाग, माजूर, इन ६१ । u. भी संब कही बार, कापूर, 5+ 1, 1

द. को बंध नहीं कार, बाहुर, हु- रेप s

e. sont no per, no, next, no no

स्था ना राज्यान पिरे के पा र्युपने के होता है, इस्तिने इस परस्था में "क्योर" क्रिकार्यन संदाह में भग में 1994 है ।

"जंबन कोर क्वाई"" "जब कारी कार्री"

"वाच सारी कारी"" "क्षेत्रें का नरज को कारा"

### (1) mine open

में स्ट-बर्ड में स्टब्ड क्वेंबर का सर्व करें, यह क्वेंबर स्टब्ड क । वर्षण प्रक्रम से क्वार के होते हैं। क्रम क्वेंबर वह ने विवर्ध संबद की

हे दूर होते हे---''बह बात को रोजो तिका'''

म्ह् बाग की राज्ये (तका "" हुम्कृरि यन प्राप्त का प्रदिशा तपनंग""

"सर काराज सीव"" "सरे पार को""

हुतरे प्रकार के क्षेत्रक पायब्य में बाल्य में वर्ण में वर्णवाम का उसीप होता है। क्यों-क्यों वर्णका पर और वार्ज में पायब्दी में तम में विभागत वार्जा माने काम

पू रुक्द को सर्वताप को विशेषका बदाने

"रात: वी राजनी पूर्व हुन" इनक बाहर में दूर पारकात के ताथ बीती कवाई विवेचता की राज्य कीर सामा

ही कुछ में बाला की विशेषका बातने के जिन्न हुन प्रमुख हुए हैं। "वहरी बहुत्तर केल वर के मुचन के"

"open of arrive d B" "

1, 460, 490.

१, बंबीर, संबुद्धः १, विकासंब चन्हीते, तसूर, १० ११ ।

है, क्रिकार्थक करवारि, बाबुर, हुन छ ।

प्र. हुए के साथ, बायुर, पुरु के है । X. जिल्लाचे सकति , जासर, पुरु के है ।

रं, भीतरी नदी की दाना, साहर, हुन रं । ५. भीतरी नदी की साम, साहर, हुन रंज । ६. जावा रहा तथा एक सम्बद्ध, इन रंज ।

d. gert am get, en, ange, g. to t

11. Dance world, ango p. 14.

### (1) Febru 10010

क्षेत्र का क्षेत्रक की विकेषता को क्ष्य विकार बातों है, उन निर्माण पटका के त्राव के सारत का राज्या है। यह बन, कार, स्वयन, पुण, और संवत राजी उपके को बोर्डात करता है। यह वर्षक प्रधा बंधा था करियार का मेन सम्बद काला है। विकार वर्षक राज और नै-

"web one gird feed b"

"del up eith ant"

"ten wind pri"

## ---

"Mile field is execut."

"एक क्रोसी राज को समाजद मधारो है" <sup>4</sup>

## "West Stor"

1. Section worlds, sugge, go xx i

- sect on the section of the section of
- प्. कारत यह कुछ, यथ, साहुद, दुन १३. १. दिवार्थीय कारतीत अभग ८० ० ।
- प्र. विकास कालीते, सापुर, पुर ६० १
- च. विकास कामीते, समूर, वृत्र प्रद । इ. विकास कामीते, समूर, वृत्र प्रद ।
- बाको को सर्वकर, कन्तुर, इ० ८६ ।
- चीवरो करे की प्राप्त, राष्ट्र, पूर्व १० १
   ताम और निर्माप, प्राप्त, पर १६ १
- 1+. बीवारी मधी भी बाता, बाबूर, ६० १२ ३

"संक्रित एतः क्षेत्रसः सं एकस्य "स्रीतः एतः क्षेत्रसः सीतः" "स्रच्यो हे स्थित्सः"

, हर-हुद शुंध तथा श धार. , रस्काता साहत.

'कार क्र क्रेस स्टूबर है''

(v) किया गणबंध---गणबंध साम्यु उत्तुह को क्रिया का कार करता है, क्रिया नकक्ट को केसी में

रबा मात्रा है। किया ररक्ता से प्रवास के होते है— (क) किया एक स्था की बी हो सबसी है—

(स) तारा दश कोद की भी हो तारोड़ी "अवस्थी क्याओ है""

'हरा बहुते कोशी'''

. (a) get nerr it lien oven il site ferri qu une il girl  $\xi$ , sè exg ferror est  $\xi$  : qu unqui cri en enc  $\xi$  mèt—

"Mit, tit, tit pl ant""
"annel wordt pet spe it de welch"
"ant afest it Berfen fast it gept....

नार तेवती हुनेर क्षेत्र<sup>०१</sup>

. बार्श ग्रे वर्तमारा माहर, १० ०० । विकास कार्योप्टे स्वाप्टर क

1. fenrin undb, eigt, 5- vo 1 1. ferrin wellb, eigt, 5- to 1

बोटपी गरी की साथ, कल्प्, पुरु ६७ ।
 बोटपी शरी की साथ, कल्प, पुरु १३ ।
 साकी गई स्टीशर, कल्प, पुरु १४ ।

शो सेव नहीं क्या, सम्पूर, पुन 11
 शो सेव नहीं क्या, सम्पूर, पुन 11 ।
 सामा कर सुन, क्या, सम्पूर, पुन 11 ।

१०, भी संब नहीं हसा, मानूर, हुन १९ ।

15. जो की नहीं तका, सन्दर, हुए देश ! 15. जीवरी बड़ी की साम, साहद, हुए देश !

## (a) Sections were

न्द्र सरकत को दिवालिकेल का बात करें, उसे दिवालिकेल परकार करते. है । बालर को को कविवालों ने बावार वर विनातिकेल परकार की उत्तर के होते

(a) year and...

(क) सरस्य के-

"and feele को संदर है"

"स्ता कीवर परियो की हुई है'''

"All up upon the ere are at at." "has bit write on any one of our or of oil" (a) effected....

"see fact work over flower cut of"."

1. femile weith, spec, quick

3. Smerine would, erec, 50 to 1

4. HOTE BE GIT, US, RIGIT, GA SA I

E. GOOD NO ONLY NO STREET, CA TO I t. Remite wells, mgs, 5+ c t

w. Service wealth, rost, go by I भीतारी नदी को बाका, पापुर, पुरु थ ।

e. Wheth roll of more space to the

1- बीवनी की की सत्ता, सक्दर, पर ३० १

## (w) offeren

Tabliably and fault is not marri "For my in abbuside it also also formed then?"

(प) "मेत माँ संपत्ती क्षी<sup>००</sup>

"yes also unlike you also you"?

क्का प्रकार को पांच हो है, किया गांच होता प्रकारों के भी उस्तीत है जो

(e) men-shee reco-

यह को बाद किनकर सन्त्रम महाने वा तान करें, तह प्रथम बोह्य पर

met alter benetiten it green all alter 2 in it green it seele a

"ster at foot ber ast sk sit"

"हर पर में होते को इन का सरना को""

'शे के सामा में तहरे हुए स्थाना''

(a) more day were

को पर-बद्दा बहुप्पर का चीव स्थाएँ--क्या-प्रश्लीको, कि, व्यक्ति, पृक्ति

wife i "क्टों में शोल में प्राप्त राजन है"

"wife and it at our fit ?"

(a) femolib-shap man

a) or year set. force, femorals or the east, pro-orb are 1 and

ger if feann mile : "all fortiles source"."

६. को बंद रही तथा, सामूर, पुर दरे । 2. ONE HE SHI, HT. HINT, TO BE !

६. जो की नहीं हका, सावार, ६० १८ ।

थ. को क्षेत्र सही सका, साक्र, पुर दर्ग । v. Serrie weeth, myr, g. 11

६. विकार कार्योते, सामुद, पुर २८।

u. भी मेंद्र शहीं करा, सम्पूर, पू+ ee । दिलांब कालेले, सामृद, पुर- पत्र ।

e. Social wells, sugs, pr up t ६०. बीडरी नहीं की माता, मानूर, हु० १२ ।

## "at facile dic"

पुरुष्य करण का हो एवं लंद है। पुरुष्य किसी पात को सारण पुरुष-पूर्व को है गई, गया एकन कोईका है, उपल कर कोर राज्य उनके न हाए होते. हैं में अपने क्षान्य में से पुरुष्ट में कर क्षान्य दूस है, हुए मेर्ट के प्रोत के के ले प्रमान के दो करण की एसीट जायान है। श्लीकान पुरुष्टी का हो उत्तर होता महीत है है जिले लिहे गुरुप्टी के क्या पात्रही के मार्च कर होता है। यहाँ है पुरुष्टी में प्रोत प्राण्य के के क्या पात्रही में पार्च है, पहले हैं है। पहले हैं,

नुहारों को प्रांतिक प्राप्तान देने से कह व्यानपूर्ण में कामा मंदी भी पूर्ण है, इसकी महिल्ली का करेंग विकास मही होने पाता : नांत कामे विचार्ण को प्रश्न के किने महत्त्वम् श्री के काम माने को नामाह प्रांत्रों में अपने माने विचार्ण को हुं पहर काम है :

कन्यूट नर्व शांका का मुहामा ही जात करा है, स्वीति कर पानों को लीट-क्वांक के लिये पुताने मुहामती के साथ नहीं तक समया। यह हरिट है राजूप को हुई। पाना है। प्रत्येन सहामती में पानों का समया है, हरण की सनकर है, और है करे

मिल को गरिन्छ। यहाँ पर राजपुर को को करिएउमों में ते पूछ गरिस्ट प्रसुपारे राष्ट्रपुर है— 'कमो में कंकरपा'' स्वार्टन कभी का उत्तर करना :

'कमां में पुंचारश'' स्कृतित सभी का प्रशेष करता : 'क्लीमेटा हरता'' साम्बरण बरवण ।

"दर उत्तरंत होता" कुब होता । "क्लिमी दूर्व सम्बद्धारे" निर्मेत इत्यारों ।

"कुनपुराका उठला" देशा हे वर्ग काला। "बैनाका निवासना" बार्ग हो बाला।

"कातु वर्षु हर्रा" राजसास्य सम्बद्धार्थं सः दृश्यः । "कातु कृत ज्यावा" नके सुन्ती और सामहाओ अस्ता सर्

"सर कुछ उपना" स्त्रे सुन्दी और सम्पत्ताओं अस्त्र स् स्वार्थिकार ।

चैक्की नहीं को साथ, साबूद, कुन १३ ।
 भोवारी नहीं को साथ, साबूद, कुन १४ ।

रे. चीरारी नदी की साथ, साकुर, हुन रून । ४. चीरारी करी की साथ, साकुर, हुन ६ ।

श्रीवर्ण को को सक्त, सक्त, कु ६
 विकारित काकोरे, सक्त, कु ६० १
 विकारित काकोरे, काल, कु ६० १८ १

किटांड प्रश्नीते, समूत, पूर्व एवं ।

<sup>4.</sup> State with any, 4- 411

"बामार के राज्य सम्बा" े दिलाम के दिल दिखाई देशा । मुहारों के विकेशा के मह राज्य होता है कि के भाग को स्थान और सार्थ की

#### (e) man-firms

बारान रह-पान बोर पान-पान होते हैं हातों का तका प्रकारने तंत्र है । दिसी बादा की और करि को सकता का परिचल जल्के आठ-स्थार से हो बात aber & : force met-gegatt in fier miet alt einer abfüge gint & : were & सब्दों कर संकारत होना पाना का एक गुन होता है, किन्तु यह सन्द-नवस गर हो जबwhere short \$ 1 feet marr mels all erer it mak over fielt all subver saw (b) I not pare è arre-rese è une pou siè I, alte près tienne aus होते हैं। ब्लाइपर पाना में बानों की तो गार्नवता, मानवा, वार्नवता इतीह अहो-बहुएकका मादि होती है, यह यदिना में तोन महिल पर्यादन हो मादी है। इस्तिके miegt it mit ungen it welfen git & feig au it feintler eit welfe after 2 car of our or on word on tity 2 of sportless offer it until an area il margori serv altre à 1 softentes dan avest une area à fine कुरुकों में हैं है अनुवर्त में बोगों हो बड़े का बचते हैं । किसी बाख ने पायसका बच्च no were such the if well only release if six sending when such It is over were well private 2 mil more are make; firm over "sine" and so relasecurit is abort used in referre it at species, over even it, on felding के referre के प्रमण नहीं कर कारत । इस प्रकार किसी देश को बीमा के माहर्वत क्त्य-दाना में कार का बंधा जात्व है। कालू अववेदीक एनिट के जान-कार में and as who provides to its ab ables some it :

साम्बन्धां में पूछल प्रयोग सार- केन प्रान्त ने सामां में होतेन का सकत सहा प्राप्तपूर्त है। दिस्तों कहींने बाता को एक हुता के सामा और क्षा को उसे में के हम में बता किया है। जानी प्राप्ता है कि पूर्व करता कोई है कियु का सही पहुला है। तरिका से तोत में वाचा और सकते करते के सामानीत सन्दर्भ के किए होंगे की यह प्रश्नाम कालाई है। साम, हम के बना भी पर कहा है कहा का

साध-शास में करते की काडेटी के दो हो निकल होते हैं-(६) जनशब्दा

() devisit

स्त्रवस्त्रका में एकमापता से वर्षमान वह है कि वर्षिता नति वच्युप वर्षिता

६. बोटो नसे की बाबर, समय, पुरु ६५।

 $\xi$ , on our all two mix  $\xi$ , is quarte also not girl  $\xi$  ( seek affilies not with the set agi g) agg area; i such area in excessing agi  $x\xi$  or such  $\xi$  i ag  $xx^{-1}$  is when  $x^{-1}$  in  $\xi$  i ag  $xx^{-1}$  is when  $x^{-1}$ 

कारण-बारत में उपनों भी एक दुवारी कार्तिया है "बारबारकशा"। इसका हाराई बहु है कि आपना में निकार को लिएकाड पार्टी के निवार प्रतिकार में उसने हो करता हात्री, किसने अपन्यका होने हैं। माणी ने कार्यों का प्रतिक स्वतान के जीवना की स्वतिक किस है।

को है, या नहीं। वार्षा एक वर्ष ने बोर्च एक ही अपना भी अवस्थानी कहा करें। को लाके हैं, वो विसे कारायणे पोते हैं किया में दिन बाती है, तोए कहा है। के इस्त्रोव में बाहुँ पह बाती 1: आगे बहु में देशा नामाहे हैं। हो महाब है। आदेव पूर महाबूंक बात-बाता की हमा बाता है। किए की मांग कर देशा है। आदेव कारायों का मुंदि हैं की बा बाता में मांग है। किए की मांग कर देशा है। कारायों कारायों है। कारायों हो में है में मांग बाता मांग हुए हुए, तर्मां हु कार्य मांग करायों कारायों है। कारायों है। बादि हैंसे मांगी की आते मांगा है। की बाद करों में मिले हुए नहीं है। कारायों कारायाला में मांगी करों के स्वत्री कर में कर हो की बाद करों में मिले हुए नहीं है।

#### EST-RY

नकी सर्वेतार वर्धानोन्तुओं तरिवा है। इसने क्या और पायबील को सम्बद्ध है। बहुी अधिनार्वित के सिंह कुत्रम कारताकों, तुस्तर पर अधेत, अपना देंगों और दर्श देंग भी मोतिबा है। इस गरिवा में पने गरे पत्यों भी ताराम संबदी भी स्थापनिक अभ्यानकार कर पर्द है। अभिकार सामकारण मोत्र के अनुसार—

"दिवा प्रस्ता क्षासार ने दिगी क्ष्मास्थी भी मानन और स्पृष्ट किया, वर्की कार जारेकारीयों के वी क्षिमी साम्बन्धर भी प्रमाणी में निजने हुं के कारी जा प्रेरंक कराया । जारा क्षित्र कारा पूर्व के एक में कार बूर्ग कार्तुक्त है पूर्व, क्षेत्रों के किले, दूरा ने कार्त्र निकार और समाप्त के पाष्ट्र किले भी आहि

की लिएक कुछर साहद से एकता में यो प्रांतनांवान केरण है। ऐसे ठाउँ-की सभी की सारकारण परिवर्तिक होती है। सुर्वित्त कर्ता केरण है जा ती है की मान केरण पर के लिए की कार्य करता कर किया है। उपरे उपरा भी हुए पुत्र करती में कीर मान क्रिकेट की कोरण है। उसे राज्य मान प्रारंत प्राप्त करता करता पर वार्तिकारण है। कीर में अपनात में करतीक करते के कुछ का में सीच्या दिया है। वार्तिक करतीक करता केरण है। कीर में अपनात के लिए की पत्री पुत्रपण हों करता दिया है। वार्तिक करता केरण करता केरण है। कीर करता है। anyt is felt einem it writ minfre mint, speci, febrit web (meh. wordt seine) orde er ferbilbe we it unbe fore it i un fefenen it offer uries को क्यारिक करना नांव कर प्रचार गाग गा। है । करि की प्रकारकों के स्थान and made ware a weerer in steel it within fitter are made it .

"benev at it feath it, also it meantail street all years it would not the own at marrest tolins at 2, at 69 at wires also rate-rang and à une à ; que est mai que éjus por repolie el que à mai cale one unave A name of time of his officer measure of the follow of his own sein der f :"

## (a) wheter spront

who afterwar at state work is that air polys were it a see what and at the at free! It was all first \$, on other it all orders at the कुत अपनी है । इस्तेश महारा जरने जानको पुरू बनने ने दिने करनी सेतियों से बनते are notice over most such it is such sirely firstly to the provider or it is perfection (appropriate enfoy) on med sourcische effent in new aber il unit and he at my rife is me that at more of fear & ; so eleber & बहुबुरिक्टर के बोद में प्रयाने काले बावियों में भी अपन में माजब की प्रविचार है । more worth prices; at most real it that office it must it for more it at which it states stom It and floor it ; on one-arise it bit size about pair element & feet eat \$, foot effeit & and other from \$ 1 merc को है अपने अपना में अधिकार्यकरता के जीवान की कुमारेश करने के जिसे और कहन अवंतर्ववद्यां को प्रधानकाओं कर से काल सरते के दिन आंतरिक प्रधानकों को ति अंतरिक

"suby selt mir. where, were, six, ware, other, sort, white,

"ein, mut, muth": "feetin works" soming at "found" when styles wen-

and it part year it I whom all young all offered-

"who stimult for all

1. est Spit ere, an Respect for, to that I शिक्षणं चार्याते, पापुर, (सीक्ष्य सुनी) !

5. at 8 pr. 895 1

### where well is not 10° 1

"((रामार्थी" प्रदान कोरों की जानों तेना के एवं नोंद को पहारों है। इस बहुतों के को दिना। जा पहारत "विद्यान" (विकार) है। इस एविट्रेस कर है, एविट्रेस तेने जनतार में को वारे दिन्दा में है, वार्य को जाना निकारों के हुन्दे हों होने बहुता है कर में को की देन पहार है, वार्य का नान निकारों के हुन्दे हों को को वार्य के का में को को का पहार माने के में का जानेका के पहारों का का बहुता के हों की का प्रधानत माने निकार में का प्रधान के पहारों के माने

है बंबस है । ,एककात्र, सु महस्ता है ,ताब कू क्या हू तैय पहुंदा, । यह सहस्ते ,ति कु सक्त, कामकार्थ कु प्रश्नुत कुस्ता ,ताकका,, ता प्रतिक्रम स्ट्रिट

d neten all allent neufenen ab eine ft medmelen & :-

क्षांत वाली कान कवरी?

बहुत हुए हुए कह की हुए जंगा को गंग नहीं है। इस स्पेट में बहुत का कीर शहे हैं। 'सार कारो' एको गरियात है—संग ने रहने जाने नामरिया कार ग्रीर कारो नामक मान्येत गांधी में हुई और अस्ताव के गीत मा रहे हैं। अमेर नहा स्थान है।

(१) समान्य राज्याको

कार माने परिवेश के बुधा पहार है। बहुने संपर्ध क्यों करता के यो किसी है, इसी जिन्दों को बीधी कुमान किसे वह देग्योगात के पाल्यन से डिकेंड करता है। वहसे जानीमा की तह, हरसाब सम्पानी के सामय से पुस्तीय होना स्वाप्तिक

"least, step, ett atti, app apan".
"dise, afont, kindr".
"excell, sink, are, excert".

"क्यान, चारत, तार, स्वयार" "मनी तो पुत्र पते हैं पता", "मंत्रीर" बान्य नवह की प्रतिद्व करिया है। इसक्त करिया राज्यान सम्बाधने से पता है। सारम्ब भी से प्रतिकार करवा है—

'बड़ा फाबल मांना है आब मरी गांवों में हुस्को आप''

- ६. विकास कारीने, समूद, ५० १ ।
- १. संबोध, समुद्र ।
- 2. fermin wealth, age :
- थ. पुत्र के सात, समुद्र । थ. गंकीर, साहर, इन (६८)

भिया नारणां उसी जरियाम रिवान नेपारी भी है, उसा सहत सुपर प्रस्ता से भी है। जीवरों ने ने प्रोक्तेन हैं। "रिपो जीवर्ग प्रमान हुई स्थितों से असिन्स है। "आर्था" तम जातिया समान सहे, जाति हासन असे नहीं में सावता नार्य है। "जिला" कर में स्थानका है, "ता" में की क्यूनार है, वह प्रमूत्तर को स्थेनका

"ferrie medit" di ufaz alles à "infare et messer" i ce efect à faile virole à "avoiei " ser est min à :

्रमुक्ति में मान कर का पुरस्कृति करना कर का पुरस्कृति करना। बीवर-बात कर करित में प्रोत्तेक्तन पहार्थ है, बीट पुष्टकार के केले पूर्व करित में बात की मान करना होना करते, विशेषका जाति को नकति है। "पुष्पुत्तेने" विशेषता का गरीन विशेषता पुरस्कित केले हुए हैं। कुत्रकृति में विशेषता का गरीन विशेषता पुरस्कित केलिए हैं। कि किसी में भी भी भी मान करना है। "अन्य करना मान कि मान कि मान करना है।

and eights \$ :--

Egil TC "Sitte" regard out will not been all  $\frac{1}{2}$ ; not more an item write from our  $\frac{1}{2}$  in "Sittes" in reserver "Sittest" and our purior will from our order out, after some  $\frac{1}{2}$  and  $\frac{1}{2}$ , will be "Sittest" more  $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{2}$ . In the "Sittest" more  $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{2}$ . In the "Sittest is supported in the sittest of sittest in the sittest

म में बार्क प्यार भी गई परिभाग देता है— ''कार का को को की

भार की सहा की दिशाला हा गई है। "हुई-पूर्त 'क्क ब्रेस्टना पेता होता बार की सहा की दिशाला हा गई है। "हुई-पूर्त 'क्क ब्रेस्टना पेता होता है। कह कावार रखें निया कहा है, हो ऐता बेड्डिया है जाता है, सामें पूर्वत कहा है। कहा कहार की करन कहार है जा जाता भी उसने दिश्लेक करा है, तमें नियी करना कावार में है किसी हो कावार करें।

. ....

अपूर को को प्रतिकारों है जोशनंबरता तो जाशनकारों जेन है नाल करते है हिंदू स्थान के जानी का तालेब शिक्तत है। यह सामायां के पत्त के हैं कि है दुरुष्कुत मां राज्यतां को शिक्तत है। यह जो को है। हिंदी की है, जीत है की सामायां के पत्तन ने जाद का पारह पतिका है सर्वक्रिय आसाई दिवस्ता है जान

रिकारंश बरावेंगे, बाहुर, १० ००।
 र्ताकारंश बरावेंगे, साहुर, १० ०६।

१. ओ चेर नहीं सकत, सरहर, हुन कर I

स्वतः करीतः होता है। एक्के क्षत्र हो आत्र हिम्मी को मानते ही नामा से प्रधा-प्रधा को प्रकृति या स्वर्तस्थान मुख्येत होता है। एक्के क्षत्रः हो जान देखा भी नहीं हुआ है कि अर्थे दे होता जो तालय संस्थानी की पहार नामति एक्कारी में है है। प्रभाव ने अर्थिकाली का भी निर्माणना भी हिम्म है। हुंब उत्पादना में मेर अर्थाहरू तालों के मेल क्षेत्रहर्तिक्ट क्षारों का महेता भी निवा है। हुंब उत्पादना प्रदान है प्रमान

"Nest, giber", "leise, Senge", "ektor, plass, dayk gib, allest", "see, felial 1"

"को क्षेत्र नहीं कक्ष" शामकांत्रह की वरिष्ठण अविका में "बर्रिका" समेर का

"बहु पान शार्क ग्रहा थे रिकाम वर्ण ग्रह गार

व्ह चीतव

स्वीय वा को बिन्दी, तथा विने यह प्राप्त करना पाहता है, पेने वहां सीतन के का में निर्माण किया तथा है। निष्यु पर, यह पहला कर द्वार है कि बार अपने अने किया प्रमुख्य पत्ता रही है कि प्रश्न केना बारी किया की मध्ये अपने कर करते हमाहित कर महे, और तथा को को को कोई है, जब पत्तिका है जब सीत है कि प्रश्न करते हमाहित कर हमें। किया हो के को की माहित स्वारण के नाम को हमाहित है कर साथ माहित हमाहित हमाहित

"भंदोर" ने स्टिस्तान सेही सी विकास है—गिराहा प्राचनका प्रवचनका । "को कार" प्रतिकार में विकास को हो। वर्षका है। वेजून बन्दाकों के वह बनेवा में का वानों कर बनों का बनों का बनों के अपने हैं, "विकास" बना का उसीर हरका है :--

"शिक्षावाँ" कमा के अधिकारण है, जातोंक देवा के हिन्दी कियों कुछ है, जीत कह विक्री का को परिचारण हो। कुछ है, जीत कह विक्री काना को परिचारण कर कुछी है, तेन कर जह समझार प्रदास हो कुछ है, जिन्दा कर कमार्थि के नाम को कह जोड़ ने पहुंच हुए उन्होंने के उन्हों की उन्हों कर है। जिनकार को नहीं कहा पाराजा को अधिकार दिवार है। पाराज करने कर के लिए के दिने

<sup>5.</sup> fescrip weekly, more a

५. मोतारे को को सुन्त, सुन्तर ।

१. जो की वहीं तथा, प्रापुर । ए. क्षत्रा का क्षत्र कर, नशर ।

<sup>1.</sup> of the salt max, may , go 4+1)

effect gives for ref. ob a new mode flow small it made any and ref. ob some को धार्मित करते गाँधे, असीह सह समित्र को समूचिता गाँधी ।

"dart merer" it mirem ? is shott-oil an eit frer it eingret it pe net à 1 met un mar it un affaire il maie faue à 1 milere etempe albeit mit, wer ab bebe femme ft :-

THE REAL PROPERTY AND ADDRESS OF

and School and "

per clie or this failed at my work at at about and it feme ally tradify is factor enjoyed; ally expecting from at final-बीर यर-जार्जन पर माजारित प्रविकालकारों अन्तावी का स्ट्रीन है ; देवी सचित्र Sanfer are agrees all means all annue de la "Thefore" maie mett de findame met de area & at mor mode & ; "finder" are so so & conv ; and or sol ar

## बारकी बच्च कर किया है, देनी नहीं वो चपलाई हों को स्वीत होती है।

wife it were all books such is feet after your all above such in feet and a vestigate or year floor \$ 1 cm way \$ acte it each one or ways. gher & me from effichte in several, power more entre med girelt family in प्रदेश संदर्श और पारती के दानों का प्रदेश कियात है । हुए उनके बच्चों की प्रवक्त and it afts at find states or miner toke still the other me mail in one के तेनो सम्बद्धारी भी प्रत्यात को तार्थि सीची को स्तरिका को करत बना है। वर्षित है इन्हों रचनाओं में हुने तकार की अपने, पानको सम्मानकों की उनेकार किया है।

"strengt, feer avoite streng, even vere", "sare of bure, flood"" "dist, garet, strept""

"gland general" an along 6 sport \$ 40 "scorne" are or sales

"Season of on all separate hi"

का और है का को सम्मान क्षेत्रक है। वह बाहे की हो that moult it to we would, you said finance even as form or up

a which oil of your person to \$7.1 c. 4340 40 40 sam, were t

श्री क्षेत्र सही एका, महरूर ।

v. feetre चन्त्रीरे, नामुद्र । s shell all all arm, merc, no 57 1

Formal & 1 strategies --

women our scraft at \$1 street on wind on short \$ flook then

क्षेत्र परिवाद के प्राप्त के प्रतिकृति के प्रति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति

"बेलानी अध्यारार" आँग्रा निष्ट चापुर को यनस्य विशेषताओं को अपने में सम्बद्धित मानते हुएँ परिवर्तिका होती है। अंदेवी, वर्षू, संस्तर समाप्त सम्बद्धानी के स्थान प्रकार को लोगे हैं।

'जिस्टी के शान पर

Fred sh face se"

"सिकां" कर रात्रकार सम्बद्धा से कंपर में किया रहा है। अनेक एक् दूबरे एक् को राज्यका को काम करने में नाम है। "निकक्"—दुवें आहे को नाम में राज्य को काम काम काम है को बढ़ते हैं। नामक में बान उपनीती सम्बद्धा निकारों ने नाम पर किसी को हो काम कर पार्ट है।

#### (1) side massed

सामुनिक राज्या के दूस में प्रकार साथे स्थान में बाहुरिकाल को संपादकर हैं विकासित हो रही हैं। सामुनिक समात में अनेक बोक्क्यूम पान राज्य देखें के बता को है, कई जावाहरिक मोजन में जावाते हुए देखा वर बकता है। इर वर्षी वर्ष करिया पर भी प्रकार करता है।

विकारिक प्रकारित प्राप्त, १० एवं ।
 क्रीसरी स्क्री की काम क्रमार कर १० १०

बार हो है दिसे में निकार में करना किए भी करनाओं से कार दिशा बातावार किया है। उपने हैं हैंना दीवार में के ने ना बातावी हुए में हैं। उपने हिंदी हैं अपन मोदी देवीर किया की है हैं, मेरियु एक्ट कारण में पूर्ण कर के बारों करना है बिजाओं में बार प्रितिकृत ने चारिया है है है, मेरियु एक्ट कारण में बार प्रधान किया है। करना है बार प्रधान के मार्थिया की मोदी कर की पर प्रधान किया है, जब की अपने बार्ष मेरियुओं में क्षाना में बार मेरियुओं की मोदी है। मार्थ मेरियुओं की समार्थ में बार मेरियुओं मेरियुओं की मार्थ मार

कीरत में सरवूद हुए तमें पर बहुत करते की पात्रतीय वरिवर्गक वा प्राप्त करने के तिए मेल कर्मा के वा मेल दिवर है। "जितन, कारतीय कारतीय (स्वाप्त है। "जितन, कारतीयो, साम्रोतियाँ", "जितनी, कोस्वार, एउन, रेग्यार, इंटेक्ट", "क्रांच (जिल्ला) कर्मा कर्मा

"स्टार्मण, निर्माण, निर्माण "
स्था-मार्गण, निर्माण में स्थान के केम में भी पर-विभी पर उसेप हुआ है।
"मेरे बैद नहीं करने "साम केम्स के केम में भी पर-विभी पर उसेप हुआ है।
"मेरे बैद नहीं करने "साम केम्स हो। "साम के मित्र जनकराँ" समझ करिया पर-वैभी भी होन्स के पहुल्ला है। है। स्वामें मीरेन साम असम पार्थी में उसेपी के उसे सामेश स्थान केम्स करने सामेश केम्स साम केम्स सा

with origin area it forced by a

न्यू अंदेशी सार है। अरोग बहुत वार्थन है। "सारवंगायोग" किया गाया इसेटों के इंडोडी चीन को देशने के लिए उद्योग में लगा है, पड़ों उपार रिपार्टी ना प्राप्त इसेटों हैं तर इसे जाने नात है, पितार्ट प्राप्त का में में ओर में की से क्षेत्र केटों हैं। कार्ट में नार्टी में में देशोंहर को आंध्य में पाल्य है।

"पूज्य देश" परिवार करोगा की पुज्यपूर्ण को असन में एकर विश्वी पर् प्रतिकार है। इस वर्षका में भी अंगा, वर्डू, संकृत, अपने-पताकी कर्यों की मन्तरत है। इसिंदर है, पत्रम में एक्ट मार्थिका सर्पने विश्व "बीच विद्यादिक" विशेषण का सामेत

मो सेंद्र गढ़ी करा, मानुर ।
 मोतके स्ट्री सो सामा, मानुर ।

श्रीकटी नदी की सरका, नागुर
 शाकी पंदे मर्जनार, मान्यर ।

थः राज और दिस्तिः, सामृतः । ३. विकासि परनीते, सामृतः ।

६. श्री संब नहीं समा, सामूर, पुरू ६०।

"रिक्टिक" संदेशे कर है, इह सब वह सरिक्ट राष्ट्र है बहे को दहर warmed and it is under it firefer over it are say after our side or afavor b to bit limit out the Northal at one b they are b as on eft sha and out are 2 of mor f :

"Most aware", "Girth oit eit eren" wonder, eb ofers wien-\$ 1 "e-lean" are at only feart synther b....

meritic until minuser."

"surfly school" over all ref. (sid as not it, sit of resolutseason many soft in field every it : "extraor" was enforce it : then were फिक्टे वहाँक के सालोगत इन्वेच्छन कर बाने पर समग्री करा हो बाजी है, बारे उच्छा बाद बाल्यात को आने आने नातो सन्दर्श की विचल रही है।

"About recent" often it. "treet" our as all other one other

"built mean manner man"."

Comment with the set it women is not the many sector in a got received an producer feet out h . male analysh prom more delete "app" tak

m 2 (4) section assessed

notes extendor forme feeten abor & ; unit med ik pror sofer ik worten felica soul à 1 sels sur some sà mires mont à, me soit fefette को अधिकार करने की बाक्स स्वादित होतो है । सम्बन्धना में अविश्वित सन्ते का party after this safe use consider man and finance and seferated in facil analytic terr ? He are all seed on freely seem ? Her freely selfs all of other ally one sales or these ther to re year at fellower is on married word affected it freelying on it fench by all more referre all oft-

<sup>1.</sup> Servine weekly, more, no 2 t 1

<sup>1.</sup> पीतरी को को सूचा, सक्दा, 1+ 51 s

बोलने तमें को सामा, पाहर, ६० ६२।

New offer have bless and other on a other faulus? with abilit feeting vigiliter" "our or again family" "ferrin medit" are the six of place after \$-- "are as after" a

ge wieer at sex elle it alle gret lifter met reiebe 2-"Our it forests an our obsess sit of ""

"after the" in ordered such more all forces rate in it is freeze "shows" I cafe è nec) pe (fin è ne è firme et clette alt è en is no it failer from \$ 1 eles age at proper that \$, also us foreys efe ar what it is not very see it from it for and above or order out all ander it : alteres it repe un "enries" en al palte en mans en face series में बह तम नहीं जा पाति की बन के दान बोलबार नात के इसोल है उसी B could refer the contract of the Contract of the shadow his

"way us our art" often it perfer unit at your \$ . afam is wrong of the other bliefs-

''शोकत में है जुरेर सुविधी सुरावती solve) all femous but account?"

"Recove" or occupie set \$. Fem at its bases, one set went \$. अपीत करती (दिया) को ल्हांत में बक्की करा थी. अने नकती है : "पंचवरता" में en auer war, fere \$ : erff unt anneren een aren ee une obe it en è fer et ! : fer enefener melt aus er mene b : "me" med men अगुरुप की करीति है, और विषयना में कहा और सिर्वात एसीवार क्षेत्रर एक नई सर्थ-

"irre et cler" elen it ou etc use mar à ... "Vellon" :

"पंप्रतिका को करो"" सूरी "पंजीवर" स्पेतिक सन्द है । "पंजीवर" के जर्म है वर्ग प्रवस की कोरती : सूर्व तात को पाने तरह कार्रिक्युक सरावा है, की "कंटरिया को समी" chit to en en est to

year act out SIT army I

दिशारिक चलकीने, बाहुर, । 3. mr 8 sec. mar. 1

<sup>9.</sup> Sparin weell, ange 5+ 51

were my stry and appet to 10 to बिक्सिय चरानीते, समुर, १० १ ।

#### (०) को करावा

(a) पर कारण्यानान्य सहुर वो क्रमेरोनुको स्त्रीर है। कार्य कारण में परिचारित ना स्टर प्रकृष्ट है इसिये प्रश्ना के असारी कार्य के कीर्य कारणा प्रश्नाती का प्रश्ना किया है। पर प्रश्नान्य कारणों में आपने के मान्य के प्रश्नान्य की राज्यानिक प्रश्नानिक प्रश्नान्य कारणों में महत्व को कारणों में स्त्री में कोर्य की स्वारण कारणां की प्रश्नान्य कारणों की स्त्रीत की कीर्योगी है। अस्त्री सेत्रीय है। सामार्थ कारणों की प्रश्नान्य कारणों के

- "पूर्ण लोक, विकासणे, लोको संविधा, स्त्रीक स्त्रीक, त्यार पूर्वी, स्त्रीक स्त्राह, क्ष्मान्त्रकार कार्यक विके कार्यक का विकास" "प्राथमित्रीक" ।
- क्षात्र-सारम्, प्रान्तव तर्थ, नारम्य का विकानु''' "क्षात्रा-रावृत्तु'' "मानो पहे कर्षमार्थ" नार्थ-त्राह्य को प्रविद्य करिया "जाने यो प्रति" वार्य-काल रही के क्षा प्रकार से 1 सीमार्ग राजन है—

### "With its-etc

प्रम क्रांतर में "कार्गात-फिल्ट्र" पर का उपोध एकता है। यह भीवत सबि में करनों तेकते (कांक) के पित्री मेंकता है। यह की उपना "कार्यी-टिक्ट्र" के में पार्ट है। कित अपने करती को टिक्ट्र पूर्व कितका भीत पूर्व मूर्व मेंकता भीत पूर्व मूर्व में, उस्ते अपने उपने प्रमें कारका सत्तात है। कि कित का प्यार प्रम्था किते कि वर्षिय का पर कार्योक और जिल्ह्र के कारण कु को माने, यह कारण का करित कारी में तिने प्राथि पत्ता गाम साही। उस्तेत्र सहा साहित्र

"रिशार्टक पश्चीने" शत्य-बंदद् स्त्रे अध्यक्तय पर्धे से दूता एवता है। प्राथमक प्रकार है—

#### "Other sighed and supposed undo the sight freely with all suppose fidels."

"अस्तान रेकि" पर के प्रतिकार है जाए जैसा आपना की हुए साथ दशार का सीर। नर्की ने नीतव को उसाम की तर्का के साथ के साथ की स्वतन्दर्भ की हैं, है कर वक्ता हो गई। कार्न है किन हुनी में अर्थींड से की दिने साथ के स्वतन्दर्भ की ही, है को । साथकिस की जीवन रोताई का विकास । "अस्तान किर्म" गार्की कर दौर है।

हत जनवर कमाननी है रहू स्मर होता है कि प्रशेषवीत की में पह परण भी स्मृत सम्द दम्मरा का प्रधार है। यह पर्वतेष्ठ, साववीत एवं होता के कि प्रवेष समर्थे की निविध्य बोटों है अनेकार मनता है। सम्द बाहे कि प्रथम ने अन्य हो.

<sup>1.</sup> Survive worldh, soge 1

शाकी प्रो बर्जनाम, सामुद, पुरू दक ।

u. ferrin wellt, angr, qo na s

#### ----

माजीरण विकास के पाना की वर्तिक का नाता पानाता है। वहीं परिवार में नाता-रिमारण का क्षेत्रण विकास हुआ है। मानूर की यह की सामार्थिक की हुन हैं कर के में बहुत हैं है कर प्रतिकृति किया के तो अञ्चलन की का मान्ये के ताता है की मीचीर कोली का की प्रकारित हुना है। वहीं को मीचीरण उपपान की मूझ प्रशास्त्रण की बीचे को में हैं

स्थात विकास (शीवन का कांग्रुप्त को क्या हो नगी) अञ्चले करूर (बहु नार्ग विकासर की कांग्रुप्त कहा गुड़ी) रुप्तेकर सुख्य (बहु गुक्त विकास गुल क्षेत्र की नाका जाति।

कारक बता कीया (देश जेंगा जिल्हों एवं सोये हो) देहारी विद्यात (बोचल केत शाहुर्त) स्वार क्षेत्र कृष पूँठ (स्वार की राष्ट्र सोचा)

शेकिन प्रविकास (भग गरिमाना हैक्स समान) सरित की करना (वेड्रॉक्ट प्राचनक)

बद्दिको चोटचे (इ.स.स्य के शिव्ह जाने के पराने क्यो चोटचे)

হুবিনিক মহাত (বিন্দান সকল) ব্যাহান ভিন্দাই (ব্যাহান কৈ দাই বিন্দাই) প্ৰায় কৰা (পৰিবই ই মান্ট কৰা কৰা বিন্দা ক্ল)

कुत करा (पारता न नेशी केंग्रिक मा नार्या है) कुत करीत होंगे में स्थान का प्रकार है, किसी मोस कर, ऐसे की पार करेबा हुए हैं। वे प्रकार ओका के विकार पार्टी का सम्प्राप्त करने के साम नार्य स्थाननिकार की पार करते हैं।

#### ----

करिया केवल करते जा नार्वालय प्रमाण है करन हो गई। होती, जीना मन्तर्याहर करते हैं वह स्थानित करते हैं वह अपना कर अविकास करते हैं है । असिता की स्थान काराय-प्रमाण है हरति करना है, असीत करन अस्ति है करना है बहुता होनद स्थानाएकता और उपना करता है, है किसी करना है करना है वह स्थानित स्थानाएकता और उपना करता है है, किसी करिया

```
में तर्मात की नेपाल का भीत मालक पता से होने अपना है।
अर्थ-कार्य करियों से विशेषका प्रतिक स्थान की सामने से अर्थ करते और
```

इत्तरकार कारण न पाइका कार कारण कारण कर कर कर कर कर कारण कर सह इसमें ने परमाया अप-वह नेकट को तरिव में समय नहीं दिया है, किन् मानून ने अने कुमत कर बहु तो उन्होंनी मीत भी तिमें हैं। कहाएग के उन्हें बन्हें मुख्याद्व वेपीनात्मक सीत की जुस प्रीवनों देशों का करती हैं—

\$341 \$141 \$11, 411" \

शन्ते के सम्पातकता व ताराज्यका का की कवि ने दूध-दूध प्रकृत रक्ष

है। उन्नो जनेव कर भी बारण को क्यूपांत करने की पैधा को है। वाले उत्तर बांक्ड अर्थ-संक्रमार्थ को स्थार किया है। कुछ करों को वर्ति ने बांधकरण का अर्थ-संक्रमार्थ कार बार है जिस्से खुक है—"दूरकार" क्या कीरों, कार्रि । रोजा पा क्यान

> क्रम्ब क्षेत्ररो में विक्ता के बचे

and the right short for "

क्ष्मा के प्रदेश कर कार्या है, "का" को शांकि किस्तर । बीच में "का" को स्थान सम्मान केर पूरो कार मार्थ्य है, "का" को शांकि किस्तर । बीच में "व" को शांकि स्थानमूद मोर स्पूर्ण कार करते हैं। इस उसर "कुरकार" तान स्ट्रो गुण्यान के प्रदार्थ का को जार कार्या है।

> "कारमध्ये तीत तुती बादु पर बहुआ क्लब्स

शीपूरी की संबक्ष कर सीच वा बोधन सरकता'''

वाणी कल्कानाती, ब्यानकात, ब्यानकात आदि प्रान्त वर्षी गुरूत है। उनने अर्थन को अनुपूर्वि होती है, और बहु अभि कुछ निका प्रान्तक बनाते है। इस वन्ती के प्रार्थन के प्रतिकार में अंग्रीपालकात भी स्वीद होती है।

हे रहिता में बंधियातकार की मुद्दि होती है। वर्षि के कीती में प्राथमान के ताम बंधीयतकार कर तककर भी किया है। इस बंधीयतकार कर बारण कर प्राथमान्य एक नार्वाकों का तककर की है। जिनके

नाव मीर निर्माण, मासूर, पुन एक ।
 प्राप्त के कार असर ।

र, पूर्व क बार, पायुर । १. पूर्व के बार, पायुर, ५० ए० । बासर पर बनियों ने जरने कांच वा सुबर किया । यह क्षीदारकारा साहरिक कार वे नीड्रफ वरिया के प्रचल में दिवने कोई कोई के किये बाद करों के यूटे स्थापन

तर: प्राप्त हो पराजा हूं । ''श्रीपान में हैं गुरंग गुक्रियों बुद्धानहीं सर्वाची की विकासक वैसी स्थानकरों

हा बना का एक नाथ पात पातकारण हर पूरुष केव पति बीट क्यों नाजिन्ही

हर दूरचे तथ को बो बाद बनी चोरबी""

हार परिवार में गरिंग में निकार निर्मित्य पान और पार्टिश का उस्तेन हो नहीं निकार है, राष्ट्र उस्तें को उस कंग से अमेरीका किया है कि मेक्स करता हुए अब से पुत्रीका होती हुई गरिता होती है। जहां करने में अपने मेक्स गरिता पर परि से प्राप्त करने हैं और प्रार्थित के अस्ति को प्राप्त कर को स्थापन के अस्ति करने कर करने के स्तर्थ करने

निवर्तत होते हुए दिवारों देश है । बैठे---'वे निवर्तत को कब के बॉबी हकाई

दे जानून के एंक की बीजो पहाई पत्ती का पड़ी है बहुद की कुछाई प्राप्ता करना हैक्साओं प्रदार्थ

सिंद ने राज-कान में पन बाद का विशेष काल पाता है कि काद पानों पा कर्मीयन बीचने हुए और काम की भोगा भी काद करते हुए दिवारों के हैं। वार्यों को वह पाता-कीचन पार्ट ने किया हैं। वहाँ पाताओं, तरित्र काम की वर्तन को भी कामाज्य कर में मार्टिकाल करते हैं— "को कामाज्य के अन्य संक्रा"

'क्राइमी का दाजा और पुस्त्वमां इस मान की मांजरा को दा विश्व से सानी में इस प्रकार के रिपोक्षा है कि त्यार जाने जग पंतिकों में निर्माण होती हुई मुख्यें केले के।

मुद्र राज्यानों में सबी ने कार-विकार के बाब तसिन मा राजा अपेत किया है। इस कार-वारताओं के निर्माह में पुत्रान्त बीचार विकारी है। पुत्रान्त का वह अपन कहिला में रेकार को कारत है। वेके—

'केश ने वा कारा निर्माण कुमारी-रात का मनिका मात्रा निर्माण करा

गांधी में बोड़िले क्यो किया का, काड़ी का पूछ की हाल्डे काल क्या

<sup>1. 100</sup> to \$50 et, 1050, \$- 11 1 2 east at tet st. 1000, \$- 11 1

भीत है होते का दोशक जनम नया<sup>115</sup> भारत के प्रशेषक रोजों में बेटेजों जिसम का जानेन किया है । जैसे

"oes) ये पुद्र कही पर वर्ष हिला हुई हुते हिल्लार क्षेत्रके प्राप्ते

> समय पहले करे क्या केटे करी सम्बद्धार<sup>47</sup>

्या तम पान पानरा प्रस्न करना में महिलारों में में महिला में बहुत मानेवाराओं को नवा बाते को किन प्रमृत्य करों पर प्रमोत किया है. हे अर्थन्य मेंन माने अपनी में में नेकर मुंहें हैं। निरुद्ध को महत्ते कहें, और नीन में मेंनीन क्लिया को पानरी हैं कहा प्रतित्त होने हैं। का महत्त्व के मेंने हैं का माने मेंनी मेंनी महत्त्व प्रमान मेंनी मही-मही होने किया है, माना मान को हैं, बता मानो हो नहीं हैं। उपने सम्बद्ध में

करिता का सामग्रीफ शोलाई और प्रसाद गार गाही दूजा है—" "सामी प्रतिशे सामग्रिकों हैं,

सामीको ना लोगे में पूर्वट कुट पहुन सहरक्षात्र पीठी कर पास बुध्यत्र भी, उत्तरके कारों के बीचे कियर पहुन सरकों की प्रसाद बेडोना जो पही-

हुए का रोग भी होने ने नियर पहा केरों ने अर नामा निरोधा कुमारे ' कहि है हुआए पोमार में अपूर्ण की हुआ का हुआन भी निया है । सम्

कीं ने हुआए सेका में जुजात की तथा का उत्तर को तथा है। मन-स्तियों की पुरस्त के जिए विने ने की नहीं पर अंबर-अगियों के समय गर्यों ने मुक्ता और समया जानने करने का अवन दिना है। की---"(दो प्रश्न की निवस की का में !"

ga ang afic è mei din ain ant l'alga bass et executs antique des angles des à des ent à  $\epsilon$  gener ain again en exister del è fran en entre reneant l'engs à  $\epsilon$  dè ...

<sup>ें</sup>ट्रम, उपने अंते पदा श्रेष-चोर रंग की बात के पंत्रीने, उन्हों-कर्ता, संप्ती, उठ-सी

<sup>1.</sup> वासा पर कृत कर, समूर, पू+ रेक । 3. वासा भर करा कर, राजर, र + रेक ।

नवे कविता का स्थाप विकास, क्षेत्र स्थापनुष्य क्षेत्र ।
 क्षाम का प्रमा कर स्थाप कर १०००

### mit at affelt it set mosts affer.

are 3 for man of all artists if manualities may were it floresse it to we stod it site suprepart the so more explicate....

"करों तरो सहिता में एक नवीप स्थानस्थार, राजस्क्रमा और संवीप सा perfer par it, and that we good expressor, recognitive shall so sh where are size that it is the assessment confinency more all familiary right it of

war all assesses almost after some or some out one all some it i small of service share it is man if some as elect shocks make was all gret per greeftert giel b. abr pelfiet erber einen an were em were होता है । माना को उसी प्रकृतिक तक में एक विशेष कर को उसी के जिसे की गारform the hard set my h :

"when such and or delta \$. So prover, when or sever it do A marie girt &- oft effentren in it en une if uner er alte eb et et met ne mien alle me it moneiles alle after errent it sonderes at tire & re nels orde, one alse one & ; are near wrote note & awager ift if and afrager, palme, ate afrage more fine up &, com कार्रिकोड साथ को सामाग सभी को आपनीह सर्वेकाल में नहीं का सभी र<sup>™</sup>े

and it als shafail ar elegis of a labores on \$ 1 of other It are vote all of swifes and agrical at prices weather with pt or-श्राम और द्वार तथ है हान एक्सरियात को अंबेश किया है। वर्धन पार-बीज

a) errorror and it offerer ark it are at most about me at most it. क्या प्राप्त हैं तातों हो अवह-स्वतह स्त्रों हो त्यों स्पी प्राप्ती है : "og og at folgs oper sen, enege enege, alt senner to

क्षी के आकार कर कुछ कन्द जीवित पहला है। मुख्य क्षम की गीवरों का राज्यना वाहा म होकर कापरित है। जलका असाह, वाल, वल, वालों और जारी हाप बचुवालित alter & 1 measure one par aire alt the clim mean ent 1 par affect & fects ' कर किराजा है, मात्र करना दल कर किसे, पर करने बाद पूछ कर की तत्तावारों पर दिशी का शबार न क्या ।""

<sup>9.</sup> MIST ME WAT DY, MINT TO 12.1 स्त्री स्टीक्टर पर व्यक्त प्रिकार, यीन क्याक्कुप्त श्रीम, प्- १६७ ।

t. 441 fe't) wise, Wie forguit fee, qo bic 1

and actions are upon from the employed the per new a

"बंदो करिया में क्यों की विशेषत यह है कि में करनी प्रति के बार पर प्रेट फैस्सा बढ़ते हैं, 60% वा सुद्दार नहीं की 1 वहीं नवी करिया में दब नदीर स्ट्रा-एक्टर, इस्ट्राटन वोर बंदी कर मध्योगी कर है, को इस्त्रामधी यह दूरती स्ट्राटन इस्ट्राटन और अंबीड का भी मेंझ था मंत्र है, को इस्त्रामधी-यमिक्टर स्ट्राटन इस्ट्राटन और अंबीड का भी मोड़ा था मंत्र है, को इस्त्रामधी-यमिक्टर स्ट्राटन

क्षा स्थापन ने नेवाल कार्युक्त के अपने में महित्य प्राथम है. महित्य प्राथम के प्रायम के प्रायम

हुत्त करून अस्तर के प्रताह है। इस स्थान के स्थान का पा कुछ कर बहुद करून हैं। पुता कर अस्तर प्रताह है। इस स्थान के प्रताह के के प्रताह के क्षा के स्थान के हुए कर कियान की मेटा की है। इस स्थान में दानें अब पने कविनों की असेवा अहित प्रक

याहुर को ने श्लेशन मीर शरासारी माबि राज्याताल क्षमी की डोड़ने के राष ही काम उर्दे की "क्शन" और "शहर" की नव के जागार नर जमा कोंगी क्षमी के मामार पर एकता की है। आहुर को के काम में क्या हमानी तथीरता के बुक उप-

नारी कविद्या का उर्जन विकास, प्रोत स्वाप्तकृत्वर कोस, पुत्र १९४ ।
 ताराक्षक, (काल्य) वाहुए, पुत्र १९६-१९६ ।

<sup>3.</sup> WE SAID WISE, HE STREET, THE TA LEAD I

"भाग है सेवर के की कर, देशिय काम की पापुत की विको की की की केवर के कामों में दिवा कर,

केतर के कहती में हैं सोने की श्रीट-शा

शेक्टी कोडों में बॉडोरे स्थात के कुल का रहा है")

क्ष्मिक करिया में सबैधा को जीवकर मुख करा की एकता को गई है, किसकें बालादिक स्टब्सा और संस्थापकार का पूर्व निवाह किया गया है।

क्षेत्रपुरक्ष नरस्त्रा वरः कावक्रम्बन्य वर पूर्ण त्याह् त्या यदा हू । "क्षेत्रण की सीक्ष" करिया में क्रम-एक्स सामारण विश्लीय के तिहर समझ के ब्राम-राम पर की नई है—

> "में नमें राज की है क्षीत नहीं एक और वर्ष की विरस्त कारण के दुब नहीं पर पर है कर कार दुब का की

दुनिया और क्षेत्र होक्यों सा<sup>न्त्र</sup> "बाम की दुर्ग" जीवता में उर्जु की बहुर को होक्यर वर्गने बहब्बल और बस

H Marie es on Su me cal 9-

ेबल पर्छ छेन हमा बदल पर्छ गोवन

क्टल गया माध्य बा नई द्वा से बुक्त गरसाई

og car fire at alless toon feet sern it most nick

बार में देर उठ को नाते<sup>118</sup> सोकरोड़ों में बाबर पर का कर कोसरा स्थवन होती है। देहें गोरों में सोकरोड़ों का अपने प्रियत पार्टी है। शोकरोड़ी दे पार्टीक मोल में लेखन को मी स्थापित को से कार कार्टी की स्थापित के साम की

है । इस इन्द्रि हे "बोक्से परमा" सीक्सेन महत्त्वृत्ते है— "शबका पास कार का पूरा बाज था

देशों प्रोक्ते एक की नार्च मुहत्त्वी नार स्कूमी रंग पूर्व स्वक्रम है, सिक्ट पूर्व है प्रशास की प्रोक्ति प

. सह और विश्वास की चीवती "" 1. सह और विश्वास समुद्र, पूर्व 111 ।

6. Ma ge mat tande de age :

६. हर के सार, सामुर, १० रेक । ४. हर के सार, सामुर, १० का । काल में वास्त्रपायां का निर्माह करने हैं जिसे वार्युश "मीराने पाया" नकत मोतानीय में कॉट ने पुरस्तानी में स्थान गर "पुरस्ता" करने का पार्टेस किया है। इस में "पुरस्तानों" करने से समार पर सामार द्वारा करने भी उड़ी राजा है, स्वीकि देवता सामानार में सामार कार्यों कर में मार्टिस मार्टे

बाहर में ने अपने में ने ने कर एकी पर फा दिवा है। ऐसा उन्होंने पात्रक है। क्या करने से किने दिवा है। जा एकि ने सन्दर्श के के दिवार एक्टर है— "क्या रोज में नेपा कार इस हो तथा है, जिन्दू का के अनुकार परण की नावार्ड का बीजो होने को ही, की बुद्ध वाले के निसं सामान्यक पत्रमी, जारीनी का किने क्यों को स्थानों को, जान कुछार कुमांकिक पूर्व दिवा है।"?

कृति के इस स्थल को पुनिंद ''कामा यह पूरा मन'' नावित्ता है स्वयन्ता की बार नावेंसी है— ''का है जा केवस है जाता है जा सरकार

```
विकास ही दोश है जाता ही परवास
प्रमुख का संब-दिवन केवल पूर्व हुन्या है
का श्रोदार में दिवते एक प्रमुख सम्बद्ध हैं
```

and start of the section (see eq.), where it gainst account  $\phi =$ 

```
"रोज है,
पाना भी प्रेमशी पर क
तम जिल्हा कर पह सम
कुटा नहीं।"
```

तमी मनिया प्रीमाई और संशासकाई, मामूर, पूर १२३ ।
 तुम में मान, मामूर, पर १०१ ।

<sup>2.</sup> fem (a week), ever, to 21 i

"रामा" कर में एक नामा कर होने पर को हुए वर्डिंड में आंतरिक तथाल-

कता है, आपस्था नरपा को कर्ता प्राप्तकों नहीं । स्वयंद है कि राज्य को ने मही भी करों के अपना को स्टीस्टर कही किया है ।

समाज्यान व पार्थन की राज्या के काल कही नहीं भी आहे हता पर करने की अञ्चलका ब्युवन हुई है, जह अनुति पूर्व समाज्य के कार किया है। इस बंदर्स के

"अपने कारपाद जोती में की विकार विकास और एंच बीक्या का विशेष Sale राज है। करनी रेजियर परिश्वार तराये परिवार के ही क्याह है। कार जी नरीज स्थानी या करा की जिसा है। त्रिकोर प्रकारका प्रश्नात के ही, तथा करन और स्वाप्त

भागमाह को राहुपान करें, भागमाह उनको जानिकाल की नहीं !'' संप्रकृत की ने हुकाल करेंकार की तिकी हैं, जिल्हे हुआ उनके की लिक उनक किए जो ने हुकाल करियार की तिकी हैं, जिल्हे हुआ उनके की लिक उनके किस हैं। उनकी प्रमानों ने भागियोग महिलाओं का सहारा कर है, किसी सहारह

हिका है। जननी रमरानों ने भरिकांक भरिकारों का सरकार तह है, विकार सहस्रका है ही नहीं, में जिल्हा की हरिका के करिया न होकर तक में भरिका करोन है, की "स्वर भी हुव" महिदा की दिक्त पंतिकां— "ति के पता को तक करीका

नव स पांच मूचे का ग्रीका, किसके कार्ते का पंत माल हवा

साम का स्टिन्टा-सा क्षेत्र हैं...

स्वपूर को है अपनी एक्सानी में निर्माणनिवास प्राप्त का स्वपूर को है अपनी एक्सानी में निर्माणनिवास प्राप्त का स्वपूर की अपनीता हुए कभी है जिस जाए उनकी होएं, जावान 1 पर अपनी से अपनीता हुए कभी में निवास पर के पानी था जुस कि किया है—किया है अपने प्राप्त की साथ किया है जा पहला की जाता की स्वपूर की प्राप्त की किया है जा पहला की है जा प्राप्त की किया कर में निर्माणनी की स्वपूर्ण की किया कर में निर्माणनी की साथ की साथ कर में निर्माणनी की साथ कर में निर्माणनी की साथ की सा

बीर कहा सकत होर कर में पुतारक, स्वरूपंत कर में "पीडरे वरसा, प्रतिशी बीर किन्तु द्वार में "दात देखना की करियादों" मेरी या करती है। करोटा विकास के स्वरूपंत कि स्वरूपंत की करियादा पूरते हुए क्यों में

होत के को कर का निर्माण निर्मा है। या करने ने का किस्तुबार निर्मा ने निर्मा है— '''कर को के कर सिक्षण ने करना में गटि वह बहा जाने कि उन्होंने को

"राजूर को के कान रिवाल ने कानना में नहि ज्यू कहा जाने कि उपहोंने की तरीज़ की बुद्धकरादा है। जानन को है, जीवन के बोच्यून अवह की दायि जो की, दो क्यांकिए जार्जुर्ज न होते । जाके निये जानों कहन नोकन कराने जाति ही बनावानी जानी वा सकती है।"

१, प्रूर के कार, कायुर, श्रृतिका, दुन १४ । २, प्रूर के धार, जायुर, दुन २४

t. est (pd) eve, me fengere fent, go 150-to-

िक्कोटः प्रमुप को भी वर्गताओं द्वारा परण, निम्न तथा राज्य के एक कुट और और मिल्हा तेत का स्वपन्तात द्वारा है । अपने सार भी वर्गनाओं में (सनने सार को संक्षेत को) अपने अनोगों ने स्कूत कुछ मार्ग वर्गन निम्हा है ।

## (६) शस्य संगी

को कवियों में मानूर भी हो। एकपार ऐसे स्वीर है। निवास समान में संबंध है सिरंग कर हिंदरता होते हैं। उनके पाल में उत्तरासारी पीत दीने में सेवार अमूर्यक्त कर पर, जबार पर (एकपारे की के तर में को है, निवास समानी कर प्रतिदाद पालके भी हुएगा निवास है।

की सामका विभागे में नामा जार किया किया हुए नहीं है—को नामाण का तीन की स्थान की में किया है है कि मान की की किया है है कि मान की मान की

कुमर अनेत किया है। उनके बान्त में रात्रे बाने बाने काम कामा-कर रख उकार है—

## (1) wist (fefce)

प्रमेशों या पानमें करायात नुत में कारीयत विकास है। इस प्रकार की करियाद समुद्र की के प्रकार प्रमान कीया "पेकीट" में निकार है, किसमें प्रकार कार्य की रूप-कर क्षेत्रीतावार में है। अर्थात्वार कार्यों में विकास स्वतंत्रात्वी की द्वारवारों की

व्यक्त स्थार स्थी स्टब्स्स

तुरने तरबार विश्वको राज्य बाल बना बज्र वेचा पालर में नेरे बोधी ने (बन्दर्स)

तुर्वते समझ शिला का काक्ट दुवने स्टेशा हुन कालकर

First age above got men one of eliquor."

(4) the

क्षेत्र के समस्य में समूर को का क्रिकार है—"में क्षेत्र को अनुसूर्त का अनेक

1. जान के जोक्सित दिनों करि--काहर, केवल कालोवी सक गोधा, पुरू देश : 3. संबोध समार पर १५ । for size  $\frac{1}{2}$  : of examples of looking its construct which contributes all mode after appropriate for  $\frac{1}{2}$  and  $\frac{1}{2}$ , and  $\frac{1}{2}$  is constructed for  $\frac{1}{2}$  and  $\frac{1}{2}$ , and  $\frac{1}{2}$  is constructed for  $\frac{1}{2}$  and  $\frac{1}{2}$  and  $\frac{1}{2}$  is a superior of  $\frac{1}{2}$ .

क्षण के पहुँचा हुं चु कर वह का हुए के वे पहिल्ल हुं। मीते में रामारावार केलीक में भी सहस्र को वे पहिल्ल है। कहीं कोर कर गाँक नेले "क्लो" का निर्माह की निर्माह में आवित्रक में उन्ह क्षण कुरार कहीं में के बीच में अनुसार मीति का नील में किसा है। प्रतिक क्षण के बाती भी कहीं हुआ है।

स्वतंत्र्या भी भिग्ने हैं : "हेंपनी पूनी" कविता था एक प्रस्तृत्व कहूत है.... "भाग विश्वता है रही जा चीर तीतव सीन काने स्थाह सोना चीर हो कम

बीन को त्यह संका चींब हो बन वर्षे उत्तरी हुन बरका चीट्यो मां शाक्तुशी भूति मां हो तातु वाल्या एस्टिये हेरूमा बी

हत हुवर है। कुल हर नर हो, स्वीडी<sup>47</sup>

मेड के सामन में प्रमुच में भी मांच्या पूर्ण है — पित्र के सामन में प्रमुच में भी मांच्या पूर्ण है — पित्रच्या कुमार की ने मुझी बाद मान्यमंत्रिक साम भी तुम्ला में बरामयं के हात्य मीन की मत्र मान्य पर प्रमित्रिक सिका, भीर भी जायानों मीन प्रदेशों है जावान के भाग भी जिल्लाकामा भी मोर मोत्र मिला । स्वाप्यमिक मीत्री में साम भी में कि प्रमित्री मी जाता है कि जायों मीत्रामाल में स्वाप्य मीन मीत्र

क्षीपर्वश्रेष हैं, सारावी रीजीय गहेंगें । हैं बहुं-बहुं वर्षित राजनावल करावार का भी जांच किया है, किशें आरण्य की ही लेकिन कियती हुने काम है जिसके हैं कहने क्षान्य मारा जीने की राज कम बहेंगे हैं बहुंगें रक्षियों भी मुकल होती है। वह उसकर की मैंकी का उनीब मी

बरपुर को से मान्य में दिखता है— "कारा का कुछ, कर होटा दुख दुख, कर बोदर हैं दूर्ण होंगां चुहारती

हाविशों को निकल्य केवी जरमानरी हर पूर्वत केव रही कीड की कॉन्टर्स बाज के दूरों की कार कवी भीतवी<sup>र र</sup>

वर्ध प्रक्तिः संस्कृतं और संस्थानमर्ग, समुद्र, पृत्र ११६ ।
 प्रत्ये साथ, सानुद्र, पृत्र १११ ।

२. पूर से धार, रासूर, ६० १९१। १. साद हे भोर्बारर क्रियो वर्ति —साहर, वेसाम सामेश्रे, १० ४वेथ, ५० १०। १. पूर से धार, माहुर, ६० १०९।

अंग्रेडी क्यार्ट में सम्बद्ध पर सामर भी ने फोपमीय भी विशे हैं। सोकारेड के affected & Food olds online & forest all to stock all alleuri conable is four or feel "entern" mon when or source — "new or our most as majacer and

way one fact any errors are use one unfo milde an of one

> er at your most feath ART THE WOODS अपन कारत के बरण कर को क्षे पुरुष को शर

### (६) नोलोलीन का एकानार

रीतो के बार कर में करिया में बारण निर्देश प्रता है. और ओवर बीट प्रता B can make all when it should a second on more right or all offer fight is refriended at the second and it is not often in your off all foreseen

और पार्ती" क्षान्तर प्रहानकृते हे, विवासे सम्बद्ध स्वार विर्मृत क्षेत्रर को "कार" who is make it on it was from it : "per ne sel

Press & milita nos norma merr men Order were 2

elfen um i

era up wefe up ur"

## (a) monte seve alors dat

इस कामा-पन के जारानेंड की पानों आदि के बाल संबाद होते के बारत excellent all features all study I, flory spread days receive steam is face. होंदे हैं 1 माजूर को ने इस संकार कैसी ना कारोन "देह को सहकार" स्टीकर है किया \$ 1 pril selv alv or it alv occur person b :

```
1. ge it me, seet, 1- 10 1

 पूर के साल, बागुर, 50 थता ।
```

"यन ने करोर से पूछा करों है प्रकट सावर्शन

nees design any gi an

स्पूर्त की कर सार रेड जरती है

हिन्द करी प्रणाती, पीती है, परती है × × ×

क्रम् में व्हर में किर आर्थि

रेडू की श्रीकी दे हुदिहान, जल्ला को क्यो करितिय

रे बुद्धिकार, जाल्या को क्यो करिति है देशु-तेज की व्यक्तित सावद्यतिकी

there is not a

(x) su-fers

बार-अधिक की नहीं। सर्वता के तेल में की वह कैसी का समीन हुआ है।

पहले जर्म की सर्वारत सरके द्वारत केने को प्रतिकार का अध्यक्षित है। एक दिवा का अपोर्ट पहले को ने सकते नकीन साम्ब सिंह "पोर्ट मेंद्र वहीं स्था" की "स्वार की तील संस्कारत" करिया में जिला है। होत बारत-तमन पानी में साथे प्रतार-तमनावा

et bost ir als febler fear von b-

"से बह केर पुरा है दर कहर नहीं करा

दुम्बुरण हरेच्या बड़ी जनतो ही स्टेन्स्टी ही नहीं कि स्टूट की शावनकार है

बीर काविका पीन गड़ी को बाजा है''

(६) सोक्सोती को कुसें पर अवस्थित पीत

नवी करिया में गावा को गाँवकरिक प्रणाताना के स्टर तक नाने का प्रणा दिना दया है । का सकार के अनेक सापूर को को एक्टामी में की किसते हैं । कुनवाड़ी

<sup>1.</sup> gc k mrt, segt, go 1+1, 1+1 i 2. ah de all met met, to 1+4 i

कोच-सूत्र "एक्स" के उत्तर जाने बाने वाले तीकों के सावार पर अन्तुने "मीडले-सरका" तीक को एक्स को । ताले दिल्हा में आहर वो ने तबने तिवा है—"नोहले सरका" वा ताल एक कुरायों वोजाति में दिल्हा है, तिने परवा हात ने बावन सात ताला है ग" तिन को कुछ रहिल्हा देखिए .

"उसरे गोर्च कुछ वर्ष है औरती वीच पुरोक्षे कुछ वर्ष है औरती भेजब नकती गोर्च दिवसी 'बोक्सी'"

(a) were send they

(o) समझ बचाने विवय

इस सिक्त के भी वर्धकार असंस्थानी समूद थी है, और एवं हरिंद के सेव राज्या है—जावनते । वर्षि के अनुहार—"देवाकारों में नहीं एक सीर राज्यारक विधान के दिन कारतीय (कुण्यावका) अपनार, अर्थिक और सम्त-नीवना साधार विधान का है, वहीं हमी और अस्त-नामति में जिस का अस्त नार कार्यात है। मार्थ है। में वाहीन कीवन का असरावकार स्थानी दिन गरि में राज्ये अपूत्र निवा है।

> "चन समन्ति परे लंबर और वह नीवन फिसारी साम नामका कुमत है और है हम कुम्हारी !""

सब्दर की है को काची संस्थानों को तथा भी की है। ये पूरानार सर्वकार करने साम को पेप जमाने हैं । वायुरानस्थान "भीते" भी "तिहर के हुए, मेर ने कुछे, पूछानी की कामां, इस तथा में "तिवार का सामार्ग", पीड़ी, "तिह पीड़ी, "ह्यानी की कामां, इस तथा में "तिवार का सामार्ग", पीड़ी, "तिह पीड़ी, "ह्या सामार्ग", पूजान-दशार्वेड की पात्र", पूजानेका जाति। तथा पीड़ा को सामार्ग के हैं, में तथा का समार्गीय की सामार्ग कर तथी है। हिस्से मंत्रीय मेरा कर कार्यों कर के हैं, में स्थान समार्गीय कार्य तथा तथा तथा है।

<sup>1.</sup> pr 8 ms (Sekes) engs, 5+ 13 :

r. He o my freezel stale le-

३. हर वे कर, सन्दर, १० १२ । इ. हर के कर, सन्दर, १० ८५ ।

अञ्चलिक कोड और भूतन सम्पन्निकताओं से साम समामार के कर में निहित्स समाग प्राथम "अन्यवाक" से स्टीकों में अपने साम जिल्लो करते हैं।

साची पोपानी विस्तान, बास्त्रीटक पताचे, पूर्वत प्रतिकार में पातक को प्रति-रिक्तियों से हुई। नुस्तरित कहा गरीन बैकारिक बेक्टा की करक पा वरण वर्षक्राईक के प्राय-पात रेकारिक के बेक्ट में क्षेत्र को बार्डिकरारी प्रतिकारी के करण आहा की स्वित्यक्रित को ब्रोक्ट की उसके पताची का बार्ड के साच्या की का को कार्य

है हिस्से बास्त्र के प्रारं कुम्बानन की लोगा जाते की जा बाता है। विश्व कुमार समूद्र की ओवस विद्यालया की कार्यालय है। विद्यालया क्ष्मित है। विद्यालया की अपनित कार्यालय है। विद्यालया की कार्यालय कार्यालया की की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यालया की कार्यलया की कार्यलया

तरहों है विशित्य है, जिसमें पुत्तन की बीमाता और बच्च-की पार्टरण्या पार्टरण्या को है। ब्राह्मिय को उत्तरहरें की अपना सकते हिक्कीकुत कामें की क्षेत्र हरेंग्यों है। बाद बार्वाच-सारा में बाहिएक की विश्वीविद्य करने की एक गर्वान होंग्योंकी देखान के का में दिक्कीकर प्रदे हैं।

केरपर पूर्व अधिवारिक क्यार्थ है, संश्रीक बहुबर को उलाविक है। इसक रूस अधिवार है उस असे अधिकार को हमारी केरना पर वार्थिक करना उनकी सार्वार विकास है। केरमा पूर्व होता है, बोर्च होती है। यह परिवार है। एक असे 13 प्रार्थ है। केरमा पूर्व होता है। कार स्वार्थ करना है। वर्ष

स्त्र पुत्र । इस्त्र रिश्व प्रस्त्र विकास स्त्रों को साथ स्वर्णका स्त्र रह पूर्व कार्य कार्य है। स्त्रों क्ष्री । इस्त्र रिश्व प्रस्ता विकास स्तरे कोई साथों का साथ स्वर्णका

firfrer-34

ें प्रतान के प्रतान कीर वाहित्य के बारणे में हुआरता का तामका क्या के हैं किया "मुरावर" है। पांच कीर वाहित्य के बारणे में हुआरता का तामका क्या के हैं किया का कर पहुंचा है। पांच दुशावर को जैनकि एक पान्य के बीचे के स्थान है, हो कारता का ताम करने कीरों है। कि बारण करने कीरों है। पोर्ट् को काम्युटिंड कियी विकित्त पहुरेश भाषा समीवन भी तेका किये कही है। यो पूर अभीवन, युप प्रविकास नवना नेता किए हुए भी नह कार्य है।

लीनकार मुख्य संस्थान होता है, जानि अपने हारण्या गांधी 31 गांधा मानकार होता है। अंधीनक अपियों में पीरी मानून में मानकार मानकार होता है। अंधीनक अपियों में पीरी मानून में मानकार में पूर्व परिवार है-कर और सुकार 1, 10, जा में पीर्थमा में मानिक अपने मानकार में मानकार इसकी है। प्रमुख्यों में ने माने की माने मानकार में पूर्व पहिल्ल के माने में स्थान हैना है अपने माने मानकार मानिक मानकार में मानकार है। "पिर्वार" में माने हैं मानकार मानकार मानिक मानकार मानिक मानकार मानिक है। "पिर्वार" में माने स्थान कर मानकार मानिक मानिक मानिक मानिक मानिक मानिकार में माने

करि के साथ में उसी राजीया जा करिएक कामण की पार्टन करना नहीं करों, नहीं केन, पहुरत करकपुष्टि एवं उत्तन कामजिस मेहना उत्तर प्रमुद्ध होती है। समुद्र भी के कर्मों में—

"put up with at feature, waters, lifes wite, similar size à en il yest fest unt b'"

सापुर को क्राहितकार के शास्त्रीत्व शास्त्रित को लोकार नाते हैं। ए स्थापित वैकार को बीश का उन्होंने अनुकर किया है, और वहें सम्बर तथा गीता कर में वाली स्थाप को है। अर्थातकारों किये के पर में सापुर की भी वह तसन राजियोंने विकास को में अर्थीत जाने की साम कोर्य सम्बर्ध कोर्य में माना सा

विभेदन तथा नहीं है। बस्तुवा क्रियों समिता में नहींन सरवारित पेतना नो सम्पोध बरुते से स्वपूर को का मेरानान कर नहीं है, किंदू क्यूंपेंत्र को मानक नैतित प्रत्यक्ष पर है। कुल निवार, नहां विकारणाया के कहाँ । समूत्र को के साम में उन्होंने कामानी स्वपूर्ण है।

बानुत को के काम में अपूर्धि जानको स्थित। पूर्वा माने विद्यार में विश्वास पूर्व कारास्त्र आसात है। माने ने पहली सार मातन पुरस्तृति से विश्वास क्षेत्रक का विकास स्थान के स्थानी अस्त्रको प्रशासने पार्टी सम्पान गरियानेका होती है। सार

के समाज में मिन्दूर जैनालेंग जाएएज भी कीन की जानते निर्देशन है। नहीं अधिवार से देश में मानूर भी की अधिवार मानूर्य मान्योंचे है— अपीर बीडाओं की प्रधान वह पूरण, जिलाई करकारों भी कर अध्यानकारी कर में उत्तर्भ करने कीन में मानूर्य मानूर्य किया है। काले काम ही सिवार भी बैटेंडिकना मानूर्य की मान्यालकारों में देश करने किया है। के सिवार अधी में मीडिक में मानूर्य के किया मानूर्य की मानूर्य किया है। क्षावित आधी में मीडिक में मानूर्य के नहीं मानूर्य की मानूर्य की मानूर्य की मानूर्य की मानूर्य की मानूर्य की मानूर्य की

बीवन में रोवर्ग एक ऐसी पांडि बूंबसा है। विश्वत बीवन को सार्ववटा विवर्ता

के "पुण्डीकर" तथा अपेक स्था है : के पार्ट में तथा एक ऐसे सांक 5. वर्षि सम्बद्ध से सम्बद्धात । meller representation

है : को रंगले निष्मुण होते हैं, पत्तर प्रीवण वर्ण काता है । स्वनूद को भर्तविश्वालों के बारावीण नरने में कार्य विश्वास नहीं करेंगे । पान्ते महिला की होता है पहल भीत कर्मा मीचल के बारावा पत्ते पत्ता की पत्ती पत्तार पत्ता है जाते के हैं कल नहीं केन्द्र । में बुशकोत्ता निर्मा को परितेशांत में बॉलाट नहीं पत्ता है जाता कार्य कार्य करें बारावा की स्वतास कर नहीं, तो की कार्य हान्ये की देवार महोता । यह कार्य कार्य की

स्तुत को प्रणाल के भी करिया का विश्व-विकास प्रणालकारों विका-विकास में अवन् तुत्र को भी करिया को में मान की मान है, मीर कामी काम-पालकारों किया है। तुत्र पान-विकासों को मानिकार करते में बिद्र अपने मोन की मान मीरिका अस्तामी की प्रीवाद में हैं किसी कामाना का प्रणाल कर विकास मानिकार

कर है जो में को भी की संवार है कुकामार्थ परिवर्ध है कहे हैं के से बेद के स्वार्थ के से को संवर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्

सभी ने प्रति कमका गयी नकिया को नेक्स कर वह महिनाई कर है, यह इस देश में मानूर को ने मेरा भी अनुस्ता करने किस है। उनकी हरिट काल-कर के सामार्थण से कानुस्ता कामी भी उनकी पाने हैं, और सामार्थणना नार्क पर के और है साथ पर देते हैं, इस्तो सबसा कीकरा के लेकर है, वाली जानी की महिनाई

ह । इ.सी. ही साम्यालका संस्थालका का भी वर्षित में पूरा-पूरा स्थान पता है। इपूर्वित प्रतिक ताट की साम्या की स्थानकित करने की मैंग्या की है। वाले प्राण अभिन्न अमें अंग्राम्यों की ताम्यालिया है। त्या प्रति ने क्षेत्रस्था कर

नाहर करनावाहाता है, हिस्से अपूर्व है-सुरक्षात्र जब बेटी बहिर सीते से राजरावाह देखील में में मार्गुर मो ने परिवर्त किया है। बहुत कर पिता के पार्ची का विवर्द हो किया है। कार्योपकंता में मार्गुर स्वाद प्रदार कर्मुत के ने से में में मार्गुरण परिवर्त के पार्चन की कार्य-प्राचन करनावाहात्र करने से में में मार्गुरण परिवर्त के पार्चन में मिला है। कार्य प्रदेश करनावाहात्र में मार्गुरण परिवर्त के मार्गुरण परिवर्त के मार्गुरण परिवर्त के मार्गुरण परिवर्त के मार्गुरण

कार्यका भी तिनो है। सम्बद्ध में है पहली बाद कार्यक्रीय बाज्य की हुएका में परम्पत के हुएका ...

बीत को नो अपन्य पर प्रतिकृत किया और तमें जगानों की कड़ियों से स्वकृत से प्रत्य को विराद्यालका की बोट बोत दिया। सम्बद्धांत्रक बोटों से जुलूद को के मेरे प्रतिकृत की अपने हैं कि उनकी विद्यालका में मातुनिक पात और श्रीप्रदेश

्र सामान नात्रमा स्था । सामुण को पाँ विनित्त को बत्तकतो हुई स्पृतिकों और पोरितिप्रियों के सम् स्थान के किए सामा तक कुटे हुए हैं। यह एक्टा के साववारण अपने सामान नेत्र हैं और विना, और वार्यों के यो असीन, को स्थित, पूर्व सामान मुझ्त सार हिस्स से सामीन आपने सामे हुए में दिएएसा सम्बादकार है एक्टा है। जानने साहे असिन् सो नात्रा और विमान का स्वर विचार है तथा कार्यों सीन को अधिनात्र कार्ये स्थित

को जाना जार विकास का तर किया है तथा कारी सीत को प्रतिकार करते श्रीत्वय की वीवायताओं का पानी प्रकार किया है । सानुर की कर विकासकों के विकास की है । विवास की की की की वार किया था।

कपूर जा पर गायावराज शाया थे ते हैं रिस्कृति किया गायावरीय को परित्ती में तीरिक होकर साथ रचना कही जो है। जब स्थाप से आहें और दूरों के स्थापर मानवे के कारणां के साथ काम और निरूप निवास में वर्तनक हारोग निवास है। आहुनिक दिगों करिया जो निषय साथाओं की वर्तनायां होता है है

है। अञ्चरित दिनों परिता के निर्माण सामार्थ के विदेश हैं। अञ्चरित दिनों में अपने को बहुता एक, अनुनेते वर्णने मेंच परावत कायना प्रधानन दिना है। वि दे बहुता को बहुता है। अपने स्वापना प्रधानने के तह हिल्ला है। वि दे बहुता बारांची अर्थानक के बाते हैं। उसते, एकर, एक, एक, पर्वात के प्रदेश के प्रदेश के

बाताची भारताल के बांव है। जबकि, प्राप्त, प्रम्य, पर, प्रम्य, पोर्थाव, वर्ष परीज्यास्वता, रिस्ताप्त कारों की अधिभावित, प्रतिक्रवेल प्रीत्यातिकात चौर वैक्कांक हुए की निराह सैतिका पर जनमें जाविका रीकों हुई है। ऐसे अधिकार के जनी जार सकतो व्यक्तिकार की निरिया बुपार कार्य करें

वृत्र अध्यक्षत्र के क्या और वक्तको व्यक्तिकार भी विरित्ता पुनार अभूर भी करार अपेत दिगो संभान, सक्तवत्र द्वारा वर्ष १४८२-१४८६ से विद् तस्याचित्र विका स्वा था।

## सन्दर्श-राम्य ल —संदूर सत्तर श —स्थल कर रा

(६) जान में लोनरिय द्विपी करि	-पुरिता हा+ केराच सक्तेने,
तिरिशा श्रुकार माजूर	रेन साथ पर्यवस
<ul><li>(०) शरपाष्ट्रणिक दिली-साहित्व</li></ul>	part fiera
(a) काष्ट्रीय काष्ट्रिय को प्रदुर्शियाँ	-to rest feg
(e) बाबुरिक दिल्ही कॉस्टर की	—m+ elm
अनुब्ध अनुस्थिती	
(1+) regite first when it fore	—स+ स्वाय याजीवी
(५९) अञ्चलिक दिल्दो क्रांस्टर को	eso robre
पुत्र प्रशृष्टियाँ	
(49) angiter fpet eilen	—विश्वासर गाम वरास्तर
विद्यान और वर्गमा	
(53) employ (pol) entpor	- श+ संपद
(1y) argive first this was	—दोका प्रशास कोसी
feet alt feet	
(11) काइनिक दिन्दी करिया में	

ताः सुरेश कद क्लिंब

-- १० प्रचीप पहिले

(1) angles efect at nafest

(१) बाब का दिलों सर्वतृत्व

(१६) ज्यापिक हिल्दी वर्षाहरू (१७) ज्यापिक हिल्दी वर्षाहरू (१०) ज्यापिक हिल्दी नाम्य और स्रॉव (१०) ज्यापिक सहिद्यों ना जीवन

(t+) system first wiley

(१) ब्राष्ट्रीय गरिया (४) ब्राष्ट्रीय गरिया Cox t area year others (54) Sefere ware were of allow k ofriger if रेको कारा कर कारा पर -- Perform grant ways n) granning feel water a) sh shr self our -Rifter serv erect

224

entite for fi volta (ex-

had return -6-20 -fefour good ways -- Befrar warr unge

(4) role after sheet at-69370

(11) not affect -tr - ference non -to feepen fee (1) wit when all year protect -Dis ser see (\$5) 88 sfeet -res east matri ----- मा - ममरीब गर

(SA) not when (te) solt atlant at some feare -स्टाह स्ट्राइ स्टेस (44) est when at town -aven gurt (६६) वस कार्कित को प्राप -- वन्द पुतारे सामोशी (प्रदे) रुपी वरिका का परिकेश -transc stance

- सं- सा- प्रशेष स्त्र वर्ष औ सर्थ-कुमार पहाँकी (६४) नहीं कविता रेएसा एवं अवोधन -m. feur fifte

-hite ger

(63) on ere of me (१९) गम दियों काल -R+ Suggert few

(to) with witten as wifeen

to) oil efem efebn unfe un

(so) we live my air feiren

-more wells

(६%) वर्षी करिया के जारिकार -melera est -Rifert was seen -- वा नावित्र रक्षांस delare

- m. Seder Av

-me weers for - m. shaher sales

-n+ ones fresh

-stre traffere est -are feedigns for

-my shappy family

-- Driven over year

-- fefter percent

-m. etrern

scars suggest feet

-m+ treces fee

- AT A STATE SPECE

--- egéx opn

क्ष- एक्सिकोर विश

—हाः योक्सर प्रकार गर्नेसं

-m. observ descri

-m ste

-m- obs

(v.1) salt salter & forg or sporter -- force, duriness some -fabre

-- first fehilt

----at) हती कविता को बनि -Serent street

(a.c.) with actions shown and stations (11) mit reften mare alle frene

(a) नहीं नहींका से अधिकार

(14) gebrege ubr mit allem

money afraba (sa) salment ensure

(\$4) erebe delikasa (६२) जाना क्लबेड और व्हेंब्स

(5x) dolt feater oil market

(te) grende siĝos melver a) who (us) and thurfare

(ut) downers California

(et.) दिली की नहीं शरिका (et.) दिली सर्वता तीन प्रसम

(oo) light it angles stable

ufe han

(us) feel mer vers

(se) Solt receveration

(ma) Sub ellfrerer

(u2) orders shipper (a1) mer ex : umfress od

(4.3) #6r freez (54) STREET WHERE

(44) bit form

(SA) Bith Spray

40400 (vy) fost efter ergies must

(54) ferring wealth

(an) with a form more referen

dry ne

(1) with after it should after another the effects about the selection of the selection of

(1) wit where it are find the control of the contro where - we were to first up to first of environments.

(a) weller find offer it for short - time

White what were not up it , feet on our lawy for

da armi

(४) स्थापन की बादा, की को विद्याली करों, सामग्र विश्वविद्याल, जारण ।

(x) submerty first witers it women out yourse factor

भी मोहर कर्रा १८०१, साराप विश्वविद्याल, सहस्य । (1) results uses at this bedow werey

think treest ant-tall to be feel on weeken fample, aren i

(1) to the sen --- within you expended, next

(1) US+ SE+ 1095 -ezen (vier) nate (b) good for - tien the error show tack

(v) was on free o -Here Series ver, tety

(a) me de fracie —σ ब्रिक्टिक साथ साईन गोपको --- cor mile it for each over smooth

(v) was beense -mix shot (c) प्राथित वंतरो -to pay a fe and any some (a) wary ha - SCOT YET TATE

(to) the Re then -ft dafte tite g fiche, epr

4212

-474, 1411, mil 1414, mt . 1415 -de s

# क्षां-स्त 119 errivers errivers errivers ergit errive errive for errive for errive for errive -de-12 to s WWW 2441 -- gad, 1ets -- gad, 1ets -- gad-gad-1ets, sped-gad-1ets -pell die, men 1461 -section the soften may, dealers first, tett, feminent -first ways, six-ye, ye went.